



(शुरू) अल्लाह के नाम से, जो बड़ा मेहरवान निहायत रहम वाला है

आसान  
कुर्आनिक कोश

آسان لغات القرآن

तिलावत के सिलसिले से

मौलाना अब्दुल करीम पारिख

हिनदी अनुवाद

डाक्टर अब्दुल-अजीज़ अब्दुल-रहीम

डाक्टर मुहम्मद नाहीद सिद्दीकी

मौलाना अब्दुल-गफूर पारिख

उर्दू में पहला एडिशन.....	1952
(उस के बाद से यह किताब 50 बार से ज़्यादा छपी है)	
अंगरेज़ी में पहला एडिशन.....	1996
बेंगाली में पहला भारतीय एडिशन.....	1997
हिन्दी में पहला एडिशन.....	1977
हिन्दी का दूसरा नया एडिशन.....	2000

मिलने के पते

मौलाना अब्दुलकरीम पारिख  
लकड़ गंज, नागपूर 440 008

मकतबा नदवतुल-उलमा  
नदवा, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

## بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

(शुरू) अल्लाह के नाम से, जो बड़ा मेहरवान निहायत रहम वाला है

### विषय - सूची

सूरतों और पारों की सूची .....	v
कुछ दिलचस्प आँकड़ों की सूची .....	vii
प्रस्तावना शेख अबुल-हसन अली नदवी द्वारा .....	viii
लेखक के बारे में .....	xii
भूमिका - लेखक द्वारा .....	xiv
इस किताब को प्रभाव के साथ इस्तेमाल (प्रयोग) करने के तरीके .....	xxi
संक्षेप और संकेत शब्दों की सूची .....	xxii
पहला भाग: क्या मैं जानता हूँ जो मैं रोज़ाना पढ़ता हूँ? .....	1
दूसरा भाग: अरबी व्याकरण .....	13
तीसरा भाग: कुरआनिक कोश .....	43
इस किताब के बाद? .....	244

## सूरतों और पारों की सूची

	सूरे का नाम	سُورَة	Page No.	पारा
1	प्रारम्भ	الْفَاتِحَة	43	1
2	गाय	الْبَقَرَة	44	1-2-3
3	इमरान का परिवा	آلِ عِمْرَانَ	91	3-4
4	ओरतें	النِّسَاء	106	4-5-6
5	खाना लगा हुआ	الْمَائِدَة	117	6-7
6	चौपाया	الْأَنْعَام	125	7-8
7	ऊँचाई	الْأَعْرَاف	134	8-9
8	युध्द में लूटा माल	الْأَنْفَال	143	9-10
9	प्राश्चित	تَوْبَة	147	10-11
10	यूनस	يُونُس	154	11
11	रसूल हूद	هُود	156	11-12
12	यूसुफ़	يُوسُف	160	12-13
13	गरज	الرُّعْد	164	13
14	इब्राहीम	إِبْرَاهِيم	166	13
15	पथरीला भूमिभाग	الْحَجَر	167	13-14
16	मधुमकख़ी	النَّحْل	169	14
17	इसराईल की ओल	بَنِي إِسْرَائِيل	172	15
18	गुफ़ा	الْكَهْف	176	15-16
19	मरयम	مَرْيَم	180	16
20	ता-हा	طه	181	16
21	रसूल	الْأَنْبِيَاء	184	17
22	हज्ज	الْحَجّ	186	17
23	ईमान वाले	الْمُؤْمِنُونَ	189	18
24	प्रकाश	النُّور	190	18
25	सिद्धान्त	الْفُرْقَان	192	18-19
26	कवियाँ	الشُّعْرَاء	194	19
27	चीटीयाँ	النَّمْل	195	19-20
28	बयान करना	الْقَصَص	197	20
29	मकड़ी	الْعَنْكَبُوت	199	20-21
30	रोम	الرُّوم	199	21

	सूरे का नाम	سُورَة	Page No.	पारा
31	लुक़मान	لُقْمَانَ	200	21
32	सज़दा	السُّجْدَة	201	21
33	जत्थे	الْأَحْزَاب	201	21-22
34	सबा	سَبَأ	202	22
35	पैदा करनेवाला	الْفَاطِر	203	22
36	या-सीन	يس	201	22-23
37	पविंत बद्ध	الصَّافَّات	205	23
38	साद्	ص	207	23
39	टोलियाँ, गरोह	الزُّمُر	208	23-24
40	ईमान वाला	مُؤْمِن	209	24
41	हा-मीम सज्दा	حم السُّجْدَة	209	24-25
42	सलाह	الشُّورَى	210	25
43	चमक-दमक	الزُّخُرُف	211	25
44	घुवाँ	الدُّخَان	212	25
45	गिरी हुई	الْحَاجِيَة	212	25
46	रेगिस्तान	الْأَحْقَاف	213	26
47	मुहम्मद	مُحَمَّد	213	26
48	जीत	الْفَتْح	214	26
49	कमरे	الْمَجْرَات	215	26
50	क़ाफ़	ق	215	26
51	बिखेरने वालियाँ	الذَّارِيَات	215	26-27
52	पहाड़	الطُّور	216	27
53	सितारे	النَّجْم	216	27
54	चाँद	الْقَمَر	217	27
55	बेहद मेहरवान	الرُّحْمَان	218	27
56	वाक़े होनेवाली	الْوَاقِعَة	219	27
57	लोहा	الْحَدِيد	221	27
58	प्रार्थना करनेवाल	الْمُحَادَّة	221	28
59	निर्वासन	الْحَشْر	222	28
60	जाँच करनेवाली	الْمُنْتَحِنَة	223	28

	सूरे का नाम	سُورَة	Page No.	पारा
61	सफ़	الصَّفَا	223	28
62	जुमुअह (जुमा)	الْجُمُعَة	223	28
63	मुनाफ़िकीन	الْمُنَافِقُونَ	223	28
64	हार जीत	التَّحَاثُّن	224	28
65	तलाक़	الطَّلَاق	224	28
66	हराम करना	التَّحْرِيم	224	28
67	राज्य	الْمُلْك	225	29
68	कलम	الْقَلَم	225	29
69	निश्चित सत्यता	الْحَقَائِق	225	29
70	ऊपर चढ़ने के मार्ग	الْمَخَارِج	227	29
71	नूह	نُوح	228	29
72	जिन्न	الْجِن	228	29
73	कपड़ा लपेटनेवाल	الْمُرْتَدِل	229	29
74	कपड़ा ओढ़नेवाला	الْمُدَابِر	229	29
75	क़ियामत	الْقِيَامَة	230	29
76	ज़माना	الذَّهْر	231	29
77	भेजी जानेवालियाँ	الْمُرْسَلَات	231	29
78	समाचार	النَّبَأ	232	30
79	ज़ोर से खींचने वालियाँ	التَّارِغَات	232	30
80	त्योरी चढ़ाई	عَسِيْر	233	30
81	लपेटना	التَّكْوِيْر	234	30
82	फट जाना	الْأَفْطَار	234	30
83	नापतोल में कमी करनेवाले	الْمُطَفِّئِيْن	234	30
84	अलग अलग फाड़े जाना	الْبَشِقَات	235	30
85	सितारों के बुर्ज	الْبُرُوج	235	30
86	रात का सितारा	النَّوَارِق	235	30
87	सबसे ऊँचा	الْأَعْلَى	236	30

	सूरे का नाम	سُورَة	Page No.	पारा
88	छा जाने वाली	الْمَغَابِيَة	236	30
89	फ़ज्र, भोर, तड़के	الْفَجْر	236	30
90	शहर	الْبَلَد	237	30
91	सूरज	الشَّمْس	237	30
92	रात	اللَّيْل	238	30
93	दिन का चढ़ना, रौशन हो जाना	ضَحَى	238	30
94	पैलाव	الْمَشْرَاح	238	30
95	अनजीर	الْجِيْن	238	30
96	जमा हुआ खून	الْعَلَق	239	30
97	प्रतिष्ठा, कद्र	قَدْر	239	30
98	खुली हुई निशानीय	الْبَيِّنَة	239	30
99	भौचाल, ज़लज़ल	الزُّلْزَال	239	30
100	दौड़ने वाले घोड़े	الْعَادِيَات	239	30
101	घड़घड़ाहट	الْفَارِغَة	240	30
102	माल की कसरत	التَّكَاثُر	241	30
103	असर, ज़माना	الْمَعْصِر	241	30
104	ऐब लगानेवाले	الْمُهْمِرَة	242	30
105	हाथी	الْفِيل	242	30
106	कुरैश का कबीला	قُرَيْش	243	30
107	थोड़ी सी चीज	الْمَاعُوْن	243	30
108	कसरत, बुहतात	الْكُوْرُور	244	30
109	कुफ़र करनेवाले	الْكَاْفِرُوْن	244	30
110	मदद	النَّصْر	245	30
111	आग की लपट	لَهَب	245	30
112	पवित्रता	الْإِخْلَاص	246	30
113	सुबह	الْفَلَق	247	30
114	लोग	النَّاس	247	30

## कुछ दिलचस्प आँकड़ों की सूची

पारा	جُزء पारे का नाम	पुष्ठ नं.	'नये' शब्द
1	الم	44	896
2	سَقُولُ	70	495
3	تِلْكَ الرُّسُلُ	84	457
4	لَمْ تَتَّالُوا	97	401
5	وَالْمُخْصَنَاتِ	109	252
6	لَا يُحِبُّ اللَّهُ	116	248
7	وَإِذَا سَمِعُوا	124	304
8	وَلَوْ أَنَا	131	248
9	فَقَالَ الْمَلَأُ	138	251
10	وَاعْلَمُوا	144	213
11	يَعْتَلِرُونَ	152	146
12	وَمَا مِنْ دَابَّةٍ	156	224
13	وَمَا أُنزِلُ	162	165
14	رُبَمَا	167	152
15	سُبْحَانَ الَّذِي	172	224

पारा	جُزء पारे का नाम	पुष्ठ नं.	'नये' शब्द
16	فَالِئِنَّ	179	184
17	اقْرَبَ لِلنَّاسِ	184	143
18	فَدَأَلَّخَ	189	116
19	وَ قَالَ الَّذِينَ	192	120
20	أَمَّنْ خَلَقَ	196	82
21	أَنْلُ مَا أَوْحَى	199	66
22	وَمَنْ نَفَقَتْ	202	90
23	وَمَا لِي	204	145
24	فَمَنْ أَظْلَمُ	208	48
25	إِلَيْهِ يَرُدُّ	210	86
26	حَم	213	92
27	فَالِ فَمَا خَطْبِكُمْ	216	176
28	فَدَسَّعَ اللَّهُ	221	93
29	تَبَارَكَ الَّذِي	225	238
30	عَمُّ	232	293

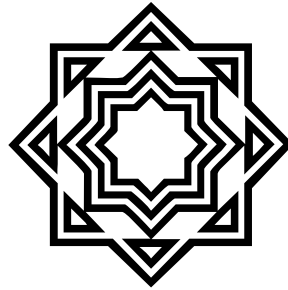
## इन आँकड़ों से एक अहम सबक (प्रभावशाली पाठ)

आप इन आँकड़ों से देख सकते हैं कि हर बाद वाले पारे में नये शब्द कम होते जा रहे हैं ! यह इसके बावजूद है कि बहुत से शब्द पढ़ने वाले की आसानी के लिए दुहराये गये हैं ! सिद्धान्त रूप से, अगर आप गये शब्द निकाल दें तो इस किताब में कुल शब्द 2000 से भी कम हों जायेंगे। अल्लाह तआला ने अपनी ज़बरदस्त किताब इतने कम शब्दों में नाज़िल की (उतारी) है। यह कुर्आन का एक और चमत्कार है। इन आँकड़ों को देख कर आपको यकीन हो गया होगा कि कुर्आन को समझना कितना आसान है, इन्शाल्लाह ! बस दुआ कीजिये और हिम्मतक करके पढ़ते चले जाइए.

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

كِتَابٌ أَنْزَلْنَاهُ إِلَيْكَ مُبَارَكٌ لِيَدَّبَّرُوا  
آيَاتِهِ وَلِيَتَذَكَّرَ أُولُو الْأَلْبَابِ

(यह) किताब, जो हम ने तुम पर नाज़िल की है,  
बरकत वाली है, ताकि लोग इस की आयतों में  
गौर करें और ताकि अक्ल वाले नसीहत पकड़ें ।





**प्रस्तावना - शेख सय्यद अबुल-हसन अली नदवी**  
(यह असल में लुगातुल-कुर्आन उर्दू के लिए लिखा गया था)

الْحَمْدُ لِلَّهِ وَ سَلَامٌ عَلَىٰ عِبَادِهِ الَّذِينَ اصْطَفَىٰ

सभी तारीफ़ (प्रशंसा) और धन्यवाद अल्लाह के लिए है और सलामती हो  
अललाह के चुने हुए बन्दों पर

कुर्आन मजीद आख़री आसमानी किताब और इन्सानियत (मानवता) के नाम अल्लाह का आख़री पैग़ाम (संदेश) है और इस वजह से क़यामत तक के लिए आने वाली इन्सानी (मानवी) नसलों की आख़िरत की सआदत और नजात और दुनिया में भलाई और कामियाबी इसी किताब के आदेशों पर निर्धारित है! दूसरे शब्दों में, इन्सानों की दीनी और दुन्यवी कामयाबी और इन्सानियत की तक़दीर इस महान किताब से वाबिसता व मुन्सलिक है ! मुबारक है वह लोग जिनसे कुर्आने-करीम की कोई ख़िदमत ले ली जाय और इस ख़िदमत को दुनया में भी सबकी स्वीकृति प्राप्त हो जाए और कुर्आन के पढ़ने वाले इससे लाभ पायें और कुर्आन समझने में उन्हें आसानी प्राप्त हो ।

कुर्आन के सेवा करने वालों में एक नाम मुहिब्बी अल्हाज अब्दुल करीम पारिख साहेब का भी है जिनको लोग उनकी लम्बी सेवाओं की वजह से एक इस्लाम के प्रचारक और कुर्आन के उपदेश देने वाले की हैसियत से जानते हैं और इनके भाशणों से लाभ प्राप्त करते हैं । नागपूर शहर में उनके दरसे-कुर्आन ने मुस्लिम युवा और नवीन शिक्षा प्राप्त वर्ग को बहुत प्रभावित किया और उनको धर्म और कुर्आन को समझने और अनुसरण करने का शौक पैदा कर दिया । शेख पारिख साहब अपनी व्यापारिक व्यस्तथा के साथ साथ अब भी यह धर्म की सेवा का काम निभा रहे हैं !



उनकी किताब **लुगातुल-कुर्आन** भी इसी सिलसिले की एक कड़ी है जिसे उन्होंने कुर्आन को साधारण और शिक्षित लोगों तक पहुँचाने और इससे आसानी से लाभ उठाने के लिए लिखा था। इसकी लोकप्रियता का प्रमाण इससे भी होता है कि 15, 20 वर्ष की अवधि में इसकी लगभग एक दर्जन संस्करण बड़ी मात्रा में छप चुके हैं। उन्होंने कुर्आन के उर्दू मुस्तनद (प्रामाणित, विश्वस्त, authentic) तरजुमों को सामने रखकर हर पारे के कठिन शब्दों का अनुवाद संदर्भ के अनुसार कर दिया है।

जहाँ भी आवश्यकता पड़ी है उन्होंने शब्दों की जड़ (क्रिया) को भी लिखा है और अंग्रेज़ी पढ़नेवालों के लिये कहीं कहीं शब्दों के अंग्रेज़ी माने भी दे दिये हैं। इस किताब के शुरु में अरबी व्याकरण के संक्षिप्त नियम भी दिये गये हैं। इस तरह यह किताब कुर्आने-मजीद की कलीद (कुन्जी) और गार्ड-बुक (मार्ग-दर्शक किताब) बन गई है। यहाँ यह सफ़ाई देना आवश्यक है कि मेरी व्यस्तथा के कारण इस किताब पर जिसता-जिसता नज़र ही डालने का मौका मिल सका। अल्लाह तआला लेखक को इसका अच्छा बदला दे और इस किताब का उपयोग और इसकी मकबूलियत में और इज़ाफ़ा फ़रमाये।  
आमीन।

सय्यद अबुल-हसन अली नदवी  
कुलपति, नदवतुल उलमा  
लखनऊ, भारत



## लेखक के बारे में

Being edited.

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

भूमिका- लेखक द्वारा

Being edited.

## इस किताब को प्रभाव के साथ प्रयोग का तरीका

यह किताब उर्दू में पचास से अधिक बार छप चुकी है और अब दूसरी भाषाओं में भी मिल रही है। इस कोश के ज़रिये कई लोग अल्लाह और उसकी किताब के करीब आये। इस कोश के खास लक्षण इस प्रकार हैं :

- कुर्आन के अरबी शब्दों को उस क्रम में रखा गया है जिस क्रम में वह कुर्आन में आते हैं। पढ़ने वालों की आसानी के लिए कुछ बार शब्दों को दोहराया भी गया है। इसी कारण हर शब्द के लिये आप को किसी (alphabetical) कोश में ढूँढने के ज़रूरत नहीं।
- चूँकि आप अरबी ज़बान कुर्आन ही से सीखेंगे इस लिए आप को अरबी और कुर्आन दोनों के सीखने का फायदा (लाभ) मिलेगा। आप जो भी मेहनत करेंगे वह इन्शाअल्लाह एक सवाब का काम होगा।
- आप इस किताब के पढ़ने का असर सीधे अपनी रोज़ाना की नमाज़ों में महसूस करेंगे, इन्शाअल्लाह। यह चीज़ आपको आगे पढ़ने के लिये हिम्मत बढ़ायेगी।
- यह किताब घर, दफ़्तर, या सफ़र के सामान में रखी जा सकती है। जब भी आप को मौक़ा (अवसर) मिले, उन सूरतों के शब्दों को याद करना शुरू कर दीजिए जिनको आपने पहले से पढ़ने का प्लान किया है या फिर जिन्हें आप पहले पढ़ चुके हैं।

पहले भाग (*क्या मैं जानता हूँ जो मैं रोज़ाना पढ़ता हूँ?*) से शुरू कीजिये और पूरे भाग को ध्यान से पढ़िये। दूसरे भाग (*अरबी व्याकरण*) पर कुछ दिन लगाइये क्योंकि बाद में यह आपके लिए बहुत ही लाभ दायक सिद्ध होगा। इसके बाद आप मुख्य भाग यानी कोश को पढ़ने के लिए तैयार हो जायेंगे। सिर्फ़ इन नियमों का पालन करें :

- सूरह क्रम में पढ़ते जाइये याने पहले अल-फातिहह, फिर अल-बकरहं, फिर आले इमरान, ...
- कुर्आने-करीम का जितना भाग आपको आसान लगे (एक रूकू या आधा रूकू या कुछ आयतें) उतने ही भाग के शब्दों के माने याद

कीजिये । पूरी कोशिश कीजिये कि यह काम थोड़ा ही सही मगर रोज़ाना हो ।

→ पहले नये शब्दों के माने याद कीजिये । फिर अनुवाद पढ़िये और उसके बाद आयतों के अरबी शब्दों को उनके अनुवाद से मिलाने की कोशिश कीजिये ।

→ उन आयतों की होसके तो तफ़सीर ज़रूर पढ़िये । तफ़सीर आपको माने याद दिलायेगी और माने आपको तफ़सीर याद दिलायेंगे ।

उदाहरण के तौर पर, अगर आप सूरह फ़ील (हाथी *فِيل*) की

तिलावत कर रहे हों और आप को सिर्फ़ एक शब्द *فِيل* के माने

मालूम हों तब भी अब्रहा की पूरी कहानी आपके दिमाग (मास्तिष्क) में तुरन्त घूम जायेगी । यह उसी वक्त होगा अगर आपने माने याद

करने के साथ तफ़सीर भी पढ़ी हो । एक बार कहानी आपके दिमाग में आजाये तो फिर सूरह के उन शब्दों के माने भी याद आने लगेंगे

जिन्हें आप भूल चुके हों जैसे *طَيْر* , *حِجَارَة* .

## संक्षेप और संकेत शब्दों की सूची (Abbreviations)

<b>sr.</b>	एक वचन	(singular واحد )
<b>dl.</b>	द्वि वचन	(dual تثنیه )
<b>pl.</b>	बहु वचन	(plural جمع )
<b>v.</b>	क्रिया	(verb فعل )
<b>im.</b>	आज्ञाकार	(imperative امر )
<b>ni.</b>	नकारात्मक आज्ञाकार	(negative imperative نهي )
<b>vn.</b>	काम का नाम	(verbal noun مصدر )
<b>mg.</b>	पुल्लिंग	(masculine gender مذکر )
<b>fg.</b>	स्त्री लिंग	(feminine gender مؤنث )
<b>prep.</b>	सम्बन्धसूचक अव्यय	(preposition حرف الجر )
<b>ap.</b>		(active participle اسم فاعل )
	(उदहारण :	मदद करने वाला - ناصيرُ
		सुननेवाला - سامع
		खोलनेवाला - فاتح
<b>pp.</b>		(passive participle اسم مفعول )
	उदहारण :	मदद किया हुआ - منصورٌ
		सुना हुआ - مسموعٌ
		खोला हुआ - مفتوحٌ
<b>pv.</b>		(passive voice مَجْهُول )
	उदहारण :	मदद किया गया - نصيرُ
		सुना गया - سمعَ
		खोला गया- فتحَ
<b>xg.</b>		(exaggeration form مبالغة )
	उदहारण :	खूब माफ़ करनेवाला - غفارٌ
		खूब रिज़क़ देनेवाला - رزاقٌ
°		
-	सुकून या जज़्म का निशान	

- ۞ तश्दीद ( ۞ ) जो ज़ेर ( ۞ ) के साथ हो
- ۞ तश्दीद ( ۞ ) जो जबर ( ۞ ) के साथ हो

### याद रखिये

- शब्दों के अर्थ के सामने का नम्बर उस शब्द नम्बर को बताता है जो एक सा अर्थ रखते हैं जैसे :  
73 कहता है, 88, 92 يَقُولُ  
इस का मतलब यह है कि 88 और 92 नम्बर पर दिये गये शब्दों का मादा भी वही है ( ... ) ।
- शब्द की जड़ (मादा) ब्रेकेट में तीन अरबी के अक्षरो द्वारा दी गयी है जैसे :  
16 हम अ़िबादत करते हैं (ع ب د) نَعْبُدُ



## पहला भाग

# क्या मैं जानता हूँ जो मैं रोज़ाना पढ़ता हूँ ?

इस भाग में आम तौर से तिलावत की जाने वाली सूरतों, नमाज़ में पढ़ी जाने वाली चीज़ों और रोज़ाना की दुआओं का अर्थ दिया गया है। हम इन्हें करीब रोज़ाना पढ़ते हैं और इन्शाअल्लाह जीवन भर पढ़ते रहेंगे। यह अफ़सोस की बात है कि हम में से कुछ लोग थोड़ा सा भी समय इनका अर्थ समझने में नहीं लगाते।

इन बुनियादी हिस्सों के माने याद करने के बहुत से फायदे हैं जिनमें कुछ नीचे दिये गये हैं :

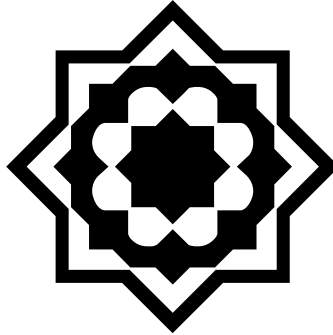
- . एक मुस्लिम, रोज़ाना नमाज़ों में अवस्त तौर पर 150 से 200 अरबी के शब्द और बहुत से वाक्य दोहराता है। इस भाग को याद करके आप यह सब समझ सकेंगे।
- . आप अपनी नमाज़ों में ध्यान और आकर्षण में फ़र्क महसूस करेंगे। नमाज़ों के दौरान आप शैतान का कम असर अनुभव करेंगे।
- . आख़िरकार, आपका जुड़ाओ नमाज़ के दौरान और फिर पूरे जीवन में अल्लाह तालाह से बढ़ेगा
- . यह आप के लिए कुर्आन को समझकर पढ़ने का यह एक अच्छा अवसर प्रदान करेगा। यह आपको अरबी वाक्य, रचना और कुछ व्याकरण से अवगत करायेंगा।





وَلَقَدْ يَسَّرْنَا الْقُرْآنَ لِلذِّكْرِ

और हमने कुर्आन को समझने के लिये  
आसान करदिया है तो कोई है जो  
सोचे समझे (अल-कुर्आन 54:22)





## (1) सूरह अल-फ़ातिहह, आख़री दस सूरतें और आयतुल-कुर्सी

✽	الرَّحِيمِ	مِنَ الشَّيْطَانِ	بِاللَّهِ	أَعُوذُ
	(जो) मर्दूद है	शैतान से	अल्लाह की	मैं पनाह में आता हूँ
✽	الرَّحِيمِ	الرَّحْمَانِ	اللَّهِ	بِسْمِ
	नेहायत रहम करनेवाला (है)	(जो) बेहद मेहरबान	अल्लाह के	(शुरू) साथ नाम
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ				
	الرَّحْمَانِ	رَبِّ الْعَالَمِينَ	لِلَّهِ	الْحَمْدُ
बेहद मेहरबान	पालने वाला तमाम जहानों का ।		वास्ते अल्लाह (के)	सब तारीफ़
أَيَّكَ	الدِّينِ	يَوْمِ	مَالِكِ	الرَّحِيمِ
तेरी ही	इनसाफ़ (का) ।	दिन	मालिक	निहायत रहम करनेवाला ।
الصِّرَاطِ	أَهْدِنَا	نَسْتَعِينُ	وَ أَيْكَ	نَعْبُدُ
रास्ता	बतला हमको	हम मदद चाहते हैं	और तुझ ही से	हम इबादत करते हैं
عَلَيْهِمْ	أَنْعَمْتَ	صِرَاطَ الَّذِينَ	الْمُسْتَقِيمِ	✽
ऊपर उनके,	इनाम किया तूने	रास्ता उन लोगों का	सीधा	
غَيْرِ	الْمَغْضُوبِ عَلَيْهِمْ	وَ لَا	الضَّالِّينَ	✽
भटके हुए (लोगों का) ।	न और	ग़ज़ब किया गया उपर उनके	न (रास्ता) उन लोगों का	
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ				
✽	بِأَصْحَابِ الْفِيلِ	رَبُّكَ فَعَلَ	كَيْفَ	أَلَمْ تَرَ
साथ हाथी वाली के	किया तुम्हारे रब ने	कैसा (मामला)	देखा तूने	क्या नहीं
وَأَرْسَلَ	فِي تَضَلُّلٍ	كَيْدَهُمْ	يَجْعَلُ	أَلَمْ
और भेजे	सुम्राही में?	स्कर (दाँव) उनका	नहीं कर दिया	क्या
بِحِجَارَةٍ	تَرْمِيهِمْ	أَبَابِيلَ	طَيْرًا	عَلَيْهِمْ
पत्थर	फेंकते थे	झुन्ड के झुन्ड ।	परिन्दे	ऊपर उनके
✽	مَّا كُؤِلَ	كَعَصْفٍ	هُمْ	فَجَعَلَ
खाया हुआ ।	जैसे भूसा	उनको	आखिर कर दिया	कँकर के।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ				
ل	اِيْلَافٍ	قُرَيْشٍ	اِيْلَافِهِمْ	رَحَلَةَ
वजह	मानूस करने के	कुरैश को ।	मानूस करना उनको	सफर (से)
الشِّتَاءِ	وَالصَّيْفِ	فَلْيَعْبُدُوا	رَبَّ هَذَا	الْبَيْتِ
सर्दी (के)	और गर्मी (के)	प्स चाहिये कि इबादत करें	उस	घर (के)।
الَّذِي	أَطْعَمَهُمْ	مِّنْ جُوعٍ	وَأَمَّنَهُمْ	مِّنْ خَوْفٍ
जिस ने	खिलाया उनको	भूक में	और अमन बखशा उनको	खौफ से ।
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ				
أ	رَأَيْتَ	الَّذِي	يُكَذِّبُ	بِالَّذِينَ
क्या	देखा तूने	उसको जो	झुटलाता है	इनसाफ के दिन को ?
فَ	ذَلِكَ	الَّذِي	يَدْعُ	الْيَتِيمَ
पस	(यही है) वह	जो	धक्के देता है	यतीम (को)
وَلَا	يَحْضُرُ	عَلَىٰ	طَعَامِ	الْمِسْكِينِ
और नहीं	तरगीब दिलाता	पर (देने)	खाना	मिस्कीन (को)
فَوَيْلٌ	لِّلْمُصَلِّينَ	الَّذِينَ هُمْ	عَنْ صَلَاتِهِمْ سَاهُونَ	
तो खराबी है	(उन) नमाज़ियों के लिए	वह जो	नमाज से अपनी उन (की) गाफ़िल हैं	
الَّذِينَ هُمْ	يُرَاءُونَ	وَيَمْنَعُونَ	الْمَاعُونَ	
वह जो	दिखावा करते हैं	और मना करते हैं (नहीं देते)	आम ज़रूरत की चीज़ ।	
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ				
إِنَّا	أَعْطَيْنَا	كَ	الْكُوفَرَةَ	
बेशक हम	अता किया हमने	तुमको	कौसर (जन्नत की एक नहर)	
فَ	صَلِّ	لِرَبِّكَ	وَ	انْحَرِ
पस	नमाज़ पढ़ो	वास्ते तुम्हारे रब के ।	और	कुरबानी करो ।
إِنَّ	شَانِكَ	هُوَ	الْأَبْتَرُ	
बेशक	दुश्मन तुम्हारा	वही (है)	बेनसल (बे नाम व निशान)	
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ				
قُلْ	يَا أَيُّهَا	الْكَافِرُونَ	لَا أَعْبُدُ	مَا
कहो	ऐ	काफ़िरो!	नहीं मैं इबादत करता	जिस की

تَعْبُدُونَ ❁ وَ لَا أَنْتُمْ عَابِدُونَ مَا أَعْبُدُ ❁				
जिसकी मैं इबादत करता हूँ ।		इबादत करनेवाले		नहीं तुम और तुम इबादत करते हो ।
وَلَا أَنَا	عَابِدٌ	مَا	عَبَدْتُمْ ❁	وَلَا
और न मैं	इबादत करने वाला	जिसकी	तुमने इबादत की ।	और नहीं
أَنْتُمْ عَابِدُونَ مَا أَعْبُدُ ❁				
मैं इबादत करता हूँ		जिस की	इबादत करने वाले	तुम
لَكُمْ دِينُكُمْ وَلِيَ دِينِ ❁				
दीन मेरा ।		और वास्ते मेरे	दीन तुम्हारा	वास्ते तुम्हारे
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ				
إِذَا جَاءَ نَصْرُ اللَّهِ وَالْفَتْحُ ❁ وَرَأَيْتَ النَّاسَ يَدْخُلُونَ				
दाखिल होते	लोगों (को)	और देखो तुम	और फ़तह, मदद अल्लाह की	आ जाए जब
فِي دِينِ اللَّهِ أَفْوَاجًا ❁ فَسَبِّحْ بِحَمْدِ				
साथ तारीफ़ (के)	पस पाकी बयान करो	फ़ौज दर फ़ौज ।	अल्लाह (के)	दीन में
رَبِّكَ وَأَسْتَغْفِرُهُ إِنَّهُ كَانَ تَوَّابًا ❁				
है माफ़ करनेवाला ।	वेशक़ वह	और मग़फ़िरत माँगो उस से।	तुमहारे रब (की)	
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ				
تَبَّتْ يَدَا أَبِي لَهَبٍ وَ تَبَّتْ				
टूट गया वह (आप)	और	अबू लहब के!	दोनों हाँथ	टूट गए
مَا أَغْنَىٰ عَنْهُ مَالُهُ وَ				
और	माल उसका	उसको	काम आया	न
مَا كَسَبَتْ ❁ سَ يَصْلَىٰ نَارًا				
आग	दाखिल होगा	जल्द	(उसने) कमाया	(न) जो
ذَاتَ لَهَبٍ ❁ وَ امْرَأَتُهُ حَمَّالَةَ الْحَطَبِ ❁				
लकड़ियों (को) ।	उठाने वाली (है)	बीवी उसकी	और	भड़कती हुई (में)
فِي حَبْلِهَا مِثْقَلٌ ذَرْبٍ مِنَ الْحَبِّ ❁				
मूँज (खूब बटी हुई) की	रस्सी (होगी)	उसकी गर्दन में		

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ				
قُلْ	هُوَ	اللَّهُ	أَحَدٌ	اللَّهُ
कहो	वह	अल्लाह	एक (है)।	अल्लाह
الصَّمَدُ	لَمْ يَلِدْ	وَلَمْ	يُولَدْ	
वे नयाज़ (है)।	(उसके) ओलाद नहीं	और	न	(वह) किसी की ओलाद (है)।
وَلَمْ يَكُنْ	لَهُ	كُفُوًا	أَحَدٌ	
और	नहीं है	वास्ते उस के	जोड़ (का)	कोई।
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ				
قُلْ	أَعُوذُ	بِرَبِّ	الْفَلَقِ	مِنْ شَرِّ
कहो	मैं पनाह में आता हूँ	रब की	सुबह (के)।	बुराई से
مَا	خَلَقَ	وَمِنْ شَرِّ	غَاسِقٍ	إِذَا
(मख़्लूक की) जो	(उसने) बनाई	और बुराई से	अन्धेरे (की)	जब
وَقَبِّ	وَمِنْ شَرِّ	النَّفَّاثَاتِ	فِي الْعُقَدِ	
(वह) छा जाए	और बुराई से	फूँकने वालियों की	गिरहों में	
وَمِنْ شَرِّ	حَاسِدٍ	إِذَا	حَسَدَ	
और बुराई से	हसद करने वाले की	जब	(वह) हसद करे।	
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ				
قُلْ أَعُوذُ	بِرَبِّ	النَّاسِ	مَلِكِ	النَّاسِ
कहो मैं पनाह में आता हूँ	रब की।	इन्सानों के,	बादशाह	इन्सानों के,
إِلَهِ النَّاسِ	مِنْ شَرِّ	الْوَسْوَاسِ	الْخَنَّاسِ	الَّذِي
के, माबूद इन्सानों के,	बुराई से	वस्वसा डालने वालेक	पीछे हट जानेवाले की	वह जो
يُوسُوسُ	فِي صُدُورِ	النَّاسِ	مِنَ الْجِنَّةِ	وَالنَّاسِ
है वास्वसा डालता	सीनों में	इन्सानों (के),	जिनों में से	और इन्सानों (में से)
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ				
اللَّهُ	لَا إِلَهَ	إِلَّا هُوَ	الْحَيُّ	الْقَيُّومُ
अल्लाह	नहीं कोई माबूद	सिवाय उसके,	ज़िन्दा,	कायम रखने वाला।
لَا تَأْخُذُهُ	سِنَةٌ	وَلَا نَوْمٌ	لَهُ مَا	فِي السَّمَاوَاتِ
उसको	नहीं पकड़ सकती	और न नींद,	उसीका है जो कुछ	आसमानों में

وَمَا	فِي الْأَرْضِ	مَنْ ذَا الَّذِي	يَشْفَعُ	عِنْدَهُ
और जो कुछ	ज़मीन में (है),	कौन है जो	शफ़ाअत कर सके	पास उसके
إِلَّا	بِإِذْنِهِ	يَعْلَمُ مَا	بَيْنَ أَيْدِيهِمْ	وَمَا
मगर	उसकी इज़ाज़त से	वह जानता है जो कुछ	सामने है उनके	और जो कुछ
خَلْفَهُمْ	وَلَا	يُحِيطُونَ	بِشَيْءٍ	مِّنْ عِلْمِهِ
पीछे है उनके,	और नहीं	वह इहाता कर सकते	किसी चीज़ का	उसके इल्म में से
إِلَّا	بِمَا شَاءَ	وَسِعَ	كُرْسِيُّهُ	
मगर	जिस क़दर वह चाहे,	घेरे में ले रखा है	उसकी कुर्सी ने	
السَّمَاوَاتِ	وَالْأَرْضِ	وَلَا	يُؤُودُهُ	حِفْظُهُمَا
आसमानों	और ज़मीन को,	और नहीं	थकाती उसको	हिफ़ाज़त उन दोनों की,
وَهُوَ	الْعَلِيُّ	الْعَظِيمُ		
और वह	सब से बरतर	अज़मत वाला (है)।		

## (2) नमाज़ में पढ़ी जाने वाली चीज़ें

वज़ू के बाद की दुआ				
أَشْهَدُ	لَّا أُنْ	أَلَا	اللَّهُ أَلَا	أَنَّ وَأَشْهَدُ
मैं गवाही देता हूँ	कि नहीं	(कोई) माबूद	सिवाय अल्लाह के	और मैं गवाही देता हूँ
مُحَمَّدًا	عَبْدَهُ	وَرَسُولَهُ	اللَّهُمَّ	اجْعَلْنِي
मुहम्मद ﷺ	उसके बन्दे	और उसके रसूल हैं।	ए अल्लाह	बना मुझको
مِنَ التَّوَابِينَ	وَاجْعَلْنِي	مِنَ الْمُتَطَهِّرِينَ		
खूब तौबा करने वालों में से	और बना मुझको	बहुत पाक रहने वालों में से।		
अज़ान व अक़ामत के कुछ मुशकिल अल्फ़ाज़				
اللَّهُ أَكْبَرُ	حَيَّ	عَلَى الصَّلَاةِ	حَيَّ عَلَى الْفَلَاحِ	
अल्लाह सब से बड़ा है	आओ	नमाज़ की तरफ़	आओ कामयाबी की तरफ़।	
قَد	قَامَتِ الصَّلَاةُ	الصَّلَاةُ خَيْرٌ	مِّنَ النَّوْمِ	لَا حَوْلَ
तहकीक़ (यकीनन)	खड़ी हो गई नमाज़।	नमाज़ बेहतर है	नींद से।	नहीं कोई क़ुदरत

وَلَا قُوَّةَ	إِلَّا بِاللَّهِ	أَقَامَهَا اللَّهُ	وَأَدَامَهَا
और नहीं कोई कुव्वत	सिवाय अल्लाह के।	अल्लाह इसे कायम	और हमेशा रखे।

### अज़ान के बाद की दुआ

اللَّهُمَّ	رَبِّ	هَذِهِ	الدَّعْوَةَ التَّامَّةَ	وَ	الصَّلَاةَ الْقَائِمَةَ
ए अल्लाह	ए रब	इस	तमाम बुलावे के	और	कायम होने वाली नमाज़ के
أَت	مُحَمَّدَانَ	الْوَسِيلَةَ	وَالْفَضِيلَةَ		
अता फ़रमा	मुहम्मद ﷺ को	वसीला	और फ़ज़ीलत,		
وَأَبْعَثُهُ	مَقَامًا مَحْمُودًا	الَّذِي	وَعَدْتَهُ		
और पहुँचा उन्हें	मुक़ामे-महमूद (पर)	जिस का	तूने वायदा किया है उनसे।		

### नमाज़ शुरू करने से पहले की दुआ

أَنِّي	وَجَّهْتُ	وَجْهِي	لِلَّذِي	فَطَرَ
बेशक	मैंने रुख़ कर लिया	मेरे मुँह (का)	उसकी तरफ़	जिसने बनाया
السَّمَاوَاتِ	وَالْأَرْضِ	حَنِيفًا	وَمَا أَنَا	مِنَ الْمُشْرِكِينَ
आसमानों	और ज़मीन (को)	एक उसीका होकर	और नहीं मैं	शिक्र करनेवालों में से

### सना

سُبْحَانَكَ	اللَّهُمَّ	وَبِحَمْدِكَ	وَتَبَارَكَ	اسْمُكَ
पाक है तू	ए अल्लाह	तारीफ़ है तेरे लिए	और बरकत वाला है	तेरा नाम
وَتَعَالَى جَدُّكَ	وَلَا إِلَهَ	غَيْرُكَ		
और बुलन्द व बाला है तेरी बुजुर्गी	और नहीं (कोई) माबूद	सिवा तेरे		

### रुकू की और रुकू से उठने के बाद की तस्बीह

سُبْحَانَ	رَبِّيَ	الْعَظِيمِ	سَمِعَ اللَّهُ	لِمَنْ
पाक है	रब मेरा	बुजुर्ग।	सुन ली अल्लाह ने	उसकी जिसने
حَمِيدَهُ	رَبَّنَا	وَلَكَ	الْحَمْدُ	
तारीफ़ की उसकी।	(ऐ) रब हमारे	वास्ते तेरे	सरी तारीफ़ (है)	

### सज्दे की तस्बीह

سُبْحَانَ	رَبِّيَ	الْأَعْلَى	اللَّهُمَّ	اغْفِرْ لِي
पाक है	रब मेरा	बड़ा अ़लीशान।	ए अल्लाह	वख़श दे मेरे लिए

ذَنبِيْ كُلهٗ	دَقَّهٗ وَ جَلَّهٗ	وَ اَوَّلَهٗ وَ اٰخِرَهٗ	وَ عَلَانِيَتَهٗ وَ سِرَّهٗ
मेरे सारे गुनाह	छोटे और बड़े (गुनाह)	पहले और पिछले (गुनाह)	जाहिर और छुपे (गुनाह)

### दो सज्दों के बीच बैठने के वक़्त की दूआ

اللّٰهُمَّ	اغْفِرْ لِيْ	وَ ارْحَمْنِيْ	وَ اهْدِنِيْ
ए अल्लाह	बख़्श दे मुझे	और रहम फ़रमा मुझपर	और हिदायत दे मुझे
وَ اجْبُرْنِيْ	وَ عَافِنِيْ	وَ ارْزُقْنِيْ	وَ اَرْفَعْنِيْ
और मेरे नुक़सान पूरे करदे	और आफ़ियत दे मुझे	और रिज़क़ दे मुझे	और बलन्द कर मुझे

### तशहहुद

اَلتَّحِيَّاتُ	لِلّٰهِ	وَ الصَّلَوَاتُ	وَ الطَّيِّبَاتُ
सभी ताज़ीमी कल्मे	अल्लाह के लिए (हैं)	और नमाज़ें	और पाकीज़ियाँ (भी),
اَلسَّلَامُ	عَلَيْكَ اَيُّهَا النَّبِيُّ	وَ رَحْمَتُ اللّٰهِ	وَ بَرَكَاتُهُ
सलाम्ती (हो)	तुम पर	ऐ नबी	और बरकतें उसकी,
اَلسَّلَامُ	عَلَيْنَا	وَ	عَلَىٰ عِبَادِ اللّٰهِ
सलामती (हो)	हम पर	और	अल्लाह के बन्दों पर
الصّٰلِحِيْنَ	اَشْهَدُ اَنْ	لَّا اِلٰهَ	اِلَّا اللّٰهُ
(जो) नेक (हैं) ।	मैं गवाही देता हूँ	नहीं (कोई) माबूद	सिवाय अल्लाह के
وَ اَشْهَدُ اَنْ	مُحَمَّدًا	عَبْدُهُ	وَ رَسُوْلُهُ
और मैं गवाही देता हूँ कि	मुहम्मद ﷺ	उसके बन्दे	और उसके रसूल हैं ।

### दुरूद

اللّٰهُمَّ	صَلِّ	عَلَىٰ مُحَمَّدٍ	وَ عَلَىٰ اٰلِ	مُحَمَّدٍ
ए अल्लाह	दरूद (रहमत) भेज	मुहम्मद पर	और ऊपर आल के	मुहम्मद की,
كَمَا صَلَّيْتَ	عَلَىٰ اِبْرٰهِيْمَ	وَ عَلَىٰ اٰلِ	اِبْرٰهِيْمَ	
जैसे रहमत भेजी तूने	इबराहीम पर	और ऊपर आल के	इबराहीम की,	
اِنَّكَ	حَمِيْدٌ	مَّجِيْدٌ		
बेशक तू	तारीफ़ के काबिल,	बुजुरगी वाला है ।		
اللّٰهُمَّ	بَارِكْ	عَلَىٰ مُحَمَّدٍ	وَ عَلَىٰ اٰلِ	مُحَمَّدٍ
ए अल्लाह	बरकत अ़ता फ़रमा	मुहम्मद पर	और ऊपर आल के	मुहम्मद की,



كَمَا بَارَكْتَ	عَلَىٰ اِبْرَاهِيمَ	وَعَلَىٰ آلِ	اِبْرَاهِيمَ
जैसे बरकत अता की तूने	इबराहीम पर	और ऊपर आल के	इबराहीम की,
اِنَّكَ	حَمِيدٌ	مَّجِيدٌ	
बेशक तू	तारीफ़ के काबिल,	बुजुरगी वाला है।	

### दुरूद के बाद की दुआ

اللَّهُمَّ	اِنِّي	اعُوذُ	بِكَ	مِنْ عَذَابِ
ए अल्लाह	बेशक मैं	पनाह लेता हूँ	तेरी	अज़ाब से
جَهَنَّمَ	وَمِنْ عَذَابِ	الْقَبْرِ	وَمِنْ فِتْنَةِ	الْمَحْيَا
जहन्नम के,	और अज़ाब से	कबर के,	और फ़ितने से	जिन्दगी
وَالْمَمَاتِ	وَمِنْ شَرِّ	فِتْنَةِ الْمَسِيحِ	الدَّجَالِ	
और मौत के,	और शर (बुराई) से	मसीह दज्जाल के फ़ितने के।		

### दुरूद के बाद की एक और दुआ

اللَّهُمَّ	اِنِّي	ظَلَمْتُ	نَفْسِي	ظُلْمًا كَثِيرًا
ए अल्लाह	बेशक मैंने	जुल्म किया मैंने	अपने आप (पर)	जुल्म बहुत ज़ियादा,
وَلَا يَغْفِرُ	الذُّنُوبَ	اِلَّا اَنْتَ	فَاغْفِرْ لِي	مَغْفِرَةً
और नहीं बख़श सकता	गुनाहों को	सिवाय तेरे,	पस बख़श दे मुझको	(खास) बख़शिश
مِّنْ عِنْدِكَ	وَارْحَمْنِي	اِنَّكَ اَنْتَ	الْعَفُورُ	الرَّحِيمُ
तेरी तरफ़ से,	और रहम फ़रमा मुझपर,	बेशक तू ही	बख़शने वाला	बेहद रहम वाला है

### सलाम फेरने के बाद की दुआएँ

اَسْتَغْفِرُ اللهَ	اَسْتَغْفِرُ اللهَ	اَسْتَغْفِرُ اللهَ	
मैं बख़शिश (माफी, मग़फ़िरत) चाहता हूँ अल्लाह से (तीन बार पढ़िये)			
اللَّهُمَّ	اَنْتَ السَّلَامُ	وَمِنْكَ	السَّلَامُ
ए अल्लाह	तू सलामती वाला है	और तुझी से	सलामती है,
تَبَارَكْتَ	يَا ذَا الْجَلَالِ	وَالْاِكْرَامِ	
बरकत वाला है तू	ए अज़मत वाले	और करम वाले।	
اللَّهُمَّ	اعِنَّا	عَلَىٰ ذِكْرِكَ	وَشُكْرِكَ
ए अल्लाह	मेरी मदद फ़रमा	तेरी याद (करने) पर,	और तेरा शुक्र (करने) पर

وَحَسُنَ عِبَادَتِكَ		اللَّهُمَّ		لَا مَانِعَ		لِمَا	
और तेरी अच्छी इबादत (करने) पर।		ए अल्लाह		नहीं (कोई) रोकने वाला		जो	
أَعْطَيْتَ		وَلَا		مُعْطِي		لِمَا	
तू दे		और नहीं		(कोई) देने वाला		जिसको	
وَلَا يَنْفَعُ		ذَٰلِجَدُّ		مِنْكَ		الْجَدُّ	
और नहीं फ़ायदा दे सकता		कोई शान वाला		तेरी शान के मुकाबिल			
<b>दुआए-कुनूत</b>							
اللَّهُمَّ		إِنَّا		نَسْتَعِينُكَ		وَنَسْتَغْفِرُكَ	
ए अल्लाह		बेशक हम		मदद चाहते हैं तुझसे		और माफ़ी माँगते हैं तुझसे	
وَكُؤْمِنُ		بِكَ		وَتَتَوَكَّلُ عَلَيْكَ			
और हम ईमान लाते हैं		तुझ पर		और हम भरोसा करते हैं तुझ पर			
وَنُثْنِي عَلَيْكَ		الْخَيْرَ		وَنَشْكُرُكَ			
और हम तारीफ़ करते हैं तेरी		बहतरीन (तारीफ़),		और हम शुक्र अदा करते हैं तेरा,			
وَلَا نَكْفُرُكَ		وَنَخْلَعُ		وَنَتْرُكُ			
और नहीं हम ना-शुक्री करते तेरी,		और हम अलग करते हैं		और हम छोड़ते हैं			
مَنْ يَفْجُرُكَ		اللَّهُمَّ		إِيَّاكَ		نَعْبُدُ	
उसको जो नाफ़रमानी करे तेरी,		ए अल्लाह		सिर्फ़ तेरी		हम इबादत करते हैं	
وَلَكَ		نُصَلِّي		وَنَسْجُدُ		وَإِلَيْكَ	
और तेरे ही लिए		हम नमाज़ पढ़ते हैं		और हम सज्दा करते हैं,		तरफ़ तेरी	
نَسْعَى		وَنَحْفِدُ		وَنَرْجُو			
हम दौड़ते हैं		और हम खिदमत के लिए हाज़िर होते हैं,		और हम उम्मीद रखते हैं			
رَحْمَتِكَ		وَنُحْشَى		عَذَابِكَ			
तेरी रहमत की		और हम डरते हैं		तेरे अज़ाब से			
إِنَّ		عَذَابَكَ		بِالْكَفَّارِ مُلْحِقٌ			
बेशक		अज़ाब तेरा		काफ़िरों को मिलने वाला है।			

दुआए-कुनूत : एक और दूआ		
هَدَيْتَ	فِيْمَنْ	اَللّٰهُمَّ اهْدِنِيْ
तूने हिदायत दी	(और शामिल फ़रमा मुझे) उनमें जिनको	ए अल्लाह हिदायत दे मुझे
عَافَيْتَ	فِيْمَنْ	وَعَافَيْنِيْ
तूने आफियत दी	(और शामिल फ़रमा मुझे) उनमें जिनको	और आफियत दे मुझे
تَوَلَّيْتِ	فِيْمَنْ	وَتَوَلَّيْنِيْ
तूने दोस्त बनाया है,	(और शामिल फ़रमा मुझे) उनमें जिनको	और दोस्त बनाले मुझे
أَعْطَيْتَ	فِيْمَا	وَبَارِكْ لِيْ
तूने दिया है	उसमें जो	और बरकत दे मेरे लिए
اِنَّكَ تَقْضِيْ	مَا قَضَيْتَ	شَرًّا
बेशक तू फैसले करता है	उन फैसलों के जो तूने किये हैं,	शर से
وَلَا يُقْضَىٰ	اِنَّهُ	وَأَمْرًا
ज़लील नहीं हो सकता	बेशक वह	और तेरे खिलाफ़ कोई फैसले नहीं हो सकते,
مَنْ عَادَيْتَ	وَلَا يَعْزُ	مَنْ وَالَيْتَ
वह जिस से तुझे दुश्मनी होजाय,	और नहीं इज़्ज़त पा सकता	जिसका तू वाली बन जाय,
وَتَعَالَيْتَ	رَبَّنَا	تَبَارَكْتَ
और बलन्द है तू।	ए हमारे रब	बरकत वाला है तू

### (3) सुबह व शाम की दुआएँ

सय्यदुल-इस्तिग़फ़ार		
اَلَا اَنْتَ	لَا اِلٰهَ	رَبِّيْ
सिवा तेरे	नहीं (कोई) माबूद	मेरा रब है
عَلَىٰ عَهْدِكَ	وَ اَنَا	وَ اَنَا عَبْدُكَ
तेरे अ़हद पर	और मैं (कायम हूँ)	और मैं बन्दा (हूँ) तेरा
بِكَ	اَعُوْذُ	مَا اسْتَطَعْتُ
तेरी	मैं पनाह में आता हूँ	जितनी ताकत मुझमें (है),
		और वादे पर

مِنْ شَرِّ	مَا	صَنَعْتُ	أَبُوهُ	لَكَ
(हर) बुराई से	जो	मैंने की,	मैं इकरार करता हूँ	तेरे (सामने)
بِنِعْمَتِكَ	عَلَيَّ	وَ	أَبُوهُ	بِدُنْيِي
नेमतों का तेरी	मुझ पर	और	मैं इकरार करता हूँ	अपने गुनाहों का,
فَاعْفِرْ	لِي	فَإِنَّهُ	لَا يَغْفِرُ	الَّذِينَ
इसलिए माफ़ करदे	मुझे	पस बेशक	नहीं माफ़ कर सकता	गुनाहों को
<b>सोने के वक़्त की दुआ</b>				
اللَّهُمَّ	بِاسْمِكَ	أَمُوتُ	وَ أَحْيَا	
ऐ अल्लाह	तेरे नाम से	मैं जिन्दगी खोता हूँ	मैं जिन्दगी हासिल करता हूँ	
<b>सोने के वक़्त की एक और दुआ</b>				
اللَّهُمَّ	قِنِي	عَذَابَكَ	يَوْمَ تُبْعَثُ	عِبَادَكَ
ऐ अल्लाह	बचा मुझे	तेरे अज़ाब से	(जिस) दिन तू हाज़िर करेगा	बनदों को तेरे ।
<b>नींद से जागने पर</b>				
الْحَمْدُ	لِلَّهِ	الَّذِي	أَحْيَانَا	
सब तारीफ़ें और शुक्र	अल्लाह के लिए	जिस ने	जिन्दा किया हमको	
بَعْدَ	مَا آمَاتَنَا	وَ آيَّهِ	النُّشُورُ	
बाद	मौत देनेके हम को,	और तरफ़ उसी के	उठ कर जाना (है) ।	
<b>बैतुल-ख़ला (पाख़ाना, Toilet) में जाते वक़्त की दुआ</b>				
اللَّهُمَّ	أَنْتِي	أَعُوذُ	بِكَ	
ऐ अल्लाह	बेशक मैं	पनाह मैं आता हूँ	तेरी	
مِنَ الْخُبْتِ	وَ	الْخَبَائِثِ		
(मर्द जिन्न) शयातीन से	और	(औरत जिन्न) शयातीन से ।		
<b>बैतुल-ख़ला (पाख़ाना, Toilet) से निकलते वक़्त की दुआ</b>				
غُفْرَانِكَ	الْحَمْدُ	لِلَّهِ	الَّذِي	أَذْهَبَ
तेरी मग़फ़रत (चाहता हूँ),	शुक्र है	अल्लाह का	जिस ने	दूर की
عَنِّي	الْأَذَى	وَ عَافَانِي		
मुझ से	तकलीफ़	और अफ़ियत बख़शी मुझको ।		

नया कपड़ा पहन्ने की दुआ				
وَرَزَقْنِيهِ	كَسَانِي هَذَا	اللَّهُ الَّذِي	الْحَمْدُ	
और दिया मुझे इसे	यह (कपड़ा) पहनाया	अल्लाह के लिए है जिसने	सब तारीफ़	
وَلَا قُوَّةَ		مِنْ غَيْرِ حَوْلٍ مِنِّي		
और न किसी कुव्वत के।		मेरी (किसी) ताक़त के बग़ैर		
खाना शुरू करते वक़्त				
وَأَخِرَهُ	فِي أَوَّلِهِ	بِسْمِ اللَّهِ	अगर शुरू में कहना भूल जाय तो कहे	بِسْمِ اللَّهِ
और उसके आख़िर में	उसके शुरू में	साथ नाम अल्लाह के		
खाना खाने के बाद की दुआ				
وَسَقَانَا	أَطَعَمَنَا	الَّذِي	اللَّهُ	الْحَمْدُ
और पिलाया हमें	खिलाया हमें	जिस ने	अल्लाह का	शुक्र है
مِنَ الْمُسْلِمِينَ		وَجَعَلَنَا		
इस्लाम लाने वालों में से।		और बनाया हमें		
घर से निकते वक़्त की दुआ				
لَا حَوْلَ	عَلَى اللَّهِ	تَوَكَّلْتُ	بِسْمِ اللَّهِ	
नहीं (कोइ) कुदरत	अल्लाह पर,	भरोसा किया मैं ने	साथ नाम अल्लाह के	
أَعُوذُ بِكَ	اللَّهِمَّ إِنِّي	أَلَا بِاللَّهِ	وَلَا قُوَّةَ	
पनाह में आता हूँ तेरी	ए अल्लाह बेशक मैं	सिवा अल्लाह की,	और नहीं (कोइ) ताक़त	
أَوْ أَظْلَمَ	أَوْ أَضَلَّ	أَوْ أَضَلَّ	أَوْ أَظْلَمَ	
या मैं किसी पर जुल्म करूँ	या मुझे गुम्राह किया जाय,	कि मैं गुम्राह हो जाऊँ		
أَوْ يُجْهَلَ عَلَيَّ	أَوْ أَجْهَلَ	أَوْ أَظْلَمَ		
या कोई मुझ पर जहालत करे	या मैं किसी पर जहालत करूँ	या कोई मुझ पर जुल्म करे,		
घर में दाख़िल होते वक़्त की दुआ				
أَسْأَلُكَ	إِنِّي	اللَّهِمَّ		
मैं सवाल करता हूँ तुझसे	बेशक मैं	ऐ अल्लाह		
الْمَخْرَجِ	خَيْرَ	وَالْمَوْلِجِ	خَيْرَ	
बाहर निकलने (का),	अच्छे	और	दाख़िले (का)	अच्छे

بِسْمِ اللَّهِ	وَلَجْنَا	وَبِسْمِ اللَّهِ	خَرَجْنَا
साथ नाम अल्लाह के	हम दाखिल हुए	और साथ नाम अल्लाह के	हम निकले,
وَعَلَى اللَّهِ رَبَّنَا	تَوَكَّلْنَا	हम ने भरोसा किया ।	
और हमारे रब अल्लाह पर			

### मसजिद में दाखिल होने की दुआ

بِسْمِ اللَّهِ	وَالصَّلَاةُ	وَالسَّلَامُ	عَلَى رَسُولِ اللَّهِ
अल्लाह के नाम के साथ,	और सलात	और सलाम (हो)	अल्लाह के रसूल पर,
اللَّهُمَّ افْتَحْ	لِي	أَبْوَابَ	رَحْمَتِكَ
ए अल्लाह खोल दे	मेरे लिए	दरवाज़े	तेरी रहमत के ।

### मसजिद से निकलते वक़्त की दुआ

اللَّهُمَّ	إِنِّي	أَسْأَلُكَ	مِنْ فَضْلِكَ
ए अल्लाह	तहकीक में	सवाल करता हूँ तुझ से	तेरे फ़ज़ल का ।

### गाड़ी (सवारी) पर सवार होने की दुआ

سُبْحَانَ الَّذِي	سَخَّرَ	لَنَا هَذَا	وَمَا كُنَّا
पाक है वह जिस ने	बस में कर दिया	हमारे लिए यह (सवारी)	और न थे हम
لَهُ مُقَرَّنِينَ	وَإِنَّا	إِلَىٰ رَبِّنَا	لَمُنْقَلِبُونَ
उसको काबू में लासकनेवाले	और बेशक हम	तरफ़ हमारे रबके	ज़रूर लौटकर जानेवाले हैं

### बात-चीत, मजलिस (बैठक) ख़तम होने पर या भाशण के आख़िर में

سُبْحَانَكَ	اللَّهُمَّ	وَبِحَمْدِكَ	أَشْهَدُ أَنْ
पाक है तू	ऐ अल्लाह	तारीफ़ है तेरे लिए,	मैं गवाही देता हूँ कि
لَا إِلَهَ إِلَّا أَنْتَ	أَسْتَغْفِرُكَ	وَآتُوبُ	إِلَيْكَ
नहीं (कोई) माबूद सिवा तेरे	मैं माग़फ़रत चाहता हूँ तुझसे	और पलटता हूँ	तरफ़ तेरी

### बात-चीत या भाशण के आख़िर में पढ़ने की एक और दुआ

وَآخِرُ	دَعْوَانَا	أَنَّ	الْحَمْدُ
और आख़री	बात (सदा, पुकार) हमारी	(यही है) कि	तारीफ़ व शुक्र
اللَّهُ	رَبُّ الْعَالَمِينَ	जो सारे जहानों का रब (पालनहार) है ।	
अल्लाह के लिए (है)			

इसतिग़फ़ार			
أَلَا هُوَ	أَلَا لَأ	الَّذِي	أَسْتَغْفِرُ اللَّهَ
सिवाए उस के,	नहीं कोई माबूद	जो (ऐसा है कि)	मैं अल्लाह से बख़्शिश माँगता हूँ
الْحَيُّ	وَأَتُوبُ	الْقَيُّومُ	إِلَيْهِ
उसी की तरफ़।	और मैं लौटता हूँ	(और जो) कायम रखने वाला (है)	(जो) ज़िन्दा (है),
मुसीबत व परेशानी के वक़्त की दुआ			
اللَّهُمَّ	إِنِّي	أَعُوذُ بِكَ	مِنَ الْهَمِّ
ऐ अल्लाह	बेशक मैं	पनाह में आता हूँ तेरी	(परेशानी) फ़िक्र से
وَالْحُزْنَ	وَالْعَجْزَ	وَالْكَسَلَ	وَالْبُخْلَ
और ग़म से	और अज़ाज़ी (बेचारगी)	और सुसती से	और बुख़ल (कनजूसी) से
وَالْجُبْنَ	وَضَلَعَ الدِّينَ	وَعَلَبَةَ الرِّجَالِ	
और बुज़दिली से	और कर्ज़ के बोझ से	और (इस बात से कि) लोग मुझ को दबा कर रखें	
बीमार के पास पढ़ने की दुआ			
أَذْهِبِ	الْبَأْسَ	رَبَّ النَّاسِ	وَأَشْفِ
ऐ अल्लाह दूर फ़रमा	तकलीफ़ को	ऐ इनसानों के रब	और शिफ़ा दे
أَنْتَ الشَّافِي	لَا	شِفَاءَ	أَلَّا
तू शिफ़ा देने वाला है	नहीं	कोई शिफ़ा	सिवाए
شِفَاءُكَ	شِفَاءَ	لَا يُعَادِرُ	سَقَمًا
तेरी दी हुई शिफ़ा के,	ऐसी शिफ़ा कि	ना छोड़े	(कोई) बिमारी।
बीमार के पास पढ़ने की एक और दुआ - सात बार पढ़िये			
أَسْأَلُ	اللَّهِ الْعَظِيمَ	رَبَّ الْعَرْشِ	أَنْ يَشْفِيكَ
मैं सवाल करता हूँ	अज़ीम अल्लाह से	जो अर्श-अज़ीम का रब है	कि वह तुझे शिफ़ा दे
बुरी ख़बर सन्ने पर			
أَيُّهَا	اللَّهُ	وَإِنَّا	إِلَيْهِ
यकीनन हम	अल्लाह ही के हैं	और बेशक हम	उसी कि तरफ़
رَاجِعُونَ	اللَّهُمَّ	أَجْرِنِي	فِي مُصِيبَتِي
लौट कर जाने वाले हैं,	ऐ अल्लाह	मुझे अजर दे	मेरी मुसीबत में

وَ أَخْلَفَ لِي		خَيْرًا مِّنْهَا	
और मुझे अता कर उसके बदले में या उसके बाद में		उस से वैहतर चीज़	
<b>क़बरस्तान को जायें तो</b>			
السَّلَامُ عَلَيْكُمْ	يَا أَهْلَ الْقُبُورِ	يَعْفِرُ اللَّهُ	لَنَا وَ لَكُمْ
सलाम हो तुम पर	ऐ क़बर वालो	अल्लाह बख़्शे	हमको और तुमको
أَنْتُمْ	سَلَفُنَا	وَ نَحْنُ	بِأَثَرِ
तुम (लोग)	हम से पहले चले गये	और हम	बाद में आने वाले हैं।

### जुमा के ख़ुत्बे के शुरू का हिस्सा

انَّ الْحَمْدَ	لِلَّهِ	نَسْتَعِينُهُ،	
बेशक सारी तारीफ़ और शुक्र	अल्लाह के लिये है,	हम उसी से मदद चाहते हैं	
وَنَسْتَغْفِرُهُ،	وَنَعُوذُ بِاللَّهِ		
और उसी से मग़फ़िरत चाहते हैं	और हम पनाह में आते हैं	अल्लाह कि	
مِنْ شُرُورِ	أَنْفُسِنَا	مَنْ يَهْدِيهِ اللَّهُ	فَلَا مُضِلَّ
बुराइयों से	अपने नफ़सों की,	जिस को अल्लाह हिदायत दे	पस नहीं भटकाने वाला
لَهُ	وَمَنْ	يَضِلُّهُ	فَلَا هَادِيَ لَهُ،
उसको (कोई)	और जिसे	वह गुमराह करदे	पस नहीं हिदायत देनेवाला उसको कोई

### बोल चाल के कुछ कलमान

بِسْمِ اللَّهِ	مَا شَاءَ اللَّهُ	الْحَمْدُ لِلَّهِ
अल्लाह के नाम से	जो चाहे अल्लाह	सारी तारीफ़ और शुक्र अल्लाह के लिये है
جَزَاكَ اللَّهُ خَيْرًا	وَجَزَاكَ	وَجَزَاكَ
बदला दे तुम को अल्लाह, अच्छा बदला	इस के जवाब में	और तुम को भी बदला दे
انْ شَاءَ اللَّهُ	بَارَكَ اللَّهُ فِيكَ	فِي أَمَانِ اللَّهِ
अगर अल्लाह ने चाहा	बरकत दे अल्लाह तुम को	अल्लाह कि अमान में
نَعُوذُ بِاللَّهِ	أَسْتَغْفِرُ اللَّهَ	
हम पनाह में आते हैं अल्लाह कि	मैं मग़फ़िरत (बख़ीशश, माफ़ी) चाहता हूँ अल्लाह से	





## दूसरा भाग - बुनियादी अरबी व्याकरण

मैं अपने कुर्आन पढ़ाने के अनुभव के आधार पर यह महसूस करता हूँ कि आदमी के दिमाग में एक अच्छा संग्रह शब्द और उनके अर्थ का होना चाहिये। यह कोई भी भाषा सीखने का कुदरती तरीका है। एक बच्चा अपने माँ-बाप से पहले शब्दों को सीखता है (न कि वयकरण) और फिर जैसे जैसे वह बड़ा होता है दूसरों को देखकर व सुनकर उन शब्दों को मिलाने की कोशिश करता है। इस लिए सीखने की शुरुआत में बहुत थोड़ा जोर व्याकरण पर देना चाहिये।

इस भाग में अरबी व्याकरण के कुछ प्रारम्भिक नियम दिये गये हैं ताकि आप अरबी भाषा की रचना से परिचित हो जायें और आपके दिमाग में कोई भी प्रारम्भिक उलझन न पैदा हो। कुर्आने-करीम के सन्देश को समझने की कोशिश को शुरू करने के लिये यह व्याकरण काफी है।

शब्दों के अर्थ जानने से पहले बहुत अधिक व्याकरण सीखना ऐसा है जैसे किसी ने तैरने के बहुत से तरीके (व्याकरण) सीखे हों बिना पानी में उतरे (शब्द कोश) हुए। इस लिए आप पहले एक अच्छी तादाद में शब्दों के अर्थ (वेचाबुलारय) याद करलें। जो लोग अधिक अरबी भाषा सीखना चाहते हों वे अरबी व्याकरण की दूसरी किताबों से मदद लें। इस भाग में आप नीचे दिये गये पाठ पढ़ेंगे

1.	उद्देश्य और विधेय	16
2.	पुल्लिंग और स्त्रीलिंग	17
3.	विशेषण और उसकी संज्ञा	19
4.	सम्बन्ध कारक	21
5.	प्रश्नात्मक	23
6.	सर्वनाम	23
7.	भूतकाल	26
	7a. कर्तृवाच्य और कर्मवाच्य	29
8.	वर्तमान काल	30
	8a. कर्तृवाच्य और कर्मवाच्य	32
9.	कर्ता, क्रिया, कर्म	33
10.	सम्बन्ध सूचक अव्यय	35
11.	संख्याई एकवचन, विचन, बहुवचन	37
12.	आज्ञाकाल और नकारात्मक	38
13.	क्रिया के विभिन्न प्रकार	43



## 2 पुल्लिंग और स्त्रीलिंग

## مُذَكَّرٌ وَ مُؤَنَّثٌ

*Masculine and Feminine Gender*

यह तमाम अलफ़ज़ जो ऊपर इस्तेमाल हुए हैं مُذَكَّر (पुल्लिंग) थे। अब مُؤَنَّث (स्त्रीलिंग) शब्दों की निशानी याद कर लीजिए। आसान बात यह है कि जिस तरह हम आदमी के लिए جَمِيلٌ और औरत के लिए جَمِيلَةٌ इस्तेमाल करते हैं उसी तरह अरबी में भी कोई लफ़ज़ मुँथ हो तो उसके आखिर में ة लगा दी जाती है, जैसे

رَاشِدٌ	رَاشِدَةٌ	صَالِحٌ	صَالِحَةٌ	ذَكِيٌّ	ذَكِيَّةٌ
خَالِدٌ	خَالِدَةٌ	عَابِدٌ	عَابِدَةٌ	مُؤْمِنٌ	مُؤْمِنَةٌ

ध्यान रहे किसी लफ़ज़ में खुसूसियत पैदा करने के लिए اَل इस्तेमाल किया जाता है, ठीक उसी तरह जिस तरह अंग्रेज़ी में त्हे का इस्तेमाल होता है। जब किसी लफ़ज़ के शुरू में अल اَل हो तो उस शब्द के आखिर में दो पेश की जगह एक पेश लगाया जाएगा। मिसाल के तौर पर इन शब्दों पर गौर कीजिए

حَمْدٌ الْحَمْدُ ، اِنْسَانٌ الْاِنْسَانُ ، رَسُوْلٌ الرَّسُوْلُ

कभी कभी اَل का इस्तेमाल एक आम बात कहने के लिए होता है, जैसे कि الْاِنْسَانُ यानी कोई इन्सान या हर एक इन्सान (त्हे हुमान बेनिग).

पेहला लफ़ज़ यानी مُبْتَدَا अगर مُؤَنَّث है तो उसकी ख़बर भी مُؤَنَّث होगी। मिसाल के तौर पर

اَلْاَبُ صَالِحٌ . اَلْاُمُّ صَالِحَةٌ .

سَبَكُ ن. 2 كَ لِیْ شَبْدُ كُوشِ

गुलाम, बन्दा	عَبْدٌ	मामूँ	خَالَ	mg. सुंदर	جَمِيلٌ
नेक	صَالِحٌ	खाला	خَالَةٌ	fg. सुंदर	جَمِيلَةٌ
mg. छोटा	صَغِيرٌ	सच्चा	صَادِقٌ	बेटा	ابْنٌ
fg. छोटी	صَغِيرَةٌ	भाई	أَخٌ	fg. बेटी	بِنْتُ
mg. बड़ा	كَبِيرٌ	इवादत करनेवामा	عَابِدٌ	mg. बाप	أَبٌ
fg. बड़ी	كَبِيرَةٌ	इवादत करनेवाला	عَابِدَةٌ	fg. माँ	أُمٌ
mg. अकलमंद	ذَكِيٌّ	तारीफ़	حَمْدٌ	बहिन	أُخْتُ

سَبَكُ ن. 2 لِیْ اَبْیَاسِ

प्रेक्टिस के लिए बार बार हिन्दी शब्दों को छुपाते हुए अरबी में और उसके बाद अरबी शब्दों को छुपाते हुए हिन्दी में अनुवाद कीजिए। इन वाक्यों में مُذَكَّرٌ और مُؤَنَّثٌ शब्दों को पहचानने की प्रेक्टिस भी करें।

वह भाई अकलमंद है	الْأَخُ ذَكِيٌّ	वह बेदा सुंदर है	الْبَيْنُ جَمِيلٌ
वह बहिन अकलमंद है	الْأُخْتُ ذَكِيَّةٌ	वह बेदी सुंदर है	الْبِنْتُ جَمِيلَةٌ
वह मामूँ सच्चा है	الْخَالَ صَادِقٌ	वह बाप नेक है	الْأَبُ صَالِحٌ
वह खाला सच्ची है	الْخَالَةُ صَادِقَةٌ	वह माँ नेक है	الْأُمُّ صَالِحَةٌ

## 3 विषेशन और उसकी संज्ञा

## صِفَةٌ و مَوْصُوفٌ

*Adjective & its Noun*

निचे लिखे अल्फ़ाज़ को देखिए

सच्चा मुस्लिम  
छोटी किताब

नेक आदमी  
अमानतदार चचा

बड़ी मस्जिद

यह अल्फ़ाज़ विषेशन **صِفَةٌ** और उसकी संज्ञा **مَوْصُوفٌ** से बने हैं। उन को अरबी में तर्जुमा (अनुवाद) करने के लिए, सिर्फ़ इन शब्दों का क्रम उलटना है और फिर दो पेश दोनों में लगाना है। मिसाल के तौर पर ऊपर के शब्दों को अरबी में ऐसे लिखे जाएंगे।

مَسْجِدٌ كَبِيرٌ .

رَجُلٌ صَالِحٌ .

مُسْلِمٌ صَادِقٌ .

عَمُّ أَمِينٌ .

كِتَابٌ صَغِيرٌ .

यहाँ नियम वैसे ही हैं जैसे **مُبْتَدَأٌ - خَبَرٌ** (उद्देश्य और विधेय) में थे। सिर्फ़ **صِفَةٌ و مَوْصُوفٌ** में

1 शब्दों का क्रम उलटा होगा

2 अगर पहले शब्द में **أَلٌ** लगा हो तो दूसरे में भी **أَلٌ** लगाना होगा.

मिसाल के तौर पर, ऊपर के पाँच पद **أَلٌ** के साथ ऐसे बनेंगे

الْمَسْجِدُ الْكَبِيرُ

الرَّجُلُ الصَّالِحُ

الْمُسْلِمُ الصَّادِقُ

الْعَمُّ الْأَمِينُ

الْكِتَابُ الصَّغِيرُ

और याद रहे, مُبْتَدَأًا - خَبَرٌ (उद्देश्य और विधेय) की तरह, अगर पहला शब्द और दूसरा भी مُؤَكَّد है, तो दूसरा भी مُؤَكَّد होगा। और अगर पहला शब्द बहुवचन है तो दूसरा भी बहुवचन होगा यानी दोनों शब्दों को संख्या और लिंग में एक दूसरे से मिलना चाहिए।

सबक न. 3 के लिए शब्द कोश

mg. छोटा	صَغِيرٌ	fg. बड़ी	كَبِيرَةٌ	बुजुर्गीवाला	مَجِيدٌ
fg. छोटी	صَغِيرَةٌ	रास्ता	صِرَاطٌ	आदमी	رَجُلٌ
mg. बड़ा	كَبِيرٌ	सीधा	مُسْتَقِيمٌ	दोस्त	صَدِيقٌ

सबक न. 3 के लिए अभ्यास

प्रेक्टिस के लिए बार बार हिन्दी शब्दों को छुपाते हुए अरबी में और उसके बाद अरबी शब्दों को छुपाते हुए हिन्दी में अनुवाद कीजिए। इस अभ्यास में सबक न. , , और के काइदे (नियम) शामिल हैं।

वह चचा नेक है	الْعَمُّ صَالِحٌ	वह रास्ता सीधा है	الصِّرَاطُ مُسْتَقِيمٌ
वह नेक चचा	الْعَمُّ الصَّالِحُ	वह सीधा रास्ता	الصِّرَاطُ الْمُسْتَقِيمُ
वह खाला नेक है	الْخَالَةُ صَالِحَةٌ	वह घर बड़ा है	الْبَيْتُ كَبِيرٌ
वह नेक खाला	الْخَالَةُ الصَّالِحَةُ	वह बड़ा घर	الْبَيْتُ الْكَبِيرُ

## 4 सम्बंध कारक (Possessor & Possessed) مُضَافٌ وَإِلَيْهِ

नीचे लिखे शब्दों को देखें ।

क़ुरआन का हुक्म, अल्लाह का रसूल , हूद की क़ौम

इस तरह के अल्फ़ाज़ की अरबी बनाते वक़्त

- अल्फ़ाज़ की तरतीब उलट दीजिए, और
- पहले लफ़्ज़ के आख़िरी हर्फ़ पर पेश और दूसरे लफ़्ज़ के आख़िरी हर्फ़ पर दो ज़ेर लगा दीजिये ।

अल्लाह के बन्दे (ग़ुलाम) عِبَادُ اللَّهِ

अल्लाह का घर بَيْتُ اللَّهِ

हूद की क़ौम قَوْمُ هُودٍ

### ध्यान रखने की बातें

- का, की, के के माने (अर्थ) पैदा करने के लिए अरबी लिखते समय पहले शब्द के आख़िरी हर्फ़ पर पेश और दूसरे लफ़्ज़ के आख़िर में दो ज़ेर लगाये जाते हैं ।
- हमेशा की तरह, अगर दूसरे लफ़्ज़ में اَلْ लगा हो तो उसके आख़िरी हर्फ़ पर दो ज़ेर की जगह एक ज़ेर लगेगा ।
- اَللّٰهُ خَلَقَ में पहले शब्द خَلَقُ को مُضَافٌ और दूसरे शब्द اَللّٰهُ को مُضَافٌ اِلَيْهِ कहते हैं ।

सबक न. 4 के लिए शब्द कोश

नमाज़	الصَّلَاةُ	ज़मीन	أَرْضٌ	खाना	طَعَامٌ
लोग	النَّاسُ	बगावत, सर्कशी	طُغْيَانٌ	माँ बाप	وَالِدَيْنِ
शक	رَيْبٌ	आख़िरत	آخِرَةٌ	तरीका	سُنَّةٌ
कायम करना	أَقَامَهُ	घर	دَارٌ	दिन	يَوْمٌ
अिताअत करना,	أَطَاعَهُ	गुनहगार	أَثِيمٌ	इन्सान	إِنْسَانٌ
कहा मानना					

सबक न. 4 के लिए अभ्यास

प्रेक्टिस के लिए बार बार हिन्दी शब्दों को छुपाते हुए अरबी में और उसके बाद अरबी शब्दों को छुपाते हुए हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

इन्साफ़ का दिन	يَوْمَ الدِّينِ	रसूल की दअवत	دَعْوَةُ رَسُولٍ
माँ बाप की इताअत	أَطَاعَةُ الْوَالِدَيْنِ	अल्लाह का फ़ज़ल	فَضْلُ اللَّهِ
रहमान की याद	ذِكْرُ الرَّحْمَانِ	कुर्आन का हुक्म	حُكْمُ الْقُرْآنِ
अल्लाह की रहमत	رَحْمَةُ اللَّهِ	अल्लाह की मख़्लूक	خَلْقُ اللَّهِ
लोगों की बगावत	طُغْيَانُ النَّاسِ	इन्सान का शक	رَيْبُ الْإِنْسَانِ
अल्लाह की ज़मीखानाखाना	أَرْضُ اللَّهِ	उस रसूल की सुन्नत	سُنَّةُ الرَّسُولِ
आख़िरत का घर	دَارُ الْآخِرَةِ	अल्लाह का किताब	كِتَابُ اللَّهِ
गुनहगार का खाना	طَعَامُ الْإِثْمِ	नमाज़ का कियाम	أَقَامَةُ الصَّلَاةِ



## 5 प्रश्नात्मक (Interrogatives)

## أَدَوَاتُ الْأَسْتِفْهَامِ

कब	مَتَى	कौन	مَنْ
कहाँ	أَيْنَ	क्या	مَاذَا ، مَا
क्यों	لِمَاذَا	mg. जो	أَيُّ
कितने	كَمْ	fg. जो	أَيَّةُ
क्या	هَلْ ، أ	कैसे	كَيْفَ

## 6 सर्वनाम (Pronoun)

## ضَمِيرٌ

## 6a. Demonstrative and Relative Pronouns

Relative Pronouns اسْمُ الْمَوْصُولِ		Demonstrative Pronouns اسْمُ الْإِشَارَةِ		Num -ber	Gender		
वह जो	الَّذِي	वह	ذَلِكَ	यह	هَذَا	sg.	mg.
वे (दोनों) जो	الَّذَانِ	वे दोनों	ذَانِكَ	यह दोनों	هَذَانِ	dl.	
वे (सब) जो	الَّذِي	वे सब	أُولَئِكَ	यह सब	هَؤُلَاءِ	pl.	
वह जो	الَّتِي	वह	تِلْكَ	यह	هَذِهِ	sl.	fg.
वे (दोनों) जो	الَّتَانِ	वे दोनों	تَانِكَ	यह दोनों	هَاتَانِ	dl.	
वे (सब) जो	الَّذِينَ	वे सब	أُولَئِكَ	यह सब	هَؤُلَاءِ	pl.	

## 6b. Personal and Possessive Pronouns

Ex. of Possessive Pronouns		Possessive Pronouns		Personal Pronouns		Number	Gender	Person
उसकी किताब	كِتَابُهُ	उसका	هُ	वह	هُوَ	sg.	mg.	3rd
उन दोनों का घर	بَيْتَهُمَا	उन दोनोंका	هُمَا	वे दोनों	هُمَا	dl.		
उनका ईमान	إِيمَانُهُمْ	उन सबका	هُمْ	वे सब	هُمْ	pl.		
उसकी माँ	أُمُّهَا	उसका	هَا	वह	هِيَ	sl.	fg.	
उन दोनों का घर	بَيْتَهُمَا	उन दोनों का	هُمَا	वे दोनों	هُمَا	dl.		
उनका घर	بَيْتَهُنَّ	उन सबका	هُنَّ	वे सब	هُنَّ	pl.		
तेरी किताब	كِتَابُكَ	तेरा	كَ	तुम	أَنْتَ	sg.	mg.	2nd
तुम दोनों का घर	بَيْتُكُمَا	तुम दोनों का	كُمَا	तुम दोनों	أَنْتُمَا	dl.		
तुमहारा रसूल	رَسُولُكُمْ	तुम सबका	كُم	तुम सब	أَنْتُمْ	pl.		
तेरा घर	بَيْتُكَ	तेरा	كَ	तुम	أَنْتَ	sl.	fg.	
तुम दोनों की किताब	كِتَابُكُمَا	तुम दोनों का	كُمَا	तुम दोनों	أَنْتُمَا	dl.		
तुम सबका घर	بَيْتُكُمْ	तुम सबका	كُنَّ	तुम सब	أَنْتُمْ	pl.		
मेरी किताब	كِتَابِي	मेरा	ي			sl.	mg., fg.	1st
रिज़क़ दिया मुझे	رِزْقِي	मुझे	نِي	मैं	أَنَا			
हमारी किताब	كِتَابُنَا	हमारा	نَا	हम	نَحْنُ	dl., pl.	mg., fg.	

इन सब सर्वनामों को अच्छी तरह याद कर लीजिए। यह कुर्आन में जगह जगह इस्तेमाल हुए हैं।

सबक न. 6 के लिए शब्द कोश

सुन्ना	سَمِعَ	सब	جَمِيعًا	और	وَ
दीन, मिल्लत	مِلَّةٌ	पास, नज़दीक	عِنْدَ	लिए	لَ
अलबत्ता, तहकीक	لَفَدٌ	पालने वाला	رَبٌّ	वदला, अजर	أَجْرٌ
बेशक	إِنَّ	घर वाले	أَهْلٌ	ज़बान	لِسَانٍ
दुकान	دُكَّانٌ	साथी, रफ़ीक	أَصْحَابٌ		

सबक न. 6 के लिए अभ्यास

प्रेक्टिस के लिए बार बार हिन्दी शब्दों को छुपाते हुए अरबी में और उसके बाद अरबी शब्दों को छुपाते हुए हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

वह एक मुस्लिम है هُوَ مُسْلِمٌ तुम एक अ़ालिम हो أَنْتَ عَالِمٌ

मैं एक ईमान वाला हूँ أَنَا مُؤْمِنٌ वह नेक (औरत) है هِيَ صَالِحَةٌ

mg. तुम्हारी ज़बान	لِسَانِكُمْ	लिए उसके	لَهُ
मेरा बेटा	إِبْنِي	मेरी तरफ़	إِلَيَّ
मदद दी मैंने उसको	نَصَرْتُهُ	fg. इन (औरतों) की तरफ़	إِلَيْهِنَّ
mg. pl. तुम्हारा पालनहार	رَبُّكُمْ	हमारे लिए, हमको	لَنَا
तुझ से	مِنْكَ	mg. बेशक तुम सब	أَنْتُمْ
हमारी तरफ़	إِلَيْنَا	बेशक हम	أَنْنَا
mg. इनकी तरफ़	إِلَيْهِمْ	हमारा रसूल	رَسُولُنَا
हमारी क़ौम	قَوْمَنَا	तुम्हारी मिल्लत	مِلَّتِكُمْ

سَمِعْتُمْ ، دُكَّانًا ، بَيْتَنَا ، أَصْحَابِنَا ، مِنْكَ ، لَهُمَا ، أَمَامَكُمْ ، أَهْلِي ،  
وَلَقَدْ نَصَرْتُمْ اللَّهَ ، لَهُمْ أَجْرُهُمْ عِنْدَ رَبِّهِمْ ، خَلَقَ لَكُمْ مَّا فِي الْأَرْضِ جَمِيعًا

ठ भूतकाल (*Past tense*)

## فَعْلُ مَاضِيٍّ

भूतकाल	مَاضِيٍّ	Poss. Prn.	Pers. Prn.	Nr.	Gr.	Prs.
उसने किया	فَعَلَ	هُ	هُوَ	sg.	mg.	3rd
उन दोनों ने किया	فَعَلَا	هُمَا	هُمَا	dl.		
उन सब ने किया	فَعَلُوا	هُمْ	هُمْ	pl.		
उसने किया	فَعَلَتْ	هَا	هِيَ	sl.	fg.	
उन दोनों ने किया	فَعَلَتَا	هُمَا	هُمَا	dl.		
उन सबने किया	فَعَلْنَ	هُنَّ	هُنَّ	pl.		
तू ने किया	فَعَلْتَ	كَ	أَنْتَ	sg.	mg.	2nd
तुम दोनों ने किया	فَعَلْتُمَا	كُمَا	أَنْتُمَا	dl.		
तुम सबने किया	فَعَلْتُمْ	كُم	أَنْتُمْ	pl.		
तू ने किया	فَعَلْتِ	كِ	أَنْتِ	sl.	fg.	
तुम दोनों ने किया	فَعَلْتُمَا	كُمَا	أَنْتُمَا	dl.		
तुम सबने किया	فَعَلْتُنَّ	كُنَّ	أَنْتُنَّ	pl.		
मैंने किया	فَعَلْتُ	ي	أَنَا	sl.	mg., fg.	1st
हमने किया	فَعَلْنَا	نَا	نَحْنُ	dl., pl.	mg., fg.	

mg. : पुल्लिंग

fg. : स्त्रीलिंग

sg. : एक वचन

dl. : द्वि वचन

pl. : बहु वचन

सर्वनाम और भूतकाल का अभ्यास कई बार करें। यह आपको क्रिया (فعل) के समझने में बहुत मदद करेगा। कुर्आन के समझने के लिए इन्हें याद करना और अभ्यास करना भी इबादत है जिसका इन्शाअल्लाह आपको अजर मिलेगा।

सबक न. 7 के लिए शब्द कोश

उसने किया	فَعَلَ	वह गया	ذَهَبَ	उसने पाया	وَجَدَ
उसने लिखा	كَتَبَ	उसने कत्ल किया	قَتَلَ	उसने कुफ़र किया	كَفَرَ
उसने पढ़ा	قَرَأَ	उसने बनाया	جَعَلَ	उसने मिलाया,	وَصَلَ
उसने मदद की	نَصَرَ	उसने खोला	فَتَحَ	जोड़ा	
उसने मारा,	ضَرَبَ	वह अनदर आया	دَخَلَ	उसने बनाया	خَلَقَ
उसने मिसाल दी		उसने पिया	شَرِبَ	उसने भेजा	بَعَثَ
उसने माँगा	طَلَبَ			उसने रिज़क दिया	رَزَقَ

सबक न. 7 के लिए अभ्यास

प्रेक्टिस के लिए बार बार हिन्दी शब्दों को छुपाते हुए अरबी में और उसके बाद अरबी शब्दों को छुपाते हुए हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

mg. dl. उन दोनों ने खोला	فَتَحَا	mg. pl. उन सबने लिखा	كَتَبُوا
mg. pl. तुम सबने किया	فَعَلْتُمْ	तूने मदद की	نَصَرْتَ
mg. pl. उन सबने किया	فَعَلُوا	mg. dl. तुम दोनों ने खोला	فَتَحْتُمَا
mg. pl. तुम दोनों ने किया	فَعَلْتُمْ	mg. pl. तुम ने माँगा	طَلَبْتُمْ
mg. dl. उन दोनों ने किया	فَعَلَا	mg. dl. उन दोनों ने लिखा	كَتَبَا
तू किया	فَعَلْتَ	mg. pl. उन सबने माँगा	طَلَبُوا
उस एक ने (उसने) किया	فَعَلَتْ	तू गया	ذَهَبْتَ
तूने पिया	شَرِبْتَ	mg. dl. उन दोनों ने माँगा	طَلَبْتُمَا

fg. pl. उन सबने किया	فَعَلْنَ	mg. pl. तुम सबने लिखा	كَتَبْتُمْ
mg. pl. तुम सब गये	ذَهَبْتُمْ	fg. dl. उन दोनों ने मारा	ضَرَبَتَا
mg./fg. dl. तुम दोनों ने मदद् की	نَصَرْتُمَا	mg. pl. वे सब गये	ذَهَبُوا
तुम ने माँगा	طَلَبْتَ	fg. उसने मदद् की	نَصَرَتْ
fg. dl. उन दोनों ने मदद की	نَصَرْنَا	mg. dl. उन दोनोंने किया	فَعَلَا
mg. pl. उन्होंने कुफ़र किया	كَفَرُوا	तूने खोला	فَتَحَتْ
mg. dl. तुम दोनो गये	ذَهَبْتُمَا	mg. pl. उन सबने पिया	شَرِبُوا
मैं ने मदद् की	نَصَرْتُ	mg. dl. तुम दोनों ने लिखा	كَتَبْتُمَا
तुम सबने मदद् की	نَصَرْتُمْ	fg. dl. वे दोनों ने माँगा	طَلَبْنَا
तूने लिखा	كَتَبْتَ	मैं दाखिल हुआ	دَخَلْتُ
उसने लिखा	كَتَبَ	mg. pl. तुम सब ने किया	فَعَلْتُمْ
mg. dl. उन्होंने कुफ़र किया	كَفَرَا	mg. pl. उन सबने खोला	فَتَحُوا
mg. pl. तुमने खोला	فَتَحْتُمْ	fg. वह दाखिल हुई	دَخَلَتْ
उसने किया	فَعَلَ	तूने माँगा	طَلَبْتَ
fg. उसने कुफ़र किया	كَفَرَتْ	mg. dl. वे दोनों गये	ذَهَبَا
mg. pl. वे दाखिल हुए	دَخَلُوا	मैं ने पाया	وَجَدْتُ
मैं ने पिया	شَرِبْتُ	mg. pl. उन सबने मारा	ضَرَبُوا
		fg. pl. उन्होंने मदद् की	نَصَرْنَ

आप **ضَرَبَ** के दो माने, मारा और मिसाल दिया, देखकर हैरान होंगे। हर ज़बान में कुछ लफ़्ज़ों के एक से ज़ियादा माने होते हैं जैसे हिन्दी में सोना के दो माने हैं (सोना धात और रात को सोना)।

## 7a कर्तृवाच्य और कर्मवाच्य

## مَجْهُوْلٌ وَّ مَعْرُوفٌ

यह तो आप को मालूम है कि **فَعَلَ** के माने हैं उसने किया, अब अगर इस लफ़्ज़ को **فُعِلَ** पढ़ेंगे तो मतलब होगा वह किया गया। इसे **فعل مَجْهُوْلٌ** (कर्मवाच्य) कहा जाता है।

سَبْكَ ن. 7a كَ لِإِ عِبْيَاسِ

प्रेक्टिस के लिए बार बार हिन्दी शब्दों को छुपाते हुए अरबीमें और उसके बाद अरबी शब्दों को छुपाते हुए हिन्दी में अनुवाद कीजिए। पहले **فعل مَعْرُوفٌ** दिया गया है फिर उसी लाइन में उस शब्द का **فعل مَجْهُوْلٌ** दिया गया है।

mg. pl. तुमने पैदा किया	خَلَقْتُمْ	mg. pl. pv. तुम पैदा किये गये	خُلِقْتُمْ
ऊस एक मर्द ने क़तल किया	قَتَلَ	pv. वह एक मर्द क़तल किया गया	قُتِلَ
मैंने बनाया	جَعَلْتُ	pv. मैं बनाया गया	جُعِلْتُ
mg. pl. उनहोंने माँगा	طَلَبُوا	pv. mg. pl. वह माँगे गये	طُلبُوا
उसने भेजा	بَعَثَ	pv. वह भेजा गया	بُعِثَ
मैंने भेजा	بَعَثْتُ	pv. मैं भेजा गया	بُعِثْتُ
हमने रिज़क़ दिया	رَزَقْنَا	pv. हमें रिज़क़ दिया गया	رُزِقْنَا
mg. pl. उन्होंने रिज़क़ दिया	رَزَقُوا	pv. mg. pl. उन्हें रिज़क़ दिया गया	رُزِقُوا

**ध्यान देने योग्य बातें :** याद रहे कि ज़रा सी ज़ेर, ज़बर, और पेश की तबदीली से पूरे वाक्य का मतलब ही बदल जाता है। एक वाक्य **مَعْرُوفٌ** (कर्तृवाच्य) से **مَجْهُوْلٌ** (कर्मवाच्य) या **مَفْعُولٌ** (कर्म) से **فَاعِلٌ** (कर्ता) में बदल सकता है और कहीं पर ऐसे वाक्यों का कोई मतलब ही नहीं निकलता।

## 8 वर्तमान और भविष्य (Present & Future) काल      فعل مُضَارِعٌ

वर्तमान काल	مُضَارِعٌ	Poss. Prn.	Pers. Prn.	Nr.	Gr.	Prs.
वह करता है	يَفْعَلُ	هُ	هُوَ	sg.	mg.	3rd
वे दो मर्द करते हैं	يَفْعَلَانِ	هُمَا	هُمَا	dl.		
वे सब मर्द करते हैं	يَفْعَلُونَ	هُمْ	هُمْ	pl.		
वह करती है	تَفْعَلُ	هَا	هِيَ	sl.	fg.	
वे दो औरतें करती हैं	تَفْعَلَانِ	هُمَا	هُمَا	dl.		
वे सब औरतें करती हैं	يَفْعَلْنَ	هُنَّ	هُنَّ	pl.		
तू करता है	تَفْعَلُ	كَ	أَنْتَ	sg.	mg.	2nd
तुम दो मर्द करते हो	تَفْعَلَانِ	كُمَا	أَنْتُمَا	dl.		
तुम सब मर्द करते हो	تَفْعَلُونَ	كُم	أَنْتُمْ	pl.		
तू करती है	تَفْعَلِينَ	كَ	أَنْتِ	sl.	fg.	
तुम दो औरतें करती हो	تَفْعَلَانِ	كُمَا	أَنْتُمَا	dl.		
तुम सब औरतें करती है	تَفْعَلْنَ	كُنَّ	أَنْتُنَّ	pl.		
मैं करता हूँ मैं करती हूँ	أَفْعَلُ	ي	أَنَا	sl.	mg., fg.	1st
हम सब करते हैं	نَفْعَلُ	نَا	نَحْنُ	dl., pl.	mg., fg.	

ज़रूरी हिदायात : हकीकत में مضارع एक असम्पूर्ण काल (Imperfect tense) है और यह उस काम की तरफ़ इशारा करता है जो उस वक्त तक पूरा नहीं हुआ।



यह आम तौर पर वर्तमान काल (*Present tense*) की तरफ़ इशारा करता है ।  
 مضارع के आगे **س** या **سَوْفَ** लगायें तो यह भविष्यकाल (*Future tense*) में बदल जाता है ।

सबक न. 8 के लिए अभ्यास

प्रेक्टिस के लिए बार बार हिन्दी शब्दों को छुपाते हुए अरबी में और उसके बाद अरबी शब्दों को छुपाते हुए हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

mg. वह करता है	يَفْعَلُ	fg. pl. तुम सब बनाती हो	تَجْعَلْنَ
dl. वे दोनों मर्द पीते हैं	يَشْرَبَانِ	तू जानता है	تَعْلَمُ
mg. वह जमा करता है	يَجْمَعُ	mg. pl. वे सब मर्द करते हैं	يَفْعَلُونَ
मैं करता हूँ	أَفْعَلُ	mg. dl. तुम दो मर्द पीते हो	تَشْرَبَانِ
mg. pl. वे कुपूर करते हैं	يَكْفُرُونَ	fg. dl. वे दो औरतें पीती हैं	تَشْرَبَانِ
मैं खोलता हूँ	أَفْتَحُ	mg. pl. वे शुक्र करते हैं	يَشْكُرُونَ
mg. pl. हम नहीं सुन्ते	لَا نَسْمَعُ	mg. dl. तुम दो मर्द बनाते हो	تَجْعَلَانِ
mg. तू जमा करता है,	تَجْمَعُ	fg. dl. वे दो औरतें बनाती हैं	تَجْعَلَانِ
fg. वह जमा करती है,	تَجْمَعُ	मैं जानता हूँ	أَعْلَمُ
mg. pl. वे नहीं जानते	لَا يَعْلَمُونَ	mg. pl. वे तिलावत करते हैं	يَتْلُونَ

mg. pl. वे क़र्आन पढ़ते हैं

يَقْرَأُ وَنَ الْقُرْآنَ

वह किताब लिखता है

هُوَ يَكْتُبُ كِتَابًا

नहीं हम इबादत करते सिवाय अल्लाह के

لَا نَعْبُدُ إِلَّا اللَّهَ

और न वे ग़मगीन होंगे

وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ

सुन्ते है अल्लाह का कलाम

يَسْمَعُونَ كَلَامَ اللَّهِ

ईमान रखते है अल्लाह और उसके रसूल पर

يُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَرَسُولِهِ

नहीं मैं इबादत करता जिसकी तुम इबादत करते हो

مَا تَعْبُدُونَ إِلَّا أَعْبُدُ

## 8b. कर्तृवाच्य और कर्मवाच्य

## مَعْرُوفٌ وَ مَجْهُولٌ

जैसा कि आप पहले देख चुके हैं, **فَعَلَ** को कर्मवाच्य बनाने के लिए **فُعِلَ** लिखते हैं। उसी तरह **يَفْعَلُ** को वर्तमान काल में कर्मवाच्य बनाने के लिए **يُفْعَلُ** लिखते हैं। यानी शब्द के पहले हर्फ़ पर पेश और तीसरे हर्फ़ पर ज़बर लगाते हैं। बाकी के हुरूफ़ों के ज़ेर, ज़बर, पेश को नहीं बदला जाता।

नीचे दी गयी मिसालों पर ध्यान दें (पहले **مَعْرُوفٌ** और उसके बाद उसी लाइन में **مَجْهُولٌ** दिया गया है।

वह पीता है	يَشْرَبُ	pv. उसे पिलाया जाता है	يُشْرَبُ
वे सभी मदद करते हैं	يَنْصُرُونَ	pv. pl. उन सभी की मदद की जाती है	يُنْصَرُونَ
तुम सवाल करते हो	تَسْأَلُ	pv. तुझसे सवाल किया जाता है	تُسْأَلُ

سَبْكَ ن. 8a كَ لِإِمْتِحَانِ

प्रेक्टिस के लिए बार बार हिन्दी शब्दों को छुपाते हुए अरबी में और उसके बाद अरबी शब्दों को छुपाते हुए हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

तुम दोनों जानते हो	تَعْلَمَانِ	वे सभी क़त्ल करते हैं	يُقْتُلُونَ
वह खोलता है	يَفْتَحُ	उन सभी औरतों से सवाल किया जाता है	يُسْتَلْنَ
तू समझता है	تَفْهَمُ	वे सभी क़त्ल किए जाते हैं	يُقْتَلُونَ
वे सबाल करते हैं	يَسْأَلُونَ	उन (सभी औरतों) को रिज़क़ दिया जाता है	يُرْزَقْنَ
वे सभी नहीं काटते	لَا يَقْطَعُونَ	तुमसे सबाल किया जायगा	تُسْأَلُونَ
वे सभी नहीं डरते	لَا يَخَافُونَ		
वह खोला जाता है	يُفْتَحُ		

## 9 कर्ता (فَاعِلٌ), क्रिया (فَعْلٌ), और कर्म (مَفْعُولٌ) Subject, verb, and object

अरबी जूमलों में पहले क्रिया (فَعْلٌ), फिर कर्ता (فَاعِلٌ), और उसके बाद कर्म (مَفْعُولٌ) आता है। कर्ता को दो पेश और कर्म को दो ज़बर लगाये जाते हैं। नीचे दी गयी मिसालों को देखें।

हमीद ने कुर्आन पढ़ा।  
इक़बाल ने एक किताब लिखी।

पहले जुमले में पढ़ना فعل और हमीद فَاعِلٌ है इसलिए कि उसने कुर्आन पढ़ने का काम किया है। कुर्आन कर्म (مَفْعُولٌ) है इस लिए कि उस पर पढ़ने का कार्य किया गया है।

यह दोनों जुमले अरबी में इस तरह होंगे: भ

قَرَأَ حَمِيدٌ قُرْآنًا  
كَتَبَ اِقْبَالَ كِتَابًا

सबक न. 9 के लिए शब्द कोश

पढ़ा	قَرَأَ	बनाया	جَعَلَ	पैदा किया	خَلَقَ
लिखा	كَتَبَ	पाड़ा	فَرَقَ	जमा किया	جَمَعَ
धोका दिया	خَدَعَ	पनी	مَاءٌ	माल, असबाब	مَالٌ

سबक न. 9 के लिए अभ्यास

प्रेक्टिस के लिए बार बार हिन्दी शब्दों को छुपाते हुए अरबी में और उसके बाद अरबी शब्दों को छुपाते हुए हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

अल्लाह ने मुहम्मद ﷺ को रसूल बनाया

جَعَلَ اللهُ مُحَمَّدًا رَّسُولًا

तारिक ने पानी पिया

شَرِبَ طَارِقٌ مَاءً

अल्लाह ने लोगों को पैदा किया

خَلَقَ اللهُ النَّاسَ

शैतान ने इन्सान को धोका दिया

خَدَعَ الشَّيْطَانُ الْإِنْسَانَ

अल्लाह ने किताब नाज़िल की

أَنْزَلَ اللهُ كِتَابًا

हमने समुद्र को फ़ाड़ा

فَرَقْنَا الْبَحْرَ

जिसने माल जमा किया

الَّذِي جَمَعَ مَالًا

वही है जिसने पैदा किया तुमको

هُوَ الَّذِي خَلَقَكُمْ

नोट : जब किसी शब्द में ʾأل लगाया जाता है तो उसके आखिर में दो पेश, दो ज़ेर, या दो ज़बर के बजाय एक पेश, एक ज़ेर, या एक ज़बर लगाया जाता है । नेचे की मिसालों में طَارِقُ में दो पेश हैं जब कि الشَّيْطَانُ में एक पेश है क्यों कि الشَّيْطَانُ में ʾأل लग गया है । इसी तरह رَسُولًا में दो ज़बर हैं, जब कि الْبَحْرُ में सर्फ़ एक ज़बर है । यह नियम (काइदा) पहले की तरह इस सबक मे भी याद रखिये ।

## 10 सम्बन्ध सूचक अव्यय (Prepositions)

## حُرُوفُ الْجَرِّ

Prepositions	Examples		
में, बीच	فِي	घर में	فِي بَيْتٍ
से	مِنْ	पढ़ा हमने कुरआन से	قَرَأْنَا مِنَ الْقُرْآنِ
ऊपर, पर	عَلَى	ऊपर पहाड़ के, पहाड़ पर	عَلَى جَبَلٍ
तरह, मानिंद	كَ	मर्द की तरह, मानिंद, जैसा	كَرَجُلٍ
मुतअल्लिक़, बारे में	عَنْ	सुना मैंने मस्जिद में नमाज़ के मुतअल्लिक़ (बारे में)	سَمِعْتُ عَنْ الصَّلَاةِ فِي الْمَسْجِدِ
साथ	بِ	दाखिल हुआ मैं सलामती के साथ	دَخَلْتُ بِسَلَامٍ
लिए	لِ	लिए लोगों के	لِلنَّاسِ
तरफ़	إِلَى	तरफ़ शहर के	إِلَى بَلَدٍ
यहाँ तक कि	حَتَّى	यहाँ तक कि तुलूअ हो फ़जर	حَتَّى مَطْلَعِ الْفَجْرِ
क़सम	وَ	क़सम अल्लाह की	وَاللَّهِ

## इस्तेमाल के नियम

- इन शब्दों का इस्तेमाल जोड़ने (एक शब्द का दूसरे से सम्बन्ध बताने) के तौर पर होता है ।
- जब यह शब्द (حُرُوفُ الْجَرِّ) किसी लफ़्ज़ के पहले आते हैं तो उसके आखिरी हर्फ़ पर दो ज़ेर लगाये जाते हैं । ऊपर की मिसालों को गौर से देखें ।
- जहाँ اَل का इस्तेमाल हो वहाँ सिर्फ़ एक ज़ेर लगेगा ।

سَبَكُ ن. 10 كَ لِیَ شَبْدُ كُوشِ

तारीफ़	حَمْدٌ	फ़ायदा	مَتَاعٌ	उनका, वह सब	هُمٌ
माँ बाप	وَالِدَيْنِ	वक़्त	حِينٌ	फ़र्ज़	فَرِيضَةٌ
अच्छा सुलूक	أَحْسَانًا	हिदायत	هُدًى	मुस्लिम मर्द	مُسْلِمٌ
आँखें	أَبْصَارٌ	देखा	رَأَى	मुस्लिम औरत	مُسْلِمَةٌ
पर्दा	غِشَاوَةٌ	आदमी	رَجُلٌ	तमाम, कुल	كُلٌّ
बयान	بَيَانٌ	तलब करना	طَلَبٌ	ईमान लाया	أَمَنَ
		लोग	النَّاسُ		

سَبَكُ ن. 10 كَ لِیَ اَبْهْيَاسِ

प्रेक्टिस के लिए बार बार हिन्दी शब्दों को छुपाते हुए अरबी में और उसके बाद अरबी शब्दों को छुपाते हुए हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

कुफ़र से इस्लाम  
की तरफ़

घर से मसजिद  
की तरफ़

लिखा मैंने क़लम से

सारी तारीफ़ अल्लाह के लिए  
माँ बापके साथ इहसानाना

और काफ़ि़रों के लिए दर्दनाक अज़ाब है

कुर्आन में हिदायत है लोगों के लिए

मैंने एक आदमी को देखा मस्जिद पर

इल्म का तलब करना फ़र्ज़ है

तमाम मुस्लिम मर्दों और मुस्लिम औरतों पर

आँखों पर उनकी  
परदा

ईमान लाए हम अल्लाह पर  
उतारा हमने हमारे

बन्दे पर

यह बयान है लोगों  
के लिए

सामान एक वक़्त तक

وَلِلْكَافِرِينَ عَذَابٌ أَلِيمٌ

فِي الْقُرْآنِ هِدَايَةٌ لِلنَّاسِ

رَأَيْتُ رَجُلًا فِي الْمَسْجِدِ

طَلَبُ الْعِلْمِ فَرِيضَةٌ عَلَى كُلِّ مُسْلِمٍ وَ مُسْلِمَةٍ

11 संख्या : एक, द्वि और बहुवचन      وَاحِدٌ ، تَثْنِيَّةٌ ، جَمْعٌ  
Singular (sg.), dual (dl.), and plural (pl.)

अरबी ज़बान में एक वचन, द्वि वचन और बहुवचन की एक खास तरतीब भी है जिसको समझना ज़रूरी है। इस के अलावा अरबी में बहु वचन दो तरह के होते हैं, पहला है ठोस बहुवच (جمع سالم) और दूसरा है टूटा हुआ बहुवचन (جمع تكسير)। दोनों प्रकार के बहुवचन तथ्य के आधार पर इस्तेमाल किये जाते हैं। नीचे सिर्फ़ ठोस बहुवचन दिये गये हैं।

इस्तेमाल की शकल (हालत)	pl.	dl.	sl.	Gender
مَرْفُوع पेश की सूरत - कर्ता की हालत में	مُسْلِمُونَ	مُسْلِمَانِ	مُسْلِمٌ	mg.
مَنْصُوب ज़बर की सूरत - कर्म की हालत में	مُسْلِمَاتٍ	مُسْلِمَتَانِ	مُسْلِمَةٌ	fg.
مَجْرُور ज़ेर की सूरत - जब सम्बन्ध सूचक अव्यय किसी संज्ञा के साथ इस्तेमाल हो	مُسْلِمِينَ	مُسْلِمَيْنِ	مُسْلِمٍ	mg.
	مُسْلِمَاتٍ	مُسْلِمَتَيْنِ	مُسْلِمَةٍ	fg.

सबक न. 11 के लिए अभ्यास

नीचे के शब्दों को इस्तेमाल करते हुए ऊपर के देवल को दोहराइए। (पुल्लिंग और स्त्रीलिंग दोनों के लिए)

كَافِرٌ	مُؤْمِنٌ	مُنَافِقٌ	صَابِرٌ	عَالِمٌ
صَالِحٌ	عَابِدٌ	فَاسِقٌ	جَاهِلٌ	ذَاكِرٌ
صَادِقٌ	نَبِيٌّ	نَاصِرٌ	خَالِدٌ	مُجَاهِدٌ
قَاتِلٌ	تَائِبٌ	سَاجِدٌ	حَافِظٌ	

## 12 आज्ञाकाल और नकारत्मक

أمر و نهي

## Imperative and Negative

नकारत्मक	نهي	आज्ञाकाल	أمر	Poss. Prn.	Pers.. Prn.	Nr.	Gr.	Prs.
				هُ	هُوَ	sg.	mg.	3 <sup>rd</sup>
				هُمَا	هُمَا	dl.		
				هُمْ	هُمْ	pl.		
				هَا	هِيَ	sl.	fg.	
				هُمَا	هُمَا	dl.		
				هُنَّ	هُنَّ	pl.		
तू मत कर	لَا تَفْعَلْ	तू कर	افْعَلْ	كَ	أَنْتِ	sg.	mg.	2 <sup>nd</sup>
तुम दोनों मर्द मत करो	لَا تَفْعَلَا	तुम दोनों मर्द करो	افْعَلَا	كُمَا	أَنْتُمَا	dl.		
तुम सब मर्द मत करो	لَا تَفْعَلُوا	तुम सब मर्द करो	افْعَلُوا	كُم	أَنْتُمْ	pl.		
तू मत कर	لَا تَفْعَلِي	तू कर	افْعَلِي	كَ	أَنْتِ	sl.	fg.	
तुम दोनों औरतें मत करो	لَا تَفْعَلَا	तुम दोनों औरतें करो	افْعَلَا	كُمَا	أَنْتُمَا	dl.		
तुम सब औरतें मत करो	لَا تَفْعَلْنَ	तुम सब औरतें करो	افْعَلْنَ	كُنَّ	أَنْتُنَّ	pl.		
				ي	أَنَا	sl.	mg., fg.	1 <sup>st</sup>
				نَا	نَحْنُ	dl., pl.	mg., fg.	



سबक न. 12 के लिए शब्द कोश

अमल करना, काम करना	عَمَلَ	पूछा, सवाल किया	سَأَلَ
जानना	عِلْمٌ	पिया	شَرِبَ
खोलना, कुशादा करना	شَرَحَ	सवार हुआ	رَكَبَ
तफ़रका डाला	فَرَّقَ		
करीब हुआ	قَرَبَ		

सबक न. 12 के लिए अभ्यास

प्रेक्टिस के लिए बार बार हिन्दी शब्दों को छुपाते हुए अरबी में और उसके बाद अरबी शब्दों को छुपाते हुए हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

मि. तू जा	اَذْهَبْ	मि. पल. तुम जान लो	اعْلَمُوا
नॉ. दल. तुम दोनों नज़दीक मत जाओ	لَا تَقْرَبَا	नॉ. तू मत कर	لَا تَفْعَلْ
नॉ. फग. तू मत डर	لَا تَخَافِي	नॉ. तू मत जा	لَا تَذْهَبْ
मि. तू खोलदे मेरे लिए	اِشْرَحْ لِي	नॉ. तू मत बना	لَا تَجْعَلْ
मि. तुम सवार हो जाओ	ارْكَبُوا	नॉ. मग. पल. तूम सब मत तफ़रका करो	لَا تَفَرِّقُوا
मि. पल. तुम सब पियो	اشْرَبُوا	नॉ. तू मत पूछ मुझ से	لَا تَسْأَلْنِي
मि. पल. और तुम सब सुनो	وَأَسْمَعُوا		

बहुत ज़रूरी हिदायत : अब तक **فَعَلَ** के और **ضَمِير** के प्रकार जो आपने पिछले अभ्यासों में सीखे हैं उनको अगले पेज पर टेबल की सूरत में दिया गया है, **प्रेक्टिस के लिये नीचे दिये गये शब्दों का इस्तेमाल करते हुए इस टेबल को बार बार दोहरायें । सिर्फ पढ़ लेना बिलकुल काफी नहीं ।**

عَمَلَ ، عِلْمٌ ، كَفَرَ ، نَفَقَ ، ضَرَبَ ، شَرِبَ ، فَتَحَ ، ذَهَبَ ، قَتَلَ ، جَعَلَ ، كَتَبَ ، دَخَلَ ، طَلَبَ .

## क्रिया फَعَلَ के काल के विभिन्न प्रकार

نَهْي	أَمْر	مُضَارِع	مَاضِي	Poss. Prn.	Pers.. Prn.	Nr.	Gr.	Prsn.
		يَفْعَلُ	فَعَلَ	هُ	هُوَ	sg.	mg.	3rd
		يَفْعَلَانِ	فَعَلَا	هُمَا	هُمَا	dl.		
		يَفْعَلُونَ	فَعَلُوا	هُمْ	هُمْ	pl.		
		تَفْعَلُ	فَعَلْتَ	هَا	هِيَ	sl.	fg.	
		تَفْعَلَانِ	فَعَلْتَا	هُمَا	هُمَا	dl.		
		يَفْعَلْنَ	فَعَلْنَ	هُنَّ	هُنَّ	pl.		
		تَفْعَلُ	فَعَلْتِ	كَ	أَنْتِ	sg.	mg.	2nd
		تَفْعَلَانِ	فَعَلْتُمَا	كُمَا	أَنْتُمَا	dl.		
		تَفْعَلُونَ	فَعَلْتُمْ	كُم	أَنْتُمْ	pl.		
		تَفْعَلِينَ	فَعَلْتِ	كَ	أَنْتِ	sl.	fg.	
		تَفْعَلَانِ	فَعَلْتُمَا	كُمَا	أَنْتُمَا	dl.		
		تَفْعَلْنَ	فَعَلْتُنَّ	كُنَّ	أَنْتُنَّ	pl.		
		أَفْعَلُ	فَعَلْتُ	ي	أَنَا	sl.	mg., fg.	1st
		تَفْعَلُ	فَعَلْنَا	نَا	نَحْنُ	dl., pl.	mg., fg.	

## क्रिया كَانَ के काल के विभिन्न प्रकार

نَهْي	أَمْر	مُضَارِع	مَاضِي	Poss. Prn.	Pers.. Prn.	Nr.	Gr.	Prsn.
		يَكُونُ	كَانَ	هُ	هُوَ	sg.		3rd
		يَكُونَانِ	كَانَا	هُمَا	هُمَا	dl.	mg.	
		يَكُونُونَ	كَانُوا	هُمْ	هُمْ	pl.		
		تَكُونُ	كَانَتْ	هَا	هِيَ	sl.		
		تَكُونَانِ	كَانَتَا	هُمَا	هُمَا	dl.	fg.	
		يَكُنَّ	كُنَّ	هُنَّ	هُنَّ	pl.		
		تَكُونُ	كُنْتَ	كَ	أَنْتَ	sg.		2nd
		تَكُونَانِ	كُنْتُمَا	كُمَا	أَنْتُمَا	dl.	mg.	
		تَكُونُونَ	كُنْتُمْ	كُم	أَنْتُمْ	pl.		
		تَكُونِينَ	كُنْتِ	كَ	أَنْتِ	sl.		
		تَكُونَانِ	كُنْتُمَا	كُمَا	أَنْتُمَا	dl.	fg.	
		تَكُنَّ	كُنْتَنَّ	كُنَّ	أَنْتَنَّ	pl.		
		أَكُونُ	كُنْتُ	ي	أَنَا	sl.	mg., fg.	1st
		نَكُونُ	كُنَّا	نَا	نَحْنُ	dl., pl.	mg., fg.	

क्रिया كَانَ के प्रकार कुर्आने-मजीद में बहुत ज़ियादा बार आये हैं इस लिए इस टेबल को बार बार लिखये, याद कीजिए, और दाहराएये ताकि आपको क्रिया كَانَ के सारे प्रकार की अच्छी तरह पहचान हो जाये ।

## क्रिया قَالَ के काल के विभिन्न प्रकार

نَهْيٌ	أَمْرٌ	مُضَارِعٌ	مَاضِيٌّ	Poss. Prn.	Pers.. Prn.	Nr.	Gr.	Prsn.
		يَقُولُ	قَالَ	هُ	هُوَ	sg.	mg.	3rd
		يَقُولَانِ	قَالَا	هُمَا	هُمَا	dl.		
		يَقُولُونَ	قَالُوا	هُمْ	هُمْ	pl.		
		تَقُولُ	قَالَتْ	هَا	هِيَ	sl.	fg.	
		تَقُولَانِ	قَالَتَا	هُمَا	هُمَا	dl.		
		يَقُلْنَ	قُلْنَ	هُنَّ	هُنَّ	pl.		
		تَقُولُ	قُلْتَ	كَ	أَنْتَ	sg.	mg.	2nd
		تَقُولَانِ	قُلْتُمَا	كُمَا	أَنْتُمَا	dl.		
		تَقُولُونَ	قُلْتُمْ	كُم	أَنْتُمْ	pl.		
		تَقُولِينَ	قُلْتِ	كِ	أَنْتِ	sl.	fg.	
		تَقُولَانِ	قُلْتُمَا	كُمَا	أَنْتُمَا	dl.		
		تَقُلْنَ	قُلْنَ	كُنَّ	أَنْتُنَّ	pl.		
		أَقُولُ	قُلْتُ	ي	أَنَا	sl.	mg., fg.	1st
		نَقُولُ	قُلْنَا	نَا	نَحْنُ	dl., pl.	mg., fg.	

क्रिया قَالَ के प्रकार कुरआने-मजीद में बहुत ज़्यादा बार आये हैं इस लिए इस टेबल को बार बार लिखये, याद कीजिए, और दाहराएये ताकि आपको क्रिया قَالَ के सारे प्रकार की अच्छी तरह पहचान हो जाये ।

## 13 क्रिया فَعَلَ से बनी विभिन्न क्रियायें

Verbal Noun مَصْدَر	Passive Participle اسْمُ الْمَفْعُولِ	Active Participle اسْمُ الْفَاعِلِ	Present / Future tense مُضَارِعٌ	Past tense مَاضِي	
فِعْلٌ	مَفْعُولٌ	فَاعِلٌ	يَفْعَلُ	فَعَلَ	.1
تَفْعِيلٌ	مُفَعَّلٌ	مُفَعِّلٌ	يُفَعِّلُ	فَعَّلَ	.2
مُفَاعَلَةٌ	مُفَاعَلٌ	مُفَاعِلٌ	يُفَاعِلُ	فَاعَلَ	.3
اِفْعَالٌ	مُفَعَّلٌ	مُفَعِّلٌ	يُفَعِّلُ	اَفْعَلَ	.4
تَفَعُّلٌ	مُتَفَعَّلٌ	مُتَفَعِّلٌ	يَتَفَعَّلُ	تَفَعَّلَ	.5
مُتَفَاعَلَةٌ	مُتَفَاعَلٌ	مُتَفَاعِلٌ	يَتَفَاعِلُ	تَفَاعَلَ	.6
اِنْفِعَالٌ	مُنْفَعَّلٌ	مُنْفَعِّلٌ	يُنْفَعِّلُ	اِنْفَعَلَ	.7
اِفْتِعَالٌ	مُفْتَعَّلٌ	مُفْتَعِّلٌ	يُفْتَعِّلُ	اِفْتَعَلَ	.8
اِفْعَالٌ	مُفَعَّلٌ	مُفَعِّلٌ	يَفْعَلُ	اَفْعَلَ	.9
اِسْتِفْعَالٌ	مُسْتَفَعَّلٌ	مُسْتَفَعِّلٌ	يَسْتَفَعِّلُ	اِسْتَفَعَلَ	© NO Q.T. DETRIB. *ALLOWED

नोट : बेहतर यह है कि आप इस टेबल की प्रैक्टिस एक पारे के माने याद करने के बाद करें । विभिन्न क्रियाओं का इस्तेमाल करते हुए इस टेबल को दोहरायें । तब आपको विभिन्न क्रियाओं का मतलब समझने में बहुत आसानी होगी । इस टेबल में दिये गये दस क्रियाओं में से हर एक क्रिया के लिए आप इस से पहले दिये गये टेबल क्रिया फَعَلَ के काल के विभिन्न प्रकार को दोहरा सकते हैं । मिसाल के लिए क्रिया नम्बर 3 यानी فَاعَلَ के विभिन्न प्रकारों को अगले पेज पर दिया गया है ।

एक मिसाल : क्रिया **فَاعَلَ** के काल के विभिन्न प्रकार

مُضارع	مَاضِي	Possessive Pronoun	Personal Pronoun	Nr.	Gr.	Prsn.
يُفَاعِلُ	فَاعَلَ	هُ	هُوَ	sg.	mg.	3rd
يُفَاعِلَانِ	فَاعَلَا	هُمَا	هُمَا	dl.		
يُفَاعِلُونَ	فَاعَلُوا	هُمْ	هُمْ	pl.		
تُفَاعِلُ	فَاعَلَتْ	هَا	هِيَ	sl.	fg.	
تُفَاعِلَانِ	فَاعَلَتَا	هُمَا	هُمَا	dl.		
يُفَاعِلْنَ	فَاعَلْنَ	هُنَّ	هُنَّ	pl.		
تُفَاعِلُ	فَاعَلْتَ	كَ	أَنْتَ	sg.	mg.	2nd
تُفَاعِلَانِ	فَاعَلْتُمَا	كُمَا	أَنْتُمَا	dl.		
تُفَاعِلُونَ	فَاعَلْتُمْ	كُم	أَنْتُمْ	pl.		
تُفَاعِلِينَ	فَاعَلْتِ	كَ	أَنْتِ	sl.	fg.	
تُفَاعِلَانِ	فَاعَلْتُمَا	كُمَا	أَنْتُمَا	dl.		
تُفَاعِلِنَّ	فَاعَلْتِنَّ	كُنَّ	أَنْتِنَّ	pl.		
أُفَاعِلُ	فَاعَلْتُ	ي	أَنَا	sl.	mg., fg.	1st
نُفَاعِلُ	فَاعَلْنَا	نَا	نَحْنُ	dl., pl.	mg., fg.	



तीसरा भाग

## लुगातुल-कुर्आन (कुरानिक कोश)

# لُغَاتُ الْقُرْآن

यहाँ से लुगात शुरू होती है। शुरू करने से पहले इस लुगात में दिये गये रूकु के निशान को समझ लें। कुर्आन में हर रूकु के खत्म होने पर लाईन के किनारे पर अक्षर लिखने हैं

- इस अक्षर ع के ऊपर का नम्बर बताता है कि सूरह के शुरू से अब तक कितने रूकु पूरे हो चुके हैं
- अक्षर ع के नीचे का नम्बर बताता है कि पारे के शुरू से कितने रूकु पूरे हो चुके हैं
- अक्षर ع के पेट में का नम्बर बताता है कि इस रूकु में कितनी आयतें हैं

अगर आप सूरतुल-बकरह (गाय) का 38वे रूकु को ढूँढ रहे हैं तब कुर्आन के किनारों पर

इस निशान  $\begin{matrix} 38 \\ \text{ع} \\ 6 \end{matrix}$  को ढूँढें। यहाँ पर नम्बर 38 बताता है कि यह सूरतुल-बकरह

(गाय) का 38वाँ रूकु है, तीसरे पारे का छेटा रूकु है और इस रूकु में 8 आयतें हैं। इस किताब के हिन्दी संस्करण में निशान इस प्रकार दिया गया है :

रूकु	38	v: 8	6	रकوع
------	----	------	---	------

यह निशान इस लिए दिये गये हैं ताकि आप आसानी से नये शब्द को किसी विशेष रूकु या आयत में ढूँढ सकें।



अल्लाह के नाम से जो निहायत मेहरबान और रहम करने वाला है

سُورَةُ الْفَاتِحَةِ  
इफतेताह  
सूर: 1 अल-फ़ातिहह

- |    |   |                     |
|----|---|---------------------|
| 1  | पनाह माँगना                                     | عَوِذٌ (ع و ذ)      |
| 2  | मैं पनाह माँगता हूँ                             | أَعُوذُ             |
| 3  | prep. साथ                                       | بِ                  |
| 4  | prep. से  | مِنْ                |
| 5  | लड़ना किया गया                                  | رَجِمٌ (ر ج م)      |
| 6  | नाम   | اسْمٌ               |
| 7  | xg. बड़ा मेहरबान,<br>परमकरुणामय                 | الرَّحْمَانُ        |
| 8  | xg. खूब रहम करनेवाला,<br>अनन्त दयामय            | الرَّحِيمٌ (ر ح م)  |
| 8a | वह (वह विशिष्ट),                                | أَلْ                |
| 9  | तारीफ़ हर किस्म की,<br>समस्त प्रशंसा            | الْحَمْدُ (ح م د)   |
| 10 | prep. के लिये                                   | لِ                  |
| 11 | पालनेवाला तमाम<br>जहानों का, सर्वजगत्-प्रतिपालक | رَبِّ الْعَالَمِينَ |
| 12 | मालिक   | مَالِكٌ (م ل ك)     |

- |    |   |                      |
|----|---|----------------------|
| 13 | दिन   | يَوْمٌ               |
| 14 | इन्साफ़, क़ानून,<br>इन्साफ़ का दिन                      | الَّذِينَ            |
| 15 | तेरी ही, तुझको, सिर्फ़ तुझे                             | إِيَّاكَ             |
| 16 | हम अ़िबादत करते हैं                                     | نَعْبُدُ (ع ب د)     |
| 17 | हम मदद (सहायता) चाहते हैं                               | نَسْتَعِينُ          |
| 18 | मदद चाहना   | اسْتَعَانَ (ع و ن)   |
| 19 | im. हिदायत दे   | اهْدِ (ه د ي)        |
| 20 | pl. हमको, हमारा   | نَا                  |
| 21 | रास्ता  | صِرَاطٌ              |
| 22 | सीधा, मज़बूत  | مُسْتَقِيمٌ          |
| 23 | pl. वह लोग,<br>उन लोगों का (जिन पर)                     | الَّذِينَ            |
| 24 | इन्ज़ाम किया तूने,<br>पुरस्कृत किया, धन्य किया          | أَنْعَمْتَ (ن ع م)   |
| 25 | prep. ऊपर उनके  | عَلَيْهِمْ           |
| 26 | सिवा, सिवाय   | غَيْرِ               |
| 27 | ग़ज़ब कियेगये,<br>प्रकोप-भाजन हुए                       | مَعْضُوبٌ (ع ض ب)    |
| 28 | नहीं  | لَا                  |
| 29 | बहके हुए, भटके हुए,<br>पथभ्रष्ट, गुमराह<br>(vn. ضَلَّ ) | الضَّالِّينَ (ض ل ل) |



पार: 1

جزء : الم

سُورَةُ الْبَقَرَةِ

गाय

सूर: 2 अल-बकरह

- 30 यह, वह ذَلِكْ
- 31 नहीं शक, नहीं संदेह لَا رَيْبَ
- 32 *prep.* इसमें, बीच इसके فِيهِ
- 32a राह दिखाती है هُدًى
- 33 परहेज़गार, संयमी, धर्मपरायण مُتَّقِينَ
- 34 ईमान लाते हैं يُؤْمِنُونَ (ا م ن)
- 35 पोशीदः, छुपी हुई, अदृश्य, अगोचर غَيْبٌ
- 36 *prep.* और وَ
- 37 कायम करते हैं, (निर्दिष्ट नियम, समय, के अनुसार ठीक रखते हैं) يُقِيمُونَ
- 37a कायम करना أَقَامَهُ
- 38 नमाज़ الصَّلَاةَ
- 39 *prep.* उस चीज़ से जो कुछ कि مِمَّا (से مِنْ ; जो कुछ)
- 40 रोज़ी, जीविका दी हमने رَزَقْنَا (ر ز ق)
- 41 *pl.* हमने نَا
- 42 *pl.* वह هُمْ

- 43 *pl.* खर्च करते हैं يَنْفِقُونَ (ن ف ق)
- 44 साथ जो कुछ (ب + ما) بِمَا
- 45 उतारा गया, (ن ز ل) أَنْزَلَ  
नाज़िल किया गया
- 46 तरफ़ तेरे إِلَيْكَ
- 47 जो कुछ مَا
- 48 कब्ल तेरे, पहले तुझसे قَبْلِكَ
- 49 आखिरत, अन्तिम न्याय के दिन الْآخِرَةَ
- 50 यकीन रखते हैं (ي ق ن) يُؤْفِقُونَ
- 51 *pl.* यह लोग, यही लोग أُولَئِكَ  
(sr. ذَلِكْ)
- 52 *prep.* ऊपर عَلَى
- 53 हिदायत, पथ-प्रदर्शन هُدًى
- 54 *ap. pl.* फ़लाह (ف ل ح) مُفْلِحُونَ  
पानेवाले, कामियाब होने वाले
- 55 बेशक, यकीनन् اِنَّ
- 56 कुफ़्र किया كَفَرُوا (ك ف ر)
- 57 बराबर سَوَاءٌ
- 58 कि ءَ
- 59 डराये तु أَنْذَرْتَ (ن ذ ر)
- 60 या اَمْ
- 61 नहीं لَمْ

- 62 नहीं ईमान लायेंगे لَا يُؤْمِنُونَ
- 63 मुहर लगा दी Sealed خَتَمَ
- 64 दिलों قُلُوبٌ
- (sr. दिलُ قَلْبٌ )
- 65 उनके कान, श्रवणशक्ति سَمْعِهِمْ
- 66 pl. बसीरत, आँखें, अर्न्तदृष्टि أَبْصَارٌ
- 67 पर्दा غِشَاوَةٌ
- 68 और लिए उनके وَ لَهُمْ
- 69 अज़ाब, दण्ड عَذَابٌ
- 70 बड़ा, महान् عَظِيمٌ
- |       |   |      |   |       |
|-------|---|------|---|-------|
| रुकूः | 1 | v: 7 | 1 | रुकوع |
|-------|---|------|---|-------|
- 71 लोग النَّاسُ
- 72 जो शख्स, बाज़शख्स مَنْ
- 73 कहता है, 88, 92 يَقُولُ
- 579, 602, 616 (vn. कहा, कहना: قَوْلٌ)
- 74 ईमान लाये हम, 34, 62 آمَنَّا
- 75 नहीं वह مَا هُمْ
- 76 धोका देते يُخَادِعُونَ (ख द ए)
- 77 मगर أَلَّا
- 78 नफ़स उनके, जानें उनकी أَنْفُسَهُمْ (न फ स)
- 79 नहीं शुअूर रखते, नहीं समझते مَا يَشْعُرُونَ
- 80 मरज़, रोग مَرَضٌ
- 81 पस فَ
- 82 ज़ियादा किया زَادَ
- 83 दर्दनाक, दुखद أَلِيمٌ
- 84 साथ जो कुछ بِمَا
- 85 थे (था: كَانَ) كَانُوا
- 86 झूट बोलते يَكْذِبُونَ (क ड ब)
- 87 जब إِذَا
- 88 pv. कहा जाता है, قيلَ
- कहा गया, 73, 92, 579, 602, 616
- 89 लिये उनके لَهُمْ
- 90 ni. pl. मत لَا تُفْسِدُوا (फ स ड)
- फ़साद करो
- 91 बीच ज़मीन के, فِي الْأَرْضِ
- धरती पर
- 92 कहा उन्होंने, 73, قَالُوا (फ ड ल)
- 88, 92, 579, 602, 616
- 93 सिर्फ़, दरहकीकत أَمَّا
- 94 हम نَحْنُ
- 95 ap. इस्लाह (सुधार) (ص ل ح) مُصْلِحُونَ
- करनेवाले
- 96 याद रखो, ख़बरदार, खूब समझ लो أَلَّا
- 97 ap. फ़साद करनेवाले (फ स ड) مُفْسِدُونَ
- 98 लेकिन لَكِن

99	<i>im. pl.</i> ईमान लाओ 34, 62, 74, 104, 580	الْمُنُورَا	117	<i>ap.</i> हिदायतवाले	مُهْتَدِينَ
100	जैसे कि, जिस तरह	كَمَا	118	मिसाल, दृष्टान्त	مَثَلٌ
101	क्या	أَ	119	जैसाकि	كَ
102	<i>pl.</i> बेवकूफ़	سُفَهَاءٌ	120	<i>relative pronoun</i> वह शख्स जो	الَّذِي
103	मुलाकात की, 372	لِقَاوًا (ل ق ي)	121	जलाई, सिल्गाई, (و ق د) रौशन की	اسْتَوْقَدَ
104	ईमान लाये हम 34, 62, 74, 99, 104, 580	أَمَّنَا	122	आग	نَارٌ
105	तन्हाई में हुए, एकान्त में (خ ل و)	خَلَوْا	123	पस जब	فَلَمَّا
106	शैतान सिफ़त सरदार	شَيْاطِينٍ	124	रौशन हुई (ض و ء)	أَضَاءَتْ
107	<i>ap.</i> हँसी करने वाले, (ه ز ء), ठट्टा करने वाले	مُسْتَهْزِئُونَ	125	इसके अतराफ (ईर्द गिर्द)	حَوْلَهُ
108	मुद्दत देता है, बढ़ाता/खींचता है	يَمُدُّ	126	ले गया, छीन लिया	ذَهَبَ
109	सर्कशी, शरारत, दौरात्म्य	طُعْيَانٌ	127	छोड़ दिया	تَرَكَ
110	अनधे हो कर बहँक रहे हैं	يَعْمَهُونَ (ع م ه)	128	बीच में	فِي
111	ख़रीदा उन्होंने	اشْتَرَوْا (ش ر ي)	129	<i>pl.</i> अन्धे	ظُلَمَاتٌ
112	गुमराही	ضَلَالَةٌ	130	नहीं देखते (ب ص ر)	لَا يُبْصِرُونَ
113	हिदायत, पथ-प्रदर्शन, 53	هُدًى	131	<i>pl.</i> बहरे	صُمٌّ
114	पस नहीं	فَمَا	132	<i>pl.</i> गूंगे ( <i>sr.:</i> (أَبْكُمْ	بُكُمْ
115	<i>fg.</i> फ़ायदेमन्द हुई, लाभकारी हुई (न फ़ायदेमन्द हुई (مَا رَبِحَتْ	رَبِحَتْ (ر ب ح)	133	<i>pl.</i> अन्धे ( <i>sr.:</i> (أَعْمَى	عُمَى
116	कारोबार, तिजारत	تِجَارَةٌ	134	पस वह	فَهُمْ
			135	नहीं लौटेंगे (ر ج ع)	لَا يَرْجِعُونَ
			136	या	أَوْ
			137	जैसेकि	كَ

138	बारिश, वर्षा	صَيْبٌ
139	आसमान	سَمَاءٌ
140	गरज	رَعْدٌ
141	बिजली	بَرْقٌ
142	डाले लेते हैं	يَجْعَلُونَ
143	उँगलियाँ	أَصَابِعُ
	(sr.: اصْبِعُ)	
144	pl. कान	الْأَذَانُ
	(sr.: اذُنٌ)	
145	pl. कड़क	صَوَاعِقُ
	(sr.: صَاعِقَةٌ)	
146	डर	حَذَرٌ
147	मौत	مَوْتٌ
148	ap. घेरनेवाला	مُحِيطٌ
148a	विधर्मी, (अल्लाह से प्राप्त शिक्षा से विमुख), हक़ (सत्य) का इन्कार करनेवाले	كَافِرِينَ
149	क़रीब है	يَكَادُ
150	उचक लेता है	يَخْطَفُ (خ ط ف)
151	जब भी	كُلَّمَا
152	चलपड़े	مَشَوْا (م ش ي)
153	जब	إِذَا

154	अन्धेरा हुआ	أَظْلَمَ (ظ ل م)
155	खड़े हुए	قَامُوا
156	अगर	لَوْ
157	चाहा, चाहे	شَاءَ (ش ي ء)
158	हर चीज़	كُلِّ شَيْءٍ
159	कादिर है, करने में समर्थ	قَدِيرٌ

रुकूः	2	v: 13	2	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

160	ऐ लोगो!	يَا أَيُّهَا النَّاسُ
161	im. pl. अ़िबादत करो, 16	أَعْبُدُوا
162	पालनहार, 11	رَبِّ
	(pl.: أَرْبَابٌ)	
163	pl. तुम्हारा	كُمُ
164	relative pronoun वह जिसने	الَّذِي
165	पैदा किया, 253	خَلَقَ
166	pl. ताकि तुम, शायद तुम	لَعَلَّكُمْ
166a	ताकि, शायद	لَعَلَّ
167	pl. डरो तुम, 33	تَتَّقُونَ (و ق ي)
168	बनाया, 179, 267, 859	جَعَلَ
169	pl. तुम्हारे लिए	لَكُمْ
170	ज़मीन	أَرْضٌ
171	बिछौना, फ़र्श	فِرَاشًا
172	इमारत	بِنَاءٌ

173	उतारा, 187	أَنْزَلَ (ن ز ل)	191	सूरत (कुर्आन की)	سُورَةٌ
174	पानी	مَاءٌ		(pl.: سُورٌ)	
175	निकाला	أَخْرَجَ (خ ر ج)	192	उसकी जैसी	مِثْلِهِ
176	साथ उसके	بِهِ	193	im. pl. और पुकारो	وَ ادْعُوا (د ع و)
177	prep. से	مِنْ	194	गवाह, (sr.: شَهِيدٌ)	شُهَدَاءُ
178	फल, 219	ثَمَرَاتٌ		हिमायती, सहायक	
	(sr.: ثَمَرَةٌ)		195	सिवा अल्लाह के	مِنْ دُونِ اللَّهِ
179	ni. pl. पस मत	فَلَا تَجْعَلُوا (ج ع ل)	196	ap. सच्चे	صَادِقِينَ (ص د ق)
	बनाओ, 168, 267, 859			(sr.: صَادِقٌ)	
180	मुक़ाबिल, बराबर,	أَنْدَادًا	197	पस	فَ
	हम-सिफ़त, समान		198	अगर	أَنْ
181	pl. तुम	أَنْتُمْ	199	नहीं	لَمْ
182	pl. तुम जानते,	تَعْلَمُونَ (ع ل م)	200	pl. तुम कर सकोगे	تَفْعَلُوا (ف ع ل)
	(vn. जान्ना: عِلْمٌ)		201	हरगिज़ नहीं	لَنْ
183	अगर	أَنْ	202	fg. वह जो	الَّتِي
184	pl. हो तुम	كُنْتُمْ	203	ईंधन, जलाने की चीज़, fuel	وَقُودٌ
185	में, बीच	فِي	204	fg. उसका	هَا
186	शक	رَيْبٌ	205	pl. पत्थर	حِجَارَةٌ
187	उतारा हमने, 173	نَزَّلْنَا (ن ز ل)	206	तैयार करदी गयी	أُعِدَّتْ (ع د د)
188	prep. ऊपर	عَلَى	207	ap. हक़ (सत्य) का	كَافِرِينَ
189	बन्दः, गुलाम	عَبْدٌ		इन्कार करनेवाले (sr.: كَافِرٌ)	
190	im. pl. पस ले आओ	فَأْتُوا	208	im. बशारत (शुभ संवाद) दे	بَشِيرٌ

	(بَشَارَةٌ :		
209	अमल किया उन्होंने	عَمِلُوا	227 बयान करेगा
210	fg. pl. नेक, अच्छे	صَالِحَاتُ	कोई भी मिसाल
	(mg. pl. صَالِحُونَ)		228 मच्छर
211	कि	أَنَّ	229 या फिर उससे भी बढ़कर
212	लिए उनके	لَهُمْ	فَمَا فَوْقَهَا
213	जन्नत, बागात (sr.: جَنَّةٌ)	جَنَّاتُ	230 पस जो
214	sr. fg. बहती हैं, चलती हैं	تَجْرِي	231 कि वह
215	नीचे	تَحْتَ	232 हक, ठीक बात, सत्य
216	नहरें (sr.: نَهْرٌ)	أَنْهَارٌ	233 क्या?
217	जब भी, जब कभी	كُلَّمَا	234 इरादा किया
218	pv. रिज़क़ दिये गये या दिये	رُزِقُوا	235 गुमराह (पथभ्रष्ट) करता है
	जायँगे (रोज़ी, जीविका: رِزْقٌ)		236 हिदायत (पथप्रदर्शन) करता है
219	मेवा, फल (pl.: ثَمَرَاتٌ)	ثَمَرَةٌ	237 बहुत से
220	यह	هَذَا	238 मगर
221	pv. दिये गये	أَتُوا	239 ap. फ़ासिक़ लोग, (ف س ق)
222	मिलता-जुलता	مُتَشَابِهًا	दुराचारी
223	जोड़े (sr.: زَوْجٌ)	أَزْوَاجٌ	240 तोड़ते हैं
224	pp. fg. पाक, साफ़ सुथरी	مُطَهَّرَةٌ	241 इकरार, प्रतिज्ञा, वचन, वादा
225	ap. pl. हमेशा रहनेवाले	خَالِدُونَ	242 उस के बाद से
226	नहीं संकोच करता	لَا يَسْتَحْيِي	243 मज़बूत, अहद की पुख्तगी
	नही शरमाता		244 क़तअ करते हैं, (ق ط ع)
			काटते हैं
			245 हुक्म दिया
			246 pv. जोड़े

- तअल्लुकात को  
 247 *ap.* खसारा पानेवाले, (خ س ن) خَاسِرُونَ घाटे में रहने वाले  
 248 किस तरह, क्योंकर? كَيْفَ  
 249 *pl.* मुर्दे, बेजान, (م و ت) أَمْوَاتًا निर्जीव (माद्दः)  
 250 पस जिलाया तुमको, فَاحْيَاكُمْ पस ज़िन्दः किया तुमको  
 251 फिर ثُمَّ  
 252 *pv. pl.* लौटाये जाओगे (ر ج ع) تُرْجَعُونَ तुम  
 253 बनाया خَلَقَ  
 254 लिए तुम्हारे (pl.) لَكُمْ  
 255 सब جَمِيعًا  
 256 सुतवज्जह हुआ, اسْتَوَى ध्यान दिया, कसद किया  
 257 तरफ़ إِلَى  
 258 ठीक / दुरुस्त किया سَوَّى  
 259 *fg.* उनको (स्त्रीलिंग के लिए) هُنَّ  
 260 सात سَبْعَ  
 261 आसमान (sr.: سَمَاءٌ) سَمَاوَاتِ  
 262 जाननेवाला (ع ل م) عَلِيمٌ
- |       |   |      |   |       |
|-------|---|------|---|-------|
| रुकूऽ | 3 | v: 9 | 3 | رुकوع |
|-------|---|------|---|-------|
- 263 तेरा रब, तेरा पालनहार رَبُّكَ

- 264 लिए ل  
 265 फ़रिशते مَلَائِكَةٌ  
 266 बेशक मैं أَنِّي  
 267 *ap.* बनानेवाला جَاعِلٌ  
 268 नायब, प्रतिनिधि خَلِيفَةٌ  
 269 बहायेगा يَسْفِكُ  
 270 खून, रक्त دِمَاءٌ  
 271 हम पाकी बयान (س ب ح) نُسَبِّحُ करते हैं  
 272 हम तकदीस (ق د س) نُقَدِّسُ (श्रेष्ठता) बयान करते हैं  
 273 तेरे लिए لَكَ  
 274 सिखाया عَلَّمَ  
 275 नाम (sr.: اسْمٌ) أَسْمَاءٌ  
 276 सारे, सब كُلَّهَا  
 277 पेश किया عَرَضَ  
 278 *im.* ख़बर दो मुझे (ن ب ء) أَنبِئُونِي  
 279 मुझे نِي  
 280 यह सब هَآؤُلَآءِ  
 281 पाक है तू سُبْحَانَكَ  
 Be Thou Glorified  
 282 लिए हमारे لَنَا  
 283 सिखाया तूने عَلَّمْتَ

284	बेशक तू	أَنْتَ	(sr. شَاءَ)	
285	तू	أَنْتَ		302 ni. dl. मत करीब (قرب) لا تَقْرَبَا
286	जाननेवाला, अनन्त ज्ञानमय	عَلِيمٌ		जाओ
286	हिकमतवाला, तत्वविवद्	حَكِيمٌ		303 इस, यह
287	पस जब	فَلَمَّا		304 दरख्त, वृक्ष
288	क्या नहीं कहा मैंने	أَلَمْ أَقُلْ		305 dl. हो जाओगे तुम दोनों
289	जानता हूँ मैं	أَعْلَمُ		306 फिसला दिया, विचलित कर दिया
290	pl. ज़ाहिर करते हो तुम	تُبْدُونَ		307 dl. उन दोनों को
291	pl. तुम छुपाते हो	تَكْتُمُونَ (ك ت م)		308 मुतअल्लिक
292	im. pl. सज्दा करो - (प्रणिपात)	أَسْجُدُوا (س ج د)		309 fg. उस के - (स्त्रीलिंग के लिए)
293	शैतान का एक नाम	ابْلِيسَ		310 निकाला
294	इंकार किया	أَبَى		311 dl. थे वह दोनों
295	तकबुर (अहंकार) किया	اسْتَكْبَرَ (ك ب ر)		312 im. pl. उतरो
296	हुआ, हो गया	كَانَ		313 बाज़, कोई-कोई
297	im. सुकूनत कर, अवस्थान करो, रह	أَسْكُنْ (س ك ن)		314 दुश्मन
298	im. dl. खाओ तुम दोनों	كُلَا		315 pp. ठिकाना
299	बाफ़रागत, सैर होकर, मनमाना, तृप्त होकर	رَعَدًا		316 फ़ायदः, सामान, उपभोग
300	जहाँ कहीं, जिस जगह	حَيْثُ		317 वक़्त, समय
301	dl. चाहो तुम दोनों	شِئْمَا		318 पस सीख लिए
				319 फ़रमान, लफ़ज़, कलाम, कथन (sr.: كَلِمَةً)



- 320 सुतवज्जह हुआ, **تَابَ إِلَى**  
तौबः कुबूल की
- 321 *ap.* तौबः कुबूल करने वाला **تَوَّابٌ**
- 322 पस फिर कभी, जब भी **فَإِمَّا**
- 323 आवे तुम्हारे पास (*pl.*) **يَأْتِيَنَّكُمْ**
- 324 मेरी तरफ़ से (**مِنْ + نِي**) **مِنِّي**
- 325 इत्तिबाज़ करे, अनुकरण करे **تَبَعَ**
- 326 हिदायत मेरी, मेरा पथनिदर्शन **هُدَايَ**
- 327 खौफ, भय **خَوْفٌ**
- 328 ऊपर उनके **عَلَيْهِمْ**
- 329 ग़म, अनुताप **حُزْنٌ**
- 330 इन्कार किया उन्होंने, (**كَفَرُوا**) **كَفَرُوا**  
विमुख हुए
- 331 झुटलाया उन्होंने (**كَذَبُوا**) **كَذَبُوا**
- 332 हमारी अयात (निशानियाँ) **آيَاتِنَا**
- 333 लोग दोज़ख़ के, **أَصْحَابُ النَّارِ**  
नरकवासी
- 333a सदैव (हमेशा) रहेंगे **خَالِدُونَ**
- |      |   |       |   |      |
|------|---|-------|---|------|
| रकूः | 4 | v: 10 | 4 | رڪوع |
|------|---|-------|---|------|
- 334 ऐ **يَا**
- 335 इसराईल के बेटों! **بَنِي إِسْرَائِيلَ**
- 336 *im. pl.* याद करो **أَذْكُرُوا**
- 337 *im. pl.* पूरा करो **أَوْفُوا**

- 338 इकरार, अंगीकार **عَهْدٌ**
- 339 मैं पूरा करूँगा **أَوْفٍ**
- 340 मुझ ही से **أَيَّايَ**
- 341 *im. pl.* पस डरो मुझसे (**ر ه ب**) **فَارْهَبُونِ**
- 342 उतारा मैंने **أَنْزَلْتُ**
- 343 *ap.* तसदीक़ करनेवाला, **مُصَدِّقًا**  
(प्रतिपादक)
- 344 उसके लिए जो **لِمَا**
- 345 *pl.* साथ तुम्हारे **مَعَكُمْ**
- 346 *ni. pl.* मत हो जाओ **لَا تَكُونُوا**
- 347 पहले, प्रथम, अब्बल **أَوَّلٌ**
- 348 *ni. pl.* मत ख़रीदना, (**ش ر ي**) **لَا تَشْتَرُوا**  
मत मोल लेना, मत विनिमय करना
- 349 मेरी आयात (निशानियाँ) **آيَاتِي**
- 350 मोल, मूल्य **ثَمَنًا**
- 351 थोड़ा, कम **قَلِيلًا**
- 352 *ni. pl.* मत मशकूक करो, **لَا تَلْبَسُوا**  
ख़लत मलत मत करो,  
सत्य-असत्य को न मिलाओ
- 353 झूट **بَاطِلٌ**
- 354 *ni. pl.* मत छुपाओ **لَا تَكْتُمُوا**  
(*vn.* छुपाना: **كَتَمٌ**)
- 355 *im. pl.* कायम करो **أَقِيمُوا**

- 356 *im. pl.* रुकूअ करो **ارْكَعُوا**
- 357 रुकूअ करनेवाले, नत होनेवाले **رَاكِعِينَ**
- 358 क्या? **أ**
- 359 *pl.* हुकम देते हो तुम **تَأْمُرُونَ** (म र)
- 360 नेकी **بِرٍّ**
- 361 *pl.* भूल जाते हो **تَنْسَوْنَ** (न स य)
- 362 तुम्हारी जानों को **أَنْفُسِكُمْ** (न फ स)
- 363 *pl.* पढ़ते हो तुम **تَتْلُونَ** (त ल व)
- 364 क्या पस नहीं **أَفَلَا**
- 365 *pl.* तुम अक्ल रखते हो, **تَعْقِلُونَ** (ع ق ल), तुम समझते हो
- 366 *im. pl.* सहारा (साहाय्य) **اسْتَعِينُوا**  
प्राप्त करो
- 367 अलबत्ता बहुत बड़ी, भारी **لَكَبِيرَةٌ**
- 368 *ap.* डरनेवाले **خَاشِعِينَ** (ख श ए)
- 369 खयाल करते हैं **يَظُنُّونَ** (ظ न न)
- 370 कि वह **أَتَاهُمْ**
- 371 *ap.* मिलनेवाले **مُلَاقُوا**
- 372 *ap.* रूजूअ (उन्मुख) **رَاجِعُونَ** (ر ج ع)  
होनेवाले, वापस होनेवाले,  
लौटने वाले
- 373 यह कि मैंने **أَنِّي**
- 374 प्रधानता दी मैंने **فَضَّلْتُ** (ف ض ل)  
फज़ीलत दी मैंने
- 375 *im. pl.* और डरो **وَأْتَقُوا**
- 376 दिन **يَوْمًا**
- 377 *fg.* नहीं जज़ा **لَاتَجْزِي** (ج ز ي)  
दिला सकेगा, कुछ भी काम न आयेगा
- 378 नफ़स, जान, जी **نَفْسٌ**
- 379 मुतअल्लिक **عَنْ**
- 380 *pv.* नहीं कुबूल **لَا يُقْبَلُ** (ق ب ل)  
किया जायेगा
- 381 शफ़ाअत, सिफ़ारिश **شَفَاعَةٌ** (श फ ए)
- 382 *pv. pl.* मदद दिये **يُنصِرُونَ** (न ص र)  
जायेंगे
- 383 *pv.* नहीं लिया जायेगा **لَا يُؤْخَذُ**
- 384 बदला, विनिमय **عَدْلٌ**
- 385 *pl.* निजात दी हमने **نَجَّيْنَاكُمْ** (न ज व)  
तुमको, (छुटकारा)
- 386 पैरोकार, मुतअल्लिकीन, सम्बन्धी **ال**
- 387 मूसा **فِرْعَوْنَ** **فِرْعَوْنَ** के समय  
में मिस्र देश का एक  
फ़सादी बादशाह
- 388 सख़्त तकलीफ़ पहुँचाते **يَسُومُونَ**
- 389 बुरा, सख़्त, बुराई **سُوءًا**

रुकूअ	5	v: 7	5	ركوع
-------	---	------	---	------

1st पार:	1/4	ربيع جزء: الم
----------	-----	---------------

- 390 सज़ा, अज़ाब, दण्ड عَذَابٌ
- 391 ज़िबह करना, मार डालना ذَبْحٌ
- 392 बेटे (sr.: ابْنٌ) أَبْنَاءَ
- 393 ज़िन्दा छोड़ देते يَسْتَحْيُونَ
- 394 औरतें نِسَاءً
- 395 और तुम्हारे इस वाके में وَفِي ذَلِكُمْ
- 396 इस्तेहान, आजमाइश بَلَاءٌ
- 397 pl. तुम्हारा रब رَبُّكُمْ
- 398 बडा, ज़बरदस्त عَظِيمٌ
- 399 जब اِذْ
400. फाड़ा हमने فَرَقْنَا (ف ر ق)
- 401 pl. साथ तुम्हारे بِكُمْ
- 402 समन्दर بَحْرٌ
- 403 डुबा दिया (गर्क कर दिया) اَغْرَقْنَا
- 404 pl. तुम देख रहे (ن ظ ر) تَنْظُرُونَ
- 405 वादा किया हमने وَاعْدَانَا
- 406 चालीस (40) اَرْبَعِينَ
- 407 रात (pl.: لَيْلِي) لَيْلَةً
- 408 फिर ثُمَّ
- 409 pl. पकड़ा तुमने (ا خ ذ) اِتَّخَذْتُمْ
- 410 बछड़ा عَجَلٌ
- 411 उसके बाद से مِنْ بَعْدِهِ
- 412 ज़ुल्म (अन्याय) करनेवाले ظَالِمُونَ (ظ ل م)
- 413 माफ़ किया हमने عَفَوْنَا
- 414 उसके बाद مِنْ بَعْدِ ذَلِكَ
- 415 हक़ वा बातिल में फ़र्क करनेवाली किताब, सत्यासत्य-विवेकनी فُرْقَانٌ
- 416 im. pl. तौबा करो تُؤْبُوا
- 417 परवरदिगार, पैदा करनेवाला بَارِيٌّ
- 418 यहाँ तक कि حَتَّى
- 419 हम देख लें نَرَى
- 420 ज़ाहिर, सामने, खुला हुआ, प्रत्यक्ष جَهْرَةً
- 421 बिजली, कड़क صَاعِقَةٌ
- 422 दुबारा ज़िन्दा करना, उठा खड़ा करना, भेजना بَعَثٌ
- 423 साय: किया हमने (ظ ل ل) ظَلَلْنَا
- 424 बादल, बदली عَمَامٌ
- 425 एक खाने का नाम है जो बनी ईस्राईल को मिस्र से निकालने के बाद खूदाकी तरफ़ से आसमान से उतारा जाता था जो धनिया के समान था اَلْمَنِّ

426 बटेर, एक पक्षी का नाम **سَلَوٰى**  
 427 *im. pl.* खाओ **كُلُوْا**  
 428 *pl.* पाक, साफ़ सुथरी (ط ي ب) **طَيِّبَاتٍ**  
 429 जुल्म किया, अन्यायकिया **ظَلَمُوْا**  
 430 लेकिन **لٰكِنْ**  
 431 इस, यह **هٰذِهِ**  
 432 बस्ती, गाँव **قَرْيَةٍ**  
 433 जहाँ कहीं, जिस जगह **حَيْثُ**  
 434 *pl.* चाहो तुम **شِئْتُمْ**  
 435 बाफ़रागत, सैर होकर, स्वच्छन्द **رَغَدًا**  
 436 दरवाज़: **بَابٍ**  
 437 सज्द: करते हुए **سُجَّدًا**  
 438 *im. pl.* कहो तुम **قُولُوْا**  
 439 क्षमाकर, **حِطَّةً**  
 पश्चाताप, Repentance  
 440 हम माफ़ कर देंगे **نَعْفِرُ**  
 441 *pl.* ख़ताएँ तुम्हारी **خَطَايَاكُمْ**  
 442 अन्क़रीब, जल्दी ही **سَ**  
 443 हम ज़ियादा देंगे **زَيْدٌ** (ز ي د)  
 444 *ap.* नेक लोग, सज्जन **مُحْسِنِينَ**  
 इहसान करने वाले  
 445 पस **فَ**

446 बदल दिया **بَدَل**  
 447 अज़ाब, दण्ड **رَجْزًا**  
 448 बेहुकमी करते हैं, (ف س ق) **يَفْسُقُونَ**  
 अवज्ञाकारी  

रुकू: 5	6	v: 13	6	रकوع
---------	---	-------	---	------

 449 पानी माँगा **اسْتَسْقَى**  
 450 *im.* मार **اَضْرَبُ**  
 (vn.: **ضَرَبٌ**)  
 451 लकड़ी, लाठी **عَصَا**  
 452 पत्थर **حَجْرًا**  
 453 बहनिकले **انْفَجَرَتْ** (ف ج ر)  
 454 बारह (12) **اِثْنَا عَشْرَةَ**  
 455 चश्मा, सोता **عَيْنًا**  
 (pl.: **عُيُونٌ**)  
 456 तहकीक **قَدٌ**  
 457 जान लिया **عَلِمَ** (ع ل م)  
 458 सब **كُلُّ**  
 459 लोग **اُنَّاسٌ**  
 460 पानी पीने की जगह, घाट **مَشْرَبٌ**  
 461 *im. pl.* खाओ **كُلُوْا**  
 462 *im. pl.* पियो **اشْرَبُوْا** (श र ب)  
 463 *ni. pl.* मत निकलो, **لَا تَعْتَوْا** (ع ث و)  
 मत फ़िरो

464	खाना, खादय	طَعَامٌ
465	एक	وَاحِدٌ
466	im. pl. पस पुकार	فَادَعُ (द ए उ)
467	लिए हमारे	لَنَا
468	निकाले, 311	يُخْرِجُ (ख र ज)
469	fg. उगाती है	تُنْبِتُ (न ब त)
470	साग, तरकारी	بَقْلٌ
471	कक्ड़ी	قِثَاءٌ
472	गेहूँ	فُومٌ
473	मसूर	عَدَسٌ
474	प्याज़	بَصَلٌ
475	pl. बदलना (तबदीली) चाहते हो तुम,	تَسْتَبْدِلُونَ (ब द ल)
476	अदना, निकृष्ट	أَدْنَى
477	बेहतर, श्रेष्ठतर	خَيْرٌ
478	शहर	مِصْرٌ
479	pl. सवाल किया तुमने	سَأَلْتُمْ
480	pv. fg. मारी गयी, डाली गयी	ضُرِبَتْ (ض र ब)
481	ज़िल्लत, पसती, लाछना	ذَلَّةٌ
482	बेचारगी, मुहताजी, दीनता	مَسْكَنَةٌ
483	मुस्तहक हुए, पात्रहुए	بِأَعْوَابٍ

484	क़त्ल करते थे, 544, 666, 1072	يَقْتُلُونَ (ق त ल)				
485	नबी (sr.: نَبِيٌّ)	نَبِيِّنَ				
486	नाफ़रमानी की, अवज्ञा की	عَصْوًا				
	(vn.: عَصِيَانٌ)					
487	ज़ियादती करते, मर्यादा-लंघन	يَعْتَدُونَ (ع द उ)				
		<table border="1" style="display: inline-table; border-collapse: collapse;"> <tr> <td style="padding: 2px;">رुकوع</td> <td style="padding: 2px;">7</td> <td style="padding: 2px;">v: 2</td> <td style="padding: 2px;">7</td> </tr> </table>	رुकوع	7	v: 2	7
رुकوع	7	v: 2	7			
488	यहुदी हुए	هَادُوا				
489	नसारा, ईसाई	نَصَارَى				
490	बेदीन, सितारापरस्त	صَابِئِينَ				
491	दिन आख़िरत का,	يَوْمَ الْآخِرَةِ				
492	अमल किया	عَمِلَ				
493	नेक, सत्कर्म	صَالِحًا				
494	अजर उनका, प्रतिफल उनका	أَجْرُهُمْ				
495	नज़दीक	عِنْدَ				
496	ग़म, (दुख), 814	حُزْنٌ				
497	लिया हमने	أَخَذْنَا				
498	इकरार, प्रतिज्ञा, वचन	مِيثَاقٌ				
499	बलन्द किया हमने, उठाया	رَفَعْنَا (ر ف ع)				
500	ऊपर, 690	فَوْقَ				
501	एक पहाड़ का नाम, 691	طُورٌ				

502	pl. फिर गये तुम , 621	تَوَلَّيْتُمْ	522	न बूढ़ी हो	لَا فَارِضٌ
503	अगर	لَوْ	523	बिन बियाई	بَكَرٌ
504	अल्बत्ता, तहकीक	لَقَدْ	524	दर्मियानी, वयस्क	عَوَانٌ
505	हृद से निकले, सीमातिक्रमण	اعْتَدُوا	525	im. pl. करो	افْعَلُوا
506	शनिवार का दिन	السَّبْتِ	526	जो कुछ	مَا
507	बन्दर, (sr.: قَرْدٌ)	قِرْدَةٌ	527	pv. pl. तुम हुक्म दिये (am r)	تُؤْمَرُونَ
508	pl. ज़लील, धुतकारे हुए, अपदस्थ	خَاسِئِينَ	528	उसका रंग	لَوْنَهَا
509	शिक्षा के लिए नमूना, दृष्टांत, An Example	نَكَالًا		(pl.: الْوَانِ)	
510	सामने, आगे	بَيْنَ يَدَيْ	529	ज़र्द रंग, पीली	صَفْرَاءُ
511	vn. पीछे, बाद में आनेवाले	خَلْفَ	530	गहरा, बहुत गहरा	فَاقِعٌ
512	नसीहत, शिक्षा (وع ظ)	مَوْعِظَةً	531	खूश लगे, सुरुर दे, (s r r)	تَسْرُّ
513	हुक्म देता है	يَأْمُرُ (am r)	532	ap. देखनेवाले (n ظ r)	نَاطِرِينَ
514	कि	أَنَّ	533	मुश्तबह होना, सन्दिग्ध, भ्रमोत्पादक	تَشَابَهَ
515	गाय, बैल	بَقْرَةً	534	चाहा	شَاءَ
516	मज़ाक़, उपहास	هُزُؤًا	535	काम काज करनेवाली	ذُلُولٌ
517	मैं पनाह (शरण) चाहता हूँ	أَعُوذُ	536	fg. जो ज़मीन (th or)	تُثِيرُ الْأَرْضَ
518	im. पुकार तू	ادع		जोतती हो	
519	बयान करे	يُبَيِّنُ	537	fg. पानी सींचती हो	تَسْقِي
520	कैसी हो	مَا هِيَ	538	खेती	حَرَتْ
521	वह कहता है	يَقُولُ	539	pp. सही, सालिम, (पूर्णांग)	مُسَلِّمَةٌ
				ठीक, बेअैब	

- 540 बेदाग, निर्दोष لَأَشِيَّةَ  
541 अब الْآنَ  
542 आया तू, लाया तू جِئْتَ  
543 न करीब थे, लगते नहीं थे مَا كَادُوا  
(उनसे अशा न थी)

रुकू	8	v: 10	8	رکوع
------	---	-------	---	------

- 544 pl. कत्ल किया तुमने قَتَلْتُمْ (ق ت ل)  
545 pl. टालातुमने, اِدَارَعْتُمْ (د ر ء)  
एकदूसरे पर डालना  
546 ap. निकालनेवाला, पृकट مُخْرَجٌ  
कर देनेवाला,  
547 pl. तुम छुपाते تَكْتُمُونَ (ك ت م)  
548 साथ बाज़ उसके بَعْضِهَا  
549 इसी तरह كَذَلِكَ  
550 ज़िन्दा करता है يُحْيِي  
551 pl. मुर्दे مَوْتَى  
(sr.: مَيِّتٌ)  
552 दिखाता है तुमको يُرِيكُمْ (ر ي ي)  
553 pl. निशानियाँ آيَاتٍ  
554 pl. तुम समझो تَعْقِلُونَ  
555 फिर ثُمَّ  
556 fg. सख्त (कठोर) हो गये قَسَتْ  
(vn.: قَسَاوَةٌ)

- 557 दिल (sr.: قَلْبٌ) قُلُوبٌ  
558 पस فَ  
559 fg. वह هِيَ  
560. जैसे कि كَ  
561 पत्थर حِجَارَةٌ  
(sr.: حَجَرٌ)  
562 या أَوْ  
563 ज़ियादा सख्त أَشَدُّ  
564 सख्त, 556 قَسْوَةٌ (ق س و)  
565 अल्बत्ता जो कि لَمَّا  
566 फट निकलती है يَتَفَجَّرُ  
567 नहरें أَنهَارٌ  
(sr.: نَهْرٌ)  
568 चाक होता है, يَشْتَقِقُ (ش ق ق)  
टुकड़े-टुकड़े होता है  
569 गिर पड़ता है, يَهْبِطُ (ه ب ط)  
लुढ़क जाता है  
570 डर अल्लाह का خَشِيَّةُ اللَّهِ  
571 pl. क्या पस तुम أَفْتَطْمَعُونَ (ط م ع)  
चाहते हो  
572 चाहना طَمَعٌ  
573 कि أَنْ  
574 तहकीक़ قَدْ

- 575 गरोह, टोली **فَرِيقٌ**
- 576 बदल डालते हैं,  
हेर-फेर कर देते हैं **يُحَرِّفُونَ**
- 577 समझा उन्होंने **عَقَلُوا**
- 578 pl. मुलाकात की उन्होंने **لَقُوا**
- 579 कहा उन्होंने **قَالُوا**  
(vn.: **قَوْلٌ**)
- 580 ईमान लाये हम, 34, 62, 74, 99, 104 **أَمَنَّا**
- 581 एकान्त में हुआ, 105 **خَلَا**  
(vn.: **خَلْوَةٌ**)
- 582 pl. तुम बयान करते हो **تُحَدِّثُونَ**
- 583 साथ जो कुछ **بِمَا**
- 584 खोला, प्रकाशित किया **عَلَيْكُمْ**
- 585 ऊपर तुम्हारे (pl.) **يُحَاجُّونَ**
- 586 झगड़ें वह, हज्जत करें **يُسِرُّونَ**  
(أَسْرَارٌ : ; سِرٌّ :)
- 587 छुपाते हैं **يُعْلِنُونَ**
- 588 ज़ाहिर करते हैं **أَمِيُونُ**  
(vn.: **أَعْلَانٌ**)
- 589 pl. अनपढ़ लोग **أَلَّا**
- 590 मगर **أَمَانِيُّ**
- 591 आरजू, कामनाएँ, कल्पनाएँ

- 592 **أَنَّ** के बाद **أَلَّا** आये तो माने **أَنَّ**  
होंगे नहीं वरना इसके माने अगर  
के होते हैं
- 592a कल्पना मात्र किया **يَطْنُونُ**  
करते हैं

1st पारः

نصف جزء: الم

- 593 बरबादी, हलाकर **يَكْتُبُونَ** (ك ت ب)
- 594 लिखते हैं **أَيْدِيهِمْ**
- 595 हाथ उनके (अपने हाथ से) **يَدٌ** (sr.:)
- 596 कीमत, मोल **يَكْسِبُونَ** (ك س ب)
- 597 कमाते हैं **لَنْ**
- 598 हरगिज़ नहीं **تَمَسَّنَا** (م س س)
- 599 छुये गी हमको **أَيَّامًا**
- 600 दिन **يَوْمٌ** (sr.:)
- 601 गिनती के, थोड़े **قُلٌّ**
- 602 im. कह दे **عَهْدٌ**
- 603 कौल, मुआहिदः, वचन **يُخْلِفُ**
- 604 खिलाफ़ करेगा **أَمْ**
- 605 या **بَلِي**
- 606 हाँ, क्यों नहीं, ज़रूर



607	जो शख्स, जो कोई	مَنْ					
608	कमाया	كَسَبَ (ك س ب)					
609	बुराई, बदी	سَيِّئَةٌ					
	(pl.: سَيِّئَات)						
610	fg. घेरे में ले चुकी	أَحَاطَتْ					
	(vn.: أَحَاطَةٌ)						
611	खताएँ, पापराशि	خَطِيئَةٌ					
	(pl.: خَطِيئَات)						
<table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr> <td style="width: 15%; text-align: center;">رُكُوع</td> <td style="width: 15%; text-align: center;">9</td> <td style="width: 15%; text-align: center;">v: 11</td> <td style="width: 15%; text-align: center;">9</td> <td style="width: 40%; text-align: center;">رُكُوع</td> </tr> </table>			رُكُوع	9	v: 11	9	رُكُوع
رُكُوع	9	v: 11	9	رُكُوع			
612	माँ-बाप	وَالِدَيْنِ					
613	कराबत वाले, सम्बन्धी परिजन	ذِي الْقُرْبَى					
614	यतीमों, अनाथों, 1059	يَتَامَى					
	(sr.: يَتِيم)						
615	pl. मिसकीन, दीन-दरिद्रों	مَسَاكِينُ					
616	im. pl. कहो	قُولُوا					
617	अच्छी बात	حُسْنًا					
618	im. pl. कायम रखो, कायम करो	أَقِيمُوا					
619	im. pl. दो	اثُوا					
620	ज़कात	زَكَاةٍ					
621	pl. फिर गये तुम	تَوَلَّيْتُمْ					
622	थोड़े, थोड़ा	قَلِيلًا					

623	pl. तुममें से	مِنْكُمْ
624	pl. (हो) तुम	أَنْتُمْ
625	ap. मूँह फेरनेवाले	مُعْرِضُونَ
626	pl. घर	دِيَارٍ
	(sr.: دَار)	
627	pl. इक़रार किया तुमने	أَقْرَرْتُمْ
628	pl. तुम गवाह हो	تَشْهَدُونَ
629	pl. यह लोग	هَٰؤُلَاءِ
630	pl. मददगारी करते हो (ظ ه ن)	تُظَاهِرُونَ
631	गुनाह, अनाचार	إِثْمٍ
632	ज़ियादती	عَدْوَانٍ
633	आते हैं तुम्हारे पास (pl.)	يَأْتُواكُمْ
634	कैदी	أَسَارَى
635	pl. फ़िदयः ( मुक्तिपण), (ف دي)	تُفَادُونَ
	देते हो	
636	pp. हराम किया गया	مُحَرَّمٌ
637	पस क्या	فَمَا
638	बदला, सज़ा, जज़ा	جَزَاءٌ
639	जो शख्स	مَنْ
640	करे (यह काम)	يَفْعَلُ
641	रूसवाई, अपमान	خِزْيٌ
642	ज़िन्दगी	حَيَاةٍ

- 643 *pv.* फेरे जायेंगे **يُرَدُّونَ**
- 644 तरफ़ **إِلَى**
- 645 बहुत सख्त **أَشَدَّ**
- 646 और नहीं **وَمَا**
- 647 उस चीज़ से जो कि **عَمَّا**
- 648 *pv.* हल्का किया जायेगा **يُخَفَّفُ**
- 649 *pv.* मदद दिये जायेंगे **يُنْصَرُونَ**
- |       |    |      |    |       |
|-------|----|------|----|-------|
| रुकूऽ | 10 | v: 4 | 10 | رुकوع |
|-------|----|------|----|-------|
- 650 अल्बत्ता, निस्सन्देह, तहकीक़, **لَقَدْ**  
बिला शुबह, यकीनन्
- 651 दिया हमने **إَتَيْنَا**
- 652 पीछे लाये हम, **فَقَيْنَا** (ق ف ي)
- 653 बेटा मरयम का **أَبْنُ مَرْيَمَ**
- 654 *pl.* रौशन दलायल, वाज़ेह **بَيِّنَاتٍ**  
साफ़ साफ़ निशानियाँ, Clear proofs
- 655 तार्ईद की हमने, मदद की हमने **أَيَّدْنَا**
- 656 *pl.* बहुत से रसूल **رُسُلٍ**  
(*sr.*: رُسُولٌ)
- 657 रूह पाक **رُوحُ الْقُدُسِ**  
(ह. जिबरील جِبْرِيلُ)
- 658 क्या पस **أَفَ**
- 659 जब कभी, जब भी **كَلَّمَا**
- 660 आया **جَاءَ**
- 661 रसूल, पैग़म्बर **رَسُولٍ**
- 662 नहीं चाहता **لَا تَهْوَى**
- 663 *pl.* जी तुम्हारा **أَنْفُسِكُمْ** (ن ف س)
- 664 *pl.* तकब्बुर किया तुमने **اسْتَكْبَرْتُمْ**
- 665 (एक) गरोह, जमात, टोली **فَرِيقًا**
- 666 *pl.* तुम क़त्ल करते **تَقْتُلُونَ** (ق ت ل)  
तुम मारते
- 667 कहा उन्होंने **قَالُوا**
- 668 *pl.* दिल **قُلُوبٍ**  
(*sr.*: قَلْبٌ)
- 669 ग़िलाफ़ में हैं, महफूज़ हैं **غُلْفٍ**
- 670 बलके **بَلٍ**
- 671 लानत किया **لَعَنَ**
- 672 उनको **هُمْ**
- 673 जब **لَمَّا**
- 674 *ap.* तसदीक़ करने वाली **مُصَدِّقٍ**
- 675 वास्ते उस चीज़ के **لِمَا مَعَهُمْ**  
जो है साथ उनके
- 676 फ़तह चाहते **يَسْتَفْتِحُونَ** (ف ت ح)
- 677 जो कुछ पहचाना **مَا عَرَفُوا** (ع ر ف)
- 678 क्या ही बुरा, बहुत बुरा **بِسْمَا**
- 679 बेचा उन्होंने **اشْتَرَوْا**

680	कि	أَنْ	698	अगर है	أَنْ كَانَتْ
681	इन्कार किया उन्होंने	يَكْفُرُوا	699	घर आखिरत (परलोक) का	ٱلْدَّارُ ٱلْآخِرَةُ
682	सर्कशी, बगावत	بَغِيًّا	700	नज़दीक अल्लाह के	عِنْدَ ٱللَّهِ
683	मुस्तहक हुए, पात्र हुए	بَأَعُو	701	ख़ालिस, परमशुद्ध	خَالِصَةً
684	ap. रूस्वा करनेवाला, (तिरस्कार, अपमान)	مُهَيِّنٌ	702	सिवाय और लोगों के	مِنْ دُونِ ٱلنَّاسِ
685	सिवाये	وَرَأَى	703	im. pl. तमन्ना करो, कामना करो	تَمَنَّى
686	क्यों	لِمَ	704	कभी	أَبَدًا
687	अम्बिया अल्लाह के (sr.: نَبِيٌّ)	أَنْبِيَاءَ ٱللَّهِ	705	fg. आगे भेजा	قَدَمَتْ
688	बछड़ा	عَجَلٌ	706	हाथ उनके	أَيْدِيهِمْ
689	बलन्द किया हमने, उठाया हमने	رَفَعْنَا (ر ف ع)	707	जाननेवाला	عَلِيمٌ
690	ऊपर	فَوْقَ	708	अल्बत्ता पायेगा तू, 803	لَتَجِدَنَّ
691	एक पहाड़ का नाम	طُورَ	709	बहुत हरीस, अति लोगुप	أَحْرَصَ
692	im. pl. लो, पकड़ो	خُذُوا	710	ज़िन्दगी	حَيَوةَ
693	साथ कुव्वत के, दृढता से	بِقُوَّةٍ	711	जिन्होंने शिर्क किया (मिश्रित या विभक्त उपासना)	أَشْرَكُوا
694	im. pl. और सुनो	وَاسْمَعُوا (س م ع)	712	चाहता है	يُودُ
695	न माना हमने, न होसकेगा हमसे	عَصَيْنَا	713	एक एक उनमें का, हर एक उनका	أَحَدَهُمْ
696	pv. pl. पिला दिये गये, पिलायी गयी उनको	أَشْرَبُوا (ش ر ب)	714	अगर	لَوْ
697	हुकम देता है	يَأْمُرُ (ا م ر)	715	pv. उम्र दिया जाये	يُعَمَّرُ (ع م ر)
			716	हज़ार	أَلْفَ

- 717 बरस, साल سَنَةً
718. नहीं वह مَا هُوَ
- 719 *ap.* दूर करने वाला, مُزَحْزِحٌ  
हटाने वाला
- 720 देखनेवाला بَصِيرٌ
- |         |    |       |    |         |
|---------|----|-------|----|---------|
| رُكُوعٌ | 11 | v: 10 | 11 | رُكُوعٌ |
|---------|----|-------|----|---------|
- 721 दुश्मन عَدُوٌّ
- 722 हुक्म اِذْنٌ
- 723 खुशाखबरी, शुभसंदेश, بُشْرَى  
बशाारत
- 724 जिबरील (جِبْرِيلُ), फ़रिश्तों جِبْرِيلَ  
के सरदार, एक प्रमुख फ़रिश्ता
- 725 एक फ़रिश्ते का नाम مِيكَالَ
- 726 *ap.* बदकार, दुराचारी, 448 فَاسِقُونَ  
(*sr.*: فَاسِقٌ)
- 727 फेंक दिया نَبَذَ (ن ب ذ)
- 728 *pv.* दिये गये اَوْثُوا
- 729 पीछे وِرَاءَ
- 730 *pl.* पीठ ظُهُورٌ  
(*sr.*: ظَهْرٌ)
- 731 जैसे कि वह, गया कि वह كَأَنَّهُمْ
- 732 नहीं जानते لَا يَعْلَمُونَ
- 733 और इत्तिबाअ اَتَّبَعُوا (ت ب ع)  
(अनुकरण) किया, 851

- 734 जो कुछ مَا
- 735 पढ़ते थे تَتْلُوا
- (*vn.*: تَلَاوَةٌ)
- 736 बादशाही, हुक्मत مُلْكٌ
- 737 लेकिन لَكِنْ
- 738 सिखाते थे, 182, 276, 751 يُعَلِّمُونَ  
(*vn.*: تَعْلِيمٌ)
- 739 जादू سِحْرٌ
- 740 दो फ़रिश्ते مَلَكَينَ
- (*sr.*: مَلَكٌ)
- 741 एक शहर (नगर) का नाम بَابِلَ
- 742 दो फ़रिश्तों هَارُوتَ وَ مَارُوتَ  
के नाम
- 743 जो कुछ, 734 مَا
- 744 किसी एक को مِنْ أَحَدٍ
745. यहां तक कि حَتَّى
- 746 *dl.* कहा उन दोनों ने يَقُولَا  
(*vn.*: قَوْلٌ)
- 747 दर अस्ल (मात्र-केवल) أَمَّا
- 748 हम نَحْنُ
- 749 आजमाइश, परीक्षा فِتْنَةٌ
- 750 *ni. pl.* मत कुफ़ कर, لَا تَكْفُرُ

- 751 (धर्म से मूँह न मोड़) सीखते थे वह, 182, 286  
(vn.: تَعَلَّمُ)
- 752 dl. उन दोनों से  
753 जुदाई डालते  
(vn.: تَفَرِّقُ)
- 754 साथ उसके  
755 दर्मियान, बीच  
756 आदमी  
757 बीवी, जोड़ा  
758 नहीं वह लोग  
759 ap. pl. ज़रर (नुक़सान) पहुँचानेवाले  
(sr.: ضَارٌّ)
- 760 जो कुछ  
761 नुक़सान पहुँचाता है (ضَرَر)
- 762 नफ़ा (लाभ) देता है (نَفْعٌ)
- 763 जाना उन्होंने  
764 अल्बत्ता जो  
765 ख़रीदा, मोल लिया, 348, 769  
766 नहीं वास्ते उसके  
767 हिस्सा
- يَتَعَلَّمُونَ  
مِنْهُمَا  
يُفَرِّقُونَ  
بِهِ  
بَيْنَ  
الْمَرْءِ  
زَوْجِ  
مَا هُمْ  
ضَارِّينَ  
مَا  
يَضُرُّ (ض ر ر)  
يَنْفَعُ (ن ف ع)  
عَلِمُوا  
لَمَنْ  
اشْتَرَى  
مَا لَهُ  
خَلَاقٌ

- 768 अल्बत्ता बुरा है  
769 बेचा उन्होंने, 349, 765  
770 कि वह  
771 सवाब, सत्कर्म-फल  
772 बेहतर
- لَبَسَ  
شَرَوْا  
أَنْهُمْ  
مُثَوِّبَةٌ  
خَيْرٌ

रुकूः 5	12	v: 7	12	रुकوع
---------	----	------	----	-------

- 773 हमारी ओर ध्यान दे, रिज़ायत कर हमारी, (हमें समझ लेने दे)  
774 im. इन्तिज़ार करो हमारा, ज़रा ठहर जाओ  
775 नहीं चाहता है, (و د د) मा योदु  
नहीं दोस्त रखता है, 794  
776 ख़ास करता है, (خ ص ص) يَخْتَصُّ  
चुन लेता है  
777 जिसको चाहता है  
778 फ़ज़लवाला  
779 बड़ा ज़बरदस्त, महान, 398  
780 हम मौकूफ़ (ن س خ) نَسَخَ  
(मनसूख़, निरस्त, रद्द) करते हैं  
781 या  
782 हम ले आते हैं  
783 क्या नहीं  
784 जानता तू  
785 सिवाय अल्लाह के
- رَاعِنَا  
أَنْظُرْنَا  
مَا يَوَدُّ (و د د)  
يَخْتَصُّ (خ ص ص)  
مَنْ يَشَاءُ  
ذُو الْفَضْلِ  
عَظِيمٌ  
نَسَخَ (ن س خ)  
أَوْ  
نَأْتِ  
أَلَمْ  
تَعْلَمَ  
دُونَ اللَّهِ

786	दोस्त	وَلِيٌّ
	(pl.: أَوْلِيَاءُ)	
787	मददगार, सहायक	نَصِيرٌ (ن ص ر)
	(نَصْرٌ , يَنْصُرُ , نَصْرٌ)	
788	क्या इरादः करते हो?	أَمْ تُرِيدُونَ
789	pl. सवाल करो तुम	تَسْأَلُونَ
790	जैसे कि	كَمَا
791	pv. सवाल किया गया	سُئِلَ
792	बदल डाला	يَتَبَدَّلُ (ب د ल)
	तब्दील कर दिया	
793	सीधी राह	سَوَاءَ السَّبِيلِ
794	चाहा, 712	وَدَّ
795	बहुत	كَثِيرٌ
796	अगर	لَوْ
797	ज़ाहिर हुआ, 519	تَبَيَّنَ (ب ي ن)
	बयान हुआ	
798	माफ़ करना	عَفُوٌّ (ع ف و)
799	दरगज़र करना,	صَفَحٌ
	किनारा कश होना	
800	ला दे	يَأْتِي
801	हुक्म	أَمْرٌ
	(pl.: أُمُورٌ ; أَوَامِرٌ)	

Ist पारः	3/4	ثلاثة ارباع جزء: الم
----------	-----	----------------------

802	pl. आगे भेजो तुम	تُقَدِّمُوا
803	pl. पाओगे, 708	تَجِدُوا
804	नज़दीक	عِنْدَ
805	यह (वह)	تِلْكَ
806	आरज़ुएँ (कामनाएँ) उनकी	أَمَانِيهِمْ
	(sr.: مُنِيَّةٌ)	
807	im. pl. लाओ, ले आओ	هَاتُوا
808	दलील, युक्ति, सबूत	بُرْهَانٌ
	(pl.: بَرَاهِينٌ)	
809	क्यों नहीं	بَلَى
810	सौंप दिया, झुक गया, (स ल म)	أَسْلَمَ
	आत्मसर्मपण कर दिया	
811	चेहरा उसका अपना	وَجْهَهُ
	(pl.: وَجُوهُ)	
812	नेकी करने वाला,	مُحْسِنٌ
	सत्कर्मी, 444	
	(pl.: مُحْسِنُونَ , مُحْسِنِينَ)	
813	बदला, सवाब, सुकर्म फल, 494	أَجْرٌ
814	ग़म, संताप, दुख,	حُزْنٌ
	रंज, 329, 496	

रकूऽ	13	v: 9	13	رکوع
------	----	------	----	------

815 कहा यहदियों ने قَالَتِ الْيَهُودُ

- 816 fg. नहीं है **لَيْسَتْ**  
(mg.: لَيْسَ)
- 817 इसी तरह **كَذَلِكَ**
- 818 बहुत ज़ालिम,  
अन्यायी, अनाचारी, 412 **أَظْلَمُ** (ظ ل م)
- 819 मना किया **مَنَعَ**
- 820 मस्जिदें **مَسَاجِدَ**  
(sr.: مَسْجِدٌ)
- 821 pv. ज़िक्र किया जाये,  
नाम लिया जाये **يُذَكَّرُ**
- 822 कोशिश करे **سَعَى**
- 823 उजाड़ना, वीरानी **خَرَابٌ**
- 824 vn. दाखिल होना, प्रवेश **دَخَلَ**
- 825 ap. डरते हुए,  
खौफ़ खाते हुए, सशक्त **خَائِفِينَ** (خ و ف)
- 826 vn. रूसवाई, निंदा **خِزْيٌ**
- 827 जहाँ कहीं **أَيْنَمَا**
- 828 pl. तुम रूख़ करो,  
तुम मुंह करो, अभिमुख हो **تَوَلَّوْا**
- 829 वहाँ **ثُمَّ**
- 830 रूख़ अल्लाह का,  
अल्लाह की दृष्टि **وَجْهَ اللَّهِ**
- 831 लड़का, सन्तति, औलाद **وَلَدًا**  
(pl.: أَوْلَادٌ)
- 832 पाक है वह, वह पवित्र है, **سُبْحَانَهُ**  
बे ऐब है वह
- 833 ap. फ़रमाँबरदार **قَانَتْ**  
(pl.: قَانِتُونَ , قَانِتِينَ)
- 834 पैदा करने वाला,  
नमूना के बिना बनानेवाला **بَدِيعٌ**
- 835 जब **إِذَا**
- 836 फ़ैसला करता है, निर्णय लेता है **قَضَى**  
(ap.: قَاضِيٌ)
- 837 काम, हुक्म **أَمْرٌ**
- 838 im. हो जा **كُنْ**
- 839 हो जाता है **يَكُونُ**
- 840 क्यों नहीं **لَوْ لَا**
- 841 यकसँ होते, मिलते-जुलते **تَشَابَهَتْ**
- 842 बयान कर दिया हमने **بَيَّنَّا**
- 843 ap. खुशख़बरी देनेवाला **بَشِيرٌ**  
(vn.: بَشَارَةٌ)
- 844 ap. डरानेवाला,  
चेतावनी देनेवाला **نَذِيرٌ**
- 845 pv. नहीं पूछा जायेगा **لَا تُسْأَلُ**
- 846 दोज़ख़ वाले, **أَصْحَابُ الْجَحِيمِ**  
नर्क़ वाले
- 847 हर गिज़ नहीं **لَنْ**

848	राज़ी होंगे (ap.: رَاضِي)	تَرْضَى
849	तुझसे	عَنْكَ
850	यहाँ तक कि	حَتَّى
851	तू इत्तिबज़ करे, पैरवी, पथानुसरण, 733	تَتَّبِعْ
852	दीन, मिल्लत, धर्म	مِلَّةً
853	ख्वाहिशात, इच्छाएँ (sr.: هَوَى)	أَهْوَاءَ
854	आया तेरे पास	جَاءَكَ
855	नहीं तेरे लिए	مَا لَكَ
	रुकूऽ 14 v: 9 14	رُكُوع
856	बदला, बराबरी, 384	عَدْلٌ
857	आज़माया, परीक्षा ली, 396 (vn.: ابْتَلَاءٌ)	ابْتَلَى
858	पूरा किया, तमाम किया	أَتَمَّ
859	ap. बनाने वाला, 179, 168, 267	جَاعِلٌ
860	पेशवा, (लीडर), Leader	أَمَامًا
861	औलाद (pl.: ذُرِّيَّاتٌ)	ذُرِّيَّةً
862	नहीं पहुँचेगा, नहीं हासिल होगा	لَا يَنَالُ (ن ي ل)
863	वाद, 241, 338	عَهْدٌ

864	बनाया हमने	جَعَلْنَا
865	वह घर, (काबः), बैतुल्लाह	الْبَيْتَ
866	जाये-सवाब, मरकज़, सवाब की जगह	مَثَابَةً
867	im. pl. वानाओ, मुर्कर करो	اتَّخِذُوا
868	खड़े रहने की जगह	مَقَامَ
	हज़रत इब्राहीम <small>عليه السلام</small> की	أَبْرَاهِيمَ
869	नमाज़ का स्थान	مُصَلَّى
870	im. dl. पाक रखो तुम दोनों	طَهَّرَا
871	ap. तवाफ़ करनेवाले (ط و ف)	طَائِفِينَ
872	ap. अइतिकाफ़ करनेवाले	عَاكِفِينَ
873	रुकूअ-सज्दा करनेवाले	الرُّكَّعِ السُّجُودِ
874	अमनवाला, शांतिमय	أَمِنًا
875	im. रिज़्क दे, जीविका दे (ر ز ق)	أُرْزُقُ
876	रहनेवाले, निवासी	أَهْلٌ
877	मैं फ़ायदा दूँगा	أُمْتَعُ (م ت ع)
878	मैं बेबस कर दूँगा, मैं मजबूर (बाध्य) कर दूँगा	أَضْطَرُّ (ض ر ر)
879	ऊँचा उठाया	رَفَعَ
880	बुनयादे, दीवारें	قَوَاعِدَ
	(sr.: قَاعِدَةٌ)	
881	im. कबूल (स्वीकार) कर ले, 380	تَقَبَّلُ



- 882 जमाअत, उम्मत **أُمَّةٌ**  
(pl.: **أُمَّمٌ**)
- 883 im. दिखा हमको **أَرَانَا**
- 884 बन्दगी के अहकाम, **مَنَاسِكَ**  
धार्मिक विधि, इबादत के तरीके
- 885 im. मुतवज्जः हो जा, फिर आ, **تُبُّ**  
(कृपा) दृष्टि रख, 320, 321, 416
- 886 im. भेज, खड़ा कर, 422, 1202 **أَبْعَثُ**
- 887 दानिशमन्दी, हिक्मत **أَلْحِكْمَةَ**
- 888 पाक करे, पवित्र करे **يُزَكِّي (ز ك ي)**
- |       |    |      |    |       |
|-------|----|------|----|-------|
| रुकूः | 15 | v: 8 | 15 | رुकوع |
|-------|----|------|----|-------|
- 889 इअ़राज़ किया, मूँह फेरा, **رَغِبَ عَنَ**  
विमुख हुआ
- 889 राग़िब हुआ, पसंद किया, **رَغِبَ إِلَى**  
चाहा,
- 890 बेवकूफ़ हुआ, नादान हुआ **سَفِهَةٌ**  
(pl. बेवकूफ़, नादान : **سُفَهَاءٌ**)
- 891 हमने पसन्द किया, चुन लिया **اصْطَفَيْنَا**
- 892 im. मुतीअ़ हो जा, **أَسْلِمَ (س ل م)**  
मुस्लिम हो जा, अनुवर्ती हो जा
- 893 वसीयत की (इच्छापत्र, दानपत्र) **وَصَّى**
- 894 बेटे **بَنَى**
- 895 ऐ बेटो मेरे ! **يَا بَنِيَّ**
- 896 जब आयी **أَذْ حَضَرَ**
- 897 माबूद, (भजनीय) **إِلَهٌ**
- 898 pl. बाप, बाप-दादा **أَبَاءَ**
- (sr.: **أَبٌ**)
- 899 fg. हो गुज़री, हो चुकी है **خَلَّتْ**
- 900 उस चीज़ से **عَمَّا**
- 901 im. pl. हो जाओ **كُونُوا**
- 902 pl. हिदायत पा जाओगे,  
(पथ-प्रदर्शन) **تَهْتَدُوا**
- 903 यकसू **حَنِيفًا**
- 904 औलाद **أَلْأَسْبَاطَ**
- 905 pv. दी गई **أُوتِيَ**
- 906 नबी **نَبِيُّونَ**
- (sr.: **نَبِيٌّ**)
- 907 फ़र्क़ किया, जुदाई डाला, 753 **فَرَّقَ**  
(vn.: **تَفَرَّقَ**)
- 908 दर्मियान, बीच में **بَيْنَ**
- 909 कोई एक, किसी एक **أَحَدٍ**
- 910 मुंह मोड़ें, फिर जावें **تَوَلَّوْا**
- 911 इख़तिलाफ़, हट धरमी, 1052 **شِقَاقٌ**
- 912 पस **فَ**
- 913 क़रीब, नज़दीक **سَ**
- 914 काफ़ी होगा **يَكْفِي**

- (vn.: كَفَايَةٌ)
- 915 तुझ को كَ
- 916 काफी होगा तुझ को يَكْفِيكَهُمُ اللَّهُ  
उनके मुकाबिल में अल्लाह
- 917 रंग صِبْغَةٌ
- 918 कौन, किसका مَن
- 919 ज़ियादा अच्छा, ज़ियादा बेहतर أَحْسَنَ
- 920 ap. बन्दगी करनेवाले, عَابِدُونَ  
भक्तजन (sr.: عَابِدٌ)
- 921 अल्लाह के बारे में فِي اللَّهِ
- 922 ap. मुख़्लिस होकर مُخْلِصُونَ

- बनदगी करनेवाले,  
एकनिष्ठ होकर बनदगी करनेवाले
- 923 ज़ियादा वाकिफ़, أَعْلَمُ  
अधिक ज्ञानवान्
- 924 छुपाया كَتَمَ
- 925 गवाही شَهَادَةٌ

रुकूऽ	16	v: 12	16	रुकوع
-------	----	-------	----	-------

अल्लाह के फ़ज़ल व करम से आप इस लुगातुल कुर्आन का छेटा (1/6) हिस्सा पूरा कर चुके हैं जबकि आपने कुर्आन का सिर्फ़ एक पारा ही पूरा किया है। वास्तव में आपने 25% से अधिक या इस शब्द कोश के एक चौथाई शब्दों को पढ़ा है। इस लिये आग बढ़ते रहिये और शैतानी वस्वसे (बहकावे) की वजह से धीमे मत होजाइये। याद रहे कि इस ज़मीन में अल्लाह की किताब के सिवाये और कोई भी ऐसी किताब नहीं है जिसमें अधिक ध्यान दिया जाए।

عَنْ عُثْمَانَ بْنِ عَفَّانَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ قَالَ: قَالَ رَسُولُ اللَّهِ ﷺ:

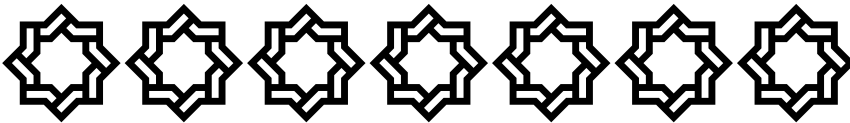
"خَيْرُكُمْ مَنْ تَعَلَّمَ الْقُرْآنَ وَعَلَّمَهُ"

رَوَاهُ الْبُخَارِيُّ

हज़रत उस्मान बिन अफ़ान رضي الله عنه से रवायत है कि

हज़ूर ﷺ ने फ़रमाया:

तुममे सबसे अच्छा वह है जिस ने कुर्आन को  
सीखा (समझा) और सिखाया (बुख़ारी)



## पार: 2

## ﴿ جُزء : سَيَقُولُ ﴾

- 926 अन्करीब, बस अब **س**
- 927 किस चीज़ ने फेर **مَا وَلَّهُمْ**  
दिया उनको, 948
- 928 किबलः, मक्के में स्थित विश्व **قِبْلَةَ**  
के मुसलमानों की इबादतगाह
- 929 उम्मत दर्मियानी, **أُمَّةً وَسَطًا**  
बीच की राहवाली जमात
- 930 इसी तरह **كَذَلِكَ**
- 931 नहीं बनाया हमने **مَا جَعَلْنَا**
- 932 कौनसा ( **مِنْ + مِنْ** ) **مِمَّنْ**
- 933 फिर जाता है **يَنْتَقِلُ**  
(*vn.*: **انْقِلَابٌ**)
- 934 ऐड़ी **عَقِبٌ**
- 935 *dl.* अपनी ऐड़ियों पर, **عَقِيْبِهِ**  
उलटे फिरने के लिए बोला जाता है
- 936 अगरचे थी **اِنْ كَانَتْ**
- 937 अलबत्ता, ज़रूर **لَ**
- 938 बड़ी बात, भारी, 367 **كَبِيْرَةً**
- 939 ज़ाया (अकारत) करे **يُضَيْعُ** (*ض ي ع*)
- 940 शफ़क़्त (करूणा) **رَوْوْفٌ**
- 941 तहकीक, बिला शुबह, यकीनन **قَدْ**

- 942 हम देखते हैं **نَرَى**
- 943 फिरना, पलटना **تَقَلَّبَ** ( **ق ل ب** )
- 944 चेहरा तेरा **وَجْهَكَ**
- 945 पस अलबत्ता हम फेर देंगे **فَلَنُوَلِّيَنَّكَ**  
तुझको
- 946 पस **فَ**
- 947 अलबत्ता, ज़रूर **لَ**
- 948 हम फेर देंगे ज़रूर **نُوَلِّيَنَّ** ( **و ل ي** )
- 949 तुझको **كَ**
- 950 *im.* फेर दे, 967 **وَلَّ**
- 951 तरफ़ **شَطْرَ**
- 952 मक्कः-मुकर्रमः की **اَلْمَسْجِدِ الْحَرَامِ**  
मस्जिद जहाँ काबः है
- 953 जहाँ कहीं, जिस जगह **حَيْثُ**
- 954 *pv.* दी गई किताब **اَوْثُوْا الْكِتَابَ**  
जिनको
- 955 नहीं **مَا**
- 956 अलबत्ता अगर **لِيَنْ**
- 957 ला दे तू **اَتَيْتَ**
- 958 पहचानते हैं **يَعْرِفُوْنَ**
- (*vn.*: **مَعْرِفَةٌ**)
- 959 बेटे **اَبْنَاءُ**
- (*sr.*: **اَبْنٌ**)

960 छुपाना, 291, 354, 547 كَتَمَ  
961 ap. शक लाने वाले مُمْتَرِينَ

रुकू	17	v: 6	1	रुकوع
------	----	------	---	-------

962 रूख, दिशा وَجْهَةً  
963 ap. फेरनेवाला مُؤَلِّي  
964 im. pl. सबक़त चाहो, आगे बढ़ो اسْتَبَقُوا  
965 नेकियाँ, पुण्य-साधन خَيْرَاتٍ  
966 जहाँ कहीं أَيْنَمَا  
967 im. फेर दे وَلَّ  
968 ताकि न لِنَلَّا  
(ل + اَنْ + لَأ + ك + लिए+नहीं)  
969 दलील, युक्ति, हज्जत حُجَّةً  
970 तमाम करूँ मैं, पूरी कर दूँ मैं اَتِمُّ  
971 शायद, ताकि لَعَلَّ  
972 pl. तुम हिदायत (सुपथ) पाओ تَهْتَدُونَ  
973 जैसा कि كَمَا  
974 भेजा हमने اَرْسَلْنَا  
975 pl. बीच तुम्हारे فِيكُمْ  
976 तिलावत (पाठ) करता है يَتْلُوا  
(vn.: تَلَاوَةٌ)

977 याद करना, स्मरण करना, डَكَّرَ  
सुमरना, 1246

978 शुक्र करना, कृतज्ञहोना شَكَرَ

रुकू	18	v: 5	2	रुकوع
------	----	------	---	-------

979 साथ مَعَ  
980 अल्लाह की राह سَبِيلِ اللَّهِ  
981 pl. मुर्दे, मृत اَمَوَاتٍ  
(sr.: مَيِّتٌ)  
982 pl. ज़िन्दे, जीवित اَحْيَاءُ  
(sr.: حَيٌّ)  
983 हम आज़मायेंगे, हम परीक्षा लेंगे نَبُلُوا  
984 भूक جُوعٌ  
985 नुक़सान, हानि نَقْصٌ  
986 pl. माल (धन-सम्पदा) اَمْوَالٌ  
987 pl. फ़ल ثَمَرَاتٌ  
(sr.: ثَمْرَةٌ)  
988 fg. पड़ी, पहुँची اَصَابَتْ  
989 मुसीबत, विपत्ति مُصِيبَةٌ  
990 रहमत, अनुग्रह, करूणा صَلَوَاتٌ  
991 दो पहाड़ियों के नाम صَفَا وَ مَرْوَةٌ  
जो मक्के में  
मस्जिदे-हराम के करीब है  
992 निशानियाँ شَعَائِرٌ

	(sr.:	شِعَارٌ		
993	हज किया	حَجَّ		
994	उमर: किया	اعْتَمَرَ		
995	गुनाह, पातक	جُنَاحٌ		
996	खुशी से किया	تَطَوَّعَ		
997	क़दर (मूल्यांकन) करने वाला,	شَاكِرٌ		
998	जाननेवाला, सर्वज्ञ	عَلِيمٌ		
999	pl. सब	اجْمَعِينَ		
1000	हल्का किया	خَفَّفَ		
1001	pv. मुहलत (सावकाश) (ن ظ ر) दिये जायेंगे	يُنظَرُونَ		
				ركوع
			3	
			19	
			v: 11	
			रुकू	
1002	vn. पैदाकरना, सृजनकरना	خَلَقَ		
1003	vn. बदलते आना, आगे पीछे, परिवर्तन	اِخْتَلَفَ		
1004	रात	لَيْلٍ		
	(pl.:	لَيَالِيٌ		
1005	दिन	نَهَارٌ		
1006	कशती, नाव	فُلْكَ		
1007	fg. चलती है	تَجْرِي		
1008	समुद्र	بَحْرٌ		
1009	फैलाया			
1010	जानदार, जीव-जन्तु	دَابَّةٌ		

	(pl.:	دَوَابٌّ		
1011	फेरना, (हवाओं का) संचारणvn.	تَصْرِيْفٌ		
1012	हवाएँ	رِيَّاحٌ		
	(sr.:	رِيْحٌ		
1013	बादल	سَحَابٌ		
1014	काबू में किया हुआ, आज्ञानुवर्तीpp.	مُسَخَّرٌ		
1015	दर्मियान, बीच में	بَيْنَ		
1016	सिवाय अल्लाह के	دُونِ اللّٰهِ		
1017	pl. बराबर, समान, मद्दे मुक़ाबिल, स्थानापन्न	اَنْدَادًا		
1018	मुहब्बत, प्रेम	حُبٌّ		
1019	ज़ियादा मज़बूत, दृढतर, 563, 645	اَشَدُّ		
1020	अलग हो गया	تَبَرَّأَ (ب ر ء)		
1021	इत्तिबाज़ किये गये	تُبْعُوا		
1022	इत्तिबाज़ (पैरवी) की, अनुकरण किया	اتَّبِعُوا (ت ب ع)		
1023	कट गया	تَقَطَّعَ (ق ط ع)		
1024	वसीले, रिश्ते, डोर सम्बन्ध	اَسْبَابٌ		
1025	अगर होती हमारे लिए	لَوْ اَنَّ لَنَا		
1026	वापसी, दोबारा पलटना	كِرَّةٌ		
1027	pl. अफ़सोस, हसरत, अनुताप	حَسْرَاتٌ		

1028 *ap.* निकलने (छुटकारा पाने) **خَارِجِينَ**  
वाले

1029 आग **نَار**

रुकूऽ	20	v: 4	4	رکوع
-------	----	------	---	------

1030 पाक, सुथरा, पवित्र **طَيِّبًا**

1031 कदम बकदम, पदचिह्नों पर **خُطُوتًا**  
(*sr.*: **خُطُوةٌ**)

1032 बुराई, दृष्कर्म **سُوءٌ**

1033 *pl.* बेहयायी, अश्लीलता **فَحْشَاءٌ**

1034 पाया हमने **الْفِينَا**

1035 क्या अगर **أَوَلَوْ**

1036 चिल्लाना **نَعَقٌ**

1037 बुलाना **دُعَاءٌ**

1038 पुकारना **نِدَاءٌ**

1039 उसी की **أَيَّاهُ**

1040 हराम किया, निषिद्ध **حَرَمٌ**

1041 मुरदार, मरे हुए **مَيْتَةٌ**

1042 खून, लहू **دَمٌ**

1043 गोशत, मांस **لَحْمٌ**

1044 सुवर **خِزْيِيرٌ**

1045 नामज़द (मनोनीत) किया जाये **أَهْلٌ**

1046 *pv.* बेबस हो जाय **أَضْطَرٌّ**

1047 *ap.* बेहुक्मी करनेवाला, **بَاغٍ**  
अवज्ञाकारी

1048 *ap.* ज़ियादती करनेवाला **عَادٍ**  
मर्यादा भंग करनेवाला

1049 गुनाह, पाप (*pl.*: **آثَامٌ**) **إِثْمٌ**

1050 पेट (*sr.*: **بَطْنٌ**) **بُطُونٌ**

1051 कैसा सब्र (संतोष) है उनको **فَمَا أَصْبَرَهُمْ**

1052 ज़िद (सच्चाई से अलग होकर)

वैमनस्य से फट जाना **شِقَاقٌ**

1053 दूर **بَعِيدٌ**

रुकूऽ	21	v: 9	5	رکوع
-------	----	------	---	------

2nd पार:	1/4	ربعُ جُزْءٍ: سَيَقُولُ
----------	-----	------------------------

1054 नहीं है **لَيْسَ**

1055 नेकी, भलाई, धर्म परायणता **بِرٌّ**

1056 तरफ **قَبَلٌ**

1057 दिया (*vn.*: **أَيْتَاءٌ**) **أَتَى**

1058 करावत वाले, **ذَوِي الْقُرْبَى**

आत्मीय परिजनों, 613

1059 यतीमों, अनाथों, 614 **يَتَامَى**

(*sr.*: **يَتِيمٌ**)

1060 मिस्कीन, मुहताजों, 615 **مَسَاكِينٌ**

(*sr.*: **مِسْكِينٌ**)

1061 राह चलते मुसाफ़िरों **أَبْنُ السَّبِيلِ**





- 1097 दिन (sr.: **يَوْمٌ**) **أَيَّامٌ**
- 1098 गिन्ती के गिने हुए **مَعْدُودَةٌ**
- 1099 गिनती **عِدَّةٌ**
- 1100 pl. बड़ाई बयान करो, महिमागान **تُكَبِّرُوا**
- 1101 सवाल (जिज्ञासा) किया **سَأَلَ**
- (vn.: **سُئِلَ**)
- 1102 मेरे मुतअल्लिक (सम्बन्ध में) **عَنِّي**
- (عَنْ + ي)
- 1103 पहुँचता हूँ, कबूल करता हूँ **أَجِيبُ**
- 1104 पुकार, प्रार्थी, 518 **دَعْوَةٌ**
- 1105 पुकारा मुझे **دَاعٍ**
- (دَعَا , يَدْعُو , دَعْوَةٌ)
- 1106 पुकारा मुझे **دَعَانَ**
- 1107 पस चाहिए कि **فَلْيَسْتَجِيبُوا** (ج و ب)  
कबूल करें वह
- 1108 मेरे लिए, मुझको **لِي**
- 1109 भलाई, सुपथ, (भली) राह पकड़ी **رَشَدًا**
- 1110 pv. हलाल किया गया **أَحِلَّ**
- 1111 रात रोज़ों की **لَيْلَةَ الصِّيَامِ**
- 1112 मुबाशिरत करना (सहवास) **رَفَثًا**
- 1113 pl. बीवियाँ तुम्हारी **نِسَاءَكُمْ**

- 1114 fg. वह (स्त्रीलिंग के लिए) **هِنَّ**
- 1115 पोशाक, वस्त्र **لِبَاسٌ**
- 1116 pl. कि तुम **أَنْكُمْ**
- 1117 pl. ख़ियानत करते थे (ع و ن) **تَخْتَانُونَ**  
तुम, कटौती, घटकर्मि
- 1118 माफ़ किया **عَفَا**
- 1119 अब **الْتَنَ**
- 1120 मेल रखो, सहवास करो **بِأَشْرُوا**
- (vn.: **مُبَاشَرَةٌ**)
- 1121 im. pl. चाहो **ابْتَعُوا**
- 1122 धारी **خَيْطٌ**
- 1123 सफ़ेद **أَبْيَضٌ**
- 1124 सियाह, काली **أَسْوَدٌ**
- 1125 pl. पहुँचाओ, पेश करो (دل ي) **تُدُلُّوْا**

रुकूः	23	v: 6	7	रकوع
-------	----	------	---	------

- 1126 नये चाँद **أَهْلَةٌ**
- 1127 वक़्त मालूम करने का ज़रिया **مَوَاقِفَاتٍ**  
(sr.: **مَيْقَاتٌ**)
- 1128 घर-बहुवचन **بُيُوتٌ**
- (sr.: **بَيْتٌ**)
- 1129 दरवाज़े (sr.: **بَابٌ**) **أَبْوَابٌ**

- 1130 *im. pl.* लड़ो قَاتِلُوا
- 1131 पाना ثَقِفَ
- 1132 *pl.* पावो तुम ثَقِفْتُمُوًّا (ث ق ف)
- 1133 बाज़ रहें, दूर रहें اِنْتَهَوْا  
(*vn.*: اِنْتِهَاءٌ)
- 1134 ज़ियादती عُدْوَانٌ
- 1135 हरमत वाला महीना اَلشَّهْرُ الْحَرَامُ
- 1136 अदब के काबिल, इहतिराम के काबिल حُرْمَاتٌ
- 1137 हलाकत تَهْلُكَةٌ
- 1138 *pv.* घेर लिये اُحْصِرْتُمْ (ح ص ر)  
जाओ तुम
- 1139 हो सके, मिल सके اسْتَيْسَرَ
- 1140 कुर्बानी اَلْهَدْيُ
- 1140 हजामत न कराओ لَا تَحْلِقُوا (ح ل ق)
- 1142 सर (sr.: رَأْسٌ) رُؤُوسٌ
- 1143 पहुँचे يَبْلُغُ (ب ل غ)
- 1144 ठिकाने अपने مَحَلَّةٌ
- 1145 तकलीफ़, पीड़ा اَذَى
- 1146 कुरबानी نُسُكٌ
- 1147 *pl.* अमन में हो जाओ तुम, निश्चिन्त हो اَمِنْتُمْ
- 1148 फ़ायदः उठाया, लाभान्वित हुआ تَمَتَّعَ (م ت ع)
- 1149 तीन ثَلَاثَةٌ
- 1150 सात سَبْعَةٌ
- 1151 दस عَشْرَةٌ
- 1152 *pl.* लौटो तुम, पलटो तुम رَجَعْتُمْ (ر ج ع)
- 1153 घरवाले, परिवार حَاضِرِيٌّ
- 1154 रहनेवाले مَضَافٌ है. حَاضِرِيْنَ (असल में होने के कारण इसका गिर गया)
- 1155 सख्त अज़ाब شَدِيدُ الْعِقَابِ (कठोर दण्ड) देने वाला

रुकूः 5	24	v: 8	8	رُكُوعٌ
---------	----	------	---	---------

- 1156 महीने اَشْهُرٌ  
(sr.: شَهْرٌ)
- 1157 *pl.* मालूम, जाने हुए مَعْلُومَاتٌ
- 1158 लाज़िम किया, फ़र्ज़ किया فَرَضَ  
निश्चित कर्तव्य
- 1158a बेपर्दगी, अश्लीलता, विषयभोग رَفَثٌ
- 1159 *pl.* गुनाह-नाफ़रमानी, अवज्ञा, मर्यादा की उपेक्षा فُسُوقٌ

	(sr.: فسقٌ)	
1160	झगड़ा करना	جَدَالٌ
1161	im. pl. खर्च साथ लो, (زود) تَرَوَدُوا ज़ादेराह (तीर्थयात्रा के लिए अवश्यक सामान)	
1162	बेहतर सामान सफ़र का, خَيْرُ الزَّادِ ज़ियादा अच्छा सामान सफ़र का	
1163	तक्वा, परहेज़गारी	التَّقْوَى
1164	लौटना, पलटना	أَفْضَى
1165	हज के मैदान का नाम	عَرَافَاتُ
1166	मुज़दल्फ़: का मुकाम	الْمَشْعَرِ الْحَرَامِ
1167	pl. पूरा कर चुको तुम	قَضَيْتُمْ
1168	हज के काम (अर्कान)	مَنَاسِكُ
	(sr.: مَنَسِكٌ)	
1169	im. दे हमको	إِنَّا
1170	im. बचा	قِ
	(وَقَى، يَقِي، وَقَايَةٌ)	
1171	बचा हमको	قِنَا
1172	हिस्सा, भाग	نَصِيبٌ
1172a	कमाया उन्होंने	كَسَبُوا
1173	जल्द लेनेवाला	سَرِيعٌ

1174	जल्दी की, जल्दी चला गया	تَعَجَّلَ
1175	dl. दो दिन (sr. يَوْمٌ)	يَوْمَيْنِ
1176	पीछे रहा	تَأَخَّرَ
1177	अजीब (अनोखी) लगे (ع ج ب)	عَجِبَ
1178	vn. बात	
	(pl.: أَقْوَالٌ)	
1179	सख्त झगड़ा लू	اللُّدَّ الْخَرِصَامِ
1180	हाकिम हुआ, मुतवल्ली हुआ	تَوَلَّى
	पीठ फेरी	
1181	कोशिश की, दौड़ धूप की	سَعَى
	(vn.: سَعَى)	
1182	खेती	
1183	जानों, जानदार, जीवों, नस्ल	النَّسْلِ
1184	ग़लबः, विकार, ताक़त	عِزَّةٌ
1185	काफ़ी	حَسْبُ
1186	बिछौना, ठिकाना	مِهَادٌ
1187	बेचता है	يَشْتَرِي
1188	चाहना, कामना, तलब	إِتِّغَاءٌ
1189	रज़ामन्दी, प्रसन्नता	مَرَضَاتٌ
1190	दाख़िल हुआ, प्रवेश किया	دَخَلَ
1191	फ़रमाँवरदारी, इस्लाम	السَّلْمُ
1192	पूरे-पूरे, पूर्णतः	كَافَّةً

1193	फिसला, ढगमगाया	زَلَّلْ
1194	सायबान, छाया करने वाले	ظَلَّلْ
1195	बादल	غَمَامٌ
1196	पूरे हों काम, चुका दिये जायें सब काम	قُضِيَ الْأَمْرُ

रुकूऽ	25	v: 14	9	रुकوع
-------	----	-------	---	-------

1197	im. पूछ	سَلْ
1198	कितना, कितनी	كَمْ
1199	pv. ज़ीनत दी गयी, सवाँरी गई	زُيِّنَ (زي ن)
1200	हँसा, ठट्ठा किया	سَخَّرَ (س خ ر)
1201	एक	وَاحِدَةً
1202	भेजा, उठाया, 422, 886	بَعَثَ
1203	pl. गुमान किया तुमने, समझ रखा तुमने	حَسِبْتُمْ (ح س ب)
1204	फ़ैसला कर दे, निर्णय कर दे (vn.:	يَحْكُمُ (ح ك م) حُكْمٌ
1205	अभी नहीं	لَمَّا
1206	हालत, मिसाल, तरह	مَثَلٌ
1207	लगा, छुआ	مَسَّ
1208	pv. हिला दिये गये (vn.:	زُلْزِلُوا زَلْزَلَةٌ
1209	कब	مَتَى

1210	मदद् अल्लाह की	نَصْرُ اللَّهِ
1211	क्या, कितना	مَاذَا
1212	कराबतवाले, आत्मीयजन, 1058	أَقْرَبِينَ
1213	लड़ना, युद्ध	قِتَالٌ
1214	नापसन्द, अप्रिय	كُرْهٌ
1215	शायद, मुमकिन, हो सकता है	عَسَى
1216	बेहतर, अधिक अच्छी, 1088, 1233	خَيْرٌ
1217	बुरी	شَرٌّ

रुकूऽ	26	v: 6	10	रुकوع
-------	----	------	----	-------

1218	रोकना, बन्द करना	صَدَّدَ
1219	ज़ियादा बड़ा, गुरूतर	أَكْبَرُ
1220	नहीं बाज़ आयेंगे, न रूकेंगे	لَا يَزَالُونَ
1221	फेरें वह	يَرُدُّوْا (ر د د)
1222	मक्दूर पावें, कर सकें (vn.:	اسْتَطَاعُوا اسْتِطَاعَةً
1223	फिर जावेगा (मुर्तद) होगा (vn.:	يَرْتَدِدُ ارْتِدَادٌ
1224	ग़ारत हुआ, ज़ाया (अकारत) हुआ	حَبِطَ
1225	हिजरत की, घर-बार छोड़ा	هَاجَرُوا (ه ج ر)

- 1226 जिहाद किया (ج ه د) جَاهِدُوا
- 1227 उम्मीद रखते हैं, प्रत्याशी (ر ج و) يَرْجُونَ
- 1228 शराब خَمْرٌ
- 1229 जुवा, घूत مَيْسِرٌ
- 1230 ज़रूरत से ज़ियादा عَفْوٌ
- 1231 pl. तुम ध्यान दो, समझो, तफ़क्कुर करो تَتَفَكَّرُونَ
- 1232 सँवारना, सुधार, 1236 दुरुस्त करना اِصْلَاحٌ
- 1233 बेहतर, उत्तम, 1088, 1216 خَيْرٌ
- 1234 pl. मिलाओ तुम, साथ रखो तुम تُخَالِطُوا
- 1235 ap. ख़राबी करनेवाला مُفْسِدٌ
- 1236 ap. सँवारनेवाला, 1232 इस्लाह करनेवाला مُصْلِحٌ
- 1237 कठिनाई में डाला اَعْتَتَ
- 1238 ni. pl. निकाह में मत लाओ, निकाह मत करो, 1242 لَا تَنْكِحُوا
- 1239 fg. मुश्रिक औरतें (sr.: مُشْرِكَةٌ) مُشْرِكَاتٍ
- 1240 लौंडी اِمَةٌ
- 1241 भला मालूम हुआ, (अजीब, तज़ज़ुब) (ع ج ب) اَعْجَبَ
- 1242 ni. pl. निकाह में (ن ك ح) لَا تَنْكِحُوا

न दो, 1238

1243 गुलाम, दास عَبْدٌ

1244 पुकारते हैं يَدْعُونَ

1245 बख़िश, क्षमा مَغْفِرَةٌ

1246 नसीहत हासिल करें, चेतें, 977 يَتَذَكَّرُونَ

रुकूः	27	v: 5	11	रुकूः
-------	----	------	----	-------

1247 हैज़, ऋतु (स्त्री के) مَحِيضٌ

माहवारी का खून)

1248 तकलीफ़, निजासत, 1145 اَذَى

1249 im. pl. पस अलग रहो (ع ز ل) فَاعْتَزِلُوا

1250 औरतें نِسَاءٌ

1251 पाक हो जायें (ط ه ر) يَطْهَرُونَ

1252 ap. तौब: करनेवाले تَوَابِينَ

1253 ap. सुथराई (सफ़ाई) مُتَطَهِّرِينَ

का ध्यान रखने वाले,  
पाकीज़गी इख़तियार करने वाले

1254 खेती حَرْثٌ

1255 जब तुम चाहो (pl.) اَتَى شَيْئُكُمْ

1256 आगे भेजो قَدِّمُوا

1257 मिलनेवाले (साक्षात्) مُلَاقُوا

1258 ni. pl. मत बनाओ لَا تَجْعَلُوا

1259 हथकण्डा, आड़, निशाना عُرْضَةٌ

- 1260 कसमें **أَيْمَانٌ**  
(sr.: **يَمِينٌ**)
- 1261 pl. नेक सुलूक करो, सदव्यवहार **تَبَرُّوا**
- 1262 फुजूल, बेकार, अनर्गल **لَغْوٌ**
- 1263 तहम्मलवाला, सहनशील **حَلِيمٌ**
- 1264 कसम खाते **يُؤْلُونَ**  
(vn. कसम खाना: **أَيْلَاءٌ**)
- 1265 इन्तिज़ार करना, राह देखना **تَرَبُّصٌ**
- 1266 चार महीने **أَرْبَعَةَ أَشْهُرٍ**
- 1267 लौट आवें, मिल जायें **فَاعُوْ**
- 1268 इरादा किया, दृढ़ निश्चय किया **عَزَمُوا (ع ز م)**
- 1269 pp. pl. तलाक़ दी जाने वाली औरतें **مُطَلَّقَاتٌ**
- 1270 तीन (3) **ثَلَاثَةً**
- 1271 हैज़, माहवारी **قُرُوءٌ**  
(sr.: **قُرْءٌ**)
- 1272 पेट, womb **أَرْحَامٌ**  
(sr.: **رَحِمٌ**)
- 1273 शौहर, पति **بُعُولٌ**  
(sr.: **بَعْلٌ**)
- 1274 ज़ियादा हक़दार, अग्राधिकारी **أَحَقُّ**

- 1275 लौटाना **رَدٌّ**
- 1276 इस (मुद्दत) में **فِي ذَلِكَ**
- 1277 मर्द, पुरूष **رِجَالٌ**  
(sr.: **رَجُلٌ**)

रुकूऽ	28	v: 7	12	رُكُوعٌ
-------	----	------	----	---------

- 1278 तलाक़ देना **طَلَّقَ**
- 1279 दो मर्तबा **مَرَّتَانِ**
- 1280 vn. रोक लेना, 1294 **أَمْسَاكَ**
- 1281 भला, अच्छा, ठीक, बेहतर **مَعْرُوفٌ**
- 1282 vn. रूख़सत करना, छोड़ देना **تَسْرِيحٌ**
- 1283 vn. अच्छी तरह से **أَحْسَانٌ**
- 1284 नहीं हलाल होगा (अभोग्य) **لَا يَحِلُّ**
- 1285 कि नहीं **أَلَّا (أَنْ + لَا)**
- 1286 dl. कायम रखेंगे वह दोनों **يُقِيمَا**  
(vn.: **أَقَامَةً**)
- 1287 हदें अल्लाह की (सीमाएँ) **حُدُودُ اللَّهِ**
- 1288 गुनाह, पाप **جُنَاحٌ**
- 1289 हद (सीमा) से गुज़र जाये, मर्यादा का लंघन करे **يَتَعَدَّ**
- 1290 सिवाय उसके **غَيْرُهُ**
- 1291 dl. लौट आयें वह दोनों **يَتَرَجَعَا**
- 1292 fg. पहुँच जायें **بَلَّغْنَ**

- 1293 वक्त, मुद्दत, **أَجَلٌ**  
नियत समय (इद्दत)
- 1294 *im. pl.* रोके रखो, **أَمْسِكُوا**  
रहने दो, 1280
- 1295 *im. pl.* रूखसत कर दो, 1282 **سَرَّحُوا**
- 1296 ईजा देना, सताना **ضِرَارٌ**
- 1297 नसीहत करता है **يَعِظُ** (وعظ)  
(*vn.*: وَعَظٌ)

रुकू	29	v: 3	13	ركوع
------	----	------	----	------

<b>2nd पार:</b>	ثلاثة ارباع جزء: سِقُونٌ
-----------------	--------------------------

- 1298 *ni. pl.* मत रोको (ع ض ل) **لَا تَعْصُلُوا**
- 1299 ज़ियादा पाकीज़ः, परमपवित्र **أَزْكَى**
- 1300 बहुत पाक **أَطْهَرُ**
- 1301 माएँ, माताएँ **وَالِدَاتِ**  
(माँ, माता **وَالِدَةٌ**)
- 1302 दूध पिलावें, 1305, 1318 (ر ض ع) **يُرْضِعْنَ**
- 1303 *dl.* दो बरस (साल) **حَوْلَيْنِ**
- 1304 *dl.* पूरे दो **كَامِلَيْنِ**
- 1305 *vn.* दूध पिलाना, 1302, 1318 **الرَّضَاعَةَ**
- 1306 लड़का, बच्चा **مَوْلُودٌ**
- 1307 लड़केवाला (पिता) **مَوْلُودٌ لَهُ**
- 1308 खाना

- 1309 पहनावा **كِسْوَةٌ**
- 1310 *pv.* नहीं तकलीफ़ दी जाती **لَا تُكَلِّفُ**
- 1311 उसकी ताक़त, समाई भर **وُسْعَهَا**  
( है *fg.* अरबी में **نَفْسٌ** )
- 1312 *pv.* हानि न पहुँचायी जाये **لَا تُضَارُّ**
- 1313 माँ **وَالِدَةٌ**
- 1314 बच्चा, लडका **وَلَدٌ**
- 1315 इसी तरह **مِثْلُ ذَلِكَ**
- 1316 दूध छुड़ाना **فِصَالًا**
- 1317 मशवरः करना, सम्मित **تَشَاوُرٌ**
- 1318 *pl.* दूध पिलवाओ तुम, 1302, 1305 **تَسْتَرْضِعُوا**
- 1319 *pl.* पूरा दे चुको तुम **سَلَّمْتُمْ**
- 1320 वफ़ात (मृत्यु) पायें **يُتَوَفَّوْنَ**
- 1321 छोड़ जाते हैं **يَذَرُونَ**
- 1322 चार (4) **أَرْبَعَةٌ**
- 1323 दस (10) **عَشْرًا**
- 1324 *pl.* तुमने इशारे (संकेत) में कहा, पेश किया **عَرَضْتُمْ**
- 1325 मँगनी (बात-चीत) औरतों की **خِطْبَةِالنِّسَاءِ**
- 1326 *pl.* छुपाओ तुम **أَكْنَنْتُمْ**
- 1327 छुपा, पोशीदः, राज **سِرٌّ**

- 1328 इरादा करना, निश्चय करना عَزَمَ
- 1329 निकाह का عَقْدَةُ النِّكَاحِ  
नाता जोड़ना या गिरह बाँधना
- 1330 डरना, बचना, सचेत रहना, حَذَرَ  
खबरदार रहना

रुकूऽ	30	v: 4	14	رکوع
-------	----	------	----	------

- 1331 छूना, हाथ लगाना مَسَّ
- 1332 मुक़र्रर (निश्चित) करना فَرِيضَةً
- 1333 समाईवाला, खुशहाल, समरथ مَوْسِعٌ
- 1334 तंगदस्त, ग़रीब, धनहीन مُقْتَرِرٌ
- 1335 आधा نَصْفٌ
- 1336 दरगुज़रकरना, छोड़देना عَفْوٌ  
माफ़ करना
- 1337 ज़ियादा करीब है أَقْرَبُ
- 1338 परहेज़गारी, संयम تَقْوَى
- 1339 ni. pl. मत भूलो (ن س ي) لَأَتَنَّسُوا
- 1340 भलाई, फ़ज़ीलत فَضْلٌ
- 1341 im. pl. हिफ़ाज़त (ح ف ظ) حَافِظُوا  
रक़्खो, सतर्क रहो
- 1342 नमाज़ें صَلَوَاتٍ  
(sr.: صَلَوَةٌ)
- 1343 बीच की नमाज़ اَلصَّلَاةُ اَلْوُسْطَى
- 1344 im. pl. खड़े हो जाओ قَوْمُوا

- 1345 pl. अदब से, भक्तिपूर्वक قَانِتِينَ
- 1346 प्यादा, पैदल رَجَالًا
- 1347 सवारी पर, सवार رُكْبَانًا
- 1348 गुज़र बसर का सामान, फ़ायदा مَتَاعًا
- 1349 एक साल اَلْحَوْلُ
- 1350 न निकाली जाये (خ ر ج) غَيْرَ اٰخْرَاجٍ

रुकूऽ	31	v: 7	15	رکوع
-------	----	------	----	------

- 1351 क्या नहीं देखा तूने اَلَمْ تَرَ
- 1352 हज़ारों اَلْوَفُ
- (sr.: 1000 اَلْفٌ)
- 1353 डर मौत का حَذَرَ اَلْمَوْتِ
- 1354 im. pl. मरजाओ (م و ت) مُوْتُوا
- 1355 कौन है ऐसा जो مَنْ ذَا لَدِي
- 1356 कर्ज़ देगा يُقْرِضُ
- 1357 दुगना اَضْعَافًا  
(sr.: ضِعْفٌ)
- 1358 बहुत كَثِيرَةً
- 1359 घटना, तंगी करना, قَبْضٌ  
कमी करना
- 1360 फैलाना, कुशादा करना, बढ़ाना بَسَطُ
- 1361 सरदार مَلَأُ
- 1362 im. नियुक्त कर, खड़ा कर, 1373 اَبْعَثُ



1363	बादशाह, शासक	مَلِكًا
1364	क्या? (प्रश्नवाचक)	هَلْ
1365	pl. तुम नज़दीक हो, (आशा की जाए तुमसे)	عَسَيْتُمْ
1366	अगर	أَنْ
1367	कि नहीं (أَنْ + لَا)	أَلَّا
1368	क्यों नहीं हमको	وَمَا لَنَا
1369	तहकीक, बिला शुबह, यकीनन	قَدْ
1370	निकाले गये हम pv.	أُخْرِجْنَا
1371	बेटे, बाल-बच्चे	أَبْنَاءَ
1372	फिर गये वह, मूँह मोड़ बैठे	تَوَلَّوْا
1373	मुक़र्रर (नियुक्त) किया, 1362	بَعَثَ
1374	एक मोमिन सरदार का नाम	طَالُوتَ
1375	कहाँ, किस तरह	أَيَّ
1376	होगा	يَكُونُ
1377	pv. दिया गया	يُؤْتِ
1378	वुसअ़त, अधिकता, कुशादगी	سَعَةً
1379	पसन्द किया, चुन लिया	اصْطَفَى
1380	ज़ियादा किया	زَادَ
1381	फैलाव, कुशादगी	بَسْطَةً
1382	एक सन्दूक	تَابُوتُ
1383	तसकीन, आराम	سَكِينَةً

1384	बाकी, अवशेष	بَقِيَّةً
1385	छोड़ा	تَرَكَ
1386	उठाये हुए	تَحْمِيلُ
1387	फ़रिश्ते	مَلَائِكَةً

रकूऽ	32	v: 6	16	रकوع
------	----	------	----	------

1388	जुदा हुआ, निकला, चला	فَصَلَ
1389	लश्कर, सेना	جُنُودٌ
1390	आज़मानेवाला है तुम को	مُتَبَلِّغُكُمْ
1391	ap. परीक्षा करनेवाला, आज़मानेवाला	مُتَبَلِّغِي
1392	नदी, नहर (pl.: أَنْهَارٌ)	نَهْرٌ
1393	पिया	شَرِبَ
1394	नहीं है	لَيْسَ
1395	चखना, खाना	طَعَمَ
1396	चुल्लू भर	عُرْفَةَ
1397	हाथ	يَدٌ
	(pl.: أَيْدِيٌ)	

- 1398 पिया उन्होंने شَرَبُوا  
 1399 पार उतरा جَاوَزَ  
 1400 एक ज़ालिम और मुशिरक جَالُوتُ  
 बादशाह  
 1401 कि वह اَتَّهُمْ  
 1402 *ap.* मिलनेवाले مُلَاقُوا  
 1403 कितने كَمْ  
 1404 थोड़े, थोड़ी قَلِيلَةٌ  
 1405 ग़ालिब आई, विजयी हुई غَلِبَتْ  
 1406 टोली, गिरोह, जमात فِئَةٌ  
 1407 ज़ाहिर हुए, खुल्लम खुल्ला بَرَزُوا  
 मुक़ाबले के लिये निकले  
 1408 *im.* डालदे اَفْرَغَ (ف ر غ)  
 1409 *im.* साबित जमाये रख ثَبَّتَ (ث ب ت)  
 1410 पैर, क़दमों اَقْدَامُ  
 (*sr.:* قَدَمٌ)  
 1411 मदद दी نَصَرَ  
 1412 शिकस्त दी, हराया هَزَمَ  
 1413 हटाना, दूर करना, प्रतिरोध دَفَعَ  
 1414 *fg.* फ़साद से भर जाती, فَسَدَتْ  
 व्यवस्था बिगड़ जाती  
 1415 ज़मीन, धरती اَرْضُ  
 1416 फ़ज़लवाला, कृपावन्त ذُو فَضْلٍ

- 1417 ये, वह تَلَكْ  
 1418 बेशक तू اِنَّكَ  
 1419 अलबत्ता से, यकीनन لَمِنْ  
 1420 रसूलों مُرْسَلِينَ  
 (*sr.:* مُرْسَلٍ)

﴿ جزء : تَلَكْ الرُّسُلُ 3 पार: 3 ﴾

- 1421 *pl.* रसूल (पैग़म्बर) رُسُلٌ  
 1422 कलाम किया, बातचीत की كَلَّمَ  
 1423 ताईद (समर्थन) اَيَّدَاهُ  
 की हमने उसकी  
 1424 रूहपाक, Holy Spirit, رُوحُ الْقُدُسِ  
 ह. जिब्रील الطَّيْرُ  
 1425 लड़ा, झगड़ा اَقْتَتَلَ  
 1426 करता है يَفْعَلُ  
 1427 इरादा करता है, चाहता है يُرِيدُ  
 (*vn.:* اِرَادَةٌ)

रकूऽ	33	v: 5	1	रकوع
------	----	------	---	------

- 1428 *im. pl.* खर्च करो اَنْفَقُوا  
 1429 बेचना, तिजारत بَيْعٌ  
 1430 दोस्ती خَلَّةٌ  
 1431 शफ़ाज़त, सिफ़ारिश شَفَاعَةٌ  
 1432 ज़िन्दा اَلْحَيُّ  
 1433 कायम, हमेशा कायम قَيُّومٌ

- रहनेवाला, नित्य, खुद से कायम
- 1434 ऊँघ **سِنَّةٌ**
- 1435 नींद **نَوْمٌ**
- 1436 कौन है **مَنْ ذَا**
- 1437 जो शख्स **الَّذِي**
- 1438 इजाज़त, हुकम, अनमति **أَذْنٌ**
- 1439 दर्मियान **بَيْنَ**
- 1440 सामने (आगे) उनके **بَيْنَ أَيْدِيهِمْ**
- 1441 नहीं घेर सकते **لَا يُحِيطُونَ**  
(vn.: احاطة)
- 1442 कुर्सी, सिंहासन **كُرْسِيٌّ**
- 1443 थकाना **أَوْدٌ**
- 1444 नहीं थकाते **لَا يَتَوَدُّ**
- 1445 बलन्द, अज़ला, सर्वोपरि **عَلِيٌّ**
- 1446 ज़बरदस्ती, जोर-जब्र करना **اِكْرَاهٌ**
- 1447 दीन, धर्म **الدِّينُ**
- 1448 ज़ाहिर (स्पष्ट) हो गई **تَبَيَّنَ**
- 1448a हिदायत, सीधी-सही राह **رُشْدٌ**
- 1449 गुमराही, पथभ्रम **غِيٌّ**
- 1450 शैतान, सर्कश, हर वह **طَاغُوتٌ**
- चीज़ जो खुदा के मुकाबिल  
रखी जाये
- 1451 पकड़ रखा **اسْتَمْسَكَ**

- 1452 कड़ा दस्ता, सशक्त हाथ **عُرْوَةٌ**
- 1453 बहुत मज़बूत **وُثْقَى**
- 1454 नहीं टूटना, अटूट **لَا انفِصَامَ**
- 1455 दोस्त, सहायक **وَلِيٌّ**  
(pl.: **أَوْلِيَاءٌ**)
- 1456 pl. अधियारियाँ, मोहान्धकार **ظُلُمَاتٌ**
- 1457 रौशनी, प्रकाश **نُورٌ**
- |      |    |      |   |       |
|------|----|------|---|-------|
| रकूऽ | 34 | v: 4 | 2 | رَكوع |
|------|----|------|---|-------|
- 1458 हुज्जत की, झगड़ा किया **حَاجٌّ**
- 1459 ज़िन्दा करता है **يُحْيِي**
- 1460 मारता है **يُمِيتُ**
- 1461 मैं **أَنَا**
- 1462 fg. सूरज **شَمْسٌ**
- 1463 भौचक्का रह गया,  
मबहूत हो गया **بُهْتٌ**
- 1464 या, अथवा **أَوْ**
- 1465 जैसे कि, मानिन्द **كَ**
- 1466 गुज़रा, होकर निकला **مَرٌّ**  
(vn.: **مُرُورٌ** traffic)
- 1467 बस्ती, गाँव **قَرْيٌ**  
(pl.: **قُرَى**)
- 1468 fg. वह **هِيَ**
- 1469 fg. गिरी हुई, ढही हुई **خَاوِيَةٌ**

1470	छतरियाँ, छतें	عُرُوشٌ	1490	im. ले, पकड़ ले	خُذْ
1471	fg. इसको	هَذِهِ	1491	चार (4)	أَرْبَعَةٌ
1472	मौत दी	أَمَاتَ	1492	परिन्दा, पक्षी	طَيْرٌ
1473	एक सौ (100)	مِائَةً		(pl.: طُيُورٌ)	
1474	बरस, साल	عَامٌ	1493	im. मानूस कर, पाल ले,	صُرْ
1475	रहा तू	لَبِثَ	1494	पहाड़	جَبَلٌ
1476	खाना, खाने की चीज़	طَعَامٌ		(pl.: جِبَالٌ)	
1477	पीना, पीने की चीज़	شَرَابٌ	1495	हिस्सा, टुकड़ा	جُزْءٌ
1478	नहीं सड़ा	لَمْ يَتَسَنَّهْ	1496	दौड़ कर	سَعَى
1479	im. देख	أَنْظُرْ			
1480	गधा	حِمَارٌ			
1481	हड्डियाँ	عِظَامٌ	1497	दाना (अनाज का)	حَبَّةٌ
1482	कैसे, किस प्रकार	كَيْفَ	1498	उगाई	أَنْبَتَتْ
1483	हम चढ़ाते हैं	نُنَشِّرُ (ن ش ز)		(vn.: أَنْبَاتٌ)	
1484	हम पहनाते हैं	نَكْسُوْا	1499	सात (7)	سَبْعٌ
1485	गोशत, मांस	لَحْمًا	1500	बालियाँ (अनाज की)	سَنَابِلٌ
1486	im. दिखा मुझे	أَرِنِي		(sr.: سُنْبُلَةٌ)	
1487	क्या नहीं	أَوَلَمْ	1501	बढाता है	يُضَاعِفُ
1488	इतमीनान पकड़े, सान्त्वना	يَطْمِئِنُّ		(vn.: مُضَاعَفَةٌ)	
1489	मेरा दिल, मेरा मन	قَلْبِي	1502	खर्च करते हैं	يُنْفِقُونَ
	(: قَلْبٌ)			(vn.: انْفَاقٌ)	
			1503	pl. माल, धन	أَمْوَالٌ
				(sr.: مَالٌ)	

रकूः	35	v: 3	3	रकوع
------	----	------	---	------

- 1504 नहीं पीछे लाते (बाद में) **لَا يُتَّبِعُونَ**  
(vn. पीछे लाना: **اِتِّبَاعٌ**)
- 1505 इहसान, आभा **مَنًّا**
- 1506 तकलीफ़, अज़िय्यत, सताना **أَذَى**
- 1507 बात माकूल **قَوْلٌ مَّعْرُوفٌ**
- 1508 दर गुज़र, (क्षमा) **مَغْفِرَةٌ**
- 1509 ख़ैरात, दान **صَدَقَةٌ**
- 1510 ग़नी, निश्चित, धनी **غَنِيٌّ**
- 1511 तहम्मूलवाला, सहनशील **حَلِيمٌ**
- 1512 *ni. pl.* मत बातिल करो, **لَا تُبْطِلُوا**  
व्यर्थ न करो
- 1513 उस शख्स की तरह **كَالَّذِي**
- 1514 दिखावा करना, रिया करना **رِيَاءٌ**
- 1515 साफ़ चिकना पत्थर, चट्टान **صَفْوَانٌ**
- 1516 मिट्टी **ثُرَابٌ**
- 1517 पड़ी, बरसी **أَصَابَ**
- 1518 जोर की बारिश (वर्षा) **وَأَبَلَ**
- 1519 चिकना साफ़, सख्त **صَلْدًا**
- 1520 उनके हाथ नहीं लगते **لَا يَقْدِرُونَ**
- 1521 चाहना, ढूँडना, तलाश करना **ابْتِغَاءٌ**
- 1522 रज़ामन्दियाँ, **مَرَضَاتِ اللَّهِ**  
खुशी अल्लाह की
- 1523 मज़बूत जमाना, **تَشْيِيتًا**  
साबित, स्थिरता
- 1524 बाग़ **جَنَّةٌ**  
(*pl.*: **جَنَّاتٌ**)
- 1525 बलन्द जगह, उँचे पर **رَبْوَةٌ**
- 1526 मेवा, फल **أَكْلٌ**
- 1527 दो गुना, डबल **ضِعْفَيْنِ**
- 1528 शबनम, हलकी फुवार **طَلٌّ**
- 1529 चाहना, पसन्द करना **وَدٌّ**
- 1530 कोई तम्हारा, कोई तुम में **أَحَدِكُمْ**
- 1531 खजूर **نَخِيلٌ**
- 1532 अंगूर **أَعْنَابٌ**  
(*sr.*: **عِنَبٌ**)
- 1533 बुढ़ापा **كِبَرٌ**
- 1534 औलाद, बाल-बच्चे **ذُرِّيَّةٌ**
- 1535 *pl.* कमज़ोर, दर्बल **ضِعْفَاءٌ**  
(*sr.*: **ضِعْفِيفٌ**)
- 1536 बगोला (आग का गोला) **أَعْصَارٌ**
- 1537 *fg.* जल उठे, **أَحْتَرَقَتْ** (ح ر ق)  
जल कर रह जाये
- 1538 *pl.* तफक्कुर करो तुम, **تَتَفَكَّرُونَ**  
सोच देखो

रुकूऽ	36	v: 6	4	رکوع
-------	----	------	---	------

1539	पाक चीज़ें	طَيِّبَةً
1540	ni. pl. मत निय्यत करो, मत इरादा करो	لَا تَيَّمَّمُوا
1541	नापाक, सड़ी, गंदी, निकृष्ट	خَبِيثَاتٍ
1542	pl. नहीं हो तुम	لَسْتُمْ
1543	ap. लेनेवाले, लेने को तैयार	الْخِذِي
1544	pl. आँख मूँद लो तुम	تُعْمِضُوا
1545	आँख मूँद लेना, निगाह बचा जाना	عَمَضًا
1546	खूबियोंवाला, सर्वगुणसम्पन्न	حَمِيدًا
1547	तंगी, गरीबी	فَقْرًا
1548	बेहयाई, अश्लीलता	فَحْشَاءَ
1549	देता है	يُؤْتِي
1550	समझ, सुबुद्धि, विवेक	حِكْمَةً
1551	नसीहत कुबूल करता (चेतता) है	يَذَكِّرُ
1552	ख़ैरात, अल्लाह के वास्ते ख़र्च करना	نَفَقَةً
1553	pl. नज़र या मन्नत मानी तुमने	نَذَرْتُمْ
1554	अगर	إِنْ
1555	pl. ज़ाहिर करो (खुले तौर पर)	تُبْدُوا (ب د و)
1556	अच्छा	نِعْمًا

1556a	छिपाओ, (गुप्तदान)	تُخْفُوا
1557	pl. हाजतमन्द, फ़कीर	فُقَرَاءَ
1558	दूर कर देगा	يُكَفِّرُ
1559	बुराईयाँ, पातक (sr. बुराई سَيِّئَةً)	سَيِّئَاتٍ
1560	नहीं है	لَيْسَ
1561	लेकिन	لَكِنْ
1562	रज़ामन्दी अल्लाह की, खुशी	وَجْهَ اللَّهِ
1563	पूरा दिया जायेगा, 1604	يُوفَّى
1564	pv. घेर लिए गये (ح ص ر) रोक लिए गये, बन्द किये गये	أَحْصَرُوا
1565	चलना, चलत-फिरत	ضَرْبًا
1566	गुमान करता है, (ح س ب) अन्दाज़ता है	يَحْسَبُ
1567	pl. दौलतमन्द, धनी (sr.: غَنِيًّا)	أَغْنِيَاءَ
1568	सवाल (मांगने) से बचना,	تَعَفُّفٍ
1569	पहचान्ता है तु (ع ر ف)	تَعْرِفُ
1570	अ़लामत, निशानी, लक्षण	سِيمًا
1571	लिपटकर, पीछे पड़कर	الْحَافًا

रुकूऽ	37	v: 7	5	رکوع
-------	----	------	---	------

3rd पारः	¼	ربع جزء: تِلْكَ الرُّسُلُ
----------	---	---------------------------

- 1572 छुपे, गुप्त **سِرًّا**
- 1573 ज़ाहिर, अलानिया, प्रकट में **عَلَانِيَةً**
- 1574 सूद, interest **الرُّبُوبَا**
- 1575 नहीं खड़े होंगे **لَا يَقُومُونَ**
- 1576 जैसे **كَمَا**
- 1577 बावला (ख़ब्ती) कर दे, **يَتَخَبَّطُ**  
विक्षिप्त
- 1578 छूना, लिपट जाना **مَسَّ**
- 1579 तिजारत, व्यापार **بَيْعٍ**
- 1580 आया, पहुँचा **جَاءَ**
- 1581 नसीहत **مَوْعِظَةً**
- 1582 बाज़ रहा, विरत (अलग) रहा **انْتَهَى**
- 1583 पहले हो चुका, हो गुज़रा **سَلَفَ**
- 1584 फिर किया, दुबारा किया **عَادَ**  
(vn.: عَوْدٌ)
- 1585 मिटाना **مَحَقًّا**
- 1586 बढ़ाता है **يُرَبِّي**
- 1587 बड़ा नाशुक्रा, **كَفَّارًا**  
जान-समझ कर रहे-खुदा से विमुख  
(sr.: كَافِرٌ)
- 1588 गुनहगार, पापिष्ठ **أَثِيمٌ**
- 1589 im. pl. छोड़ दो **ذُرُوبًا**
- 1590 बाकी रहा **بَقِيَ**
- 1591 ap.ईमान लानेवाले **مُؤْمِنِينَ**
- 1592 पस खबरदार **فَأَذِّنُوا**  
(सावधान) हो जाओ, हुकम सुनलो
- 1593 लड़ाई, युद्ध **حَرْبٍ**
- 1594 अगर **أَنْ**
- 1595 pl. तौबा करो तुम **تُتِمُّوا**
- 1596 असल, मूल धन **رُؤُوسٍ**
- 1597 वाला **ذُو**
- 1598 तंगी, अभावग्रस्त **عُسْرَةً**
- 1599 मुहलत, अवकाश, इन्तेज़ार **نَظْرَةً**
- 1600 फ़रागत, आसानी, **مَيْسَرَةً**  
हाथ खुलना
- 1601 कि **أَنْ**
- 1602 pl. तुम सदक़ः करो, **تَصَدَّقُوا**
- 1603 pl. pv. तुम लौटाये जाओगे **تُرْجَعُونَ**
- 1604 पूरा दिया जायेगा, 1563 **تُؤْتَى**
- |      |    |      |   |         |
|------|----|------|---|---------|
| रकूः | 38 | v: 8 | 6 | رَكُوعٌ |
|------|----|------|---|---------|
- 1605 pl. कर्ज़ का मामला करना **تَدَايَيْتُمْ**
- 1606 कर्ज़, उधार **دَيْنٍ**
- 1607 वक्त-मुकर्रर, मियाद **أَجَلٌ مُّسَمًّى**
- 1608 और चाहिए कि लिख ले **وَلْيَكْتُبْ**

1609	लिखनेवाला	كَاتِبٌ	मत अलसाओ	
1610	इन्साफ़, न्यायभाव	عَدْلٌ	सुस्ती करना, उक्ताना	سَامٌ
1611	इन्कार न करे	لَا يَأْبَ	काहिली करना (आलस्य)	
1612	लिखवाये, इमला कराये	يُمِلُّ	छोटा	صَغِيرًا
1613	कमी करे	يَيْخَسُ	बड़ा	كَبِيرًا
1614	बेवकूफ़, निर्बुद्धि	سَفِيهَا	बहुत इन्साफ़, अधिक न्याय,	أَقْسَطُ
1615	कमज़ोर, ज़र्इफ़, अशक्त		अच्छा इन्साफ़	
1616	वारिस, सरपरस्त, अभिभावक	وَلِيٌّ	बहुत दुरूस्त, बहुत सीधा,	أَقْوَمُ
1617	<i>im. pl.</i> गवाह करलो	اسْتَشْهَدُوا	समुचित	
1618	<i>dl.</i> दो गवाह	شَهِيدَيْنِ	गवाही	شَهَادَةٌ
1619	<i>pl.</i> दो से ज़ियादा मर्द ( <i>sr.</i> एक मर्द: رَجُلٌ)	رِجَالٌ	बहुत नज़दीक, समीप	أَدْنَى
1620	<i>dl.</i> दो औरतें	امْرَأَتَيْنِ	बहुत नज़दीक, समीप	لَا تَرْتَابُوا
1621	<i>pl.</i> तुम पसन्द करते हो	تَرْضَوْنَ	<i>ni. pl.</i> न शक करो ( <i>vn.</i> शक رَيْبٌ)	
1622	गवाह	شُهَدَاءَ	हाथों हाथ, नक़द	حَاضِرَةٌ
1623	<i>fg.</i> भूल जाये	تَضَلَّ	<i>pl.</i> तुम फेर बदल (दोर)	تُدِيرُونَ
1624	एक उन दो में से	احدَهُمَا	करते हो	
1625	याद दिलाये	تُذَكِّرُ	न ज़रर पहुँचाया (ضرر)	لَا يُضَارُّ
1626	दूसरी	أُخْرَى	जाये, न सताया जाये	
1627	जब पुकारे जायें, बुलाये जायें	إِذَا مَا دُعُوا	गुनहगारी, पाप	فُسُوقٌ
1628	<i>ni. pl.</i> मत काहिली करो,	لَا تَسْمُوا	शिक्षा देता है	يُعَلِّمُ
			गिर्वी रखना, रहन रखना	رِهَانٌ
			<i>pp.</i> कब्जे में दी हुई, बन्धक	مَقْبُوضَةٌ



1644	एतिबार किया, भरोसा किया	أَمِنَ					
1645	अदा करे	يُؤَدِّ					
1646	गुनहगार, पापी	الْثَمِّ					
<table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr> <td style="width: 15%;">रुकूऽ</td> <td style="width: 15%;">39</td> <td style="width: 15%;">v: 2</td> <td style="width: 15%;">7</td> <td style="width: 40%;">رُكُوع</td> </tr> </table>			रुकूऽ	39	v: 2	7	رُكُوع
रुकूऽ	39	v: 2	7	رُكُوع			
1647	pl. तुम ज़ाहिर (प्रकाश) करो,	تُبَدُّوْا					
1647a	pl. तुम छुपाओ	تُخْفُوْا					
1648	वह हिसाब लेगा (ح س ب)	يُحَاسِبُ					
1649	सुना हमने	سَمِعْنَا					
1650	माना हमने (पालन किया)	أَطَعْنَا					
1651	तेरी मग़फ़िरत, क्षमा	عُفْرَانِكَ					
1652	लौटने (अन्ततः) या पहुँचने की जगह	مَصِيرٍ					
1653	नहीं तकलीफ़ देता (ك ل ف)	لَا يُكَلِّفُ					
1654	हम भूल गये	نَسِينَا					
1655	हमसे चूक हो गई	أَخْطَأْنَا					
1656	im. और दरगुज़र कर, छोड़ दे	وَأَعْفُ					
1657	दोस्त हमारा	مَوْلَانَا					

रुकूऽ	40	v: 3	8	رُكُوع
-------	----	------	---	--------

{ سُورَةُ آلِ عِمْرَانَ }  
**इमरान का परिवार**  
**सूर: 3 आले-इमरान**

1658	उतारा	نَزَلَ
1659	ap. तसदीक करनेवाली, पुष्टि	مُصَدِّقًا
1660	इसके पहले	بَيْنَ يَدَيْهِ
1661	इन्तिकाम (प्रतिशोध) लेनेवाला	ذُو انْتِقَامٍ
1662	नहीं छुपती	لَا يَخْفَى
1663	सूरत बनाता है, (ص ور) (vn. तस्वीर تَصْوِيرٍ)	يُصَوِّرُ
1664	पेट का वह हिस्सा जहाँ बच्चा ठहरता है, गर्भाशय	أَرْحَامٍ
1665	जैसे, कैसे भी	كَيْفَ
1666	मुहकम, पक्की, सुस्पष्ट	مُحْكَمَاتٌ
1667	जड़ किताब की, असल किताब	أُمُّ الْكِتَابِ
1668	दूसरी	آخَرَ
1669	मिलती-जुलती, अस्पष्ट	مُتَشَابِهَاتٌ
1670	टेढ़ा पन, कुटिलता, वक्रता	زَيْغٌ
1671	चाहना, ढूँडना	اِبْتِغَاءً
1672	फित्ना, कलह	فِتْنَةً
1673	खुलासा करना, नतीजा निकालना	تَاوِيلٌ
1674	pl. मज़बूत, (ر س خ) (ज्ञान में) पक्के	رَاسِخُونَ
1675	ni. मत टेढ़ा कर (ز ي غ)	لَا تُرْغِ

1676	im. दे	هَبْ					
1677	तेरे (अपने) पास से	مِنْ لَدُنْكَ					
1678	खूब देने वाला	وَهَّابٌ					
1679	ap. इकट्ठा करनेवाला, जमा करनेवाला	جَامِعٌ					
1680	वादा	مِيعَادٌ					
<table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr> <td style="width: 15%;">रकूः</td> <td style="width: 15%;">1</td> <td style="width: 15%;">v: 9</td> <td style="width: 15%;">9</td> <td style="width: 40%; text-align: right;">رکوع</td> </tr> </table>			रकूः	1	v: 9	9	رکوع
रकूः	1	v: 9	9	رکوع			
1681	ईंधन	وَقُودٌ					
1682	मिस्ल, जैसे कि	كَ					
1683	आदत, तरीका, दस्तूर	دَابٌ					
1684	गुनाह, पाप (sr.: ذَنْبٌ)	ذُنُوبٌ					
1685	सख्त, कठोर						
1686	अज़ाब (दण्ड) करने वाला	عِقَابٌ					
1687	pv. pl. तुम दबा दिये जाओगे	تُعْلَبُونَ					
1688	ठिकाना, बिल्लौना, स्थल	مِهَادٌ					
1689	dl. दो जमाअते, गिरोह (sr. एक गरोह, टोली: فِتْنَةٌ)	فِتْنَيْنِ					
1690	dl. मिले वह दोनों, मुडभेड़ हुई	الَّتَقَتَا (ق ل ي)					
1691	लड़ाई करती थी	تُقَاتِلُ (ق ت ل)					
1692	दूसरी	أُخْرَى					
1693	ap. fg. काफ़िर, धर्मविमुख	كَافِرَةٌ					

1694	देखते	يَرَوْنَ
1695	dl. दो बराबर (दुगनी) उनसे	مِثْلِهِمْ
1696	देखना	رَأَى
1697	आँख, नज़र	عَيْنٌ
1698	ताईद करता, पक्ष लेता है	يُؤَيِّدُ
1699	मदद, सहायता	نَصْرٌ
1700	नसीहत, अ़िबरत, शिक्षा	عِبْرَةٌ
1701	वाले	أُولَى
1702	pl. आँखें	أَبْصَارٌ
1703	pv. ज़ीनत (मनोरम) दी गयी	زِينٌ
1704	मुहब्बत, प्रेम	حُبٌّ
1705	ख्वाहिशें, कामनाएँ (sr.: شَهْوَةٌ)	شَهَوَاتٌ
1706	औरतें	نِسَاءٌ
1707	बेटे	
1708	ख़ज़ाने	قَنَاطِيرٌ
1709	ढेर लगे हुए, भण्डार	مُقَنْطَرَةٌ
1710	सोना	ذَهَبٌ
1711	चाँदी	فِضَّةٌ
1712	घोड़े	خَيْلٌ
1713	निशान लगे हुए	مُسَوَّمَةٌ

- 1714 मवेशी, चौपाये **أَنْعَامٌ**
- 1715 खेती **حَرْثٌ**  
पार्थिव जीवन पर्यन्त
- 1716 अच्छा ठिकाना, **حُسْنُ الْمَأْتَابِ**  
अच्छी जगह
- 1717 जोड़े, बीवियाँ **أَزْوَاجٌ**
- 1718 *pp. fg.* पाक साफ़, सुथरी **مُطَهَّرَةٌ**
- 1719 रज़ामन्दी, प्रसन्नता **رِضْوَانٌ**
- 1720 देखनेवाला **بَصِيرٌ**  
(*vn.*: **بَصَارَةٌ**)
- 1721 बन्दे
- 1722 *im.* बचा हमको **قِنَا**  
(*im.* बचा: **ق**; हमको: **نَا**)
- 1723 *pl.* सच्चे **صَادِقِينَ**
- 1724 *pl.* फ़रमाँबरदार, आज्ञानुवर्ती **قَانِئِينَ**
- 1725 *sr.* फ़रमाँबरदार **قَانِتٌ**
- 1726 खर्च करनेवाले **مُنْفِقِينَ**
- 1727 बख़्शिश माँगनेवाले, **مُسْتَعْفِرِينَ**  
क्षमा चाहनेवाले
- 1728 *pl.* रात की आख़री घड़ीयाँ, **أَسْحَارٌ**  
रात का अन्तिम हिस्सा
- 1729 गवाही दी, साक्षी दी **شَهِدٌ**
- 1730 कि वह **أَنَّهُ**

- 1731 अ़िल्मवाले, ज्ञानीजन **أَوْلُو الْعِلْمِ**
- 1732 कायम **قَائِمٌ**
- 1733 न्याय, इन्साफ़ **قِسْطٌ**
- 1734 ग़ालिब, प्रबल **عَزِيزٌ**
- 1735 हिकमतवाला, तत्त्वविद् **حَكِيمٌ**

3rd पारः	1/2	نصف مجزء: تلك الرُّسُلُ
----------	-----	-------------------------

- 1736 जल्द हिसाब **سَرِيعُ الْحِسَابِ**  
लेनेवाला
- 1737 मैंने मान लिया, सर झुका **أَسْلَمْتُ**  
दिया, आज्ञानुगत
- 1738 रूख़ मेरा, मेरा मुँह **وَجْهِي**
- 1739 जिसने इत्तिबा की मेरी, **مَنْ أَتْبَعَنِي**  
जिसने मेरे पैरवी की
- 1740 *pl.* फिर गये वह, मुँह मोड़ा **تَوَلَّوْا**
- 1741 पहुँचा देना **بِمَلَاغٍ**

रुकूः	2	v: 11	10	رُكُوعٌ
-------	---	-------	----	---------

- 1742 हुक्म करते हैं **يَأْمُرُونَ**
- 1743 ग़ारत (बरबाद) **حَبِطَتْ** (ح ب ط)  
हो गये
- 1744 फ़रेब दिया, धोका दिया **غَرَّرَ**
- 1745 जो कुछ झूठ **مَا كَانُوا يَفْتَرُونَ**  
गढ़ते थे
- 1746 कैसे, किस तरह **كَيْفَ**

- 1747 पूरा दिया जायेगा **وَفِيَتْ**  
 1748 या अल्लाह **اللَّهُمَّ**  
 1749 मालिक **مَالِكَ**  
 1750 सल्तनत, मुल्क, साम्राज्य **مُلْك**  
 1751 तु चाहता है **تَشَاءُ**  
 1752 तू छीन लेता है (ن ز ع) **تَنْزِعُ**  
 1753 तू ज़लील (अपमानित) करता है **تُذِلُّ**  
 1754 हाथ **يَدٌ**  
 1755 बेशक तू **إِنَّكَ**  
 1756 तू दाखिल करता है (و ل ج) **تُؤَلِّجُ**  
 1757 रात **لَيْلٍ**  
 1758 दिन **نَهَارٍ**  
 1759 दोस्त **أَوْلِيَاءُ**  
 1760 सिवा **دُونِ**  
 1761 (किसी) मामले (चीज़) में **فِي شَيْءٍ**  
 1762 बचाव करना, आत्मरक्षण **تُقَاتَا**  
 1763 डराता (सचेत करता) (ح ذ ر) **يُحَذِّرُ**  
 1764 अपनी ज़ात से, अपने आप से **نَفْسَهُ**  
 1765 हाज़िर, मौजूद, सम्मुख **مُحَضَّرًا**  
 1766 दूर की मुसाफ़त, **أَمَدًا بَعِيدًا**  
 दूर का ज़माना

- 1767 शफ़क़त करनेवाला, **رَوْوْفٌ**  
 करूणामय  

रुकू	3	v: 10	11	رُكُوع
------	---	-------	----	--------

 1768 औलाद, सन्तान **ذُرِّيَّةٌ**  
 (pl.: **ذُرِّيَّاتٌ**)  
 1769 बीबी, औरत, पत्नी **امْرَأَةٌ**  
 1770 पेट, गर्भ **بَطْنٌ**  
 1771 pp. आज़ाद किया हुआ, **مُحَرَّرًا**  
 1772 fg. जनी (बच्चा जनी) **وَضَعَتْ**  
 1773 जना, प्रसव करना **وَضَعَ**  
 1774 मर्द (लड़का) **الذَّكَرُ**  
 1775 औरत (लड़की) **أُنْثَى**  
 1776 नाम रखा मैंने (س م ي) **سَمَّيْتُ**  
 1777 पनाह (अश्रय) में **أُعِينِدُ** (ع و ذ)  
 दिया मैंने  
 1778 उठाया, उगाया, बढ़ाया **أَبَّتْ**  
 1779 उगाना, बढ़ाना **نَبَاتًا**  
 1780 परवरिश के लिए सौपा, **كَفَّلَ**  
 संरक्षण में दिया, कफ़ील मुकर्रर किया  
 1781 हुजरा, कमरा **مِحْرَابٌ**  
 1782 कहाँ **أَنَّى**  
 1783 उसी जगह, वही **هُنَالِكَ**  
 1784 पुकारा, दूआ की **دَعَا**

- 1785 im. दे **هَبْ**
- 1786 तेरी (अपनी) तरफ़ से **مِنْ لَدُنْكَ**
- 1787 ap. तसदीक़ करनेवाला, साक्षी **مُصَدِّقًا**
- 1788 फ़रमान, बात **كَلِمَةً**
- 1789 सरदार **سَيِّدًا**
- 1790 पारसा, संयमी, मासूम **حَصُورًا**
- 1791 लड़का (pl.: **غِلْمَانٌ**) **غُلَامٌ**
- 1792 बुढ़ापा **كِبَرٌ**
- 1793 बाँझ **عَاقِرٌ**
- 1794 कि नहीं **أَلَّا ( أَنْ + لَا )**
- 1795 इशारा, संकेत **رَمَزًا**
- 1796 im. पाकी (पवित्रता) बयान कर **سَبَّحٌ**
- 1797 शाम **عَشِيٌّ**
- 1798 सुबह **أَبْكَارٌ**
- |       |   |       |    |       |
|-------|---|-------|----|-------|
| रुकूऽ | 4 | v: 11 | 12 | रुकوع |
|-------|---|-------|----|-------|
- 1799 im. fg. फ़रमाँवरदारी कर, (स्त्री के लिए) **أُقْتَبِيٌّ**
- 1800 ख़बरें, समाचार (sr.: **نَبَأٌ**) **أَنْبَاءٌ**
- 1801 हम वही (وَحْيِيٌّ) करते हैं, **نُوحِيٌّ**
- 1802 नहीं था तू **مَا كُنْتَ**
- 1803 पास उनके **لَدَيْهِمْ**

- 1804 नज़दीक, पास **لَدَيْ**
- 1805 जब दालते थे **إِذْ يُلْقُونَ**
- 1806 कल्में **أَقْلَامًا**
- (sr.: कलम **قَلَمٌ**)
- 1807 कौन उन में का **أَيُّهُمْ**
- 1808 कौन **أَيُّ**
- 1809 झगड़ा करते थे **يَخْتَصِمُونَ**
- 1810 ईज़ज़त वाला, आवरूवाला, सम्मानित **وَجِيهًا**
- 1811 करीब किये हुए लोग **مُقَرَّبِينَ**
- 1812 झूला, गोद **مَهْدٌ**
- 1813 अघेड़ उम्र, कुछ बूढ़ा **كَهْلًا**
- 1814 आदमी **بَشَرٌ**
- 1815 फ़ैसला किया, मुकर्रर किया **قَضَى**
- 1816 काम **أَمْرًا**
- 1817 मैं बनाता हूँ **أَخْلُقُ**
- 1818 मिट्टी **طِينٌ**
- 1819 शकल जैसी **كَهَيْئَةٍ**
- 1820 परिन्दा, पक्षी (pl.: **طَيْرٌ**) **طَيْرٌ**
- 1821 फूंकना **نَفَخُ**
- 1822 अल्लाह का हुक्म **إِذْنُ اللَّهِ**
- 1823 चंगा करता हूँ, अच्छा करता हूँ **أَبْرَى**

- 1824 मादरज़ाद अन्धा, जन्म से अन्धा **أَكْمَهٗ**  
 1825 कोढ़ी **أَبْرَصٌ**  
 1826 pl. मुर्दे **مَوْتَى**  
 1827 pl. जमा करते हो, **تَدَخِرُونَ**  
 इकट्ठा करते हो  
 1828 देखा, इहसास किया **أَحَسَّ**  
 1829 मदद करने वाले **أَنْصَارٌ**  
 1830 ह. ईसा **عَلَيْهِ** के सहाबी, **حَوَارِيُّونَ**  
 शिष्य, सत्संगी  
 1831 हम **نَحْنُ**  
 1832 तदबीर करना, **مَكْرٌ**  
 चाल करना, प्रवञ्चना

रुकूऽ	5	v: 13	13	रुकوع
-------	---	-------	----	-------

3rd पार:	3/4	ثَلَاثَةَ أَرْبَاعٍ جُزْءٍ: تِلْكَ الرُّسُلُ
----------	-----	--

- 1833 तुझको वापस लेनेवाला हूँ **مُتَوَفِّيكَ**  
 1834 बलन्द करनेवाला  
 1835 पूरा देगा **يُوفِّي**  
 1836 pl. कर्मफल, बदले (sr. **أَجْرٌ**) **أُجُورٌ**  
 1837 मिट्टी **تُرَابٌ**  
 1838 हम दिल से दुआ करें **نَبْتَهْلُ**  
 1839 vn. दिल से दुआ माँगना (ب ه ل) **أَبْتَهَالٌ**  
 1840 बयान **قَصَصٌ**

(قَصٌّ ، يَقْصُ ، قِصَّةٌ)

रुकूऽ	6	v: 9	14	रुकوع
-------	---	------	----	-------

- 1841 बराबर **سَوَاءٌ**  
 1842 im. pl. आओ, आजाओ **تَعَالَوْا**  
 1843 pl. पालनेवाले **أَرْبَابًا**  
 (sr.: **رَبٌّ**)  
 1844 pl. हाँ तुम हो **هَآ أَنْتُمْ**  
 1845 वह लोग **هَآؤُلَآءَ**  
 1846 pl. झगड़ा किया **حَآجَجْتُمْ**  
 तुम ने (विवाद)  
 1847 ज़ियादा करीब के लोग, **أَوْلَى النَّاسِ**  
 निकटतम

रुकूऽ	7	v: 8	15	रुकوع
-------	---	------	----	-------

- 1848 जमात, गरोह, वर्ग **طَائِفَةٌ**  
 1849 दिन के अक्वल **وَجَهَ النَّهَارِ**  
 हिस्से में  
 1850 ख़ास करता है, धन्य करता है **يَخْتَصُّ**  
 1851 भरोसा करे तू, अमानत रखे तू **تَأْمَنُ**  
 1852 ख़जाना, अगाध सम्पत्ति **قِنطَارٌ**  
 1853 लौटा देगा, अदा करदेगा **يُؤَدِّ**  
 1854 रहे तु **دُمْتُ**  
 1855 ap. खड़ा, सिर पर सवार **قَائِمًا**

- 1856 राह سَبِيلٌ  
(pl.: سُبُلٌ)
- 1857 पूरा किया أَوْفَى
- 1858 कसमें أَيْمَانَ
- 1859 हिस्सा, प्राप्य (सुफल) خَلَقَ
- 1860 मोड़ते हैं, पेच देते हैं يَلْوُونَ
- 1861 ज़बानें उनकी أَلْسِنَتَهُمْ  
(sr. ज़बान: لِسَانٌ)
- 1862 अल्लाह वाले, रब वाले, प्रभुभक्त رَبَّانِيْنَ
- 1863 pl. सिखाते पढ़ाते हो तुम تُعَلِّمُونَ
- 1864 pl. पढ़ते हो تَدْرُسُونَ

रुकूः	8	v: 9	16	رکوع
-------	---	------	----	------

- 1865 अहद मेरा, प्रतिज्ञा اَصْرِي
- 1866 चाहते हैं वह يَبْتَغُونَ
- 1867 खुशी से, इच्छा से طَوْعًا
- 1868 नाखुशी से, अनिच्छा से كَرْهًا
- 1869 चाहे يَبْتَغِ
- 1870 आया جَاءَ
- 1870a लाया جَاءَ بَ
- 1871 pv. नहीं हल्का لَا يُخَفِّفُ  
किया जायेगा

- 1872 सँवर गये, सुधर गये اصْلَحُوا
- 1873 बढ़ गये, ज़ियादा हो गये اَزْدَادُوا
- 1874 ज़मीन भर कर مِلْءُ الْاَرْضِ
- 1875 सोना ذَهَبًا
- 1876 फ़िदयः दे, (मुक्तिपण) اِفْتَدَى  
(छुटकारे के बदले में जो भी दे)
- 1877 दर्दनाक, दुखदायी اَلِيْمٌ

रुकूः	9	v: 11	17	رکوع
-------	---	-------	----	------

﴿ جُزْءٌ : لَنْ تَنَالُوا ﴾ पारः 4

- 1878 हरगिज़ नहीं لَنْ
- 1879 pl. पाओगे تَنَالُوا
- 1880 vn. पाना نَيْلٌ
- 1881 नेकी اَلْبِرُّ
- 1882 खाने की चीज़, खाना طَعَامٌ
- 1883 हलाल, भोग्य حِلًّا
- 1884 हराम (निषिद्ध) किया حَرَمٌ  
(vn.: تَحْرِيْمٌ)
- 1885 बाँध लिया, गढ़ लिया اِفْتَرَى
- 1886 झूट كَذِبٌ
- 1887 सच कहा صَدَقَ
- 1888 यकसू, एकनिष्ठ حَنِيفًا
- 1889 pv. मुकर्रर किया गया, निर्दिष्ट وُضِعَ

- 1890 अलबत्ता (निस्सन्देह) वह **لَلَّذِي**
- 1891 मक्का शरीफ **بَكَّةَ**
- 1892 इब्राहीम عليه السلام के **مَقَامُ اِبْرَاهِيمَ**  
खड़े होने कि जगह  
झिवादत के लिए , 868
- 1893 अमनवाला, शान्तिधाम, **الْمِنَا**  
अमन की जगह में पहुंच जाने वाला
- 1894 बैतुल्लाह का हज **حَجُّ الْبَيْتِ**
- 1895 पा सके, पहुंचने **اسْتَطَاعَ**  
की सामर्थ्य रखे
- 1896 क्यों ? **لِمَ**
- 1897 *pl.* रोकते हो **تَصُدُّونَ**  
(*vn.*: **صَدَّ**)
- 1898 *pl.* तुम ढूँढते हो **تَبْعُونَ**
- 1899 टेढ़ा पन, कजी, कुटिलता **عِوَجًا**
- 1900 फेर देंगे **يُرُدُّوْا**  
(*vn.*: **رَدَّ**)
- 1901 *pv.* पढ़ी जाती हैं **تُتْلَى**
- 1902 मज़बूत थाम ले, एतिमाद करे **يَعْتَصِمُ**
- 1903 मज़बूत थामना, **اِعْتِصَامِ**  
दृढ़ अश्रय लेना, एतिमाद करना
- |       |    |       |   |       |
|-------|----|-------|---|-------|
| रुकूऽ | 10 | v: 10 | 1 | रुकوع |
|-------|----|-------|---|-------|
- 1904 रस्सी
- 1905 सब मिलकर **جَمِيعًا**

- 1906 दुश्मन **اَعْدَاءُ**
- 1907 उल्फ़त दी, मुहब्बत दी,  
उत्पन्न की, समप्रीति **اَلْفَ**
- 1908 *pl.* हो गये तुम **اَصْبَحْتُمْ**
- 1909 भाई-भाई **اِخْوَانًا**  
(*sr.*: **اَخٌ**)
- 1910 किनारे **شَفَا**
- 1911 गढ़ा **حُفْرَةً**
- 1912 छुड़ाया, बचाया **اَنْقَذَ**
- 1913 और चाहिए कि होवे **وَلْتَكُنْ**
- 1914 एक जमात, समुदाय **اُمَّةً**
- 1915 सफ़ेद होंगे **تَبْيِضُ** (ب ي ض)
- 1916 चहरे **وَجُوهَ**
- (*sr.*: **وَجْهَةٌ**)
- 1917 काले होंगे **تَسْوَدُ**
- 1918 *pv.* रूजू किये (पलटायें) जायेंगे **تُرْجَعُ**
- 1919 तमाम उमूर, सब काम
- |       |    |      |   |       |
|-------|----|------|---|-------|
| रुकूऽ | 11 | v: 8 | 2 | रुकوع |
|-------|----|------|---|-------|
- 1920 बेहतरीन उम्मत,  
सर्वश्रेष्ठ समुदाय **خَيْرِ اُمَّةٍ**
- 1921 *pv. fg.* निकाली गयी,  
उत्पन्न की गई **اُخْرِجَتْ**
- 1922 *pl.* तुम मना करते हो **تَنْهَوْنَ**



1923	बुरी बात	مُنْكَرٌ	1940	खेती	حَرْثٌ
1924	तकलीफ़	أَذَى	1941	राज़दार, दोस्त, अन्तरंग	بِطَانَةٌ
1925	पीठें, पीठ की जमा (sr.: دُبُرٌ)	أَدْبَارٌ	1942	नहीं कम करेंगे, (vn.: أَلُوْا)	لَا يَأْلُونَ
1926	मुस्तहिक (अधिकारी) हुआ	بَاءَ	1943	तबाही, विनाश	خَبَالًا
1927	नाफ़रमानी की उन्होंने	عَصَوْا	1944	चाहा उन्होंने ने	وَدَّوْا
1928	ज़ियादती करते थे	كَانُوا يَعْتَدُونَ	1945	pl. तकलीफ़ में पड़ो तुम (ع ن ت)	عَتِيتُمْ
1929	ज़ियादती करना	اعْتَدَاءٌ	1946	ज़ाहिर हो गयी	بَدَتْ
1930	नहीं है वह	لَيْسُوا	1947	बुग़ज़, नाराज़ी, अन्तर्द्वेष	
1931	बराबर	سَوَاءٌ	1948	मूह	أَفْوَاهٌ
1932	घड़ियाँ, समय	أَنَاءٌ		(sr.: فَوَّهُ)	
1933	जल्दी करते (लपकते) हैं	يُسَارِعُونَ	1949	pl. तुम वह लोग हो	هَآ أَنْتُمْ أَوْلَاءِ
1934	अच्छे काम, सत्कर्म	خَيْرَاتٌ	1950	काट खाया उन्होंने	عَصُوْا
1935	pl. सालिह लोग, सदाचारी (sr.: नेक, अच्छा صَالِحٌ)	صَالِحِينَ	1951	काट खाना	عَضُّ
1936	pv. नहीं इंकार किया जायगा उनका, नहीं ना क़दरी की जायगी उनकी	لَنْ يُكْفَرُوا	1952	उँगलियाँ	أَنَامِلٌ
1937	नहीं काम आवेगा	لَنْ تُعْنِيَّ	1953	गुस्सा	غَيْظٌ
1938	हवा (sr.: رِيحٌ)	رِيَاحٌ	1954	im. pl. मर जाओ	مُوتُوا
1939	पाला, तेज़ सर्दी	صِرٌّ	1955	सीने वाली बात, हृदय की बात, दिल की बात	بِذَاتِ الصُّدُورِ
			1956	pl. लगे तुमको, (م س س) छुए तुमको	تَمَسَسَكُمْ
			1957	बुरा लगे उनको	تَسُوَّهُمْ

1958	खुश होना	فَرِحَ				
1959	तदबीर, चाल	كَيْدٌ				
		<table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr> <td style="width: 25%;">रुकूः</td> <td style="width: 25%;">12</td> <td style="width: 25%;">v: 11</td> <td style="width: 25%;">3</td> </tr> </table>	रुकूः	12	v: 11	3
रुकूः	12	v: 11	3			
1960	सबेरे चला तू	غَدَوْتَ (غ د و)				
1961	जगह बताई तू ने	تُبَوِّئُ				
1962	जगह देना	بَوَّأَ				
1963	बैठने की जगहें	مَقَاعِدَ				
	(sr.: مَقْعَدٌ)					
1964	जंग, लड़ाई	قِتَالٌ				
1965	इरादा करना, कस्द करना	هَمٌّ				
1966	दो जमातें	طَائِفَتَانِ				
1967	dl. फिसल जायें	تَفَشَّلَا				
	बुज़दिल (कारय) बनकर					
1968	बुज़दिली करना,	فَشَلَّ				
	फिसल जाना, 2041					
1969	बदर की जंग	بَدْرٌ				
1970	ज़लील, कमज़ोर	أَذَلَّةٌ				
	(sr.: ذَلِيلٌ)					
1971	क्या नहीं	أَلَّنَ				
1972	मदद करे	يُمِدُّ				
1973	तीन हज़ार (3000)	ثَلَاثَةِ الْأَفِّ				
1974	pl. pp. उतारे हुए	مُنزَلِينَ				
1975	बल्कि, क्यों नहीं	بَلَى				

1976	जोश	فَوْرٌ
1977	पाँच (5)	خَمْسَةَ
1978	निशान लगे हुए	مُسَوِّمِينَ

4th पारः	¼	ربيع مجزء: لَنْ تَنَالُوا
----------	---	---------------------------

1979	खुशख़बरी, प्रसन्नता	بُشْرَى
1980	इत्मीनान (सन्दोष) हो जाये	تَطْمَئِنُّ
1981	काटना	قَطَعَ
1982	बाजू, हिस्सा	طَرَفًا
1983	ज़लील करे	كَبَتَ
1984	पलट गये	يَنْقَلِبُوا
	(vn.: اِنْقِلَابٌ)	
1985	pl. ap. नामुराद, असफल	خَائِبِينَ

रुकूः	13	v: 9	4
-------	----	------	---

1986	दुगना, डबल	أَضْعَافًا
1987	कई गुना	مُضَاعَفَةً
1987	बढ़ता-चढ़ता	أَضْعَافًا مُضَاعَفَةً
1988	pv. fg. तैयार की गयी	أُعِدَّتْ
1989	im. pl. जल्दी करो (س ر ع)	سَارِعُونَ
1990	चौड़ाई, चौड़ान, विस्तार	عَرْضٌ
1991	खुशी, सुख	سَرَاءٌ
1992	सख्ती, दुख	ضَرَاءٌ

1993	ap. पी जानेवाले, रोकनेवाले	كَاطِمِينَ
1994	गुस्सा, क्रोध	غَيْظًا
1995	ap. माफ़ करनेवाले	عَافِينَ
1996	fg. बेहयाई, अश्लीलकर्म	فَاحِشَةً
1997	गुनाह, पातक (sr.: ذَنْبٌ)	ذُنُوبٌ
1998	नहीं	لَمْ
1999	हठ या ज़िद करते	يُصِرُّوْا
2000	बहुत अच्छा	نَعْمَ
2001	ap. काम करनेवाले	عَامِلِينَ
2002	pl. राहें, रीतियाँ, प्रणाली	سُنَنَ
2003	im. pl. सैर करो,	سَيَرُوا
2004	अंजाम	عَاقِبَةً
2005	बयान	يَيَّانٌ
2006	नसीहत	مَوْعِظَةً
2007	ni. pl. मत सुसती करो	لَا تَهْنُوا
2008	बुलन्द होंगे (sr.: اَعْلَى)	اَعْلَوْنَ
2009	ज़ख़म, चोट, घाव	قَرْحٌ
2010	लगा, छुआ	مَسَّ
2011	pl. दिन	أَيَّامٌ

2012	हम बारी बारी फेरते हैं (vn.: गर्दिश देना دَوْلٌ)	نُدَاوِلُ
2013	खालिस करता है, वह छाँट लेता है	يُمَحِّصُ
2014	vn. खालिस करना, छाँट लेना	تَمَحِّصُ
2015	vn. मिटाना	مَحَقٌ
2016	pl. तमन्ना करते	تَمَنُّونَ
2017	क्या	أَ
2018	पस	فَ
2019	अगर	أَنْ
2020	क्या पस अगर	أَفَإِنْ
2021	मर जाये	مَاتَ

रुकूऽ	14	v: 14	5	रकوع
-------	----	-------	---	------

2022	pl. फिर जाओ गो	اِنْقَلَبْتُمْ
2023	एड़िया (sr.: عَقَبٌ)	اَعْقَابَ
2024	वक्त मुकर्रर, निदिष्ट समय	كِتَابًا مُّوَجَّلًا
2025	बहुत सारे, कितने ही	كَأَيِّنْ
2026	खुदा परस्त लोग, अल्लाहवाले	رَبِّئُونِ
2027	सुस्त पड़ना, ढीला होना	وَهْنٌ
2028	वास्ते जो कि, लिए जो कुछ	لِمَا

2029	पड़ी, मुसीबत पड़ना	أَصَابَ			
2030	कमजोरी, दुर्बलता	ضَعْفٌ			
2031	नहीं आजिज़ होए, नहीं झुके	مَا اسْتَكْبَرُوا			
2032	ज़ियादती, अतिक्रमण	اسْرَافٌ			
2033	im. साबित रख, अविचल रख	ثَبَّتَ			
2034	बहुत अच्छा, खूब	حُسْنٌ			
	रुकूः	15	v: 5	6	रुकूः
2035	हम डाल देंगे	نُلْقِي			
2036	धाक, रोब, भय	رُعبٌ			
2037	दलील, प्रामाण	سُلْطَانًا			
2038	बहुत बुरा, अतिजघन्य	بِئْسَ			
2039	ठिकाना	مَثْوًى			
2040	pl. तुम काट रहे थे (vn. काटना, कत्ल करना: حَسٌّ)	تَحْسُونُ			
2041	pl. फिसल गये तुम (फ श ल) (कायरता दिखाई), 1967, 1968	فَشِلْتُمْ			
2042	pl. तनाज़ज़ः (विरोध) किया तुमने	تَنَازَعْتُمْ			
2043	pl. नाफ़रमानी (अवज्ञा) की तुमने (vn.: مَعْصِيَةٌ؛ عَصِيَانٌ)	عَصَيْتُمْ			
2044	फेर दिया	صَرَفَ			

2045	pl. तुम चढ़े जाते थे, भागे जा रह थे	تُصْعِدُونَ (ص ع د)
2046	pl. नहीं मुड़े तुम, नहीं पलटे तुम	لَا تَلْوُونَ
2047	ताकि नहीं	لِكَيْلَا
2048	निकल गयी, हाथ से गई	فَاتَ
2049	ऊँघ	نُعَاسًا
2050	छा जाए, ढांके (غ ش ي)	يَغْشَى
2051	क्या है हमारे लिए	هَلْ لَنَا
2052	यहाँ, इस जगह	هَاهُنَا
2053	निकले, निकल आते	بَرَزَ
2054	लेटने (मरने) की जगह	مَضَاجِعَ

4th पारः

1/2

نصف جُزء: لَنْ تَنَالُوا

2055	मिलीं, भिड़ गईं	التَّقَى			
2056	dl. दो जमातें	جَمْعَانِ			
2057	फिसला दिया, डगमगा दिया	اسْتَزَلَّ			
2058	माफ़ कर दिया	عَفَا			
	रुकूः	16	v: 7	7	रुकूः
2059	चले वह	ضَرَبُوا			
2060	लड़नेवाले (sr.: غَازِي)	غُزًى			
2061	पछतावा, हस्रत	حَسْرَةً			
2062	अल्बत्ता, निस्सन्देह	لَ			

2063	<i>pv. pl.</i> तुम जमा किये जाओगे	تُحْشَرُونَ (ح ش ر)
2064	पस साथ जो	فَبِمَا
2065	नर्म हुआ तू	لَنْتَ
	(past tense لَانَ; present tense يَلِينُ)	
2066	तुन्द मिजाज़, क्रूर	فَطَّاءٌ
2067	सख्त-दिल, कठोर-हृदय	غَلِيظَ الْقَلْبِ
2068	वह मुन्तशिर हो जाते, छट जाते, भाग जाते	انْفَضُّوا
2069	गिर्द तेरे, आस-पास तेरे	حَوْلِكَ
2070	<i>im.</i> मशविरा (सलाह) कर ले	شَاوِرٌ
	( <i>vn.</i> : مُشَاوَرَةٌ)	
2071	क़स्द (निश्चय) किया तूने, अज़म किया तूने	عَزَمْتَ
2072	<i>ap.</i> भरोसा करनेवाले	مُتَوَكِّلِينَ
2073	छोड़ दिया	خَذَلَ
2074	ख़यानत करे, दबा रखे	يَغْلُ
2075	ख़यानत किया, दबा रखा	غَلَّ
2076	<i>pv.</i> पूरा (भरपूर) दिया जाये	تُؤَفَّى
2077	नाराज़ (गुस्सा, प्रकोप) हुआ	سَخَطَ
2078	ठिकाना, जगह	مَأْوَى
2079	बुरा, खराब, जघन्य	بِئْسَ
2080	फिर जाने (पहुँचने) की जगह	مَصِيرٌ

2081	इहसान (अनुग्रह) किया	مَنَّ
2082	भेजा, खड़ा किया	بَعَثَ

4th पार:	1/2	نصف جزء: لَنْ تَنَالُوا
----------	-----	-------------------------

2083	क्या	أَ
2084	और	وَ
2085	जब	لَمَّا
2086	<i>dl.</i> दोगुनी, डबल	مِثْلِي
2087	कहाँ	أَيَّ
2088	मुनाफ़िक़ (कपटचारी) हुए	نَافِقُونَ
2089	<i>im. pl.</i> आओ	تَعَالَوْا
2090	<i>im. pl.</i> लड़ो	قَاتِلُوا
2091	<i>im. pl.</i> दफ़ा करो, हटाओ	ادْفَعُوا
2092	उस दिन	يَوْمَئِذٍ
2093	ज़ियादा करीब (निकट)	أَقْرَبُ
2094	बैठ रहे वह	قَعَدُوا
2095	अगर	لَوْ
2096	कहा मानते वह	أَطَاعُوا
2097	<i>im. pl.</i> पस हटालो, टाल दो	فَادْرُؤُوا
2098	मत गुमान कर कि, मत समझ कि	لَا تَحْسَبَنَّ
2099	<i>pv.</i> रोज़ी पा रहे हैं, रोज़ी दिये जाते हैं वह	يُرْزَقُونَ

- 2100 खुश हैं **فَرِحِينَ**  
 2101 खुशी मना रहे हैं, **يَسْتَبْشِرُونَ**  
 खुशखबरी (बशारत) दे रहे हैं  
 2102 नहीं मिले, **لَمْ يَلْحَقُوا**  
 नहीं शामिल हुए

रुकूऽ	17	v: 16	8	رکوع
-------	----	-------	---	------

- 2103 कुबूल किया (माना) उन्होंने **اسْتَجَابُوا**  
 2103a ज़ख़म, चोट, घाव, 2009 **فَرْحٌ**  
 2104 काफी है हमको **حَسْبَنَا**  
 2105 अच्छा कारसाज़ **نِعْمَ الْوَكِيلَ**  
 (कार्य-साधक)  
 2106 लौट आये **انْقَلَبُوا**  
 2107 फ़जल (अनुग्रह) वाला **ذُو فَضْلٍ**  
 2108 ख़ौफ़ दिलाता है, डराता है **يُخَوِّفُ**  
 2109 pl. दोस्त **أَوْلِيَاءَ**  
 2110 im. pl. डरो मुझसे **خَافُونَ**  
 (डरो **خَافُوا**; मुझसे: **ن**)  
 2111 जल्दी करते हैं **يُسَارِعُونَ**  
 2112 हिस्सा, (लाभांश) **حِظًا**  
 2113 हम ढील (मुहलत) देते हैं, **نُمْلِي**  
 अवसर देते हैं  
 2114 रूस्वा करनेवाला, **مُهَيِّنٌ**  
 अपमानजनक  
 2115 छोड़ देगा **يَذَرُ**

- 2116 जुदा कर देगा, अलग कर देगा **يَمِيزُ**  
 2117 नापाक, अपवित्र **خَبِيثٌ**  
 2118 पाक, अच्छा, पवित्र **طَيِّبٌ**  
 2119 इत्तिला देवे, बताए, अवगत करे **يُطْلِعُ**  
 2120 पसन्द करता है, चुन लेता है **يَجْتَنِبِي**  
 2121 कंजूसी करते हैं (ब ख ल) **يَبْخُلُونَ**  
 2122 pv. तौक (हँसली) **يُطَوَّقُونَ**  
 पहनाए जायेंगे

रुकूऽ	18	v: 9	9	رکوع
-------	----	------	---	------

- 2123 सुन लिया **سَمِعَ**  
 2124 मोहताज **فَقِيرٌ**  
 2125 हम **نَحْنُ**  
 2126 दौलतमन्द, पैसे वाले **أَغْنِيَاءَ**  
 (sr.: **غَنِيٌّ**)  
 2127 im. pl. चक्खो **ذُوقُوا**  
 2128 जलन, तेज़ आग **حَرِيقٌ**  
 2129 xg. जुल्म (अन्याय) करनेवाला **ظَلَامٌ**  
 2130 बन्दे (sr.: **عَبْدٌ**) **عَبِيدٌ**  
 अहद किया, प्रतिज्ञा की  
 2131 नज़र, कुरबानी **قُرْبَانٌ**  
 2132 खाये, खाजाये **تَأْكُلُ**  
 2133 पस क्यों **فَلِمَ**

- 2134 *pv.* झुटलाये गये **كُذِّبَ** (sr.: **لُبٌّ**)
- 2135 रौशनीवाली *ap.* (ن و ر) **الْمُنِيرُ** 2152 ज़िक्र (स्मरण) करते हैं, **يَذْكُرُونَ**  
याद करते रहते हैं
- 2136 *fg.* चखने वाली **ذَائِقَةٌ** 2153 खड़े **قِيَامًا**
- 2137 *pl. pv.* तुम पूरा दिये जाओगे **تُؤَفَّقُونَ** 2154 बैठे **قُعُودًا**
- 2138 बदले (sr.: **أَجْرٌ**) **أُجُورٌ** 2155 करवटें **جُنُوبٌ**
- 2139 *pv.* दूर कर दिया गया **زُحْرِحَ** (sr.: **جَنْبٌ**)
- 2140 कामयाब हुआ **فَازَ** 2156 गौर (मनन-चिन्तन) **يَتَفَكَّرُونَ**  
करते हैं
- (*vn.*: **فَوْزٌ**)
- 2141 फायदा **مَتَاعٌ** 2157 बेफायदा, बेकार **بَاطِلًا**
- 2142 धोका, धोके का सामान **غُرُورٌ** 2158 पाक है तू **سُبْحَانَكَ**
- 2143 हौसिले के काम, **عَزَمَ الْأُمُورَ** 2159 रूसवा (अपमानित) (خ ز ي) **أَخْرَيْتَ**  
हिम्मत के काम कर दिया तू ने
- 2144 फेंका **نَبَذَ** 2160 *ap.* मुनादी करनेवाला, **مُنَادِيًا**  
एलान करने के लिये पुकारने वाला
- 2145 पीछे **وَرَاءَ** 2161 *im.* दूर कर दे **كَفَّرَ**
- 2146 पीठ (sr.: **ظَهْرٌ**) **ظُهُورٌ** 2162 बुराईयाँ **سَيِّئَاتٍ**
- 2147 करते हैं **أَتَوْا** 2163 *im.* वफ़ात (मृत्यु) दे हमें **تَوَفَّنَا**
- 2148 *pv. pl.* तारीफ़ की **يُحْمَدُونَ** (ح م د) 2164 साथ **مَعَ**
- जाये 2165 *pl.* नेक लोग **أَبْرَارٌ**
- 2149 खुलासी, छुटकारा, कामयाबी **مَفَازَةٌ**

रुकू: 5	19	v: 9	10	رکوع
---------	----	------	----	------

- 2150 वाले **أُولَى**
- 2151 बढ़ि, अक्ल **أَلْبَابٌ**

2166	मर्द	ذَكَرٌ
2167	औरत	أُنْثَى
2168	pv. तकलीफ़ दिये गये, सताये गये	أَوْذُوا
2169	चलत-फिरत	تَقَلَّبُ
2170	शहर	بِلَادٍ
	(sr.: بِلَدٌ)	
2171	ठिकाना	مَأْوَى
2172	बिछौना, ठिकाना	مِهَادٌ
2173	मेहमानी, आवभगत	نُزُلًا

4th पार:	3/4	ثَلَاثَةٌ أَرْبَاعٌ جُزْءٌ: لَنْ تَنَالُوا
----------	-----	--

2174	ap. अजिज़ी करनेवाले, विनयशील	خَاشِعِينَ
2175	im. pl. सब्र करो	اصْبِرُوا
2176	im. pl. सब्र कराओ, डटे रहो	صَابِرُوا
2177	im. pl. मज़बूत रहो, अटल रहो, बंधे रहो	رَابِطُوا

रुकूः	20	v: 11	11	रुकوع
-------	----	-------	----	-------

{ سُورَةُ النَّسَاءِ }
औरतें
सूर: 4 अन-निसा

2178	फैलाया	بَثَّ
2179	मर्द	رِجَالًا
	(sr.: رَجُلٌ)	
2180	pl. तुम सवाल करते हो	تَسَاءَلُونَ
2181	करावत, रहम के रिश्ते, आत्मीयता	أَرْحَامٍ
2182	निगहवान, ख़बर रखनेवाला	رَقِيْبًا
2183	pl. यतीमों, अनाथों	يَتَامَى
2184	गुनाह, पातक	حُوبًا
2185	बड़ा, महान्	كَبِيرًا
2186	इन्साफ़, न्याय	قِسْطٌ
2187	खुश लगे, पसन्द आये	طَابَ
2188	दो-दो	مَثْنَى
2189	तीन-तीन	ثَلَاثَ
2190	चार-चार	رَبَاعَ
2191	इन्साफ़, बराबरी	عَدْلٌ
2192	मालिक हुए	مَلَكَتْ
2193	दाहिने हाथ (अधिकार-पूर्ण हाथ) (vn.: يَمِينٌ)	أَيْمَانٍ
2194	बहुत नज़दीक, अधिक सम्भावना	أَدْنَى
2195	pl. कि वे इन्साफ़ी	أَلَّا تَعُولُوا



	(अन्याय) कर सकोगे	
2196	महर	صَدَقَاتٌ
	(sr.: صَدَاقٌ)	
2197	खुशी से देना या अदा करना	نَحْلَةً
2198	मजेदार, उपभोग्य	هَنِيئًا
2199	खुशगवार, सानन्द	مَرِيئًا
2200	कायम, कियाम	قِيَامًا
2201	im. pl. पहनाओ	أَكْسُوا
2202	पहनावा	كِسْوَةً
2203	im. pl. आजमा लो, जाँच लो	ابْتَلُوا
2204	यतीमों, अनाथों (sr.: يَتِيمٌ)	يَتَامَى
2205	पहुँचे वह	بَلَّغُوا
2206	पाओ तुम	الْأَسْتَم
2207	होशियारी, सूझ बूझ	رُشْدًا
2208	im. pl. लौटा दो, हवाले करो	ادْفَعُوا
2209	ज़ियादती, औचित्य से बाहर	أَسْرَافًا
2210	जल्दी-जल्दी	بِدَارًا
2211	चाहिये कि बचा रहे	لِيَسْتَعْفِفُ
2212	pl. वापस (हवाले) करो तुम	دَفَعْتُمْ
2213	हिस्सा	نَصِيبٌ
2214	माँ-बाप	وَالِدَانِ
2215	pl. कराबतवाले, सम्बन्धीजन	أَقْرَبُونَ

2216	थोड़ा, कम	قَلَّ
2217	ज़ियादा, बहुत	كَثُرَ
2218	मुक़र्ररा, तैशुदा, निश्चित	مَفْرُوضًا
2219	बाँटना, तक्सीम करना	قِسْمَةً
2220	कराबतवाले, समीपी सम्बन्धी	أَوْلُو الْقُرْبَى
2221	डरे, खौफ़ करे	لِيَحْشَ
2222	नर्म, सीधी, भली रीति से	سَدِيدًا
2223	भड़कती आग	سَعِيرًا

रुकूऽ	1	v: 10	12	रुकوع
-------	---	-------	----	-------

2224	हिस्सा	حِظٌّ
2225	dl. दो औरतें	اَتْنَيْنِ
2226	dl. दो तिहाई, 2/3	ثَلَاثًا
2227	आधा, 1/2	نِصْفًا
2228	छेटा, 1/6	سُدُسًا
2229	एक तिहाई, 1/3	ثُلُثًا
2230	भाई, भाई-बहिन	اِخْوَةً
2231	करज़, करज़ा, ऋण (pl.: دُيُونٌ)	دَيْنٌ
2232	pl. नहीं तुम जानते	لَا تَدْرُونَ
2233	औलाद	وَلَدٌ
2234	चौथाई, 1/4	رُبْعٌ

- 2235 आठवाँ, 1/8 ثَمَنٌ
- 2236 ऐसी मय्यत (मृत व्यक्ति) كَلَالَةٌ  
जो अपने पीछे बाप और औलाद  
न छोड़े
- 2237 भाई أَخٌ
- 2238 बहिन أُخْتٌ
- 2239 हर एक كُلُّ وَاحِدٍ
- 2240 साझी, बराबर के شُرَكَاءُ
- 2241 न ज़रर (हानि) غَيْرِ مُضَارٍّ  
पहुँचाया जाये
- 2242 हदें (निर्धारित सीमाएँ) حُدُودُ اللَّهِ  
अल्लाह की
- 2243 ज़ाबते (सीमा) से निकल  
जाये, नाफ़रमानी करे يَتَعَدَّ
- |       |   |      |    |      |
|-------|---|------|----|------|
| रुकूऽ | 2 | v: 4 | 13 | رکوع |
|-------|---|------|----|------|
- 2244 वह औरतें जो أَلَّتِي
- 2245 चार (4) أَرْبَعَةٌ
- 2246 im. pl. रोक लो أَمْسَكُوا
- 2247 dl. दो आदमी أَلَّذَانِ
- 2248 im. pl. तकलीफ़ दो, कष्ट दो آذُوا
- 2249 im. pl. एराज़ करो, أَعْرِضُوا  
छोड़ दो
- 2250 तौबा कुबूल تَوَابًا رَّحِيمًا  
करने वाला रहम करने वाला
- 2251 नादानी, जहालत, नासमझी جَهَالَةٌ

- 2252 ज़बरदस्ती كَرَهَا
- 2253 ni. pl. मत रोको لَا تَعْضَلُوا (ع ض ل)
- 2254 इसलिए कि ले लो या لِتَذْهَبُوا  
वसूल करलो
- 2255 ज़ाहिर, साफ़, खुले रूप में مُبَيِّنَةٌ
- 2256 im. pl. खूबी से गुज़रान عَاشِرُوا  
रक्खो, भले तरीके से रहो -सहो
- 2257 मुम्किन عَسَى
- 2258 vn. बदल लेना, एक छोड़ اسْتَبْدَالَ  
कर दूसरी लाना
- 2259 ठिकाना, जगह مَكَانٌ
- 2260 खज़ाना, माल का ढेर قِنطَارٌ
- 2261 मिल चुके, जा चुके أَفْضَى
- 2262 कौल, वचन, अहद مِيثَاقٌ
- 2263 गाढ़ा, मज़बूत غَلِيظًا
- 2264 हो चुका سَلَفَ
- 2265 नफ़रत की बात, नापसंद, مَقْتًا  
जघन्य
- |       |   |      |    |      |
|-------|---|------|----|------|
| रुकूऽ | 3 | v: 8 | 14 | رکوع |
|-------|---|------|----|------|
- 2266 माएँ, أُمَّهَاتٌ  
(sr.: माँ اُمٌّ)
- 2267 बेटियाँ بَنَاتٌ

- 2268 (sr.: बेटी **بِنْتٌ**)  
बहनें **أَخَوَاتٌ**
- (sr.: बहिन **أُخْتٌ**)  
2269 pl. फूफियाँ **عَمَّاتٌ**  
(sr.: फूफी **عَمَّةٌ**)
- 2270 pl. बहिनों कि बेटियाँ, **بَنَاتُ الْأُخْتِ**  
भाजियाँ
- 2271 fg. दूध पिलाया उन **أَرْضَعْنَ**  
औरतों ने
- 2272 दूध शरीक **أَخَوَاتِكُمْ مِنَ الرِّضَاعَةِ**  
बहिन
- 2273 pl. बीवी की वह लड़कियाँ **رَبَائِبٌ**  
जो पहले पति से हों
- 2274 pl. गोद की जमा, गोदियों **حُجُورٌ**
- 2275 तुम्हारी गोदियों में **فِي حُجُورِكُمْ**  
या ज़ेरे-पर्वरिश (पालन-पोषण में)
- 2276 बीबियाँ **حَلَائِلٌ**  
(sr.: **حَلِيلَةٌ**)
- 2277 नसल, औरस पुत्र **أَصْلَابٌ**  
(sr.: **صُلْبٌ**)
- 2278 dl. दो बहनें **أُخْتَيْنِ**  
(sr.: **أُخْتٌ**)

- 2279 शादी शुद: औरतें, **مُحْصَنَاتٌ**  
पतिवाली स्त्रियाँ
- 2280 पाकदामन मर्द, **مُحْصِنِينَ**  
निकाह में महफूज़ रखनेवाले या  
निकाह की ज़िम्मेदरियाँ कुबूल  
करनेवाले
- 2281 आज़ाद शहवतरानी **مُسَافِحِينَ**  
(बदकारी) करने वाले,
- 2282 pl. महर, विवाह में **أَجُورٌ**  
पत्नी को पति से मिलनेवाले हक
- 2283 मकदूर, सामर्थ्य, गुंजायश **طَوْلًا**
- 2284 बावकार शरीफ आज़ाद **مُحْصَنَاتٌ**  
मुसिलम खवातीन ईमानवाली  
सच्चरित्र नारियाँ
- 2285 बाँदियाँ, लौंडियाँ **فَتَيَاتٌ**  
(sr.: **فَتَاةٌ**)
- 2286 हिसार निकाह में महफूज़ **مُحْصَنَاتٌ**  
रहनेवालियाँ, पारसा औरतें,  
पतिव्रता नारियाँ
- 2287 fg. न हों अलानिया **غَيْرَ مُسَافِحَاتٍ**  
(खुल कर) बदकारी करनेवालियाँ,  
दुराचारिणी स्त्रियाँ
- 2288 चोरी छिपे आशनाई करना **أَخْدَانٌ**
- 2289 pv. निकाह में ली जायें **أُحْصِنٌ**
- 2290 fg. pl. करें वह **أَتَيْنَ**
- 2291 बदकारी **عَنَّتْ**

2292	राहें	سُننٌ
	(sr.: سُنَّةٌ)	
2293	ख्वाहिशात, इच्छाएँ	شَهَوَاتٌ
2294	झुक जाना (राह से दूर हो जाना)	مَيْلٌ
2295	रज़ामन्दी से, सहमति से	عَنْ تَرَاضٍ
2296	ज़ियादती से	عُدْوَانٌ
2297	हम दाख़िल करेंगे	نُصْلِيهِ
	(झोंक देंगे) उसको	
	(vn.: दाख़िल करना	اصْلَاءٌ
2298	pl. बचोगे तुम	تَجْتَنِبُوا
	(vn.: اجْتِنَابٌ)	
2299	बड़े गुनाह	كَبَائِرٌ
	(sr.: كَبِيرَةٌ)	
2300	pv. pl. मना किये जाते हो	تُنْهَوْنَ
2301	हम दूर करदेंगे	نُكْفِرُ
2302	दाख़िल होने की जगह	مُدْخَلًا
2303	इज़ज़त वाला, सम्मानित	كَرِيمًا
2304	ni. pl. मत आरज़ु करो,	لَا تَتَمَنَّوْا
	मत कामना करो	
2305	वारिस, उत्तराधिकारी	مَوَالِي
2306	अहद में बंधे हुए, वचन बद्ध	عَقَدَتْ
2307	pl. सीधे हाथ तुम्हारे	أَيْمَانِكُمْ
	(अधिकार में)	

रकूः	5	v: 8	2	रकوع
2308	कायम रहनेवाले,	قَوَامُونَ		
	मुन्तज़िम, सिरधरे, निगहबान			
2309	नेक औरतें	صَالِحَاتٍ		
2310	fg. pl. फरमाबरदार औरतें,	قَانَنَاتٍ		
	बात सुन्ने वाली औरतें			
2311	बद-दिमागी, सरकशी,	نُشُوزٌ		
	नाफरमानी			
2312	pl. ख्वाबगाहें, शय्या,	مَضَاجِعَ		
	लेटने की जगहें			
2313	बलन्द, सर्वोच्च, बालातर	عَلِيًّا		
2314	मुन्सिफ़, पंच, न्याय करनेवाला	حَكَمًا		
2315	पड़ोसी	جَارٌ		
2316	अजनबी पड़ोसी,	جَارِ الْجُنُبِ		
	दूर का पड़ोसी			
2317	करवट (पहलू)	صَاحِبِ بِالْجَنْبِ		
	का साथी, हम मज्लिस, नज़दीक			
2318	राहगीर, मुसाफ़िर	ابْنِ السَّبِيلِ		
2319	इतराने वाला	مُخْتَلًا		
2320	फ़ख़र करनेवाला, शेखी	فَخُورًا		
	बघारनेवाला, बड़ाई बघारनेवाला			
2321	साथी	قَرِينًا		
2322	क्या हो जाता	مَاذَا		
2323	अगर	لَوْ		
2324	भर, वज़न, बराबर	مِثْقَالٍ		

2325	अगर	أَنْ					
2326	हो (असल में <b>تَكُنْ</b> था)	تَكُنْ					
2327	उसके पास से	مِنْ لَدُنْهُ					
2328	लायें हम	جِئْنَا					
2329	यह सब, इन सब	هُؤُلَاءِ					
2330	बराबर हो जाए	تُسَوَّى					
2331	बात	حَدِيثًا					
<table border="1" style="width:100%; border-collapse: collapse;"> <tr> <td style="width:15%; text-align: center;">रुकूऽ</td> <td style="width:10%; text-align: center;">6</td> <td style="width:15%; text-align: center;">v: 9</td> <td style="width:10%; text-align: center;">3</td> <td style="width:50%; text-align: center;">رुकوع</td> </tr> </table>			रुकूऽ	6	v: 9	3	رुकوع
रुकूऽ	6	v: 9	3	رुकوع			
2332	ni. pl. मत करीब (قرب) या नज़दीक जाओ	لَا تَقْرُبُوا					
2333	नशे में	سُكَارَى					
2334	vn. जनाबत की हालत में, अपवित्रता में	جُنْبًا					
2335	गुज़रनेवाला (मुसाफ़िर)	عَابِرِيْ					
2336	pl. गुस्ल कर लो, नहा लो (غسل)	تَغْتَسِلُوا					
2337	बीमार, मरीज़ (sr.: مَرِيضٌ)	مَرَضِيْ					
2338	क़ज़ाये हाज़त, शौच से	غَائِطٌ					
2339	pl. सुहबत (स्त्रीगमन) की हो तुमने, लूआ तुमने	لَأَمْسْتُمْ					
2340	pl. तयम्मूम कर लो	تَيَمَّمُوا					
2341	मिट्टी	صَعِيدًا					
2342	पाक, स्वच्छ	طَيِّبًا					

2343	im. pl. मसह कर लो, हाथ फेर लो	اِمْسَحُوا
2344	pl. चेहरे (बहु वचन) (sr. चेहरा وَجْهٌ)	وُجُوْهُ
2345	माफ़ करनेवाला, क्षमाशील	عَفُوٌّ
2346	फेर देते हैं, हेर फेर कर देते हैं	يُحَرِّفُوْنَ
2347	जगह, मौजूज़, स्थान (sr.: مَوْضِعٌ)	مَوَاضِعَ
2348	न माना हमने, नहीं मानते हम	عَصَيْنَا
2349	im. सुन	اسْمَعِ
2350	न सुनाया जाय	غَيْرِ مُسْمَعٍ
2351	vn. पेच देकर, मरोड़कर	لِيَّا
2352	pl. ज़बानें (ज़बान لِسَانٌ)	اَلْسِنَةً
2353	vn. ऐब लगाना, ताना करना	طَعَنًا
2354	बहुत बेहतर, बहुत सीधा, बहुत मज़बूत	اَقْوَمٌ
2355	हम मिटा डालेंगे (ط م س)	نَطْمِسُ
2356	हम फेर देंगे (ر د د)	نُرَدُّ
2357	पीठ (sr.: دُبُرٌ)	اَدْبَارَ
2358	सनीचर वाले, इनका किस्सा सूर: अ़राफ़	اَصْحَابُ السَّبْتِ

- में बयान हुआ है
- 2359 किया गया, हो कर रहेगा **مَفْعُولًا**
- 2360 सिवा उसके **دُونَ ذَلِكَ**
- 2361 बाँध लिया,  
झूटमूट का गढ़ लिया **اِفْتَرَى**
- 2362 तागे बराबर **فَتِيلًا**
- |       |   |      |   |      |
|-------|---|------|---|------|
| रुकूऽ | 7 | v: 8 | 4 | रकوع |
|-------|---|------|---|------|
- 2363 बेहकीकत,  
बेअसल जादू, फ़ालग़ीरी,  
टोने टोटके, शगून, महरत  
और दूसरी अंधविश्वास की  
चीज़ें **جَبْتِ**
- 2364 ज़रा सा, थोड़ा **نَقِيرًا**
- 2365 fg. गल जायेंगी,  
जल जायेंगी **نَضِجَتْ**
- 2366 चमड़ा, ख़ाल (sr.: **جُلْدًا**) **جُلُودًا**
- |          |                           |
|----------|---------------------------|
| 5th पार: | ربع جزء: وَالْمُحْصَنَاتُ |
|----------|---------------------------|
- 2367 हमेशा **أَبَدًا**
- 2368 साया, छाँव **ظِلًّا**
- 2369 घनी छाँव **ظِلِيلًا**
- 2370 pl. पहुँचा दो, अदा करदो **تَوَدُّوْا**
- 2371 बहुत अच्छी, ख़ूब,  
नेमत से भरपूर **نَعِيمًا**
- 2372 साहिबे हुक्म, शासक,  
इख्तियार वाले **أُولَى الْأَمْرِ**

- 2373 vn. अनजाम, खुलासा,  
परिणाम **تَأْوِيلًا**
- |       |   |      |   |      |
|-------|---|------|---|------|
| रुकूऽ | 8 | v: 9 | 5 | रकوع |
|-------|---|------|---|------|
- 2374 दावा करते हैं (ذ ع م) **يَزْعُمُونَ**
- 2375 फ़ैसला ले जायें **يَتَحَاكَمُونَ**
- 2376 हट रहना, कतराना **صُدُودًا**
- 2377 हलफ़ उठाते हैं,  
क़सम खाते हैं **يَحْلِفُونَ**
- 2378 नहीं, इस लफ़्ज़ **أَنَّ**  
के माने अगर के होते हैं  
लेकिन इसके बाद **لَا** आने  
से माने होंगे नहीं
- 2379 मवाफ़िक़त, भलाई **تَوْفِيقًا**
- 2380 im. एराज़ कर, ध्यान न दे **أَعْرَضُ**
- 2381 im. नसीहत कर, समझा दे **عِظُ**
- 2382 बात पहुँची हुई,  
(मन में) उतरनेवाली **قَوْلًا بَلِيغًا**
- 2383 पस नहीं, क़सम है तेरे **فَلَا وَرَبِّكَ**  
रब की (, यहाँ क़समिया है)
- 2384 झगड़ा उठा **شَجَرَ**
- 2385 तंगी **حَرَجًا**
- 2386 फ़ैसला किया तूने **قَضَيْتَ**

2387	मान लें	يُسَلِّمُوا					
2388	ताबिअे फ़रमान बनकर (पूरी तरह मान्ने वाला बन कर)	تَسْلِيْمًا					
2389	साबित रखने में, पुख्ता रखने में	تَثْبِيْتًا					
2390	सच्चे लोग, सत्यनिष्ठजन	صِدِّيْقِيْنَ					
2390a	अच्छे, क्या ही खूब	حَسُنَ					
2391	दोस्त, रफ़ीक़, मित्र	رَفِيْقًا					
<table border="1" style="width: 100%; text-align: center;"> <tr> <td>रुकूऽ</td> <td>9</td> <td>v: 11</td> <td>6</td> <td>رुकوع</td> </tr> </table>			रुकूऽ	9	v: 11	6	رुकوع
रुकूऽ	9	v: 11	6	رुकوع			
2392	im. pl. लो	خُذُوا					
2393	बचाव का सामान	حِذْرٌ					
2394	im. pl. निकलो	انْفِرُوا (ن فر)					
2395	दस्तों में, अलग अलग गिरोह बाँधकर	ثَبَاتٌ					
2396	हटता है, देर करता है	يُيْطِنُّ					
2397	vn. देर करना	تَبْطِئَةٌ					
2398	मुझ पर, मेरे पर	عَلَيَّ					
2399	दोस्ती	مَوَدَّةٌ					
2400	ऐ काश कि मैं	يَا لَيْتَنِي					
2401	vn. कामयाबी, सफलता	فَوْزٌ					
2402	बेचते हैं	يَشْرُونَ					
2403	क्या हुआ तुमको	مَا لَكُمْ					

2404	pp. कमज़ोर लोग, बेबस	مُسْتَضْعَفِيْنَ					
2405	लड़के	وَلْدَانَ					
2406	रहनेवाले उस (बस्ती) के	أَهْلَهَا					
2407	अपने नज़दीक से	مِن لَّدُنْكَ					
2408	तदबीर	كَيْدٌ					
<table border="1" style="width: 100%; text-align: center;"> <tr> <td>रुकूऽ</td> <td>10</td> <td>v: 6</td> <td>7</td> <td>रुकوع</td> </tr> </table>			रुकूऽ	10	v: 6	7	रुकوع
रुकूऽ	10	v: 6	7	रुकوع			
2409	im. pl. रोक रक़खो	كَفُّوا					
2410	डर, खौफ़	خَشِيَّةٌ					
2411	क्यों नहीं	لَوْ لَا					
2412	मुहलत, वक़्त	أَجَلٌ					
2413	तागे बराबर, धागे बराबर	فَتِيْلًا					
2414	जहाँ कहीं भी	أَيْنَمَا					
2415	पालेगी	يُدْرِكُ (درک)					
2416	क़िले	بُرُوجٌ					
2417	बलन्द, मज़बूत	مُشَيَّدَةٌ					
2418	पस क्या हुआ	فَمَالَ					
2419	नहीं करीब हुए	لَا يَكَادُونَ					
2420	समझते, सम्झें (vn.: فِقَّةٌ)	يَفْقَهُونَ					
2421	फ़रमाँबरदारी, आज्ञा मान्ना	طَاعَةً					
2422	रात के वक़्त सलाह करना, छुप छुपकर मशविरा करना	بَيْتٌ					

2423	रात को मशविरा करते हैं, छुपकर	يَسْتَوُونَ
2424	गौर करते हैं, तदबीर करते हैं	يَتَدَبَّرُونَ
2425	अलबत्ता पाते वह	لَوْ جَدُّوْا
2426	फैलाते हैं	أَذَاعُوا
2427	तहकीक करते हैं, जाँच लेते हैं	يَسْتَنْبِطُونَ
2428	im. रग़बत दिला, उभार	حَرَضُوا
2429	करीब	عَسَى
2430	रोक देगा	يُكْفِئُ
2431	बहुत सक्त	أَشَدَّ
2432	जंग	بَأْسٍ
2433	सज़ा देने में, दण्ड देने में, बन्द करने में	تَنْكِيلًا
2434	हिस्सा, भाग	كِفْلٍ
2435	दुआ सलाम	تَحِيَّةٍ

रुकूऽ	11	v: 11	8	रुकूऽ
-------	----	-------	---	-------

5th पार:	1/2	نصف جزء: وَالْمُحْصَنَاتُ
----------	-----	---------------------------

2436	उल्टा फेर दिया	أَرْكَسَ
2437	मिलते हैं	يَصِلُونَ
2438	fg. रुक गये, खिन्न हो गये	حَصِرَتْ
2439	मुसल्लत किया, तैनात किया	سَلَّطَ

रुकूऽ	12	v: 4	9	रुकूऽ
-------	----	------	---	-------

2440	आज़ाद करना	تَحْرِيرٍ
2441	गर्दन	رَقَبَةً
2442	खूनबहा	دِيَةً
2443	पूरा दिया जाये, अदा किया जाए	مُسَلَّمَةً
2444	dl. दो महीने (sr.: شَهْرٌ)	شَهْرَيْنِ
2445	dl. लगातार, मुसलसल	مُتَّابِعِينَ
2446	क़सदन, जान बूझकर	مُتَعَمِّدًا
2447	pl. चलो तुम, सफ़र करो तुम	ضَرَبْتُمْ
2448	डाला, मुलाक़ात किया	أَلْقَى
2449	नहीं है तू	لَسْتَ
2450	असबाब, सामान	عَرَضٌ
2451	ग़नीमतें, (अच्छा माल)	مَعَانِمَ
2452	नहीं बराबर है	لَا يَسْتَوِي
2453	सिवाये ज़ररवाले, अलावा ज़रर वालों के, जिन को कोई अज़र न हो बिना किसी लाचारी के (जिहाद से मूह चुराकर बैठ जानेवाले)	غَيْرِ أَوْلِي الضَّرَرِ

रुकूऽ	13	v: 5	10	रुकूऽ
-------	----	------	----	-------

2454	वफ़ात दी, जान कब्ज़ की	تُوفِّي
2455	किस चीज़ में	فِيمَا



- 2456 बहाना, हीला, तदवीर **حَيْلَةٌ**  
 2457 जगह, बाफ़रागत मकान, **مُرَاغَمًا**  
 सुविधाजनक स्थान  
 2458 पाना **دَرَكَ**  
 2459 साबित (सिद्ध) हो गया, **وَوَقَعَ**  
 वाक़े हो गया, निश्चित हो गया

रुकूऽ	14	v: 4	11	रकوع
-------	----	------	----	------

- 2460 *pl.* कम करो तुम, **تَقْصُرُوا (ق ص ر)**  
 कसर करो तुम  
 2461 फ़ितने में डाले, सताए **يَفْتِنَ (ف ت ن)**  
 2462 हो तू, हुआ तू **كُنْتَ**  
 2463 खड़े हुए, कायम हुए **تَقُمُّ**  
 2464 हथियार **أَسْلِحَةَ**  
 2465 आवे **تَأْتِ**  
 2466 बचाव का सामान, 2393 **حِذْرٍ**  
 2467 अस्वाब तुम्हारा **أَمْتَعَتِكُمْ**  
 2468 झुक जाना, **مَيْلَةً**  
 आपड़ना, हमला करना  
 2469 यकवारगी, एक बार **وَاحِدَةً**  
 2470 बारिश, वर्षा **مَطْرًا**  
 2471 कि रख दो **أَنْ تَضَعُوا**  
 2472 *pl.* इत्मीनान पाओ तुम, **أَطْمَأْنَنْتُمْ**  
 तुम आश्वस्त हो  
 2472a वक़्त मुक़रर की हुई **مَوْقُوتًا**

2473 *pl.* तुम दुख उठा रहे हो **تَأْلَمُونَ (ا ل م)**

2474 *pl.* तुम उम्मीद रखते हो **تَرْجُونَ**

रुकूऽ	15	v: 4	12	रकوع
-------	----	------	----	------

- 2475 दिखाया **أَرَا**  
 2476 *ap.* ख़ियानत करनेवाले **خَائِنِينَ**  
 2477 झगड़नेवाला, **خَصِيمًا**  
 तरफ़दारी करनेवाला  
 2478 *ni.* मत झगड़ा कर **لَا تُجَادِلْ**  
 2479 ख़ियानत **يَخْتَانُونَ**  
 (अप भोग) करते  
 2480 ख़ियानत करनेवाला **خَوَانًا**  
 2481 गुनहगार, पापी **أَثِيمًا**  
 2482 छुपते हैं **يَسْتَخْفُونَ**  
 2483 चोरी छुपे मशविरा **يُبَيِّتُونَ**  
 (सलाह) करते हैं  
 2484 तुहमत (आरोप) लगाय, फ़ंके **يَرِمُّ**  
 2485 बेगुनाह, निर्दोष **بَرِيئًا**  
 2486 उठालिया, **احْتَمَلَ**  
 सिर पर लाद लिया

रुकूऽ	16	v: 8	13	रकوع
-------	----	------	----	------

2487 *fg.* इरादा कर लिया **هَمَّتْ**

2488 सिखाया **عَلَّمَ**

5th पार:	3/4	ثلاثة ارباع جزء: وَالْمُحْصَنَاتُ
----------	-----	-----------------------------------

2489	सरगोशी, कानाफूसी, बात-चीत के लिये बैठना	نَجْوَى					
2490	मुखालिफ़त (विरोध) करे	يُشَاقِقُ					
2491	हम उसको दाखिल करेंगे	نُصَلِّهِ					
<table border="1" style="width:100%; text-align:center;"> <tr> <td>रुकूऽ</td> <td>17</td> <td>v: 3</td> <td>14</td> <td>रुकوع</td> </tr> </table>			रुकूऽ	17	v: 3	14	रुकوع
रुकूऽ	17	v: 3	14	रुकوع			

2492	जो कुछ सिवाय उसके	مَا دُونَ ذَلِكَ
2493	pl. ज़नानी चीज़ें, देवियां	أَنَاثًا
2494	सर्कश, आवज़ कारी	مَرِيدًا
2495	तराशेंगे, काटेंगे	يَتَكَنَّ
2496	कान (sr.: اُذُنٌ)	الْأَذَانُ
2497	pl. चौपाये, मवेशी (sr.: نَعَمٌ)	أَنْعَامٌ

2498	फ़रेब, धोका	غُرُورًا
2499	भागने की जगह	مَحِيصًا
2500	बहुत सच्चा	أَصْدَقُ
2501	कौल, बात, वादा	قِيْلًا
2502	ज़रा सा (भी)	نَقِيرًا
2503	दोस्त	خَلِيْلًا

रुकूऽ	18	v: 11	15	रुकوع
-------	----	-------	----	-------

2504	फ़तवा पूछते हैं, हुक़्म दरयाफ़्त करते हैं	يَسْتَفْتُونَ
2505	pl. तुम रग़बत करते हो, चाहते हो	تَرْغِبُونَ

2506	शौहर	بَعْلٌ
2507	fg. हाज़िर की गयी	أَحْضِرَتْ
2508	बख़ीली, लालच	الشَّحُّ
2509	pl. हिर्स करो तुम, चाहो तुम	حَرَصْتُمْ
2510	pp. अधर में लटकी हुई	مُعَلَّقَةٌ
2511	तुम को भी	أَيَّاكُمْ
2512	तारीफ़ किया गया, प्रशंसनीय	حَمِيدًا
2513	लायेगा, आएगा	يَأْتِ

रुकूऽ	19	v: 8	16	रुकوع
-------	----	------	----	-------

2514	बेहतर, लायक़ तर, अधिक योग्य	أَوْلَى
2515	ख़्वाहिश, इच्छा	الْهَوَى
2516	pl. पेच बयानी करोगे, हेर फेर कर बात करोगे	تَلَوُّوْ
2517	आगे बढ़ गये, ज़ियादा हो गये	ازْدَادُوا
2518	वात करें, बहस करें, बातों में लग जायें	يَخُوضُوا
2519	बात (pl.: أَحَادِيثُ)	حَدِيثٌ
2520	इन्तिज़ार करते हैं, प्रतीक्षा में रहते हैं	يَتَرَبَّصُونَ
2521	ग़ालिब आये हम, हम छाये रहे	نَسْتَحُوذُ

2522 हमने बचा दिया (م ن ع) تَمْنَعُكُمْ  
तुमको

रुकूऽ	20	v: 7	17	رکوع
-------	----	------	----	------

2523 कसमसाते हुए, كَسَالِي  
सुसती से, अनमने से

2524 डाँवाँदोल, डगमगाते हुए مُذَبِّبِينَ

2525 हुज्जते, ग़ल्बा, अभियोग سُلْطَانَ

2526 खुली साफ़ हुज्जत, खुला अभियोग

2527 दर्जा الدَّرَكُ

2528 बहुत नीचा اَسْفَلُ

2529 ख़ालिस कर दिया उन्होंने, اَخْلَصُوا  
आज्ञानुवर्ती हो गये,

2530 क्या करेगा مَا يَفْعَلُ

﴿ پار: 6 جُزء : لَأَيِّبُ اللهُ ﴾

2531 पूकार कर कहना, جَهْرًا  
साफ़ खुल्ला कहना, ज़बान खोलना

2532 कुदरतवाला, परमसमर्थ قَدِيرًا

2533 पक्के, सच्चे, यकीनी حَقًّا

रुकूऽ	21	v: 11	1	رکوع
-------	----	-------	---	------

2534 ज़ाहिर, प्रत्यक्ष, अलानिया جَهْرَةً

2535 कड़क, बिजली صَاعِقَةٌ

2536 माफ़ किया हमने عَفَوْنَا

2537 ni. pl. हद (सीमा) से मत गुज़रो

2538 सूली देना صَلَبٌ

2539 pv. शुब्हा (संदेह) डाल (ش ب ه) شُبُهَةٌ  
दिया गाया

2540 ap. देनेवाले مُؤْتُونَ

रुकूऽ	22	v: 10	2	رکوع
-------	----	-------	---	------

2541 अल्लाह की किताब जो زَبُورٌ  
ह. दावूद عليه السلام पर नाज़िल की गयी

2542 हमने बयान किया (ق ص ص) قَصَصْنَا

2543 vn. बात करना تَكَلِيمًا

2544 ap. खुशख़बरी सुनानेवाले, مُبَشِّرِينَ  
सुसंवाददाता

2545 ap. डर सुनानेवाले, مُنْذِرِينَ  
सचेत करनेवाले, डराने वाले

2546 अज़र, हुज्जत, अनुयोग حُجَّةٌ

2547 राह طَرِيقٌ

2548 आसान يَسِيرًا

2549 ni. pl. गुलू (संलग्नता) मत लॉ تَغْلُوا  
करो, अतयुक्ति न करो

2550 फ़रमान, हुकम كَلِمَةً

2551 डाल दिया, पहुँचा दिया اَلْقَى

2552 तीन ثَلَاثَةٌ

2553 im. pl. बाज़ अजाओ, اِنْتَهُوا  
रुक जाओ

रुकूऽ	23	v: 9	3	رُكُوع
-------	----	------	---	--------

- 2554 न इन्कार (ن ك ف) لَنْ يَسْتَنْكَفَ  
करेगा
- 2555 *vn.* इन्कार करना اسْتِنَكَفَ  
दलील بُرْهَانٌ
- 2557 सवाल पूछते हैं يَسْتَفْتُونَ  
दो तेहाई, 2/3 ثَلَاثَانِ
- (*sr.*: 1/3: ثَلَاثٌ)

रुकूऽ	24	v:6	4	رُكُوع
-------	----	-----	---	--------

{ سُورَةُ الْمَائِدَةِ }

**दस्तरख्वान**

**सूर: 5 अल-माइद:**

- 2559 अहद, इक़्रार عَقُودٌ  
(*sr.*: عَقْدٌ)
- 2560 चरने वाले जानवर, चौपाए بِهِيمَةً  
चौपाए, मवेशी أَنْعَامٌ
- 2562 नहीं हलाल غَيْرِ مُحَلِّينَ
- 2563 शिकार صَيْدٌ
- 2564 इहराम की हालत में حُرْمٌ
- 2565 *ni. pl.* मत हलाल सम्झो, لَا تُحِلُّوْا  
मत बे हर्मती करो
- 2566 निशानियां شَعَائِرٌ

- 2567 मुहतरम महीने, الشَّهْرُ الْحَرَامُ  
अदब के लायक महीने
- 2568 कुरबानी का जानवर اَلْهَدْيُ  
कुरबानी के वह जानवर قَلَائِدُ
- 2569 जिनके गले में अल्लाह की नज़र के तौर पर अ़लामत के पे डाले गये हों
- 2570 *ap.* क़स्द करनेवाले, जानेवाले اَمِيْنٌ
- 2571 घर मुहतरम, प्रतिष्ठित घर (बैतुल्लाह शरीफ़)
- 2572 हलाल हो तुम, इहराम की हालत से बाहर हो जाओ
- 2573 *im. pl.* शिकार करो اصْطَادُوا
- 2574 *vn.* शिकार करना اصْطَادَ (ص ي د)
- 2575 न आमादा करे لَمَّا يَجْرِمَنَّكُمْ  
तुमको, न उभारे तुमको
- 2576 दुश्मनी, बुग़ज़ شَتَانٌ
- 2577 *im. pl.* तआवुन करो, मदद करो تَعَاوَنُوا
- 2578 ज़ियादती, ज़ुल्म, अतयाचार عُدْوَانٌ

6th पार:	1/4	رَبْعٌ حُزْرٌ: لَا يُجِبُ اللهُ
----------	-----	---------------------------------

- 2579 मुरदार, मरा हुआ مَيْتَةٌ
- 2580 खून دَمٌ
- 2581 गोशत, मांस لَحْمٌ
- 2582 सुवर خِنْزِيرٌ

- 2583 पुकारा जाये, **أَهْلٌ**  
नामज़द किया जाये
- 2584 *pp.* ऐसा जानवर **مُنْحَنَقَةٌ**  
जो गला घोटने से मर गया हो
- 2585 *pp.* ऐसा जानवर जो **مَوْقُودَةٌ**  
किसी आघात, चोट से या  
लाठी मारने से मर गया हो
- 2586 *pp.* ऐसा जानवर जो **مُتْرَدِيَةٌ**  
किसी ऊँची जगह से गिर  
कर मर गया हो
- 2587 ऐसा जानवर जो किसी **نَطِيحَةٌ**  
टक्कर से या सींग मारने  
से मर गया हो
- 2588 दरिन्दा, हिंसक पशु **السَّعِيُّ**
- 2589 *pl.* पाक कर लो तुम, **ذَكِيْمٌ**  
ज़ब्ह कर लो तुम
- 2590 ज़ब्ह किया जाये **ذُبِحَ**
- 2591 परिस्तिश-गाह, **نُصِبَ**  
आस्ताना, (स्थान)
- 2592 *pl.* किस्मत मालूम करो, **تَسْتَقْسِمُوا**  
भविष्य फल पूछो
- 2593 किसमत मालूम करने के  
पाँसे, तीर  
सट्टा, लाटरी वगैरा आजकल  
की जाहिलीयत की पैदावार भी इसी  
लफ़ज़ के हम माने हैं
- 2594 मायूस (निराश) हो गये **يَيْسٌ**
- 2595 बेबस हुआ, मजबूर हुआ **أُضْطُرَّ**

- 2596 भूक **مَخْمَصَةٌ**
- 2597 झुकनेवाला, मायल **مُتَجَانِفٌ**  
होनेवाला
- 2598 ज़ख़्म (घाव) देनेवाले **جَوَارِحُ**
- 2599 शिकार की तालीम  
लिये हुए शिकारी जानवर (कूत्ते)
- 2600 रोके रक्खें **أَمْسَكْنَ**
- 2601 पाकदामन औरतें, **مُحْصَنَاتٌ**  
साध्वी स्त्रीयाँ
- 2602 पकड़नेवाले, **مُتَخَذِيٌّ**  
(**مُضَافٌ** होने की  
कारण **ن** गिर गया है) □
- 2602a आशनाईयाँ, छुपी दोस्ती **أَخْدَانٌ**

रुकू: 5	1	v: 5	5	रुकوع
---------	---	------	---	-------

- 2603 खड़े हो तुम, उठो तुम **فُتِمْتُمْ**
- 2604 दोनों हाथ **أَيْدِيٌّ**
- 2605 *pl.* कुहनियाँ **مِرَافِقٌ**
- 2606 *pl.* सिरों (*sr.:* **رَأْسٌ**) **رُعُوسٌ**
- 2607 *pl.* पाँव **أَرْجُلٌ**  
(*sr.:* **رِجْلٌ**)
- 2608 *dl.* दोनों टख़ने, मुरवे **كَعْبَيْنِ**
- 2609 जनाबत की हालत, (अपवित्रता) **جُنْبًا**

2610	इस्तिनजा की जगह, शौच स्थान	غَايَطُ					
2611	सुहबत (स्त्रीगमन) की हो तुमने, छुआ तुमने, 2339	لَأَمْسَتُمْ					
2612	कौल (वादा) लिया	وَأَثَقَ					
2613	आग का ढेर (दोज़ख़)	جَحِيمٍ					
2614	क़स्द किया, इरादा किया, उद्यत हुए	هَمَّ					
2615	दराज़ करें, (हाथ) बढ़ायें	يَسْطُورًا					
2616	रोक दिया	كَفَّ					
<table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse; text-align: center;"> <tr> <td style="width: 15%;">रुकूऽ</td> <td style="width: 10%;">2</td> <td style="width: 15%;">v: 6</td> <td style="width: 10%;">6</td> <td style="width: 50%;">رुकوع</td> </tr> </table>			रुकूऽ	2	v: 6	6	رुकوع
रुकूऽ	2	v: 6	6	رुकوع			
2617	बारह (12)	اِثْنَيْ عَشَرَ					
2618	सरदार	نَقِيْبًا					
2619	pl. कुव्वत से साथ दो, पूरी सहायता करो	عَزَّرْتُمُوْا					
2620	तोड़ना	نَقَضُ					
2621	न फुरसत पायेगा तू, निरन्तर रहेगा तु	لَا تَزَالُ					
2622	इत्तिला पाये तू, पता चले तुझको						
2623	im. दरगुज़रकर, क्षमाकर	اصْفَحْ					
2624	लगादी हमने	اَغْرَيْنَا					
2625	जल्दी, अन्करीब	سَوْفَ					
2626	करते हैं वह	يَصْنَعُوْنَ					

2627	राहें, रास्ते (sr.: سَبِيْلٌ)	سُبُلٌ					
2628	सलामती, सुरक्षित, कल्याण	سَلَامٌ					
2629	कौन डीख्तयार रखता है, किसका बस चलता है	مَنْ يَمْلِكُ					
2630	हलाक (विनष्ट) करे वह	يُهْلِكُ					
2631	हम	نَحْنُ					
2632	बेटे (sr.: اِبْنٌ)	اَبْنَاءُ					
2633	बहुत महबूब, अतयंत प्रिय	اَحِبًّاوُ					
2634	पस क्यों, फिर क्यों	فَلِمَ					
2635	आदमी	بَشَرٌ					
2636	रुका हुआ सिलसिला, दो पैग़म्बरों के आने के बीच का समय जब के कोइ नबी मौजूद न हो	فَتْرَةٌ					
<table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse; text-align: center;"> <tr> <td style="width: 15%;">रुकूऽ</td> <td style="width: 10%;">3</td> <td style="width: 15%;">v: 8</td> <td style="width: 10%;">7</td> <td style="width: 50%;">रुकوع</td> </tr> </table>			रुकूऽ	3	v: 8	7	रुकوع
रुकूऽ	3	v: 8	7	रुकوع			
2637	pv. नहीं दिया गया	لَمْ يُوْتِ					
2638	पाक, पवित्र	مُقَدَّسٌ					
2639	ni. pl. मत उल्टे पाँव फिर जाओ, न पीछे हटो	لَا تَرْتَدُّوْا					
2640	pl. तुम पलट जाओगे	تَنْقَلِبُوْا					
2641	pl. ज़बरदस्त	جَبَّارِيْنَ					
2642	dl. दो आदमी	رَجُلَانِ					
2643	दरवाज़ा	اَلْبَابُ					

2644	कभी भी, हमेशा हमेशा	أَبَدًا
2645	जब तक वह रहेंगे	مَا دَامُوا
2646	im. तू जा	أَذْهَبُ
2647	im. dl. लड़ो तुम दोनों	فَاتِلَا
2648	इसी जगह	هَاهُنَا
2649	नहीं मैं इख्तियार रखता, मेरा अधिकार नहीं	لَا أَمْلِكُ
2650	मेरी जान	نَفْسِي
2651	मेरा भाई	أَخِي
2652	im. जुदाई डाल, फैसलाकर, सम्बन्ध विच्छेद कर	أَفْرِقْ
2653	pp. हराम की गयी	مُحَرَّمَةً
2654	चालीस (40)	أَرْبَعِينَ
2655	साल, वर्ष, बरस	سَنَةً
2656	सरगर्दा फिरेंगे, मारे मारे फिरेंगे	يَتِيَهُونَ
2657	ni. मत ग़म कर, मत अफ़सोस कर	لَا تَأْسَ
		رُكُوع
		4
		v: 7
		8
2658	im. और तिलावत कर, और पढ़	وَأْتِلْ
2659	ख़बर	بَا
	(pl.: समाचार	أَنْبَاءٌ
2660	दो बेटे	أَبْنِي

(sr.: ابْنٌ)

2661	dl. पेश की उन्होंने	قَرَبًا
2662	कुरबानी, नियाज़	قُرْبَانًا
2663	pv. कुबूल कर ली गयी	تُقْبَلُ
<b>6th पार: 1/2 نصف جزء: لَأَيُّبُ اللَّهُ</b>		
2664	दराज़ करे तु, बढ़ाये तू	بَسَطْتُ
2665	तरफ़ मेरी	الِيَّ
2666	हाथ तेरा	يَدِكَ
2667	ap. (हाथ) दराज़ करनेवाला, बढ़ाने वाला	بَاسِطٌ
2668	मुस्तहक़ हो जाये तू, अपने सिर पर ले ले तू	تُبَوِّءَ
2669	हो जाये तू	تَكُونُ
2670	fg. रग़बत दिलाई, अमादा किया, आसान कर दिया	طَوَّعْتُ
2671	हो गया	أَصْبَحَ
2672	भेजा	بَعَثَ
2673	कव्वा	غُرَابٌ
2674	कुरेदता है, खुरचता है	يَبْحَثُ
2675	छुपाये, ढाँके	يُؤَارِي
2676	लाश, शव	سَوَاهٍ
2677	अफ़सोस मेरी हालत पर	يَاوَيْلَتِي
2678	आजिज़ हुआ मैं,	أَعْجَزْتُ

- (इतना भी) न हुआ मुझ से  
2679 हो जाऊँ मैं **أَكُونُ**
- छुपाऊँ मैं **أُورِي**
- 2681 *ap. pl.* पशेमान, लज्जित **نَادِمِينَ**  
(*sr.:* **نَادِمٌ**)
- 2682 इसी वास्ते **أَجَلِ ذَلِكَ**
- 2683 जैसा कि **كَأَيِّمَا**
- 2684 *ap.* ज़ियादती करनेवाले, अत्यचारी **مُسْرِفُونَ**
- 2685 लड़ते हैं **يُحَارِبُونَ** (ح ر ب)
- 2686 कोशिश करते हैं, दौड़ते फिरते हैं **يَسْعُونَ**
- 2687 *pv.* सूली दिये जायें **يُصَلَّبُونَ**
- 2688 *pv.* काट दिये जायें **تُقَطَّعَ** (ق ط ع)
- 2689 मुखालिफ़ जानिब **خِلَافَ**  
(दाहिना हाथ तो बायाँ पैर)
- 2690 *pv.* निकाल दिये जायें **يُنْفَوْنَ**
- 2691 *pl.* तुम कुदरत (अधिपत्य) पाओ
- |       |   |      |   |      |
|-------|---|------|---|------|
| रुकूस | 5 | v: 8 | 9 | ركوع |
|-------|---|------|---|------|
- 2692 कुर्ब, सान्निध्य, समीपता, वसीला **وَسِيلَةَ**
- 2693 *mg.* चोरी करनेवाला **سَارِقٌ**
- 2694 *fg.* चोरी करनेवाली **سَارِقَةٌ**

- 2695 अ़िबरत, शिक्षा **نِكَالًا**
- 2696 *pl.* मूँह **أَفْوَاهٌ**  
(*sr.:* **فَوْهٌ**)
- 2697 जासूसी के लिए सुननेवाले **سَمَاعُونَ**
- 2698 दूसरे **الْآخَرِينَ**
- 2699 खूब डटकर खानेवाले **أَكَالُونَ** (ا ك ل)
- 2700 ह़राम का माल **سُحْتٌ**
- 2701 फ़ैसला चाहते हैं **يُحْكَمُونَ**
- |       |   |      |    |      |
|-------|---|------|----|------|
| रुकूस | 6 | v: 9 | 10 | ركوع |
|-------|---|------|----|------|
- 2702 उ़लमा (ज्ञानी विद्वान्) **أَحْبَارٌ**
- 2703 आँख **عَيْنٌ**
- 2704 नाक **أَنْفٌ**
- 2705 कान **أُذُنٌ**
- 2706 दाँत **سِنَّةٌ**
- 2707 *pl.* ज़ख़्म, घाव **جُرُوحٌ**
- 2708 बदला **قِصَاصٌ**
- 2709 गुनाह का कफ़ारा, गुनाह उतारना, प्रायश्चित्त **كَفَّارَةٌ**
- 2710 पीछे लाये हम **قَفِينَا**
- 2711 निशान, पीछे, पदचिह्न पर **آثَارٌ**
- 2712 निगहबान, संरक्षक **مُهَيْمِنًا**
- 2713 शरीअत, धर्मविधान **شِرْعَةٌ**



2714 अमल की राह, कर्मपथ **مِنْهَاجًا**

2715 भले काम, बहतर काम **خَيْرَاتٌ**

रुकूऽ	7	v: 7	11	رکوع
-------	---	------	----	------

2716 दोस्त रक्खे **يَتَوَلَّ**

2717 गर्दिश, चक्कर, भ्रमरचक्र **دَائِرَةٌ**

2718 कसम खाई उन्होंने **أَقْسَمُوا**

2719 सख्त **جَهْدَ**

2720 कस्में उनकी **أَيْمَانِهِمْ**

6th पार:	¼	ثلاثة ارباع جزء: لأُحِبُّ الله		
----------	---	--------------------------------	--	--

2721 फिर जाये **يَرْتَدَّ**

2722 नर्मी करनेवाला, नम्र हृदय **أَذَلَّةٌ**

2723 सख्त, कठोर **أَعَزَّةٌ**

2724 मलामत करना, भर्त्सना, निन्दा **لَوْمَةٌ**

2725 *ap.* मलामत करनेवाला **لَائِمٌ**

2726 गरोह, जमात **حِزْبٌ**

(*pl.*: أَحْزَابٌ)

रुकूऽ	8	v: 6	12	رکوع
-------	---	------	----	------

2727 खेल **لَعِبًا**

2728 पुकारते हो तुम **نَادَيْتُمْ**

2729 तुम अ़ैब (दोष) पाते हो **تَنْقِمُونَ**

2730 क्या खबर दूँ **هَلْ أَنْبِئُكُمْ** (ن ب ء)

मैं तुमको, क्या मैं तुम्हें बताऊँ ?

2731 जज़ा, सवाब, प्रतिफल **مُثَوَّبَةٌ**

2732 *pl.* बन्दर **قِرَدَةٌ**

(*sr.*: قِرْدٌ)

2733 *pl.* सुवर **خَنَازِيرٌ**

2734 बुरा ठिकाना **شَرٌّ مَّكَانًا**

2735 बहुत बहके, बहुत भटके हुए, **أَضَلُّ**

गुमराह

2736 क्यों नहीं **لَوْ لَا**

2737 दरवेशलोग, धर्मचार्य **رَبَائِيُونَ**

2738 उ़लमा, विद्वान **أَحْبَارٌ**

2739 *pp.* तंग हुए, बाँधे हुए **مَعْلُولَةٌ**

2740 *fg. pv.* तंग कर दिये गये, **عُلَّتْ**

बाँध दिये गये

2741 *dl.* खुले हुए, कुशादा **مَبْسُوطَاتَانِ**

2742 डाल दिया हमने **الْقَيْنَا**

2743 सुलगाते हैं **أَوْقَدُوا**

2744 लड़ाई **حَرْبٌ**

2745 बुझा देता है **أَطْفَأَ**

2746 दूर कर देते हैं हम, **كَفَرْنَا**

माफ़ कर देते हैं हम

2747 बीच की राहवाली **مُقْتَصِدَةٌ**

(सीधी राह पर)

2748 ख़राब, बुरा **سَاءَ**

रुकूऽ	9	v: 10	13	رکوع
-------	---	-------	----	------

2749	बचायेगा (vn.: عَصْمَةٌ)	يَعِصِمُ
2750	नहीं हो तुम	لَسْتُمْ
2751	कायम करो तुम	تُقِيمُوا
2752	ni. pl. मत ग़म ]अफ़सोस] कर	لَا تَأْسُ
2753	यहूदी हो गये	هَادُوا
2754	साबि फिरका, सितारों की पूजा करने वाले	صَابِئُونَ
2755	नहीं चाहते	لَا تَهْوَى
2756	गुमान किया उन्होंने, समझा उन्होंने	حَسِبُوا
2757	अन्धे हुए	عَمُوا
2758	बहरे हुए	صَمُوا
2759	तीसरा तीन में का, या तीन में से एक	ثَالِثُ ثَلَاثَةٍ
2760	बहुत सच्ची औरत, सत्यथ पर चलनेवाली	صِدِّيقَةٌ
2761	dl. दोनों खाते थे	كَانَا يَأْكُلَانِ
2762	im. देख	أَنْظُرُ
2763	pv. उल्टे फिरे (भटके) जा रहे हैं, पलटा लिये जाते हैं	يُؤْفِكُونَ

रुकूऽ	10	v: 11	14	رکوع
-------	----	-------	----	------

2764	pv. लानत की गयी, अभिशाप्त हुए	لَعِنَ
2765	ज़बान से	عَلَى لِسَانٍ
2766	नाफ़रमानी (अवज्ञा) की	عَصَوًا
2767	हद (सीमा) से निकल गये थे	يَعْتَدُونَ
2768	vn. हद से निकलना, सीमा से बाहर होना	اعْتَدَاءٌ
2769	नहीं मना करते थे, नहीं रोकते थे	لَا يَتَنَاهَوْنَ
2770	अलबत्ता बुरा, बहुत बुरा	لَبِئْسَ
2771	देखेगा तू	تَرَى
2772	दोस्ती करते हैं	يَتَوَلَّوْنَ
2773	आगे भेजा	قَدَّمَتْ
2774	नाराज़ हुआ	سَخِطَ
2775	अल्बत्ता पाये तू	لَتَجِدَنَّ
2776	दोस्ती, चाहत	مَوَدَّةً
2777	पढ़े लिखे लोग, विद्वान	قِسِّيسِينَ
2778	दरवेश लोग, मशाएख़ इबादत करने वाले, राहिब, सन्त	رُهَبَانًا

﴿ جُزْءٌ : وَأِذَا سَمِعُوا ﴾ पार: 7

2779	सुना उन्होंने	سَمِعُوا
2780	आँखें उनकी	أَعْيُنُهُمْ
2781	fg. बहती हैं	تَفِيضٌ (ف ي ض)

2781	आँसू	دَمْعٌ			
2782	सवाब दिया, बदला दिया	أَثَابَ			
	रुकूऽ	11	v: 9	1	رुकوع
2783	ni. pl. मत हराम करो, मत हराम समझो	لَا تُحَرِّمُوا			
2784	pl. पाकीजा (पवित्र) चीजें	طَيِّبَاتٍ			
2785	बेकार, व्यर्थ	لَعْوًا			
2786	कसमें	أَيْمَانٍ			
2787	गिरह बाँधी तुमने, मज़बूत बाँधा (पक्की)	عَقَّدْتُمْ			
2788	vn. खिलाना	أَطْعَمُ			
2789	बीच का, दर्मियानी	أَوْسَطَ			
2790	हलफ़ या कसम खाओ तुम	حَلَفْتُمْ			
2791	थान, (बुतों के) स्थान	أَنْصَابٍ			
2792	गन्दी, नापाक, अपवित्र	رِجْسٍ			
2793	डाल देगा, वाक़े करेगा	يُوقِعُ			
2794	क्या	هَلْ			
2795	बाज़ आजानेवाले, रुक जानेवाले	مُنْتَهُونَ			
	रुकूऽ	12	v: 7	2	रुकوع
2796	im. फिर जाओ तुम	تَوَلَّيْتُمْ			
2797	शिकार	صَيْدٍ			
2798	पहुँचेगा	تَنَالُ			

2799	नेज़े, भाले	رِمَاحٌ			
2800	जानवर, चौपाया	نَعَمٍ			
2801	दो इन्साफ़वाले आदमी (न्यायपरायण)	ذَوَا عَدْلٍ			
2802	पहुँचने वाला काबे तक	بِالِغِ الْكَعْبَةِ			
2803	वबाल, शामत, कष्ट	وَبَالٍ			
2804	फिर से किया	عَادَ			
2805	मुसाफ़िर	سَيَّارَةٌ			
2806	शिकार खुशकी (थल) का	صَيْدُ الْبَرِّ			
2807	घर इहतराम के लायक़, सम्मानित स्थल	أَلْبَيْتِ الْحَرَامِ			
	रुकूऽ	13	v: 7	3	रुकوع
2808	कान फाड़कर छोड़ दिया जानेवाला जानवर	بَحِيرَةٌ			
2809	साण्ड जो अललाह के अतिरिक्त किसी की नियाज़ पर छोड़ा जाय	سَائِبَةٌ			
2810	एसी उँटनी जो एक मादा जनने के बाद दूसरी बार भी मादा जने	وَصِيْلَةٌ			
2811	दस बच्चे जना देनेवाला ऊँट	حَامٌ			
2812	काफ़ी है हमको	حَسْبُنَا			
2813	पाया हमने	وَجَدْنَا			
2814	mg. दो	اِثْنَانِ			

2815	रोक लोगे	تَحْسُبُونَ
2816	शक में पड़ो तुम	ارْتَبْتُمْ
2817	गुनहगार लोग	الْثَمِينِ
2818	इत्तिला पायी जाये, मालूम हो जाये	عَثَرَ
2819	dl. मुस्तहक हुए वह दोनों	اسْتَحَقَّا
2820	dl. करीब के दो लोग	أَوْلِيَانِ
2821	बहुत नज़दीक, अतिसमीपी	أَدْنَى
2822	pv. रद कर दी जायेगी, फेरी जायेगी	تُرَدُّ

रुकूऽ	14	v: 8	4	रुकوع
-------	----	------	---	-------

2823	क्या	مَاذَا
2824	pv. जवाब दिये गये तुम	أَجِبْتُمْ
2825	गहवारा, झूला, बचपन	مَهْدًا
2826	अधेड़ उम्र	كَهْلًا
2827	मिट्टी	طِينٍ
2828	जैसे कि सूरत	كَهَيْئَةٍ
2829	तू फूँकता (था)	تَنْفُخُ
2830	तू अच्छाकर देता (था)	تُبْرِيُّ
2831	मादरज़ाद अन्धे (जन्मान्ध) को	أَكْمَهَ
2832	कोढ़ी को	أَبْرَصٍ
2833	रोक दिया मैंने	كَفَفْتُ
2834	दस्तरख्वान (खाने से भरा थाल)	مَائِدَةً

7th पार:	1/4	ربع جزء: وَإِذَا سَمِعُوا
----------	-----	---------------------------

रुकूऽ	15	v: 7	5	रुकوع
-------	----	------	---	-------

2835	नहीं कहा मैंने	مَا قُلْتُ
2836	जब तक रहा मैं	مَا دُمْتُ
2837	निगहवान, निगाह रखनेवाला	رَقِيبٌ
2838	कामयाबी, सफलता	فَوْزٌ

रुकूऽ	16	v: 5	6	रुकوع
-------	----	------	---	-------

{ سُورَةُ الْإِنْعَامِ }

चौपाये, मवेशी

सूर: 6 अलमा>ANAi

2839	बराबर ठहराते हैं	يَعْدِلُونَ
2840	मुकरर वक़्त, (नियत घड़ी)	أَجَلٍ مُّسَمًّى
2841	तुम शक करते हो	تَمْتَرُونَ
2842	ap. एराज करनेवाले, मूँह मोड़ लेनेवाले	مُعْرِضِينَ
2843	अन्करीब, जल्द	سَوْفَ
2844	खबरें	أَبْأَاءُ
2845	ज़माना, उम्मत, एक वक़्त के लोग	قَرْنٍ
2846	हमने ताक़्त दी	مَكَّنَّا
2847	जमाना, ताक़्त देना,	مَكَّنَ

	जगह देना						
2848	जोर की वर्षा	مِدْرَارًا					
2849	नहरें	أَنْهَارًا					
2850	गुनाह	ذُنُوبًا					
2851	उठाया हमने, पैदा किया हमने	أَنْشَأْنَا					
2852	कागज़	قِرطَاسًا					
2853	छूना	لَمْسًا					
2854	फ़रिश्ता (pl.: مَلَائِكَةٌ)	مَلَكًا					
2855	शुब्हा डालाते हम	لَبَسْنَا					
2856	शुब्हा करते, भ्रम में डालते हैं						
2857	घेर लिया	حَاقًا					
2858	मसख़री की (हँसी उड़ाई) उन्होंने	سَخِرُوا					
2859	ठट्टा किया, हँसी उड़ाई	سَخِرَوا					
		<table border="1"> <tr> <td>रुकूऽ</td> <td>1</td> <td>v: 10</td> <td>7</td> <td>रुकوع</td> </tr> </table>	रुकूऽ	1	v: 10	7	रुकوع
रुकूऽ	1	v: 10	7	रुकوع			
2860	im. pl. सैर करो	سَيَرُوا					
2861	अंजाम, परिणाम	عَاقِبَةٌ					
2862	ap. झूठलानेवाले	مُكَذِّبِينَ					
2863	किसके लिए	لِمَنْ					
2864	बसता है, रहता है	سَكَنَ					

2865	ap. बनानेवाला, सिरजनहार	فَاطِرًا					
2866	खिलाता है	يُطْعِمُ					
2867	pv. नहीं खिलया जाता है	لَا يُطْعَمُ					
2868	pv. हुक्म दिया गया मुझे	أَمِرْتُ					
2869	pv. फेरा जाये	يُصْرَفُ					
2870	उस दिन	يَوْمَئِذٍ					
2871	ap. खोलनेवाला, दूर करनेवाला	كَاشِفًا					
2872	काबुयाफ़ता, हावी, ग़ालिब, अधिपति, सर्वशक्तिमान						
2873	ऊपर	فَوْقًا					
2874	कौन सी	أَيُّ					
		<table border="1"> <tr> <td>रुकूऽ</td> <td>2</td> <td>v: 10</td> <td>8</td> <td>रुकوع</td> </tr> </table>	रुकूऽ	2	v: 10	8	रुकوع
रुकूऽ	2	v: 10	8	रुकوع			
2875	झूठ बाँध लिया	أَفْتَرَا					
2876	कहाँ	أَيْنَ					
2877	im. तुम ज़ऽम (गुमान) करते थे, दावा करते थे	تَزْعُمُونَ					
2878	न होगी	لَمْ تَكُنْ					
2879	बहानाबाजी उनकी, फ़ित्नाबाजी उनकी, छलछंद	فِتْنَتِهِمْ					
2880	क़सम अललाह की	وَاللّٰهِ					
2881	न थे हम	مَا كُنَّا					
2882	कान लगाता है, कान लगा कर सुनता है	يَسْتَمِعُ					

- 2883 हिजाब, परदा, ओट **أَكِنَّةٌ**
- 2884 समझना **فَقْهَةٌ**
- 2885 बोझ **وَقَرًّا**
- 2886 झगड़ते हैं,  
वादविवाद करते हैं **يُجَادِلُونَ**
- 2887 कहानियाँ **أَسَاطِيرَ**
- 2888 पहले लोग **أَوْلِيَانَ**
- 2889 मना करते हैं **يَنْهَوْنَ**
- 2890 रुके रहते हैं **يَنْتَوْنَ**
- 2891 *pv.* खड़े किये जायेंगे **وَقِفُّوْا**
- 2892 ऐ काश कि हम
- 2893 *pv.* हम फेर दिये जायें,  
हम लौटा दिये जायें **نُرْدُ**
- 2894 हो जायें हम **نَكُونُ**
- 2895 जाहिर हो गया,  
सामने आगया  
(*present tense:* **يَبْدُوْ**)
- 2896 अल्बत्ता वही करते फिर से **لَعَادُوا**
- 2897 *pp.* उठाये जानेवाले फिर से **مَبْعُوثِينَ**
- 2898 क्या नहीं है ? **أَلَيْسَ**
- |       |   |       |   |      |
|-------|---|-------|---|------|
| रुकूऽ | 3 | v: 10 | 9 | ركوع |
|-------|---|-------|---|------|
- 2899 क्यामत **سَاعَةً**
- 2900 अचानक **بَعْتَةً**
- 2901 हाय अफ़सोस हम पर **يَا حَسْرَتَنَا**
- 2902 तक्सीर (कोताही) की हमने,  
लापरवाही की हमने  
उठाते हैं **فَرَطْنَا**
- 2903 **يَخْمِلُونَ**
- 2904 बोझ (*sr.:* **وَزْرٌ**) **أَوْزَارٌ**
- 2905 *pl.* पीठ **ظُهُورٌ**
- 2906 जो कुछ उठा रहे हैं **مَا يَزِرُونَ**
- 2907 मशगला, जी बहलाना, तमाशा **لَهُوٌ**
- 2908 इन्कार (अस्वीकार)  
करते हैं **يَجْحَدُونَ**
- 2909 भारी हुआ, असहनीय **كَبِيرٌ**
- 2910 हो सके तुझसे **اسْتَطَعْتَ**
- 2911 ढूँढे तू, खोज निकाले तू **تَبْتَغِي**
- 2912 सुरंग **نَفَقًا**
- 2913 सीढ़ी **سُلَّمًا**
- |          |     |                           |
|----------|-----|---------------------------|
| 7th पार: | 1/2 | نصف جزء: وَإِذَا سَمِعُوا |
|----------|-----|---------------------------|
- 2914 जानदार **دَابَّةٌ**
- 2915 परिन्दा, उड़नेवाला **طَائِرٌ**
- 2916 उड़ता है **يَطِيرُ**
- 2917 उसके बाजू पर,  
अपने परों पर **جَانِحِيهِ**
- 2918 अुम्मतेँ, संगतेँ समुदाय **أُمَّمٌ**  
(*sr.:* **أُمَّةٌ**)

2919	जिसे अल्लाह चाहे	مَنْ يَشَاءُ اللهُ
2920	उसी को	أَيَّاهُ
2921	दूर कर देता है	يَكْشِفُ

रुकूऽ	4	v: 11	10	रुकوع
-------	---	-------	----	-------

2922	ढीले पड़ें वह, गिड़गिड़ायें	يَتَضَرَّعُونَ
2923	क्यों नहीं	لَوْ لَا
2924	अज़ाब हमारा	بِأَسَدًا
2925	pv. ज़ीनत दी गयी, शोभायमान बना दिखाया	زَيْنَ
2926	भूल गये वह	نَسُوا
2927	pv. जिस की याद दिलाई गयी उनको	مَا ذُكِّرُوا
2928	खुश हो गये, इतराने लगे	فَرِحُوا
2929	नाउम्मीद (निराश) हो गये	مُيْلِسُونَ
2930	काट डाली गयी	قُطِعَ
2931	जड़	دَابِرَ
2932	वह हट जाते हैं, पलट जाते हैं	يَصْدِفُونَ
2933	ख़ज़ाने अल्लाह के	خَزَائِنُ اللهِ
2934	नहीं जानता मैं	لَا أَعْلَمُ
2935	ग़ैब, छुपी हुई, अदृष्ट	غَيْبَ
2936	नहीं कहता मैं	لَا أَقُولُ

2937	क्या बराबर हैं	هَلْ يَسْتَوِي
2938	अन्धा	أَعْمَى
2939	देखनेवाला	بَصِيرٌ

रुकूऽ	5	v: 9	11	रुकوع
-------	---	------	----	-------

2940	im. ख़बर कर दे, सचेत कर दे डरा दे	أَنْذِرْ
2941	im. मत हाँक, मत दूर कर	لَا تَطْرُدْ
2942	सुबह	غَدَاوةً
2943	शाम	عَشِيًّا
2944	रज़ामन्दी (प्रसन्नता) उसकी	وَجْهَهُ
2945	नहीं तुझ पर	مَا عَلَيْكَ
2946	आज़माइश में डाला हमने, जाँचा हमने	فَتْنًا
2947	जाहिर (बयान) हो जाये, प्रकट हो जाय	تَسْتَبِينَ

रुकूऽ	6	v: 5	12	रुकوع
-------	---	------	----	-------

2948	pv. मना कर दिया गया मैं, मुझे रोका गया है	نُهَيْتُ
2949	तुम जल्दी मचाते हो	تَسْتَعْجِلُونَ
2950	नहीं हुक्म	إِنَّ الْحُكْمَ
2951	बेहतर फैसला करनेवाला	خَيْرُ الْفَاصِلِينَ
2952	sr. कुंजी	مِفْتَاحٌ
2953	pl. कुंजियाँ	مِفْتَاحٌ

2954	नहीं गिरता	مَا تَسْقُطُ					
2955	पत्ता, वरक	وَرَقَةً					
2956	तर चीज़	رَطْبًا					
2957	सूखी चीज़	يَابِسًا					
2958	कमाया तुमने	جَرَ حُتْمًا					
<table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr> <td style="width: 15%;">रुकूऽ</td> <td style="width: 10%;">7</td> <td style="width: 15%;">v: 5</td> <td style="width: 15%;">13</td> <td style="width: 45%;">رुकوع</td> </tr> </table>			रुकूऽ	7	v: 5	13	رुकوع
रुकूऽ	7	v: 5	13	رुकوع			
2959	निगराँ, निगहवान, मुहाफ़िज़	حَفَظَةً					
2960	नहीं कमी करते	لَا يُفَرِّطُونَ					
2961	बहुत ही जल्द	أَسْرَعًا					
2962	गिड़गिड़ाकर, अज़िज़ी से	تَضَرُّعًا					
2963	चुपके से	خُفْيَةً					
2964	सख़्ती, तकलीफ़	كَرْبًا					
2965	उलझा दे, भिड़ा दे	يَلْبِسُ					
2966	टोलियाँ, गिरोह	شَيْعًا					
2967	चखा दे	يَذِيقُ					
2968	नहीं हूँ मैं	لَسْتُ					
2969	बहस करते, झगड़ते	يَحْضُرُونَ					
2970	अगर, जब भी, या	أَمَّا					
2971	भुला दे तुझको	يُنْسِينَاكَ					
2972	ni. मत बैठ	لَا تَقْعُدْ					
2973	नसीहत के बाद,	بَعْدَ الذِّكْرِ					

2974	याद आजाने पर	ذَرَّ					
2975	im. छोड़	عَوَّتْ					
2976	fg. फ़रेब दिया, भ्रमित किया	أَنْ تُبْسَلَ					
2977	pv. कि फँसजाये, सौपा जाये	شَفِيعًا					
2978	शिफ़ाअत करनेवाला, सिफ़ारिश करनेवाला	تَعْدِلُ					
2979	fg. बदला देवे, मुआवज़ा देवे	كُلَّ عَدْلٍ					
2980	सारे बदले	أُبْسَلُوا					
2981	pv. सौपे गये, फँस गये	شَرَابًا					
2982	पीना	حَمِيمًا					
2983	गर्म खौलता हुआ	أَلِيمًا					
2984	दर्दनाक, यातना देनेवाला	رुकوع					
<table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr> <td style="width: 15%;">रुकूऽ</td> <td style="width: 10%;">8</td> <td style="width: 15%;">v: 10</td> <td style="width: 15%;">14</td> <td style="width: 45%;">رुकوع</td> </tr> </table>			रुकूऽ	8	v: 10	14	رुकوع
रुकूऽ	8	v: 10	14	رुकوع			
2984	क्या हम पुकारें	أَنْدَعُوا					
2985	pv. लौट जायें हम	نُورًا					
2986	एड़ियाँ	أَعْقَابًا					
2987	बेराहकर दिया उसको	اسْتَهْوَتْهُ					
2988	हैरान, सरासीमा, किंकर्तव्यविमूढ़	حَيْرَانَ					
2989	pl. साथी, असहाब	أَصْحَابًا					
2990	im. आ हमारे पास	أَتَيْنَا					
2991	हो जा	كُنَّا					



2992 पस वह हो जायेगा **فَيَكُونُ**

7th पार: 

ثلاثة ارباع جزء: وَإِذَا سَمِعُوا
-----------------------------------

2993 *pv.* फूँका जायेगा **يُنْفَخُ**

2994 नरसिंघा **صُورٌ**

2995 हज़रत इब्राहीम **الْحَلِيلِ**

के चचा या बाप का नाम

2996 बुत, मूर्तियाँ **أَصْنَامًا**

2997 देखा मैंने तुझको **أَرَاكَ**

2998 दिखाया हमने **ثُرِي**

2999 बादशाही **مَلَكُوتَ**

3000 ढाँप लिया, छा दिया **جَنَّ**

3001 देखा उसने **رَأَى**

3002 सितारा **كَوْكَبًا**

3003 छुप गया **أَفَلَّ**

3004 *ap.* छुप जानेवाले **الْفَلِينَ**

3005 *mg.* चाँद **قَمَرٌ**

3006 रौशन, चमकता हुआ **بَازِغًا**

3007 *fg.* सूरज **شَمْسٌ**

3008 रुख किया मैंने **وَجَّهْتُ**

3009 यकसू, एक निष्ठ होकर **حَنِيفًا**

3010 *dl.* दो फ़रीक़, दो दल **فَرِيقَيْنِ**

3011 ज़ियाद: मुस्तहिक़, **أَحَقُّ**

अधिक अधिकारी

3012 अमन, निश्चिन्तता **أَمْنٌ**

3013 नहीं मिलाया, **لَمْ يَلْبِسُوا**

नहीं खलत मलत किया

रुकूऽ	9	v: 13	15	रुकوع
-------	---	-------	----	-------

3014 शिर्क करते वह (अल्लाह के **أَشْرَكُوا** साथ दूसरों को भी पूज्य ठहराते)

3015 मुकर्रर (नियत) कर **وَكَانَا** दिया हमने

3016 *im.* इक़्तिदा कर, पैरवी कर, **أَقْتَدِهِ** अनुसरण कर

रुकूऽ	10	v: 8	16	रुकوع
-------	----	------	----	-------

3017 नहीं क़दर जानी उन्होंने **مَا قَدَرُوا**

3018 वरक़-वरक़, **قِرَاطِيسٍ** अलग-अलग पन्ने

3019 बहस, बकवासें **خَوْضٌ**

3020 *ap.* तस्दीक़ (पुष्टि) **مُصَدِّقٌ**

करनेवाली

3021 आगे, पहले से **بَيْنَ يَدَيْ**

3022 तू ख़बरदार करदे, **تُنذِرُ**

सचेच कर दे

3023 बस्तियों की माँ, **أُمُّ الْقُرَى**

मरकज़ी (केन्द्रीय) बस्ती यानी

मक्क: मुकर्रम:

3024	गिर्द, आस-पास	حَوْلٌ
3025	pl. सख्तियाँ	غَمْرَاتٌ
3026	ap. आगे बढ़ाये हुए	بَاسِطُوا
3027	ज़िल्लत, रुसवाई, अपमान	هُونٌ
3028	आगये तुम हमारे पास	جِئْتُمُونَا
3029	अकेले, तन्हा	فُرَادَى
3030	पहली बार	أَوَّلَ مَرَّةٍ
3031	दिया हमने	خَوَّلْنَا
3032	दावा किया तुमने	زَعَمْتُمْ (ز ع م)
		رَكْعَةٌ
		11
		v: 4
		17
		रुकूः
3033	ap. फाड़नेवाला, विदीर्ण करनेवाला	فَالِقٌ
3034	गुठलियाँ	النَّوَى
3035	pl. सुबह	اصْبَاحٌ
3036	राहत, आराम, सुकून	سَكْنَا
3037	फिरनेवाले हिसाब से (गणना के लिए)	حُسْبَانًا
3038	अन्दाज़ा	تَقْدِيرٌ
3039	तारे	نُجُومٌ
	(sr.: نَجْمٌ)	
3040	पैदा किया	أَنْشَأَ
3041	करारगाह, ठहरने का स्थान	مُسْتَقَرٌّ

3042	सौंपे जाने की जगह	مُسْتَوْدَعٌ
3043	बूटियाँ, बनस्पतियाँ	نَبَاتٌ
3044	सब्ज़, हरियाली	خَضِرٌ
3045	दाने	حَبًّا
	(pl.: حُبُوبٌ)	
3046	एक पर एक चढ़ा हुआ तह-ब-तह	مُتْرَاكِبًا
3047	खजूर	نَخْلٌ
3048	खोशे, गाभे	طَلْعٌ
3049	गुच्छे	قِنَوَانٌ
3050	झुके हुए (मारे बोझ के)	دَائِيَةٌ
3051	अंगूर	أَعْنَابٌ
3051a	ज़ैतून, olive	زَيْتُونٌ
3052	अनार	رُمَّانٌ
3053	एक दूसरे से मिलते-जुलते	مُشْتَبِهًا
3054	फल	ثَمْرٌ
3055	फल देवे	أَثْمَرٌ
3056	पकना फल का	يَنْعِهِ
3057	पकना	يَنْعٌ
3058	फाड़ निकाला	خَرَقُوا
3059	बेटे	بَنِينَ
3060	बेटियाँ	بَنَاتٌ

- 3061 बलन्द, उच्च **تَعَالَى**  
 3062 उस चीज़ से **عَمَّا**  
 3063 बयान करते हैं, (و ص ف) **يَصِفُونَ**  
 बात बनाते हैं

रुकूऽ	12	v: 6	18	रुकوع
-------	----	------	----	-------

- 3064 बनानेवाला, स्त्रष्टा **بَدِيعٌ**  
 3065 कहाँ **أَتَى**  
 3066 नहीं है **لَمْ تَكُنْ**  
 3067 बीबी, साथ वाली **صَاحِبَةٌ**  
 3068 यह (वह) **ذَلِكُمْ**  
 3069 कारसाज़, वकील **وَكَيْلٌ**  
 3070 नहीं पासकती **لَا تُدْرِكُ**  
 3071 *vn.* पालेना **أَدْرَاكٌ**  
 3072 *pl.* आँखें, (बसीरत), दृष्टि **أَبْصَارٌ**  
 3073 बहुत बारीक बीन, सूक्ष्मदर्शी **لَطِيفٌ**  
 3074 पढ़ा तूने **دَرَسَتْ**  
 3075 *im.* मूँह फेर ले, कनाराकश हो जा **أَعْرَضُ**  
 3076 *ni. pl.* मत बुरा कहो **لَا تَسُبُّوا**  
 3077 क्या समझ में आता है? **مَا يُشْعِرُ**  
 3078 हम उलटा फेर देंगे **قَلْبُ**  
 3079 *pl.* दिल **أَفْئِدَةٌ**

- 3080 पहली बार **أَوَّلَ مَرَّةٍ**  
 3081 सर्कशी **طُعْيَانٌ**  
 3082 भटकते फिरते, बहेक्ते हैं **يَعْمَهُونَ**

रुकूऽ	13	v: 10	19	रुकوع
-------	----	-------	----	-------

﴿ جُزْءٌ : وَلَوْ أَنَّا ﴾ **पार: 8**

- 3083 मददे मुक़ाबिल, सामने **قَبْلًا**  
 3084 जिहालत की बातें करते हैं **يَجْهَلُونَ**  
 3085 दुश्मन (*pl.:* **أَعْدَاءٌ**) **عَدُوًّا**  
 3086 चिकनी-चपड़ी बातें **زُخْرُفٌ**  
 3087 फरेब, धोका **غُرُورًا**  
 3088 *pl.* छोड़ दे **ذَرُ**  
 3089 झुकते हैं, मायल होते हैं **تَصْغَى**  
 3090 वह इर्तिकाब (बुरे कर्म) करते हैं, कमाते हैं **يَقْتَرِفُوا**  
 3091 *ap.* कमाई करनेवाले **مُقْتَرِفُونَ**  
 3092 चाहूँ मैं, ढूँँ मैं, तलाश करूँ मैं **أَبْتَغِي**  
 3093 फ़ैसला करनेवाला **حَكَمًا**  
 3094 बहुत तफ़सील वाली, खोल-खोलकर बयान करनेवाली **مُفْصَلًا**  
 3095 पूरी हुई **تَمَّتْ**  
 3096 बात **كَلِمَةً**  
 3097 सच्चाई **صِدْقًا**

3098	इन्साफ़, रास्ती	عَدْلًا					
3099	ap. बदलनेवाला	مُبَدِّلًا					
3100	अटकलबाज़ी करते हैं	يَخْرُصُونَ					
3101	pv. याद किया गया, नाम लिया गया	ذِكْرًا					
3102	तफ़सील से स्पष्ट बयान करदिया	فَصَّلًا					
3103	खयाल डालते हैं ।	يُوحُونَ					
	<table border="1" style="display: inline-table; vertical-align: middle;"> <tr> <td>रुकूऽ</td> <td>14</td> <td>v: 11</td> <td></td> <td>रुकू</td> </tr> </table>	रुकूऽ	14	v: 11		रुकू	
रुकूऽ	14	v: 11		रुकू			
3104	चलता है	يَمْشِي					
3105	बड़े लोग, सर्गने	أَكْبَارًا					
3106	जुर्म करने वाले (अपराधी) उस (बस्ती) के	مُجْرِمِيهَا					
3107	pv. दिये जायें हम	نُوتِي					
3108	खूब जानता है	أَعْلَمُ					
3109	ज़िल्लत, अपमान	صَغَارًا					
3110	खोल देता है	يَشْرَحُ					
3111	सीना	صَدْرًا					
3112	तंग, संकीर्ण	ضَيْقًا					
3113	खूब रुका हुआ, संकुचित	حَرَجًا					
3114	जैसे कि	كَأَنَّمَا					
3115	चढ़ता है	يَصْعَدُ					
3116	गन्दगी, अज़ाब, अपवित्रता	رِجْسًا					

3117	घर सलामती का (जन्नत)	دَارُ السَّلَامِ					
3118	ए जमाअत, ए गरोह!	يَامَعَشَرَ					
3119	फ़ायदा उठाया	اسْتَمْتَعَ					
3120	पहुँचे हम	بَلَّغْنَا					
3121	मुकर्रर किया (ठहराया) तूने	أَجَلَّتْ					
3122	ठिकाना	مَثْوَى					
	<table border="1" style="display: inline-table; vertical-align: middle;"> <tr> <td>रुकूऽ</td> <td>15</td> <td>v: 8</td> <td>2</td> <td>रुकू</td> </tr> </table>	रुकूऽ	15	v: 8	2	रुकू	
रुकूऽ	15	v: 8	2	रुकू			
3123	आये तुम्हारे पास	يَأْتِكُمْ					
3124	बयान करते, सुनाते	يَقْصُونَ					
3125	गवाही दी हमने	شَهِدْنَا					
3126	ap. हलाक (विनष्ट) करनेवाला	مُهْلِكَ					
3127	मेहरबानी करनेवाला	ذُو الرَّحْمَةِ					
3128	जानशीन (स्थानापन्न) कर दे	يَسْتَخْلِفُ					
3129	अलबत्ता ज़रूर आने वाला है	لَأْتِ					
3130	पहुँचता है	يَصِلُ					
3131	हलाक (विनष्ट) कर दें	يُرَدُّوْ					
3132	मुश्तबः (आमक) कर दें ।	يَلْبَسُوْ					
3133	vn. अछूती, वर्जित	حِجْرًا					
3134	vn. झूठ गढ़ लेना	اِفْتِرَاءً					
3135	मर्द, नर	ذُكُورًا					
	(sr.: ذَكَرًا)						

3136 *vn.* बयान करना وَصَفَ

3137 बेवकूफी, मर्खता سَفَهَا

रुकूऽ	16	v: 11	3	رکوع
-------	----	-------	---	------

8th पार:	1/4	رَبِيعُ جُزْءٍ: وَلَوْ أَنَّا		
----------	-----	-------------------------------	--	--

3138 टट्टियों या छतरी पर  
चढ़ाये जानेवाले दरख्त مَعْرُوشَاتٍ

3139 काटना حَصَادَ

3140 बोझ उठानेवाले जानवर حَمُولَةٌ

3141 छोटे क़द के जानवर जो  
ज़मीन को लगे चलते हैं या जिनकी  
खालों को काम में लाया जाता है  
(जैसे भेड़, बकरी) فَرَشَاتًا

3142 आठ (8) ثَمَانِيَةٌ

3143 जोड़े أَزْوَاجٌ

3144 भेड़ ضَانٌ

3145 बकरी مَعَزٌ

3146 *dl.* दो नर ذَكَرَيْنِ

3147 *dl.* दो मादा أَثْنَيْنِ

3148 लादे हुए, उठाये हुए اشْتَمَلَتْ

3149 पेट أَرْحَامٌ

3150 ऊँट اِبِلٌ

रुकूऽ	17	v: 4	4	رکوع
-------	----	------	---	------

3151 नहीं पाता मैं لَا أَجِدُ

3152 *pp.* हराम किया हुआ مُحَرَّمًا

3153 *ap.* खानेवाले पर عَلَى طَاعِمٍ

3154 खून دَمًا

3155 *pp.* बहता हुआ مَسْفُوحًا

3156 नाखुन वाले जानवर ذِي ظُفْرِ

3157 भेड़, बकरी غَنَمٌ

3158 *pl.* चर्बी شُحُومٌ

3159 अन्तड़ियाँ, आँतें حَوَايَا

3160 मख़्लूत हो, लगी हो اخْتَلَطَ

3161 हड्डी عَظْمٌ

3162 कुशादगी (व्यापक, विस्तृत) وَاسِعَةٌ

3163 *pl.* तुम अटकल करते हो تَخْرُصُونَ

3164 दलील पूरी, अन्तिम  
तर्कयुक्त प्रमाण

3165 ले आओ, लाओ هَلُمَّ

रुकूऽ	18	v: 6	5	رکوع
-------	----	------	---	------

3166 मुफ़िलसी, ग़रीबी اِمْلَاقٌ

3167 उनको भी اَيَّاهُمْ

3168 जो कुछ ज़ाहिर है مَاطْهَرٌ

3169 जो कुछ पोशीदा है مَابِطَنٌ

3170 जवानी, मज़बूती اَشَدُّ

3171	<i>im. pl.</i> पूरा करो	أَوْفُوا
3171	<i>vn.</i> नाप, पैमाना	كَيْلٌ
3172	तोल	مِيزَانٌ
3173	इन्साफ़, न्याय	قِسْطٌ

रुकूऽ	19	v: 4	6	رुकوع
-------	----	------	---	-------

3174	कि तुम कहो	أَنْ تَقُولُوا
3175	<i>vn.</i> पढ़ना पढ़ाना	دِرَاسَةٌ
3176	खूब हिदायत-याफ़ता, सीधी राह वाले	أَهْدَى
3177	बहुत ज़ालिम	أَظْلَمُ

3178	कतरा कर चला, फिरा रहा, विमुख हुआ	يَصْدِفُونَ
3179	कतराकर चलते हैं	لَسْتُ
3180	नहीं है तू	حَسَنَةٌ
3181	नेकी	عَشْرُ أَمْثَالِ

3182	दस गुनी	دَيْنًا قِيمًا
3183	दीन बिलकुल ठीक, सही दीन	نُسْكَ
3184	कुरबानी, इबादतें	مَحْيَايَ
3185	ज़िन्दगी मेरी	مَمَاتِي
3186	मौत मेरी	لَا تَذِرُ

(भागीदार न होगा)

3188	बोझ उठानेवाली	وَأَزْرَةً
3189	बोझ	وَزْرٌ
3190	लौटकर जाने की जगह	مَرْجِعٌ
3191	जानशीन, स्थानापन्न	خَلَائِفَ

रुकूऽ	20	v: 11	7	رुकوع
-------	----	-------	---	-------

8th पार:	1/2	نصف جُزء: وَلَوْ أَنَّا
----------	-----	-------------------------

{ سُورَةُ الْأَعْرَافِ }  
**ऊँची जगह**  
**सूर: 7 अल-अज़राफ़**

3193	न होना चाहिए	لَا يَكُنْ
3194	अज़ाब (दण्ड) हमारा	بِأَسْنَا
3195	तंगी, संकोच	حَرَجٌ
3196	रात को	بَيَّاتًا
3197	<i>ap.</i> दोपहर को सोनेवाले	قَائِلُونَ
3198	उस दिन	يَوْمَئِذٍ
3199	<i>fg.</i> भारी	ثَقُلْتُ
3200	तोल, वज़न	مَوَازِينُ
3201	<i>fg.</i> हल्का हुआ	خَفَّتْ
3202	जीवन-निर्वाह का सामान	مَعَايِشَ

रुकूऽ	1	v: 10	8	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

- 3203 *pl.* ज़लील (तिरस्कृत) लोग, **صَاغِرِينَ**  
छोटे लोग
- 3204 *im.* मुहलत दे (अवसर दे) **أَنْظِرُ**
- 3205 *pv.* उठाये जायेंगे **يُيَعْتُونَ**
- 3206 *pp.* ढील (अवसर) **مُنْظَرِينَ**  
दिये जाने वाले,  
मुन्तज़िर रक्खे जाने वाले
- 3207 बहका दिया तूने **أَغْوَيْتَ**
- 3208 मैं बैठकर रहूँगा **أَقْعُدَنَّ**
- 3209 दाहिनी तरफ़, सीधी तरफ़ **أَيْمَانَ**
- 3210 बायीं तरफ़ **شِمَائِلَ**
- 3211 न पायेगा तू **لَا تَجِدُ**
- 3212 *pp.* ज़लील, मज़म्मत किया, **مَذْمُومًا**  
बुरे हाल में, (धिक्कारा) हुआ
- 3213 *pp.* टुकराया हुआ, **مَذْحُورًا**  
दूर किया हुआ
- 3214 मैं भर दूँगा **أَمْلَأَنَّ**
- 3215 *pv.* छुपाया गया **وَوْرِي**
- 3216 छुपायी जाने के लायक **سَوَاتُ**  
(शर्मगाह, पर्दे के योग्य)
- 3217 कसम खाई **قَاسِمَ**
- 3218 उतार लिया **دَلِي**
- 3219 *fg.* ज़ाहिर हो गयी **بَدَاتُ**
- 3220 *dl.* दोनो (जोड़-जोड़कर) **يَخْصِفَانِ**  
चिपकाने लगे

- 3221 पत्ते **وَرَقٌ**

रुकूऽ	2	v: 15	9	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

- 3222 ज़ीनत, शोभा **رَيْشًا**
- 3223 परहेज़गारी (संयम) **لِبَاسُ التَّقْوَىٰ**  
की पोशाक (लिबास)
- 3224 न बहकावे तुमको **لَا يَفْتِنَكُمْ**
- 3225 उतार लिया, खींच लिया **يَنْزِعُ**
- 3226 कबीला उसका, **قَبِيلُهُ**  
उसके गरोहवाले
- 3227 *im. pl.* सीधा रक्खो **أَقِيمُوا**
- 3228 हर सज्दः के मौके पर **كُلِّ مَسْجِدٍ**  
यानी नमाज़ के वक़्त
- 3229 *pl.* दुबारा पैदा किये जाओगे **تَعُودُونَ**

रुकूऽ	3	v: 6	10	रुकوع
-------	---	------	----	-------

- 3230 नहीं पीछे हट सकेंगे **لَا يَسْتَأْخِرُونَ**

- 3231 नहीं आगे निकल **لَا يَسْتَقْدِمُونَ**  
सकेंगे

- 3232 खो गये, भाग गये **ضَلُّوا**

- 3233 बहिन उसकी, हमजिन्स **أَخْتَهَا**

- 3234 जमा होंगे **أِدَارِكُوا**

- 3235 *pv.* नहीं खोले जायेंगे **لَا تُفْتَحُ**

रुकूऽ	4	v: 8	11	रुकوع
-------	---	------	----	-------

- 3236 दाखिल हो जाये **يَلِجُ**

- 3237 ऊँट **جَمَلٌ**

3238	नाका सुई का	سَمَّ الْخِيَاطِ
3239	ओढ़ना	غَوَّاشٌ
3240	खीच लेंगे हम, दूर कर देंगे हम	نَزَعْنَا
3241	नाखुशी, गुबार, मनमुटाव	غِلٌّ
3242	pv. पुकारे जायेंगे	تُودُوا

8th पार:	3/4	ثلاثة ارباع جزء: وَلَوْ أَنَّا
----------	-----	--------------------------------

3243	पुकारेंगे	نَادَى
3244	हाँ	نَعَمْ
3245	एलान करेगा	أَذَّنَ
3246	ap. एलान करनेवाला	مُؤَذِّنٌ
3247	टेढ़ापन, कजी	عَوَجًا
3248	पर्दा, ओट, आड़	حِجَابٌ
3249	ऊँची जगह	أَعْرَافٌ
3250	पहचान, निशानी	سِيمًا
3251	चाहत (लालसा) रखते होंगे	يَطْمَعُونَ
3252	pv. fg. फेरी जायेगी, चकरा जायेगी	صُرِفَتْ
3253	तरफ़	تِلْقَاءَ

रुकू: 5	5	v: 8	12	رुकوع
---------	---	------	----	-------

3254	नहीं काम आया	مَا أَغْنَىٰ
3255	नहीं पहुँचायेगा	لَا يَنَالُ
3256	im. pl. डाल दो, बहा दो	أَفِيضُوا

3257	भुला देंगे हम, नज़र अन्दाज़ कर देंगे हम	نَسَىٰ
3258	क्या है हमारे लिए?	هَلْ لَنَا
3259	pv. फेर दिये जायें हम	نُرَدُّ

रुकू: 5	6	v: 6	13	رुकوع
---------	---	------	----	-------

3260	छे (6) दिन	سِتَّةَ أَيَّامٍ
3261	ढाँक देता है	يُغْشِي
3262	ढूँढता है, पीछे लगा आता है	يَطْلُبُ
3263	जल्दी-जल्दी	حَيْثًا
3264	pl. काबू में किये हुए (आज्ञानुवर्ती)	مُسَخَّرَاتٍ
3265	बरकतवाला	تَبَارَكَ
3266	आजिजी से, गिड़गिड़ाकर	تَضَرَّرًا
3267	चुपके चुपके	خَفِيَّةً
3268	तमअ़ से, उम्मीद से, आशा से	طَمَعًا
3269	हवायें	رِيَّاحٍ
3270	खुशख़बरी, बशा़रत	بُشْرًا
3271	fg. उठाले	أَقَلَّتْ
3272	बादल	سَحَابًا
3273	भारी, बोझिल	ثَقَالًا
3274	हाँक देते हैं हम उसको, चला देते हैं हम उसको	سُفْنَاهُ
3275	मुर्दा ज़मीन,	بَلَدٍ مَيِّتٍ



	खुशक बन्जर इलाका या मुर्दा शहर				
3276	अच्छा शहर, सुथरी ज़मीन	أَلْبَدُّ الطَّيِّبُ			
3277	खेती बाड़ी, पैदावार	نَبَاتٌ			
3278	थोड़ी सी, नाकिस (निकम्मी)	نَكِيدًا			
	रुकूऽ	7	v: 5	14	रुकوع
3279	पैगामात, संदेश (sr.: رِسَالَةٌ)	رِسَالَاتٍ			
3280	खैरख्वाही (हित) करता हूँ (vn.: نَصِيحَةٌ)	أَنْصَحُ			
3281	pl. तअज़्जुब लगा तुमको	عَجَبْتُمْ			
3282	अन्धी कौम	قَوْمًا عَمِينَ			
	रुकूऽ	8	v: 6	15	रुकوع
3283	कौमे आद जिसकी तरफ़ ह. हूद <small>الطَّلِيلَ</small> को भेजा गया था	عَادٌ			
3284	सरदार	مَلَأَ			
3285	बेवकूफी	سَفَاهَةٌ			
3286	हम गुमान करते हैं	نَظْنُ			
3287	ap. खैरख्वाह, हितू	نَاصِحٌ			
3288	ज़ियादा किया	زَادَ			
3289	vn. फैलाव, कुशादगी	بَصْطَةً			
3290	नेमतें, इहसान	الْأَاءِ			

3291	वाक़े (घटित) हुआ	وَقَعَ			
3292	अज़ाब, नजासत	رَجَسٌ			
3293	नाम (sr.: اسْمٌ)	أَسْمَاءٌ			
3294	pl. नाम धर लिये तुमने (vn.: تَسْمِيَةٌ)	سَمَّيْتُمُو			
3295	sr. जड़	دَابِرٌ			
	रुकूऽ	9	v: 8	16	रुकوع
3296	समूद की कौम जिनकी तरफ़ ह. सालिह <small>الطَّلِيلَ</small> को भेजा गया	ثَمُودٌ			
3297	उँटनी	نَاقَةٌ			
3298	fg. खाये वह	تَأْكُلُ			
3299	जगह दी	بَوَّأَ			
3300	vn. नर्मी, नर्म ज़मीन, सुहूलत	سُهُولٌ			
3301	महल (sr.: قَصْرٌ)	قُصُورٌ			
3302	pl. तराश लेते हो तुम	تَنْحِتُونَ			
3303	पहाड़ (sr.: جَبَلٌ)	جِبَالٌ			
3304	घर (sr.: بَيْتٌ)	بُيُوتٌ			
3305	ni. pl. मत नाफ़रमानी (अवज्ञा) करो	لَا تَعْتَوُوا			

3306	pv. कमज़ोर रखे गये	أَسْتَضْعِفُوا
3307	pp. भेजा हुआ	مُرْسَلٌ
3308	काट दिया उन्होंने	عَقَرُوا
3309	हद (सीमा) से निकल गये	عَتَوْا
3310	im. ले आ हमारे पास	أَتَيْنَا (بِ)
3311	तू वादा करता है	تَعِدُّ
3312	pp. भेजे हुए, पैग़म्बर	مُرْسَلِينَ
3313	ज़लज़ला, भूकम्प	رَجْفَةً
3314	ap. pl. औंधि गिरे हुए (मूँह के बल)	جَائِمِينَ
3315	मूँह फेरा उसने	تَوَلَّى
3316	pl. आते हो	تَأْتُونَ
3317	नहीं पहले किया	مَا سَبَقَ
3318	किसी ने भी, किसी से	مِنْ أَحَدٍ
3319	लोग	أَنَاسٌ
3320	पाक रहना चाहते हैं	يَتَطَهَّرُونَ
3321	पीछे रह जानेवाले	غَابِرِينَ
3322	बरसाया हमने	أَمْطَرْنَا
3323	बरसाना, मेंह	مَطَرٌ

रकूऽ	10	v: 12	17	रकوع
------	----	-------	----	------

3324	वह इलाका (जगह, मुल्क)	مَدِينٍ
	जहाँ शुअैब عليه السلام को भेजा गया	

3325	ni. pl. मत कम करो	لَا تَبْخَسُوا
3326	चीज़ें	أَشْيَاءَ
3327	ni. pl. मत बैठो	لَا تَقْعُدُوا
3328	pl. डराते हो, धमकी देते हो, वादा देते हो	تُوْعِدُونَ
3329	pl. रोकते हो	تَصُدُّونَ
3330	बहुत कर दिया, गिन्ती बढ़ा दी	كَثَرَ

﴿ جُزء : وَقَالَ الْمَلَأُ 9 पारः 9 ﴾

3331	अलबत्ता पलट आओगे	لَتَعُودُنَّ
3332	ap. नापसन्द (घृणा) करनेवाले	كَارِهِينَ
3333	बाँध लिया हमने	أَفْتَرَيْنَا
3334	हम पलट आये	عُدْنَا
3335	न बसे थे	لَمْ يَغْنَوْا
3336	ग़म करूँ मैं, अफ़सोस करूँ मैं	أَسَى

रकूऽ	11	v: 9	1	रकوع
------	----	------	---	------

3337	ज़यादा हुए, बढ़ गये, फले-फुले	عَفَوْا
3338	बेफ़िकर हो गये, बे खौफ़ हो गये, मुतमइन हो गये	أَمِنَ
3339	ap. सोनेवाले	نَائِمُونَ
3340	दिन चढ़े	ضَحَى

3341	vn. तदबीर, चाल, युक्ति	
------	------------------------	--

रकूऽ	12	v: 6	2	रकوع
------	----	------	---	------

3342	साबित, कायम (दृढ़) हूँ जमकर, हक वाला हूँ	حَقِيقٌ
3343	डाल दिया	أَلْقَى
3344	अज़दहा, बड़ा साँप	ثُعْبَانٌ
3345	खींच निकाला	نَزَعَ
3346	सफ़ैद, चमकता हुआ	بَيَضَاءٌ

रुकूऽ	13	v: 9	3	रुकوع
-------	----	------	---	-------

3347	क्या	مَاذَا
3348	im. ढील दे	أَرَجِهْ
3349	pl. शहर	مَدَائِنَ
3350	ap. इकट्ठा करनेवाले (ح ش ر)	حَاشِرِينَ
3351	जादूगर	سَاحِرٌ
3352	जानने वाला	عَلِيمٌ
3353	जादूगर लोग	سَحَرَةٌ
3354	ख़्वाह, या	أَمَّا
3355	कि	أَنَّ
3356	डालता है तू	تُلْقِي
3357	ap. डालनेवाले	مُلْقِينَ
3358	im. pl. डालो तुम	أَلْقُوا
3359	जादू करदिया उन्होंने	سَحَرُوا
3360	आँखें	أَعْيُنَ
3361	डरा दिया उन्होंने	اسْتَرْهَبُوا

3362	ले आये	جَاءُوا
3363	im. डाल दे तू	أَلِقْ
3364	निगलने लगा	تَلْفَفُ
3365	बनाया उन्होंने, घड़ा, बाँधा	يَأْفِكُونَ
3366	झूट साबित हुआ	بَطَلَ
3367	pv. मग़लूब हो गये, हार गये	غَلِبُوا
3368	उस जगह	هُنَالِكَ
3369	pv. डाले गये	أَلْقَى
3370	मैं इजाज़त दूँ, मैं हुकम दूँ	أَذِنُ
3371	मैं काट डालूँगा ज़रूर	أَقْطَعَنَّ
3372	मैं सूली दूँगा ज़रूर	أُصَلِّبَنَّ
3373	ap. पलटकर जानेवाले	مُنْقَلِبُونَ
3374	ऐब जाना तूने, बुरा लगे तुझको	تَنْقِمُ (ن ق م)
3375	im. डाल दे	أَفْرِغْ

रुकूऽ	14	v: 18	4	रुकوع
-------	----	-------	---	-------

3376	छोड़ता है तू	تَذِرُ
3377	हम कत्ल करेंगे	نُقَتِّلُ
3378	हम ज़िन्द: छोड़ेंगे	نَسْتَحْيِي
3379	ap. pl. हर तरह का जोर रखनेवाले, ग़ालिब, हावी	فَاهِرُونَ
3380	pv. सताये गये हम	أُودِنَا

रुकूऽ	15	v: 3	5	रुकوع
-------	----	------	---	-------

- 3381 कहतसाली, अकाल **سِنِينَ**
- 3382 नुक़सान, क्षति **نَقْصٍ**
- 3383 हमारे लिए (होना ही चाहिए)  
यह / इसको
- 3384 नहूसत बताई, **يَطِيرُوا**  
अशुभ माना
- 3385 नहूसत, अशुभ, अमंगल **طَائِرٍ**
- 3386 कैसी भी **مَهْمَا**
- 3387 *pl.* टिड्डियाँ **جَرَادٍ**
- 3388 *pl.* घुन का कीड़ा, जूँ **قُمَّلٍ**
- 3389 *pl.* मेंढक **ضَفَادِعَ**
- 3390 अज़ाब, दण्ड **رَجْزٍ**
- 3391 खोलदेना, दूरकर देना **كَشَفَ**
- 3392 पहुँचने वाले **بِالْعَوَا**
- 3393 अहद (वादा) तोड़ देते,  
प्रतिज्ञा तोड़ देते थे
- 3394 समुद्र **يَمٍّ**
- 3395 मशरिफ़ी जानिब,  
पुर्व की ओर **مَشَارِقِ**
- 3396 मगरिबी जानिब,  
पश्चिम की ओर **مَغَارِبِ**
- 3397 हलाक (नष्ट) कर दिया हमने **دَمَرْنَا**
- 3398 ऊँची इमारत बनाते थे, <sup>3138</sup> **يَعْرِشُونَ**

- 3399 पार उतार दिया हमने, **جَاوَزْنَا**  
गुज़ार दिया हमने
- 3400 बैठे थे जमकर **يَعْكُفُونَ**
- 3401 *pp.* तबाह होनेवाला **مُتَبَرِّءٍ**

रुकूऽ	16	v: 12	6	रकوع
-------	----	-------	---	------

- 3402 तीस (30) **ثَلَاثِينَ**
- 3403 ठहराई हुई मुद्दत,  
नियत अवधि **مِيقَاتٍ**
- 3404 चालीस (40) **أَرْبَعِينَ**
- 3405 *im.* खलीफ़ा (स्थानापन्न)  
हो रहना मेरा
- 3406 *im.* इस्लाह रखना या करना,  
सुधार रखना, काम को संवारना **أَصْلَحَ**
- 3407 *im.* दिखा मुझे **أَرِنِي**
- 3408 हरगिज़ नहीं देख  
सकेगा तू मुझको **لَنْ تَرَانِي**
- 3409 तजल्ली की, प्रकाशित हुआ **تَجَلَّى**
- 3410 रेज़ा-रेज़ा **دَكَا**
- 3411 गिर पड़ा **خَرَّ**
- 3412 बेहोश, मुर्छित **صَعِقًا**
- 3413 होश में आया **أَفَاقَ**
- 3414 तख़्तियाँ (*sr.:* **لَوْحٌ**) **أَلْوَا حٌ**
- 3415 दिखाऊँगा मैं **أُورِي**
- 3416 फेर दूंगा मैं **أَصْرِفُ**

3417 भलाई, रास्ती, हिदायत **رُشْدًا**

3418 सर्कश, गुमराही **غِيًى**

रुकूऽ	17	v:6	7	रुकوع
-------	----	-----	---	-------

3419 ज़ेवरात, गहने **حُلِيِّ**

3420 बदन, जिस्म **جَسَدًا**

3421 आवाज़ **خُورًا**

3422 *pv.* गिराया गया, पछताये **سُقِطَ**

3423 गुस्से में भरा हुआ **غَضْبَانًا**

3424 रंजीदा, अफ़सोस करता हुआ **أَسْفًا**

3425 खींचने लगा **يَجْرُ**

3426 बेटे माँ के, भाई **أَبْنِ أُمَّ**

3427 *ni.* मत खुश कर **لَا تُشْمِتْ**

रुकूऽ	18	v: 4	8	रुकوع
-------	----	------	---	-------

3428 ठंडा हुआ, गुस्सा शान्त हुआ, खामुश हुआ **سَكَتًا**

3429 लिखावट, लेख **نُسْخَةً**

3430 डर रखते हैं **يَرْهَبُونَ**

3431 चुन लिया **اخْتَارَ**

(*vn.*: **اخْتِيَارًا**)

3432 सत्तर (70) **سَبْعِينَ**

3433 मुझको भी **أَيَّايَ**

3434 आज़माइश (परिक्षा) तेरी, इमतिहान तेरा **فَتْنَتِكَ**

3435 सबसे अच्छा **خَيْرُ الْغَافِرِينَ**

बख़्शिश करनेवाला

3436 राह पकड़ी हमने **هَدَانًا**

3437 डाल देता हूँ मैं **أَصِيبُ**

3438 चाहता हूँ मैं **أَشَاءُ**

3439 जिस को पढ़ना न आता हो, अनपढ़ **أُمِّي**

3440 *pp.* लिखा हुआ **مَكْتُوبًا**

3441 उतार देता है **يَضَعُ (عَنْ)**

3442 बोझ **أَصْرًا**

3443 तौक, फन्दे **أَعْلَالًا**

3444 कुव्वत दिया, साथ दिया **عَزَّرَ**

रुकूऽ	19	v: 6	9	रुकوع
-------	----	------	---	-------

3445 वारह (12) **اثْنَا عَشَرَ**

3446 बड़ी-बड़ी जमातें, टोलियाँ **أَسْبَاطًا**

3447 फूट निकले **أَبْجَسَتْ**

3448 चश्मे, पानी के सोते **عَيْنًا**

रुकूऽ	20	v: 5	10	रुकوع
-------	----	------	----	-------

3449 मछलियाँ (*sr.*: **حُوتٌ**) **حَيْثَانًا**

3450 ज़ाहिर, प्रकट **شَرَعًا**

9th पार:	1/2	نصف جُزء: قَالَ الْمَلَأُ
----------	-----	---------------------------

3451 नसीहत करते हो, सीख देते हो **تَعِظُونَ**

- 3452 अुज़ वयान करना, **مَعْدِرَةٌ**  
विवशता कहना
- 3453 बुरा, ख़राब **بَيْتِسٍ**
- 3454 सर्कशी की, उदण्डता की **عَتَوَا**
- 3455 *pv.* मना किये गये **نُهُوْا**
- 3456 आज़माया हमने **بَلَوْنَا**
- 3457 जानशीन हुआ, जगह पर आया **خَلَفَ**
- 3458 जानशीन, स्थानापन्न **خَلْفٌ**
- 3459 वारिस (उत्तराधिकारी) हुए **وَرِثُوا**
- 3460 लेते हैं **يَأْخُذُونَ**
- 3461 माल और मताज़, असबाब, **عَرَضٌ**  
सामान
- 3462 पढ़ा उन्होंने **دَرَسُوا**
- 3463 मज़बूत पकड़ते हैं **يُمَسِّكُونَ**
- 3464 उठाया हमने **نَتَقْنَا**
- 3465 छतरी, सायबान **ظَلَّةٌ**
- 3466 गिरनेवाला **وَأَقَعَ**
- |       |    |      |    |      |
|-------|----|------|----|------|
| रुकूऽ | 21 | v: 9 | 11 | ركوع |
|-------|----|------|----|------|
- 3467 क्या नहीं हूँ मैं **أَلَسْتُ**
- 3468 शिर्क़ किया **أَشْرَكَ**  
(खुदाई में साझीदार बनाया)
- 3469 झुठे लोग, मिथ्यावादी, **مُبْطِلُونَ**  
बातिल परस्त

- 3470 निकल भागा **اِنْسَلَخَ**
- 3471 पीछे लगा **اَتَّبَعَ**
- 3472 गुमराह लोग, पथभ्रष्ट लोग **غَاوِينَ**
- 3473 लगकर, चिपककर बैठ गया **اَخْلَدَ**
- 3474 कुत्ता **كَلْبٌ**
- 3475 लादे तू, बोझ रखे तू **تَحْمِلُ**
- 3476 जबान लटकाये, हाँपे **يَلْهَثُ**
- 3477 हिदायत पानेवाला, **مُهْتَدِيٌ**  
राह पानेवाला
- 3478 छोड़े हमने **ذَرَانَا**
- 3479 बहुत बहके हुए, बेराह **اَضَلُّ**
- 3479 अच्छे-अच्छे **حُسْنِيٌ**
- |       |    |       |    |      |
|-------|----|-------|----|------|
| रुकूऽ | 22 | v: 10 | 12 | ركوع |
|-------|----|-------|----|------|
- 3480 हम धीरे धीरे खींच लेंगे **نَسْتَدْرِجُ**
- 3481 ढील दूंगा मैं **أَمْلِيُ**
- 3482 तदवीर, चाल, युक्ति **كَيْدٌ**
- 3483 मज़बूत, दृढ़ **مَتِينٌ**
- 3484 जुनून, उन्माद **جَنَّةٌ**
- 3485 करीब आ लगा **اِقْتَرَبَ**
- 3486 कौनसी बात **أَيُّ حَدِيثٍ**
- 3487 *ap.* हिदायत देनेवाला, **هَادِيٌ**  
पथप्रदर्शक

- 3488 कब      أَيَّانَ      3505 fg. चलने लगी      مَرَّتْ
- 3489 उसका ठैरना,      مُرْسَاهَا      3506 fg. बोझिल हो गयी      أَثْقَلَتْ
- ठहराव उसका
- 3490 नहीं जाहिर करेगा      لَا يُجَلِّي      3507 dl. पुकारा (उन दोनों ने)      دَعَا
- 3491 fg. भारी होगई      ثَقُلَتْ      3508 तन्दुरूस्त, अच्छा      صَالِحًا
- 3492 अचानक      بَعْتَةً      3509 ज़रूर हम होंगे      لَنَكُونَنَّ
- 3493 जैसे कि तू, गोया कि तू      كَأَنَّكَ      3510 नहीं झिख्तयार रखते,      لَا يَسْتَطِيعُونَ
- 3494 टोह लगानेवाला,      حَفِيٌّ      नहीं सामथर्य रखते
- तलाश करनेवाला
- 3495 नहीं झिख्तयार रखता मैं,      لَا أَمْلِكُ      3511 ap. चुप रहनेवाले      صَامِتُونَ
- नहीं मालिक हूँ मैं
- 3496 लिये मेरी जान के,      لِنَفْسِي      3512 चलते हैं      يَمْشُونَ
- अपनी जान का
- 3497 अगर होता मैं      لَوْ كُنْتُ      3513 पकड़ते हैं,      يَبْطِشُونَ (ب ط ش)
- 3498 जानता मैं ग़ैब को      أَعْلَمُ الْغَيْبِ      3514 im. दाव चलादो मुझपर,      كِيدُونَ
- (अदृष्ट को)
- 3499 बहुत जमा कर लेता मैं      اسْتَكْتَرْتُ      चाल चलो मेरे खिलाफ़
- 3500 सुकून हासिल करे,      يَسْكُنُ      3515 दोस्ती रखता है      يَتَوَلَّى
- चैन पावे
- 3501 ढाँक लिया, छा गया      نَعَشَى      3516 अच्छी भली, नेकी, बेहतर      عُرِفَ
- 3502 fg. उठा लिया      حَمَلَتْ      3517 वसवसा, उकसावा      نَزَعُ
- 3503 बोझ, ह्रमल      حَمْلٌ      3518 im. पनाह माँग      اسْتَعِذْ
- 3504 हल्का      خَفِيفًا      3519 वसवसा आमैज़ चक्कर, खयाल      طَائِفٌ
- 3520 खींचते हैं      يَمْدُونَ
- 3521 नहीं बाज़ आते,      لَا يُقْصِرُونَ
- नहीं कमी करते
- 3522 खींच लाया तू      اجْتَبَيْتَ
- 3523 pv. पढ़ा जाये      قُرِيَ

रुकूः	23	v: 7	13	رکوع
-------	----	------	----	------

- 3524 *im. pl.* ध्यान लगाकर सुनो **اسْتَمِعُوا**  
 3525 *im. pl.* चुप हो जाओ **أَنْصِتُوا**  
 3526 कम आवाज़ से **دُونَ الْجَهْرِ**  
 3527 सुबह **غَدُوًّا**  
 3528 शाम **أَصَالًا**

रुकूऽ	24	v: 18	14	रकوع
-------	----	-------	----	------

9th पार:	3/4	ثَلَاثَةَ أَرْبَاعٍ مَجْرُوءٍ: وَقَالَ الْمَلَأُ
----------	-----	--

<p>{ سُورَةُ الْأَنْفَالِ }</p> <p>माले ग़नीमत</p> <p>सूर: 8 अल-अनफल</p>
--

- 3529 माले ग़नीमत **أَنْفَالًا**  
 3530 (मामलात, सम्बन्ध) **ذَاتَ بَيْنِكُمْ**  
 आपस के तुम्हारे  
 3531 *fg.* दहल जाते हैं, **وَجَلَّتْ**  
 घबरा जाते हैं, डर जाते हैं  
 3532 जैसे कि **كَمَا**  
 3533 बहस करते हैं, झगड़ते हैं **يُجَادِلُونَ**  
 3534 ज़ाहिर हो गया **تَبَيَّنَ**  
 3535 जैसे कि, गोया कि **كَأَنَّمَا**  
 3536 *pv.* हाँके जाते हैं **يُسَاقُونَ**  
 3537 *fg.* कोई एक **أَحَدًا**

- 3538 कि वह तुम्हारे लिए **أَنَّهَا لَكُمْ**  
 3539 *pl.* तुम चाहते **تَوَدُّونَ** (و د د)  
 3540 सिवा, बिना **غَيْرَ**  
 3541 हथियारवाली **ذَاتِ الشَّوْكَةِ**  
 3542 हक़ (सत्य) साबित करेगा **يُحِقُّ**  
 3543 बातिल (असत्य) कर देगा **يُبْطِلُ**  
 (दिखायेगा)  
 3544 *pl.* तुम फ़रयाद कर रहे थे **تَسْتَعِثُّونَ**  
 3545 *ap.* मदद करनेवाला **مُهِدٌ**  
 3546 सिलसिलेवार (लगातार) **مُرْدِفِينَ**  
 चले आनेवाले

रुकूऽ	1	v: 10	15	रकوع
-------	---	-------	----	------

- 3547 ऊँघ, झपकी **نُعَاسٌ**  
 3548 बाँधदे, मज़बूत करदे **يَرْبِطُ**  
 3549 गर्दन (*sr.:* **عُنُقٍ**) **أَعْنَاقٌ**  
 3550 हर जोड़ पर **كُلِّ بَنَانٍ**  
 3551 विरोध किया उन्होंने, **شَاقُوا**  
 मुख़ालिफ़त की उन्होंने  
 3552 लश्कर, मददे मुक़ाबिल **مُتَحَرِّفًا**  
 (लड़ाई में सामनेवाला)  
 3553 पैतरा या जगह बदलने वाला **مُتَحَرِّفًا**  
 (लड़ाई के वक़्त)  
 3554 जगह पकड़ने वाला, **مُتَحَيِّرًا**  
 शामिल होने वाला (दूसरी टोली में)



- 3555 फेंका तूने رَمَيْتَ  
 3556 फेंका उसने رَمَى  
 3557 आजमाइश करे, आजमा ले يُبْلِي  
 3558 आजमाइश, कसौटी بَلَاءٌ  
 3559 *ap.* कम्ज़ोर कर देनेवाला مُؤَهِّنُ  
 3560 *pl.* तुम फिर करो تَعُوذُوا  
 3561 हम फिर करेंगे نَعُدُّ

रुकू: 5	2	v: 9	16	रकوع
---------	---	------	----	------

- 3562 *ni. pl.* मत फिरो, لَا تَوَلَّوْا  
 मत उलटो, मत मुंह न फेरो  
 3563 बद तरीन شَرَّ الدَّوَابِّ  
 मखलूख, बद तरीन जान्वर  
 3564 *im. pl.* पुकारना कुबूल करो اسْتَجِيبُوا  
 3565 हायल होता है, आइ बन्ता है يَحْوُلُ  
 3566 खास कर (सिर्फ वही) خَاصَّةً  
 3567 उचक ले जाये, मिटा दे يَتَخَطَفُ  
 3568 जगा दी اَوَى  
 3569 *ni. pl.* मत खियानत करो لَا تَخُونُوا

रुकू: 5	3	v: 9	17	रकوع
---------	---	------	----	------

- 3570 कैद कर लेवें, يُشْتَبِئُوا (ث ب ت)  
 बन्द रखें  
 3571 *im.* बरसा दे اَمْطُرُ  
 3572 मुतवल्ली, वाली اَوْلِيَاءُ

(sr.: وَلِيٌّ)

- 3573 सीटी बजाना مُكَاءٌ  
 3574 तालियाँ बजाना تَصْدِيَةٌ  
 3575 जुदा करदे, अलग करदे يَمِيْزُ  
 3576 एकट्ठा करे, जमा करे يَرْكُمُ

रुकू: 5	4	v: 9	18	रकوع
---------	---	------	----	------

- 3577 अगर बाज़ आजायें, اِنْ يَنْتَهُوْا  
 (रुक जायें)  
 3578 हो चुका, गुज़र चुका سَلَفَ  
 3579 फिर करें, दुबारा करें يَعُوذُوا  
 3580 *fg.* हो गुज़री, गुज़र चुकी مَضَتْ  
 3581 दोस्त, हामी مَوْلَى

﴿ جُزْءٌ : وَاَعْلَمُوا 10 पार: ﴾

- 3581a *im. pl.* जान लो, समझ लो اَعْلَمُوا  
 3582 *pl.* माले-ग़निमत लिया तुमने غَنِمْتُمْ  
 3583 पाँचवाँ हिस्सा, 1/5 خُمْسُ  
 3584 किनारे इस पार عُدْوَةُ الدُّنْيَا  
 (नज़दीक)  
 3585 किनारे उस पार (दूर) عُدْوَةُ الْقُصُوْى  
 3586 सवार (काफ़ीला) الرِّكْبُ  
 3587 नीचे اَسْفَلَ  
 3588 वादा मुक़रर करते, تَوَاعَدْتُمْ  
 तुम वादा ठहराते

3589 तेरे स्वप्न में, ख्वाब में مَدَامِكَ

3590 pl. सुस्ती करते तुम, فَشِلْتُمْ (ف ش ل)

हिम्मत हार जाते तुम

3591 सलामत रक्खा, बचाया سَلَّمَ

3592 थोड़ा दिखाया يُقَلِّلُ

(थोड़ा قَلِيلٌ)

रुकूऽ	5	v: 7	1	रुकوع
-------	---	------	---	-------

3593 fg. जाती रहेगी تَذْهَبُ

3594 हवा तुमहारी رِيْحُكُمْ

3595 इतराकर, इतराना بَطْرًا

(vn.: بَطْرٌ)

3596 पड़ोसी, हिमायती جَارٌ

3597 फिर गया نَكَصَ

रुकूऽ	6	v: 4	2	रुकوع
-------	---	------	---	-------

3598 तेज़ जलनेवाली, आग حَرِيْقٌ

3599 xg. जुल्म करनेवाला ظَلَامٌ

3600 आदत, हालत دَابٌّ

3601 नहीं है वह لَمْ يَكُ

3602 ap. बदलने वाला مُعَيَّرًا

3603 हर मरतबा, हर बार كُلُّ مَرَّةٍ

3604 तू छा जाये, تَنْقِفَنَّ

तू ग़ालिब आ जाये

3605 लड़ाई حَرْبٌ

3606 im. भगा दे, तितर-बितर करदे شَرَّدُ

3607 ख़ौफ़ करे तु, तझको भय हो تَخَافَنَّ

3608 im. फेंक दे तू أْبْدُ

रुकूऽ	7	v: 10	3	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

3609 बंधे हुए घोड़े رَبَاطُ الْخَيْلِ

(कसे तयार)

3610 pl. तुम डराये रक्खो تُرْهِبُونَ

3611 झुक जायें वह جَحْنُوجٌ (ج ن ح)

3612 उल्फत (प्रति) डालदी, أَلْفٌ

जोड़ दिया

रुकूऽ	8	v: 6	4	रुकوع
-------	---	------	---	-------

3613 im. रग्वत दिला, अनुरक्त कर حَرَضُ

3614 बीस (20) عِشْرُونَ

3615 ग़ालिब आयेंगे, पभुत्व पायेंगे يَغْلِبُونَ

3616 दो सौ (200) مَائَتَيْنِ

3617 एक सौ (100) مِائَةٌ

3618 एक हजार (1000) أَلْفًا

3619 अब أَلَانَ

3620 कफ़ीफ़ कर दीया, خَفَّفَ

हल्का कर दीया

3621 कमज़ोरी ضَعْفًا

3622 दो हज़ार (2000) أَلْفَيْنِ

3623 कैदी (sr.: أَسِيرٌ) أَسْرَى

- 3624 खूँरेज़ी करे, (कुचल दे) يُشْخِنَ  
 3625 अगर न होता لَوْ لَا  
 3626 पहले से हो चुका سَبَقَ

रुकूऽ	9	v: 5	5	رکوع
-------	---	------	---	------

- 3627 क़ाबु (अधिकार) में दिया أَمْكَنَ  
 3628 जगह दी उन्होंने أَوْوَا  
 3629 जिम्मेदारी, उत्तरदायित्व, وَلَايَةَ  
 तअल्लुक  
 3630 मदद चाहें वह اسْتَنْصَرُوا  
 3631 क़राबत वाले रिश्तेदारِ الْأَرْحَامِ أَوْلُوا  
 3632 ज़ियादा हक़दार (हक़ वाले) أَوْلَى

रुकूऽ	10	v: 6	6	رکوع
-------	----	------	---	------

10th पार:	¼	ربعُ جُزءٍ: وَأَعْلَمُوا
-----------	---	--------------------------

{ سُورَةُ التَّوْبَةِ }  
**तौबा**  
**सूर: 9 अत-तौब:**

- 3633 बेज़ारी का एलान بَرَاءَةٌ  
 (पतिज्ञा से पराङ्मुख होने की धोषणा)  
 3634 im. pl. चल फिर लो سَيِّحُوا  
 (vn.: سَيَّاحَةٌ)  
 3635 चार माह أَرْبَعَةَ أَشْهُرٍ

- 3636 नहीं अज़िज़ करनेवाले, غَيْرُ مُعْجِزِيٍّ  
 नहीं हरा सकनेवाले  
 3637 ap. रूसवा (अपमानित) مُخْزِيٍّ  
 करनेवाला

- 3638 एलान, धोषणा إِذَانَ  
 3639 न तोड़ा, لَمْ يَنْقُصُوا (ن ق ص)  
 न कमी की  
 3640 निकल जाये, बीत जाये انْسَلَخَ  
 3641 मुहतरम (अदब वाले) الْأَشْهُرُ الْحُرْمِ  
 महिने

- 3642 im. pl. घेर लो أَحْصَرُوا  
 3643 im. pl. बैठो أَقْعَدُوا  
 3644 दाँव घात की जगह مَرْصَدًا  
 3645 im. pl. छोड़ दो خَلَوْا  
 3646 कोई أَحَدًا

- 3647 पनाह माँगी तुझसे اسْتَجَارَكَ  
 3648 im. पनाह दे أَجَرَ  
 3649 अमन की जगह, सुरक्षित स्थान مَأْمَنًا

रुकूऽ	1	v: 6	7	رکوع
-------	---	------	---	------

- 3650 ग़ालिब आ जायें, يَظْهَرُوا  
 प्रभुत्व प्राप्त कर लेंवे  
 3651 नहीं लिहाज़ करेंगे, لَا يَرْقُبُوا (ر ق ب)  
 नहीं रिज़ायत करेंगे  
 3652 क़राबत का पास, الْأَ  
 नाते रिश्ते की परवाह

- 3653 अहद (प्रतिज्ञा) की ज़िम्मेदारी **ذِمَّةً**
- 3654 *fg.* इन्कार किया, नहीं माना **تَأْبَى**
- 3655 तोड़ दिया **نَكَثُوا** (ن ك ث)
- 3656 सरदार, पेशवा **أِمَّةً**  
(*sr.:* **أَمَامٌ**)
- 3657 इरादा किया **هَمُّوا**
- 3658 बहुत हकदार (अधिकारी, पात्र) **أَحَقُّ**
- 3659 शिफा देगा **يَشْفِ**
- 3660 गुस्सा **غَيْظٌ**
- 3661 *pv.* छोड़ दिये जाओगे **تُتْرَكُوا**
- 3662 दिली दोस्त, भेदी **وَلِيَجَّةً**
- |       |   |       |   |       |
|-------|---|-------|---|-------|
| रुकूऽ | 2 | v: 10 | 8 | رुकوع |
|-------|---|-------|---|-------|
- 3663 नहीं है लायक **مَا كَانَ**
- 3664 आबाद करें, 3666 **يَعْمُرُوا** (ع م ر)
- 3665 पानी पिलाना **سِقَايَةَ الْحَاجِّ**  
हाजियों को
- 3666 आबाद करना **عِمَارَةً**
- 3667 नहीं बराबर हो सकते **لَا يَسْتَوُونَ**
- 3668 बहुत बड़ा, अतिश्रेष्ठ **أَعْظَمُ**
- 3669 कामयाब होने वाले **فَائِزُونَ**  
(सफलता पाने वाले)
- 3670 नेमतें पायदार (हमेशा की) **نَعِيمٌ مُّقِيمٌ**
- 3671 मुहब्बत बतायें वह, **اسْتَحْبُوا**

- पसन्द करें, दोस्त रखें
- 3672 कुन्बा, कबीला, धराना **عَشِيرَةٌ**
- 3673 कमाया **اِفْتَرَفَ**
- 3674 मन्दी, सुस्त-बाज़ारी **كَسَادَ**
- 3675 मकानात **مَسَاكِنَ**  
(*sr.:* मकान, घर **مَسْكَنٌ**)
- 3676 ज़ियादा पसन्द, प्रिय, महबूब **أَحَبُّ**
- 3677 *im. pl.* इन्तिज़ार **تَرَبَّصُوا**  
(प्रतीक्षा) करो
- |       |   |      |   |       |
|-------|---|------|---|-------|
| रुकूऽ | 3 | v: 8 | 9 | रुकوع |
|-------|---|------|---|-------|
- 3678 मौकौ, स्थानों, स्थलों **مَوَاطِنَ**
- 3679 मकका और तायफ **حَيْنِ**  
के दर्मियान एक मुकाम का  
नाम जहाँ 8 हिजरी में जंग हुई
- 3680 *fg.* तंग हो गयी **صَاقَتْ**
- 3681 *fg.* कुशादा (विशाल) थी **رَحْبَتْ**
- 3682 *ap.* पीठ फेरनेवाले **مُدْبِرِينَ**
- 3683 सुकून, तसकीन, शान्ति **سَكِينَةً**
- 3684 लश्कर **جُنُودًا**
- 3685 नापाक, अपवित्र **نَجَسٌ**
- 3686 बरस, साल **عَامٌ**
- 3687 मुहताजी, निर्धनता **عَيْلَةٌ**
- 3688 अदा करना (जिजूया) **جَزِيَةٌ**

3689 अपने हाथ से **عَنْ يَدٍ**3690 pl. ज़लील, छोटे **صَاغِرُونَ**

रुकूऽ	4	v: 5	10	رُكُوع
-------	---	------	----	--------

3691 नक़ल करते हैं, **يُضَاهِئُونَ**  
उनकी सी (बातें) करते हैं3692 ज़लमा, ज्ञानियों **أَحْبَار**3693 दुरवेशों, सन्तों **رُهْبَانَ**3694 बुझाना चाहते हैं **يُطْفِئُونَ**  
(vn.: **أَطْفَاءٌ**)3695 नहीं कुबूल करेगा, नहीं मानेगा **يَأْبَى**3696 ग़ालिब कर देगा, **يُظْهِرُ**  
प्रभुत्व प्रदान करेगा

10th पार:	1/2	نصفُ جُزْءٍ: وَأَعْلَمُوا
-----------	-----	---------------------------

3697 जमा करते हैं **يَكْتُمُونَ** (ك ن ز)3698 सोना **ذَهَبٌ**3699 चाँदी **فِضَّةٌ**3700 pv. तपाया जायेगा **يُحْمَى**3701 pv. दाग़ दिया जायेगा **تُكْوَى**3702 पेशानियाँ, माथे, ललाट **جَبَاهُ**  
(sr.: **جَبْهَةٌ**)3703 करवटें **جُنُوبٌ**(sr.: **جَنْبٌ**)3704 खज़ाना जमा करना **كَتَزَ**3705 गिनती **عِدَّةٌ**3706 चार **أَرْبَعَةٌ**3707 मुहतरम (अदब वाले), **حُرْمٌ**3707a चार मुहतरम (ज़ीकादः, **أَرْبَعَةٌ حُرْمٌ**  
ज़िल्हज़्जः, मुह्रम और रजब  
के महीने)3708 इकट्ठे **كَافَّةٌ**3709 महीनों की गिनती **التَّسْئِ**  
आगे पीछे करना3710 मवाफ़िक़त करें, **يُؤَاطِنُوا**  
पूरी करलें, पूर्ति करलें

रुकूऽ	5	v: 8	11	رُكُوع
-------	---	------	----	--------

3711 im. pl. निकलो **انْفِرُوا**3712 pl. तुम बोज़ल हो **انْأَقَلْتُمْ** (ث ق ل)  
जाते हो, तुम ढहजाते हो3713 दुसरा दो में का **ثَانِيِ اثْنَيْنِ**3714 नीची **سُفْلَى**3715 ऊँची **عُلْيَا**3716 हलके (थोड़े सामान के साथ) **خِفَافًا**3717 भारी, बहुत सामान के साथ **ثِقَالًا**3718 असबाब, माल, सामान **عَرَضٌ**3719 दर्मियानी, हल्का **قَاصِدًا**3720 fg. दूर लगी **بُعْدَتٌ**

3721 मशक्कत वाली (कठिन) राह, شُقَّةٌ  
मसाफ़त, लम्बी राह

रुकूऽ	6	v: 5	12	رکوع
-------	---	------	----	------

3722 इजाज़त दी तुने اذنت

3723 इजाज़त माँगता है يَسْتَأْذِنُ

3724 fg. शक में पड़ गये اِرْتَابَتْ

3725 मुतरदिद हुए, يَتَرَدَّدُونَ

सन्देह में रहे

3726 निकलना خُرُوجٌ

3727 तैयार करते वह اَعْدَوْا

3728 सामान तैयार करना عُدَّةٌ

3729 उठना, खड़े होना اِنْبَعَاثٌ

3730 फ़साद, खराबी خَبَالًا

3731 अलबत्ता दौड़ाते لَأَوْضَعُوا

3732 ap. भेदी, سَمَاعُونَ

छुपकर सुननेवाले

3733 बीच तुम्हारे خِلَالِكُمْ

3734 उलट पुलट किया قَبِلُوا

3735 im. इजाज़त दे اِذْنٌ

3736 गिर पड़े वह سَقَطُوا

3737 fg. बुरा लगे, नाखुश करे تَسُوُّ

3738 खुश हुआ فَرِحَ

3739 fg. एक اِحْدَى

3740 dl. दो भलाइयाँ حُسَيْنَيْنِ

3741 खुशी से طَوْعًا

3742 नाखुशी से, अनिच्छापूर्वक كَرْهًا

3743 pl. खर्च نَفَقَاتٍ

3744 काहिली, अनमने كُسَالَى

3745 निकल जाये تَزْهَقَ

3746 डरते हैं يَفْرَقُونَ

3747 पनाह (शरण) की जगह, مَلْجَأٌ

3748 pl. गार مَعَارَاتٍ

3749 घुस कर छुपने की जगह مُدْخَلًا

3750 भाग निकलते हैं يَجْمَحُونَ

3751 ऐब लगाता, एतिराज़ करता يَلْمِزُ

3752 pv. दिये जायें اَعْطُوا

3753 नाराज़ होते हैं يَسْتَخْطُونَ

3754 काफ़ी है हमको حَسْبُنَا

3755 ap. राग़िब होनेवाले, प्रवृत्त رَاغِبُونَ

रुकूऽ	7	v: 17	13	رکوع
-------	---	-------	----	------

3756 ap. pl. काम करने वाले, عَامِلِينَ

कर्मचारियों

3757 (वह जो) उलफ़त दिलाये गए, مُؤَلَّفَةٌ

अनुरक्त किये गए,  
जिनकी तालीफ़ की गई

3758 गर्दन छुड़ाना, رِقَابٍ

- गुलामों को आज़ाद कराना  
 3759 pl. कर्ज़दारों غَارِمِينَ  
 3760 राह का मुसाफिर, यात्री اِبْنُ السَّبِيلِ  
 3761 ईज़ा (दुख) देते हैं يُؤْذُونَ  
 3762 बात सुननेवाला, اَذُنُّ  
 कान का कच्चा

10th पार:		ثلاثة ارباع جزء: وأَعْلَمُوا
-----------	--	------------------------------

- 3763 मुखालिफ़त (विरोध) करेगा يُحَادِدُ  
 3764 बहस करना خَوْضٌ  
 3765 खेलना, हँसी दिल-लगी करना لَعِبٌ  
 3766 ni. pl. मत उज़र बयान لَأ تَعْتَذِرُوا  
 करो, बहाने न बनाओ

रकूऽ	8	v: 7	14	रकوع
------	---	------	----	------

- 3767 हिस्सा, अंश خَلَاقٌ  
 3768 तुम चाल चले خُضْتُمْ  
 3769 pl. उल्टाई हुई बस्तियाँ مُؤْتَفِكَاتٌ  
 3770 fg. आये اَتَتْ  
 3771 बागात हमेशा के, جَنّاتِ عَدْنٍ  
 सदा-बहार बागात

रकूऽ	9	v: 6	15	रकوع
------	---	------	----	------

- 3772 im. सख्ती कर اُعْظُ  
 3773 ऐब लगाया, ऐब जाना نَقَمَ  
 3774 होगा يَكُ  
 3775 लगा दिया اَعْقَبَ

- 3776 खीलाफ़ किया (उन्होंने) اَخْلَفُوا  
 3777 pl. खुशी से करनेवाले, مُطَوِّعِينَ  
 स्वेच्छापूर्वक  
 3778 मेहनत, मज़दूरी جُهْدٌ  
 3779 सत्तर (70) سَبْعِينَ

रकूऽ	10	v: 8	16	रकوع
------	----	------	----	------

- 3780 pp. पीछे रह जानेवाले مُخَلَّفُونَ  
 3781 पीछे خِلَافٌ  
 3782 बैठने पर مَقْعَدٌ  
 3783 गर्मी حَرٌّ  
 3784 हँस लें لِيَضْحَكُوا  
 3785 रो दें لِيَبْكُوا  
 3785 pl. पीछे रह जानेवाले خَالِفِينَ  
 3786 दौलत वाले, اَوْلُو الطَّوْلِ  
 सामर्थ्यवानु  
 3787 घर में रहनेवाली औरतें خَوَالِفُ  
 जो घर के लोग बाहर जाने  
 पर पीछे (घर में) बैठी हों

रकूऽ	11	v: 9	17	रकوع
------	----	------	----	------

- 3788 ap. उज़्र (विवशता) مُعْذِرُونَ  
 बयान करनेवाले  
 3789 देहाती लोग, बद्दु अ़रब اَعْرَابٌ  
 3790 खैरख्वाही की, निष्ठावान نَصْحُوا

- 3791 सवारी दूँ मैं أَحْمِلُ  
3792 आँसू دَمْعٌ  
3793 राह (जुर्म पर सज़ा की) سَبِيلٌ  
3794 pl. दौलतमन्द, धनी सम्पन्न أَغْنِيَاءُ

﴿ पार: 11 جُزْءٌ : يَعْتَذِرُونَ ﴾

- 3795 उज़र बयान करेंगे, बहाने बनायेंगे يَعْتَذِرُونَ  
3796 vn. उज़र करना, बहाना करना اغْتِذَارٌ  
3797 खबरें اَخْبَارٌ  
3798 बहुत करीब, बहुत सम्भव اَجْدَرُ  
3799 जुर्माना, दण्ड مَعْرَمًا  
3800 pl. गर्दिशों, चक्करो, आपत्तियों دَوَائِرُ  
3801 sr. गर्दिश, चक्कर دَائِرَةٌ  
3802 pl. कुरबत, नज़दीकी, समीपता قُرْبَاتٌ  
3803 pl. खैर (अच्छाई) की दुआएँ, आर्शिवाद صَلَوَاتٌ  
3804 sr. कराबत, नज़दीकी, सामीप्य, 3802 قُرْبَةٌ

रुकूऽ	12	v: 10	1	رُكُوعٌ
-------	----	-------	---	---------

- 3805 ap. आगे बढ़ जानेवाले سَابِقُونَ  
3806 आस पास तुम्हारे حَوْلَكُمْ  
3807 सर्कशी की उनहोंने, अड़ गए مَرْدُوا

- 3808 एतिराफ़ किया उन्होंने, स्वीकार कर लिया उन्होंने اعْتَرَفُوا  
3809 मिले-जुले (काम) किये उन्होंने خَلَطُوا  
(कुछ भले कुछ बुरे कर्म)  
3810 im. दुआ दे, रहमत भेज صَلَّ  
3811 तस्कीन, सुकून سَكَنَ  
3812 ढील दिये गये مُرْجَوْنَ  
3813 ढील देना اِرْجَاءٌ  
3814 दौव-घात की जगह اِرْصَادٌ  
3815 लड़ाई की حَارَبَ  
3816 ni. मत खड़े होना لَا تَقُمْ  
3817 बुनयाद रक्खी اَسَسَ  
3818 इमारत بُنِيَانٌ  
3819 किनारे شَفَا  
3820 घाटी جُرْفٌ  
3821 गिरनेवाली هَارٌ  
3822 गिरा (गिर पड़ा, ढह गया) उसके साथ اِنْهَارٌ بِهِ  
3823 नहीं टलेगा, हमेशा रहेगा لَا يَزَالُ  
3824 बनाया उन्होंने بَنَوْا  
3825 शक, खटका, संशय رَيْبَةٌ

रुकूऽ	13	v: 11	2	رُكُوعٌ
-------	----	-------	---	---------

- 3826 ap. pl. हम्द (गुणगान) حَامِدُونَ



- करनेवाले  
3827 *ap. pl.* (खुदा की राह में) **سَائِحُونَ**  
फिरनेवाले  
3828 *ap. pl.* मना करनेवाले, **نَاهُونَ**  
रोकनेवाले  
3829 दर्दमन्द, नर्म दिल, करुणाहृदय **أَوَاهٍ**  
3830 तहम्मूल वाला, सहनशील **حَلِيمٍ**  
3831 वक्त तंगी का, **سَاعَةِ الْعُسْرَةِ**  
कठिन समय में  
3832 तीन (3) **ثَلَاثَةً**  
3833 *pv.* पीछे छोड़ दिये गये **خَلْفُوا**  
3834 *fg.* तंग हो गयी, 3680 **ضَاقَتْ**  
3835 *fg.* कुशादा हुई (विशाल), 3681 **رَحِبَتْ**

रुकूऽ	14	v: 8	3	रुकوع
-------	----	------	---	-------

- 3836 प्यास **ظَمًا**  
3837 मेहनत, थकन, श्रम **نَصَبٌ**  
3838 भूक **مَخْمَصَةٌ**  
3839 चलते हैं, (रौन्दते हैं) **يَطْئُونَ**  
3840 कदम बढ़ाना **مَوْطِنًا**  
3841 पहुँचना, पहुँच कर **نَيْلًا**  
3842 मैदान, वादी, घाटी **وَادِيًا**

रुकूऽ	15	v: 4	4	रुकوع
-------	----	------	---	-------

- 3843 आस-पास (नज़दीक) तुम्हारे **يُلَوِّتُكُمْ**  
3844 सख्ती, कठोरता **غَلْظَةً**

11th पार:	1/4	ربيع جزء: يَتَذَرُونَ
-----------	-----	-----------------------

- 3845 *pv.* आजमाये जाते हैं, **يُفْتَنُونَ**  
कसोटी पर कसे जाते हैं  
3846 हर साल **كُلَّ عَامٍ**  
3847 फेर दिया **صَرَفَ**  
3848 भारी, गिराँ, असहा **عَزِيزٌ**  
3849 तकलीफ़ में पड़ो तुम **عَنْتُمْ**  
3850 शफ़क्कत करनेवाला, **رَعُوفٌ**  
करुणामय  
3851 काफी हैं मुझको **حَسْبِي**  
3851a परवरदिगार, प्रभु, **رَبِّ**  
पालने परवरिश करने वाला  
3852 बड़ा भारी **الْعَرْشِ الْعَظِيمِ**  
तख्त सल्तनत

रुकूऽ	16	v: 7	5	रुकوع
-------	----	------	---	-------

{ سُورَةُ يُوسُفَ }
يُونُسَ <small>عَلَيْهِ السَّلَامُ</small>
سूर: 10 يُونُسَ <small>عَلَيْهِ السَّلَامُ</small>

- 3853 कदम रास्ती और **قَدَمَ صِدْقٍ**  
सदाकत का, सत्य निष्ठों का स्थान  
3854 पहली बार पैदा करता है **يَبْدَأُ**  
3855 सृष्टि, मख़लूख़, पैदाइश **خَلْقٌ**  
3856 दुसरी बार पैदा करता है **يُعِيدُ**  
3857 चमकदार, रौशन **ضِيَاءً**

3858	मुकर्रर कर दी, ठहराई	قَدَرٌ
3859	pl. मंज़िलें, स्थितियाँ (sr.: مَنَزِلٌ)	مَنَازِلٌ
3860	गिन्ती	عَدَدٌ
3861	बरस, साल (sr.: سَنَةٌ)	سِنِينَ
3862	नहीं उम्मीद रखते	لَا يَرْجُونَ
3863	पुकार, दुआ	دَعْوَى
3864	मुलाकात की दुआ, स्वागताभिनन्दन	تَحِيَّةٌ

रुकूऽ	1	v: 10	6	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

3865	जल्दी करे	يُعَجِّلُ
3866	vn. जल्दी मचाना	اسْتَعْجَلَ
3867	करवट पर उसकी	جَنْبِهِ
3868	ap. हद (सीमा, मर्यादा) से निकल जानेवाले	مُسْرِفِينَ
3869	im. ले आ	أَتِ
3870	सिवा इसके	غَيْرِ هَذَا
3871	im. बदल दे	بَدَّلَ
3872	मैं ख़बर देता तुम्हें	أَدْرِكُكُمْ
3873	रहा मैं	لَبِثْتُ
3874	उम्र का एक हिस्सा	عُمْرًا

रुकूऽ	2	v: 10	7	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

3875	जारी होती है, चलती है	جَرَيْنَ
------	-----------------------	----------

3876	तेज़ आँधी	عَاصِفٌ
3877	बगावत करते हैं, सर्कशी करते हैं	يَبْغُونَ
3878	रुवीदगी, वनस्पति	نَبَاتٌ
3879	चमक-दमक	زُخْرُفٌ
3880	कटी हुई	حَصِيدًا
3881	नहीं छायेगी (r ه ق)	لَا يَرْهَقُ
3882	छाजाना, लिपट जाना	رَهَقَ
3883	सियाही, कालिक	فَتْرٌ
3884	ap. बचानेवाला	عَاصِمٌ
3885	pv. उढ़ा दिये गये, लपेट दिये गये	أَغْشَيْتُ
3886	टुकड़े, परत के परत (sr.: قِطْعَةٌ)	قِطَعًا
3887	अँधेरी	مُظْلِمًا
3888	ठैरना है तुमको	مَكَانَكُمْ
3889	फूट डालना, जुदाई डालना	زَيْلٌ
3890	हमको ही	أَيَّانَا
3891	उस जगह, वहाँ	هُنَالِكَ
3892	आज़मा लेगा, जाँच लेगा	تَبْلُوا
3893	fg. पहले कर चुका	أَسْلَفْتُ

रुकूऽ	3	v: 10	8	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

11th पार:		نصف جزء: يَعْتَذِرُونَ
-----------	--	------------------------

- 3894 या कौन है ? **أَمَّنْ**
- 3895 *fg.* हक साबित हुई,  
सत्य सिद्ध हुई **حَقَّتْ**
- 3896 नहीं राह सूझती **لَا يَهْدِي**

रकूऽ	4	v: 10	9	رکوع
------	---	-------	---	------

- 3897 नहीं रहे वह **لَمْ يَلْبَثُوا**
- 3898 एक धड़ी **سَاعَةً مِّنَ النَّهَارِ**  
दिन भर की
- 3899 पहचान लेंगे **يَتَعَارَفُونَ**
- 3900 कब? **مَتَى**
- 3901 रात को, रातों रात **يَيَّاتَانَا**
- 3902 किस चीज़ की **مَاذَا**
- 3903 खबर पूछते हैं **يَسْتَسْتَبْئِنُونَ**
- 3904 हौं **أَي**
- 3905 कसम मेरे रब की **وَرَبِّي**

रकूऽ	5	v: 13	10	رکوع
------	---	-------	----	------

- 3906 नदामत, पछतावा **نَدَامَةً**
- 3907 याद रखो, जान लो **أَلَّا**
- 3908 क्या अललाह ने इजाज़त **اللَّهِ أَذِنَ**  
दी है, हुकम दिया है ?

रकूऽ	6	v: 7	11	رکوع
------	---	------	----	------

- 3909 नहीं होता तू **مَا تَكُونُ**

- 3910 हाल, काम **شَانَ**
- 3911 तुम शरू करते हो, **تُفِيضُونَ**  
तुम मस्रूफ़ होते हो
- 3912 नहीं छुपा हुआ **مَا يَعْزُبُ**
- 3913 ज़यादा छोटा **أَصْغَرَ**
- 3914 अटकल की बात करते हैं **يَخْرُصُونَ**

रकूऽ	7	v: 10	12	رکوع
------	---	-------	----	------

11th पार:	3/4	ثلاثة ارباع جزء: يَعْتَذِرُونَ
-----------	-----	--------------------------------

- 3915 मेरा रहना **مَقَامِي**
- 3916 *vn.* नसीहत करना, चेताना **تَذَكِيرٌ**
- 3917 रंज व ग़म **عُمَّةٌ**
- 3918 डराये जानेवाले,  
जिन्हें चेतावनी दी गई हो **مُنْذَرِينَ**
- 3919 तू फेर दे, उलट दे (ل ف ت) **تَلْفَيْتَ**
- 3920 बड़ाई, सरदारी **كِبْرِيَاءٌ**

रकूऽ	8	v: 12	13	رکوع
------	---	-------	----	------

- 3921 अल्बत्ता बहुत चढ़ गया था, **لُعَالٍ**  
बहुत सिर उठाये था
- 3922 *dl.* जगह बनाओ तुम दोनों **تَبَوَّأَا**
- 3923 *im.* मिटा दे (ط م س) **أَطْمَسُ**
- 3924 *im.* सख़्ती डाल, कठोर कर दे **أَشَدَّدُ**
- 3925 *pv.* कबूल कर ली गयी,  
सुन ली गई **أُجِيبَتْ**

3926 ni. dl. मत इत्तिबा करना, **لَا تَتَّبِعَانَ**  
मत अनुसरण करना  
3927 पा लिया **أَدْرَكَ**  
(vn.: **أَدْرَاكَ**)

3928 जिस्म, शरीर **بَدَن**  

रुकूऽ	9	v: 10	14	رکوع
-------	---	-------	----	------

3929 जगह, ठिकाना **مَبْوًأ**  
3930 पढ़ते हैं **يَقْرَعُونَ**  
3931 नहीं काम आया **مَا تُغْنِي**  
3932 डरानेवाले (sr.: **نَذِيرٌ**) **نَذُرٌ**

रुकूऽ	10	v: 11	15	رکوع
-------	----	-------	----	------

3933 रद करनेवाला, फेरनेवाला **رَادٌّ**  

रुकूऽ	11	v: 6	16	رکوع
-------	----	------	----	------

{ سُورَةُ هُود }

هُود الْحَدِيثُ

سूर: 11 الْحَدِيثُ هُود

3934 pv. मज़बूत व मुहकम **أُحْكِمْتُ**  
की गयी  
3935 pv. तफ़सील (विस्तार) **فُصِّلْتُ**  
से बयान की गयी  
3936 पास (नज़दीक) से **مِنْ لَدُنْ**  
3937 देगा, प्रदान करेगा **يُؤْتِ**  
3938 दोहरा कर लेते हैं, **يَتَنَوَّنُ**

मोड़ लेते हैं  
3939 लपेटते हैं, ढक लेते हैं **يَسْتَعْشُونَ**  
3940 कपड़े (sr.: **ثَوْبٌ**) **ثِيَابٌ**

﴿ جُزء : وَمَامِنْ دَابَّة 12 पार: ﴾

3941 ढील दी हम ने **أَخْرَنَا**  
3942 मुदत गिनी हुई **أُمَّةٌ مَّعْدُودَةٌ**  
3943 किसने रोक लिया **مَا يَحْبِسُ**  
3944 नहीं दूर होगा, **لَيْسَ مَصْرُوفًا عَنْ**  
नहीं फेरा जायेगा, नहीं फुरसत देगा

रुकूऽ	1	v: 8	1	رکوع
-------	---	------	---	------

3945 नाउम्मीद, निराश, हताश **يُؤْسٌ**  
3946 नाशुक्रा, कृतघ्न **كُفُورٌ**  
3947 नेमतें, कृपाएँ **نِعْمَاءٌ**  
3948 इतराने वाला **فَرِحَ**  
3949 शेखी बघारनेवाला **فَخُورٌ**  
3950 ap. छोड़ देनेवाला **تَارِكٌ**  
3951 तंग हो जाता है **ضَائِقٌ**  
3952 बनाई हुई, गढ़ी हुई **مُفْتَرِيَّاتٌ**  
3953 हम पुरा देंगे **نُوفٌ**  
3954 pv. नहीं कम (ब ख स) **لَا يُبْخَسُونَ**  
दिये जायेंगे  
3955 बनाया उन्होंने (ص ن ع) **صَنَعُوا**  
3956 गिरोह, जमाअतें **أَحْزَابٌ**

(sr.: حِزْبٌ)

- 3957 *im.* मत हो لَا تَكُ
- 3958 शक, सन्देह مِرْيَةٌ
- 3959 *pv.* पेश किये जायेंगे (ع رض) يُعْرَضُونَ
- 3960 गवाह أَشْهَادُ
- (sr.: شَهِيدٌ)
- 3961 नहीं शक لَا جَرَمَ
- 3962 बहुत घाटा उठानेवाले الْأَخْسَرُونَ
- 3963 आजिजी की, झुके, नत हुए أَحْبَبْتُوا
- 3964 *dl.* बराबर (यकसाँ) يَسْتَوِيَانِ
- रहे दोनों

رُكُوعٌ	2	v: 16	2	رُكُوعٌ
---------	---	-------	---	---------

- 3965 रज़ील (घटया) लोग, तुच्छजन أَرَادُلُ
- 3966 ज़ाहिर (प्रत्यक्ष) देखने में بَادِي الرَّأْيِ
- 3967 छुपाई गयी, اَعْمِيَتْ
- अन्धापन छा गया
- 3968 हम लाज़िम करदें, लगा दें نُلْزِمُ
- 3969 *ap.* निकालनेवाला, طَارِدٌ
- दूर भगानेवाला, हॉकने वाला
- 3970 *vn.* हॉकना, दूर भगाना طَرِدُ
- 3971 हकीर (तुच्छ) दिखी हैं تَزْدَرِي
- 3972 जुर्म, गुनाह, अपराध اِجْرَامُ
- 3973 मेरा जुर्म, मेरा अपराध اِجْرَامِي

رُكُوعٌ	3	v: 11	3	رُكُوعٌ
---------	---	-------	---	---------

- 3974 *im.* मत ग़म (दुख) कर لَا تَبْتَسُ
- 3975 *im.* बना, तयार कर اصْنَعُ
- (vn.: صَنَعَةٌ)
- 3976 हमारी निगरानी में, اَعْيُنَنَا
- हमारे सामने, हमारी आँखें
- 3977 *ni.* मत बात कर لَا تُخَاطِبْ
- 3978 उतरेगा يَجِلُّ
- 3979 जोश मारा, उबल पड़ा فَارَ
- 3980 नान पकाने का चुल्हा, تَنُورٌ
- तनूर, भटठी
- 3981 *im. pl.* सवार اِرْكَبُوا (ر ك ب)
- हो जाओ
- 3982 चलना उसका مَجْرَهَا
- 3983 थमना उसका, ठहरना उसका مُرْسَاهَا
- 3984 किनारे مَعَزِلٌ
- 3985 मैं जगह लूँगा اَوِي
- 3986 हायल हुई, बीच में आ गई حَالَ
- 3987 *im.* निगल जा اَبْلَعِي
- 3988 *im.* थम जा اَقْلَعِي
- 3989 खुश्क हो गया, सूख गया غِيْضَ
- 3990 आ ठहरी, टिक गई, लगी اسْتَوَتْ
- 3991 एक पहाड़ी का नाम جُودِي

3992 दुर हो रहमत से, लानत हो **بَعْدًا**

12th पार:	1/4	رَبِيعُ جُزْءٍ وَمَأْمِنٌ دَابَّةً
-----------	-----	------------------------------------

3993 मैं नसीहत करता हूँ **أَعِظُ** (و ع ظ)

3994 im. उतर जा **أَهْبِطُ**

रुकूऽ	4	v: 14	4	رुकوع
-------	---	-------	---	-------

3995 आद की कौम जिसकी तरफ **عَاد**

हूद **الطَّاغُوتِ** को भेजा गया

3996 ap. छोड़नेवाले **تَارِكِي**

3997 आसेब पहुँचाया, मुब्तला **اعْتَرَا**

किया, पेश आया

3998 पेशानी **نَاصِيَةٌ**

3999 इन्कार किया **جَحَدَ**

4000 ज़िद्दी, सर्कश, हठी **عَنِيد**

4001 पीछे लगये गए **اُتْبِعُوا**

रुकूऽ	5	v: 11	5	رुकوع
-------	---	-------	---	-------

4002 आवाद किया, बसाया **اسْتَعْمَرَ**

4003 ap. दुआ़ा कुबूल करनेवाला **مُجِيبٌ**

4004 होनहार, जिस से उम्मीद हो **مَرْجُوًّا**

कि वह बडा आदमी बनेगा

4005 नुकसान, टुटा, ख़सारा **تَخْسِيرٍ**

4006 काट डाला उन्होंने **عَقَرُوا**

4007 नहीं झूठ हो सकता **غَيْرُ مَكْذُوبٍ**

4008 जोर की आवाज़ **صِيْحَةٌ**

4009 औंधे गिरे हुए **جَاثِمِينَ**

4010 नहीं रहे वह, बसे ही न थे **لَمْ يَعْثُوا**

रुकूऽ	6	v: 8	6	रुकوع
-------	---	------	---	-------

4011 नहीं देर की **مَا لَبَثَ**

4012 तला हुआ, भुना हुआ **حَنِيدٌ**

4013 नहीं पहुँचता **لَا تَصِلُ**

4014 अनजान हुआ, अपरिचित समझा **نَكِرٌ**

4015 दिल में छुपाया **أَوْجَسَ**

4016 डर, खौफ **خِيفَةٌ**

4017 fg. हँस पड़ी **صَحِكَتْ**

4018 पीछे **وَرَاءَ**

4019 हाय अफ़सोस ! **يَا وَيْلَتِي**

4020 क्या **ءَ**

4021 मैं जन्ूगी (पैदा करूंगी सन्तान) **أَلِدُ**

4022 बुढ़िया **عَجُوزٌ**

4023 शौहर (पति) मेरा **بَعْلِي**

4024 बड़ी उम्र का, बूढ़ा **شَيْخًا**

4025 घर के लोग **أَهْلَ الْبَيْتِ**

4026 गया, दूर हुआ **ذَهَبَ**

4027 घबराहट, भय, संशय **الرُّوعُ**

4028 रूजू होनेवाला, **مُنِيبٌ**

ध्यान लगानेवाला

- 4029 नहीं रद किया (टाला) **غَيْرُ مَرْدُودٍ**  
जा सकता
- 4030 नाखुश (दुखी) हुआ **سَيِّئٍ**
- 4031 तंग हुआ, कठिनाई में पड़ा **ضَاقَ**
- 4032 दिल में **ذَرَعًا**
- 4033 भारी, सख्त, कठिनाई का **عَصِيبٌ**
- 4034 दौड़ आये **يُهِرَعُونَ**
- 4035 मेहमान (अतिथि) मेरे **ضَيْفِي**
- 4036 आदमी भला, सज्जन **رَجُلٌ رَشِيدٌ**
- 4037 हम चाहते हैं **تُرِيدُ**
- 4038 किला मज़बूत,  
सहारा मज़बूत **رُكْنٌ شَدِيدٌ**
- 4039 नहीं पहुँच सकेंगे **لَنْ يَصِلُوا**
- 4040 रात का एक हिस्सा **قِطْعٍ مِّنَ اللَّيْلِ**  
(कुछ रात रहते)
- 4041 *ni.* न पीछे मुड़े **لَا يَلْتَفِتُ**
- 4042 उसका ऊपर का हिस्सा **عَالِيهَا**
- 4043 नीचे उसके **سَافِلِهَا**
- 4044 कंकर **سَجِيلٍ**
- 4045 *pp.* तह ब तह, ताबड़तोड़ **مَنْضُودٍ**
- 4046 *pp.* निशान लगे हुए **مُسَوَّمَةٌ**
- 4047 दूर **بَعِيدٍ**

रुकू	7	v: 15	7	रुकوع
------	---	-------	---	-------

- |           |     |                              |
|-----------|-----|------------------------------|
| 12th पार: | 1/2 | نصف جزء: وَمَا مِنْ دَابَّةٍ |
|-----------|-----|------------------------------|
- 4048 *ap.* दोस्ती रखनेवाला, **وَدُودٍ**
- चाहनेवाला (*vn.*: **وَدَّ**)
- 4049 नहीं समझे हम उसको **مَا نَفَقَهُ**
- 4050 बिरादरी तेरी, भाईबन्दी, **رَهْطِكَ**  
खानदान तेरा
- 4051 पत्थर से मार डालते हम **رَجْمًا**
- 4052 बिरादरी, खानदान, भाईबन्द **رَهْطًا**
- 4053 बहुत अजीज़, अधिक श्रेष्ठ **أَعَزُّ**
- 4054 पीठ पीछे **ظَهْرِيًّا**
- 4055 *im. pl.* मुन्तज़िर रहो,  
राह देखते रहो **ارْتَقِبُوا**
- 4056 राह देखनेवाला, इन्तेज़ार  
करनेवाला **رَقِيبٌ**

रुकू	8	v: 12	8	رुकوع
------	---	-------	---	-------

- 4057 ला खड़ा किया (उतारा) **أَوْرَدَ**
- 4058 घाट (उतरने की जगह) **وَرْدٍ**
- 4059 *pp.* ला खड़ा करने की जगह **مَوْرُودٍ**
- 4060 बख़्शिश, इनाम, पुरस्कार **رَفْدٍ**
- 4061 *pp.* दी जानेवाली बख़्शिश **مَرْفُودٍ**
- 4062 जड़ कटी हुई, उजड़ी **حَصِيدٌ**
- 4063 बरबादी, विनाश, हलाकत **تَسْبِيبٌ**

- 4064 दिन हाज़री का, **يَوْمٌ مَّشْهُودٌ**  
(दिन सामना होने का)
- 4065 बद-बख्त, अभाग **شَقِيٌّ**  
(pl.: أَشْقِيَاءُ)
- 4066 नेक-बख्त, भाग्यवान **سَعِيدٌ**  
(pl.: سَعْدَاءُ)
- 4067 चीख व पुकार **زَفِيرٌ**
- 4068 दहाड़ना, फुन्कारना **شَهِيْقٌ**
- 4069 जब तक कायम रहे **مَا دَامَتْ**  
या रहेंगे
- 4070 करनेवाला, करता **فَعَالٌ**
- 4071 बख्शिश, इनाम, कृपा **عَطَاءٌ**
- 4072 नहीं काटी जायेगी, **غَيْرَ مَجْدُوذٍ**  
अटूट
- 4073 ni. मत हो जा **لَا تَكُ**
- 4074 शक, सन्देह **مِرْيَةٌ**
- 4075 नहीं कम होगा **غَيْرَ مَنْقُوصٍ**  
(पूरा-पूरा)
- |       |   |       |   |       |
|-------|---|-------|---|-------|
| रुकूऽ | 9 | v: 14 | 9 | रुकوع |
|-------|---|-------|---|-------|
- 4076 ni. pl. मत सर्कशी करो, **لَا تَطْعُوْا**  
हद से न बढ़ो
- 4077 ni. pl. मत झुको **لَا تَرْكَنُوْا**
- 4078 dl. दोनों सिरे **طَرْفِيْ**
- 4079 कुछ हिस्सा रात का **زُلْفًا مِّنَ اللَّيْلِ**

- 4080 नेकियाँ, सत्कर्म **حَسَنَاتٌ**
- 4081 बुराईयाँ, दुष्कर्म **سَيِّئَاتٌ**
- 4082 समझदार लोग **أَوْلُوْا بَقِيَّةٍ**
- 4083 pv. दौलत दिये गये, **أَثْرُفُوْا**  
ऐश (सुख-समृद्धि) में किये गये
- 4084 हम साबित (दृढ) रखते हैं **نُثِّبْتُ**
- 4085 दिल तेरा **فُوَادِكَ**

रुकूऽ	10	v: 14	10	रुकوع
-------	----	-------	----	-------

{ سُورَةُ يُوسُفَ }				
يُوسُفَ عَلَيْهِ السَّلَامُ				
سूर: 12 يُوسُفَ عَلَيْهِ السَّلَامُ				

- 4086 ग्यारह (11) **أَحَدَ عَشَرَ**
- 4087 ख़्वाब, स्वप्न **رُءْيَا**
- 4088 ताबीर बताना **تَأْوِيلِ الْأَحَادِيثِ**  
(ख़्वाब की) बातों का (स्वप्नफल)
- |       |   |      |    |       |
|-------|---|------|----|-------|
| रुकूऽ | 1 | v: 6 | 11 | रुकوع |
|-------|---|------|----|-------|
- 4089 ज़बरदस्त जमात, टोली **عُصْبَةٌ**
- 4090 im. pl. डाल दो, छोड़ दो **اطْرَحُوْا**
- 4091 खाली हो जायेगा **يَخْلُ**  
(सिर्फ़ तुमहारी ओर)
- 4092 गहराई वाला (गहरा) **غِيَابَتِ**
- 4093 कुआँ **جُبٌّ**
- 4094 उठालेगा **يَلْتَقِطُ**



- 4095 कोई काफ़ला, **بَعْضُ السَّيَّارَةِ**  
राहगीर, यात्री
- 4096 कल सुबह **عَدَا**
- 4097 पेट भर कर (तृप्त होकर) खाये **يَرْتَعُ**
- 4098 भेड़िया **ذئبٌ**
- 4099 रात को **عِشَاءً**
- 4100 रोते हुए **يَبْكُونَ**
- 4101 हम दौड़ रहे (थे) **نَسْتَبِقُ**
- |           |                              |
|-----------|------------------------------|
| 12th पार: | ثلاثة ارباع حجرة: وغامض دأبة |
|-----------|------------------------------|
- 4102 बात बनाई **سَوَّلَتْ**
- 4103 बहुत अच्छा **جَمِيلٌ**
- 4104 *pp.* जिस से मदद माँगी गयी, **مُسْتَعَانَ**  
मदद देने वाला
- 4105 तुम बयान करते हो **تَصِفُونَ**
- 4106 आगे चलनेवाला, **وَارِدٌ**
- 4107 लटकाया **أَدْلَى**
- 4108 डोल **دَلَوُ**
- 4109 वाह बहुत खूब, खुशखबरी **يَا بُشْرَى**
- 4110 लड़का **غُلامٌ**  
(*pl.*: غِلْمَانٌ)
- 4111 पूँजी, माल **بِضَاعَةٌ**
- 4112 थोड़ा सा, नाकिस, कम **بِخْسٍ**

- 4113 दिरहम की जमा, **دَرَاهِمٍ**  
(उस वक़्त का सिक्के)
- 4114 *ap.* बेरग़बत, बेलगाव **زَاهِدِينَ**
- |       |   |       |    |       |
|-------|---|-------|----|-------|
| रुकूऽ | 2 | v: 14 | 12 | रुकوع |
|-------|---|-------|----|-------|
- 4115 इज़्ज़त (भली प्रकार) से रख **أَكْرَمِي**
- 4116 *fg.* फुसलाया (उस औरत ने) **رَاوَدَتْ**
- 4117 *fg.* बन्द कर लिया **غَلَقَتْ**  
(उस औरत ने)
- 4118 दरवाज़े **أَبْوَابٍ**
- 4119 आ जाओ **هَيْتَ لَكَ**
- 4120 अल्लह की पनाह **مَعَاذَ اللَّهِ**  
(अल्लह बचाये)
- 4121 *fg.* फ़ाड़ डाला (उस औरत ने) **قَدَّتْ**
- 4121a कुरता उसका **قَمِيصَه**
- 4122 *dl.* पाया उन दोनों ने **أَلْفِيَا**
- 4123 उसका शौहर (पति) **سَيِّدَهَا**
- 4124 नज़दीक, समीप **لَدَا**
- 4125 क्या सज़ा है **مَا جَزَاءُ**
- 4126 *pv.* कैद कर दिया जाये (स ज न) **يُسَجَّنَ**
- 4127 *pv.* फाड़ा गया **قُدَّ**
- 4128 आगे से **قَبْلُ**
- 4129 पीछे से **دُبُرٍ**
- |       |   |      |    |       |
|-------|---|------|----|-------|
| रुकूऽ | 3 | v: 9 | 13 | रुकوع |
|-------|---|------|----|-------|

- 4130 ख़वातीन, स्त्रीयों نَسْوَةٌ
- 4131 fg. बहलाती है, फुसलाती है ثُرَاوِدُ
- 4132 जवान, ख़ादिम فَتَى
- 4133 बैठ गया है, घर कर चुका है شَغَفَ
- 4134 तकियेदार मसनदें مَسَكًا
- 4135 चाकू, छुरी سَكِينًا
- 4136 बड़ा (महान) जाना أَكْبَرُنَ  
(उन औरतों ने)
- 4137 बुजुर्गी (महिमा) या पाकी حَاشَ لِلَّهِ  
तो बस अललाह को है
- 4138 मलामत (निन्दा) की لَمْتَنِّيْ
- 4139 बच के रहा, (ع ص م) اسْتَعَصَمَ  
बेदाग़ राहा, अछुता रहा, संयमी
- |       |   |      |    |       |
|-------|---|------|----|-------|
| रुकूऽ | 4 | v: 6 | 14 | رुकوع |
|-------|---|------|----|-------|
- 4140 कैद-ख़ाना, जेल سِجْنُ
- 4141 दो जवान فَتَيَانِ
- 4142 मैं निचोड़ता हूँ (ع ص ر) اَعْصِرُ
- 4143 रोटियाँ خُبْزًا
- 4144 जुदा जुदा, विविध مُتَفَرِّقُونَ
- 4145 pv. सुली दिया जायेगा يُصَلَّبُ  
(Cross: صَلِبٌ)
- 4146 छुटकारा पानेवाला, बचनेवाला نَاجِ

- 4147 चन्द साल, कुछ वर्ष بَضْعَ سِنِينَ
- |       |   |      |    |       |
|-------|---|------|----|-------|
| रुकूऽ | 5 | v: 7 | 15 | رुकوع |
|-------|---|------|----|-------|
- 4148 गायें بَقَرَاتٍ  
(sr.: بَقْرَةٌ)
- 4149 fg. मोटी (mg.: سَمِينٌ) سِمَانٌ
- 4150 सात (7) سَبْعَ
- 4151 pl. दुब्ली, लाग़र عِجَافٍ
- 4152 pl. खुश्क, सूखी يَابِسَاتٍ
- 4153 तुम तफ़सीर बयान करते हो, تَعْبُرُونَ  
ताबीर (स्वप्नफल) बयान करते हो
- 4154 परेशान ख़यालात, أَضْغَاثُ أَحْلَامٍ  
परागन्द ख़्वाब, बेतुकें उड़ते सपने
- 4155 याद किया اِدْرَكَرَ
- 4156 एक मुद्दत के बाद بَعْدَ أُمَّةٍ
- 4157 खेती करोगे तुम تَزْرَعُونَ
- 4158 मुसल्सल, लगातार دَابًّا
- 4158a पस जो तुम काटो فَمَا حَصَدْتُمْ
- 4159 तुम हिफ़ाज़त से تُحْصِنُونَ  
(सुरक्षित) रक्खोगे
- 4160 pv. मेंह बरसाया जायेगा يُغَاثُ
- 4161 शीरा निचोड़ेंगे, يَعْصِرُونَ  
ख़ूब रस निकालेंगे
- |       |   |      |    |       |
|-------|---|------|----|-------|
| रुकूऽ | 6 | v: 7 | 16 | رुकوع |
|-------|---|------|----|-------|

- 4162 क्या हाल है? مَا بَالُ  
 4163 खुल गया, ज़ाहिर हो गया حَصْحَصَ  
 4164 नहीं खियानत की मैंने, لَمْ أَخْنُ  
 (नहीं विश्वासघात किया मैंने)

﴿ پار: 13 جُزء : وَمَا أُبْرِيءُ ﴾

- 4165 नहीं बरी (निर्दोष) مَا أُبْرِيءُ  
 कहता मैं (कि मैं पाक हूँ)  
 4166 हुक्म देनेवाला أَمَارَةٌ (ا م ر)  
 4167 मैं खालिस कर लूँगा اسْتَخْلِصُ  
 (प्रमुखपात्र बना लूँगा)  
 4168 मरतबे वाला (प्रतिष्ठित) مَكِينٌ  
 4168 अमानतदार (विश्वासपात्र) أَمِينٌ  
 4169 मुल्की (धरती के) خَزَائِنُ الْأَرْضِ  
 खज़ाने

रुकूऽ	7	v: 8	1	رکوع
-------	---	------	---	------

- 4170 सामान तैयार किया جَهَّزَ  
 4171 सामान جِهَاز  
 4172 ap. मेहमान्-नवाज़ مُنْزِلِينَ  
 (अतिथिसत्कार करनेवाले)  
 4173 जवान (सिपाही) فِتْيَانِ  
 4174 उनकी पूँजी بِضَاعَتَهُمْ  
 4175 कजावे, رِحَالِ  
 ऊँटों पर सामान लादने के थैले  
 4176 नापकर लावेंगे हम نَكْتَلُ

- 4177 क्या चाहिए (और) हमको مَا نَبْغِي  
 4178 अनाज लायेंगे हम نَمِيرٌ  
 4179 एक ऊँट के बोझ भर كَيْلَ بَعِيرٍ  
 ग़ल्ला

- 4180 कौल व करार (वचन) مَوْتَقًا  
 4181 नहीं काम आऊँगा मैं مَا أُغْنِي عَنْ  
 4182 हाजत, अरमान, अभिलाषा حَاجَةً

रुकूऽ	8	v: 11	2	رکوع
-------	---	-------	---	------

- 4183 जगह दी اَوَى  
 4184 पानी पीने का प्याला سَقَايَةً  
 4185 कजावा, 4175 رَحْلُ  
 ऊँट पर सामान लादने का थैला  
 4186 ऐ काफ़िले वालो! اَيْتِهَآ الْعَيْرُ  
 4187 ap. pl. चोरी करनेवाले (س ر ق) سَارِقُونَ  
 4188 मुक़ाबिल हुए, اَقْبَلُوا  
 पलट कर सामने आये  
 4189 क्या? مَاذَا  
 4190 गुम (खो गई) पाते हो तुम تَفْقِدُونَ  
 4191 हम गुम पाते हैं نَفْقِدُ  
 4192 गीलास पानी पीनेका, صَوَاعِ  
 प्याला  
 4193 एक ऊँट के बोझ حِمْلُ بَعِيرٍ  
 भर (ग़ल्ला)  
 4194 ज़ामिन, उत्तरदायी زَعِيمٌ

4195	शुरू किया	بَدَأَ		
4196	(सामान की) खुरजियाँ, (sr. : थैला, बरतन, खुरजी	أَوْعِيَةَ (وَعَاءٌ		
4197	तदबीर (उपाय) बताई हमने	كِدْنَا		
4198	शाही क़ानून	دِينِ الْمَلِكِ		
रुकूऽ	9	v: 11	3	रुकوع

4199	अलग बैठे	خَلَصُوا
4200	मस्लहत, मशिवरह, विचारविमर्श	نَجِيًّا
4201	हरगिज़ नहीं हटूँगा	لَنْ أَبْرَحَ
4202	तुमने तक्सीर या ज़यादती की	فَرَطْتُمْ
4203	कारवाँ	عَيْرٍ
4204	बात बनायी	سَوَّلَتْ
4205	मूँह फेर लिया उसने	تَوَلَّى عَنْ
4206	हाय अफ़सोस !	يَا أَسْفَى
4207	सफ़ेद हो गई	أَبْيَضَتْ
4208	तु याद में लगा रहेगा	تَفْتُوًّا تَذَكُّرُ
4209	बेकार (गला हुआ)	حَرَضًا
4210	मैं शिकायत पेश करता हूँ	أَشْكُوًّا
4211	बेकरारी (परेशानी) मेरी	بَثِّي
4212	im. pl. ढूँडो, टोह लगाओ ख़बर निकालो	تَحَسَّسُوا
4213	रहमत (दया) अल्लाह की	رَوْحِ اللَّهِ

4214	थोड़ी सी	مُزَجَاةٌ		
4215	im. सदक़ह कर, ख़ैरात कर	تَصَدَّقَ		
4216	पसन्द किया तुझको, फ़ज़ीलत दी तुझको	أَثَرَكَ		
4217	कोई मलामत नहीं, कोई इताब, गिरफ़्त नहीं	لَا تَثْرِيْبَ		
रुकूऽ	10	v: 14	4	रुकوع

4218	बहका (सठियाया) हुआ कहते हो मुझे	تَفَنَّدُونِ
13th पार:		ربعُ جُزْءٍ: وَمَأْبَرِيٌّ

4219	तख्त	عَرْشٍ		
4220	जंगल, सहरा	بَدْوٍ		
4220	im. मिला दे, शामिल करदे	أَلْحِقْ		
4221	नज़दीक उनके, समीप उनके	لَدَيْهِمْ		
4222	हिंस करे तू, चाहे तू	حَرَصْتَ		
रुकूऽ	11	v: 11	5	रुकوع

4223	ढाँकनेवाला, छा जानेवाला	غَاشِيَةً		
4224	pl. आदमी लोग	رَجَالًا		
रुकूऽ	12	v: 7	6	रुकوع

{ سُورَةُ الرَّعْدِ }  
गर्ज (बादलों की)  
सूर: 13 अर-रडद

4225	सुतून, (खम्बे) (sr.:	عِمَادٍ
------	----------------------	---------

4226	खींच बिछाया, फैलाया	مَدَّ					
4227	कितअ, (भूखण्ड), खण्ड, टुकड़े	قَطَعُ					
4228	नज़दीक, आस-पास	مُتَّجَاوِرَاتٍ					
4229	तनादार, एक जड़ से निकली हुई दो शाखें,	صِنَوَانٍ					
4230	ग़ैर तनादार, एकहारा	غَيْرُ صِنَوَانٍ					
4231	तौक	أَغْلَالٍ					
4232	गर्दन	أَعْنَاقٍ					
4233	इबरतनाक सज़ाएँ, कठोर यातनाएँ	مُثَلَّاتٍ					
<table border="1" style="width:100%; text-align:center;"> <tr> <td>रकूऽ</td> <td>1</td> <td>v: 7</td> <td>7</td> <td>रकوع</td> </tr> </table>			रकूऽ	1	v: 7	7	रकوع
रकूऽ	1	v: 7	7	रकوع			
4234	कम होता है	نَغِيضٌ					
4235	बलन्द, उच्च	مُتَعَالٍ					
4236	छुपनेवाला	مُسْتَخْفٍ					
4237	चलनेवाला	سَارِبٌ (س ر ب)					
4238	पहरेदार, पीछे लगे हुए एके बाद दीगरे आनेवाला	مُعَقَّبَاتٍ					
4239	सहायक, कारसाज़	وَالٍ					
4240	उठाता है	يُنْشِئُ					
4241	pl. बादल	سَحَابٍ					
4242	pl. भारी (पानी से लदे)	ثِقَالٍ					
4243	बादलों की गर्ज	الرَّعْدُ					

4244	सख्त पकड़ वाला, प्रबल शक्तिवाला	شَدِيدُ الْمِحَالِ
4245	ap. फैलानेवाला	بَاسِطٌ (ب س ط)
4246	dl. दो हथेलियाँ उसकी	كَفَيْهِ
4247	मूह	فَا
4248	साये, परछाईयाँ	ظِلَالٍ
4249	बह निकले	سَالَتْ
4250	नदी-नाले	أَوْدِيَّةٍ
4251	उठायी	احْتَمَلَ
4252	सैलाब, पानी, बहाव	سَيْلٍ
4253	झाग, फेना	زَبَدًا
4254	चढ़ा हुआ, उठा हुआ	رَابِيًا
4255	तपाते हैं, गरम करते हैं भट्टी लगाते हैं	يُوقِدُونَ
4256	गहने, ज़ेवर	حِلْيَةٍ
4257	नाकारा, व्यर्थ (विनष्ट)	جُفَاءً
4258	स्थायी रहता है, ठहर जाता है	يَمْكُثُ

रकूऽ	2	v: 11	8	रकوع
------	---	-------	---	------

13th पार:	نصف جزء: وما برئ
-----------	------------------

4259	मिलाकर, जोड़कर चलते हैं	يَصِلُونَ
4260.	दफ़ा करते हैं, दूर करते हैं	يَدْرَعُونَ

	(vn.:	دَرَاءٌ			
4261	पिछला घर (परमधाम)	عُقْبَى الدَّارِ			
4262	बहुत अच्छा	نَعْمَ			
4263	तोड़ देते हैं, भंग कर देते हैं	يَنْقُضُونَ			
			9	v: 8	3
			रुकूऽ		

4264	इतमेनान पकड़ते हैं, शान्ति प्राप्त करते हैं	تَطْمِئِنَّ			
4265	खुशहाली, परमानन्द	طُوبَى			
4266	pv. चलाये जाते	سِيرَتْ			
4267	pv. काट दी जाती	قُطِعَتْ			
4268	pv. बात करा दी जाती	كَلَّمَ			
4268a	मुर्दे	مَوْتَى			
4269	सख्त मुसीबत, विपत्ति	قَارِعَةٌ			
4270	उतरेगा	تَحُلُّ			
			10	v:5	4
			रुकूऽ		

4271	मुहलत (ढील) दी मैंने	أَمَلَيْتُ			
4272	im. pl. नाम लो	سَمَوْا			
4273	जयादा सख्त, तकलीफदेह	أَشَقُّ			
4274	बचाने वाला	وَأَقِ			
4275	मेवा, फल	أَكُلُّ			
4276	हमेशा, सदैव	دَائِمٌ			

4277	अंजाम, परिणाम	عُقْبَى			
4278	खुश होते हैं	يَفْرَحُونَ			
			11	v: 6	5
			रुकूऽ		
4279	मिटा देता है	يَمْحُوْا			
4280	मरकजी किताब, मूल पुस्तक	أَمُّ الْكِتَابِ			
4281	कम करना, घटाना	نَقَصٌ			
4282	pl. किनारे	أَطْرَافٍ			
4283	नहीं पीछा करनेवाला, नहीं टालने वाला	لَا مُعَقَّبٌ			
			12	v: 6	6
			रुकूऽ		

{ سُورَةُ إِبْرَاهِيمَ }	
इबराहीम <small>عليه السلام</small>	
सूर: 14 इबराहीम <small>عليه السلام</small>	

4284	अल्लह के दिन	أَيَّامِ اللَّهِ			
			13	v: 6	1
			रुकूऽ		

13th पार:	3/4	ثَلَاثَةٌ أَرْبَاعَ جُزْءٍ: وَمَا بَرَى
-----------	-----	---

4285	राहें हमारी, हमारे मार्ग	سَبِيلَنَا			
	(sr.:	سَبِيلٌ			
4286	तकलीफ दी तुमने हमको	الَّذِي تُمَوَّنَا			
			14	v: 6	2
			रुकूऽ		

4287	नामुराद हुआ, निष्फल रहा	خَابَ			
------	-------------------------	-------	--	--	--

- 4288 ज़िद्दी, हठी, दुराग्रही **عَيْنِد**
- 4289 *pv.* पिलाया जायेगा **يُسْتَقِي**
- 4290 पीप **صَدِيد**
- 4291 धूँट-धूँट पियेगा,  
अटक-अटक कर पियेगा  
(*vn.*: धूँट **جُرْعَةٌ**) **يَتَجَرَّعُ**
- 4292 न करीब होगा,  
नहीं मुम्किन होगा **لَا يَكَادُ**
- 4293 गले से उतरेगा **يُسَيِّغُ**
- 4294 राख **رَمَاد**
- 4295 *fg.* सख्त चले ज़ोर की,  
जोरों से चले **اشْتَدَّتْ**
- 4296 सख्त आँधी का दिन **يَوْمٌ عَاصِفٌ**
- 4297 सामने होंगे **بَرَزُوا**
- 4298 ताबे, पैरो, पीछे चलनेवाले **تَبَعًا**
- 4299 काम आनेवाले **مُغْنُونَ**
- 4300 बेचैनी बताएँ हम **جَزَعْنَا**
- 4301 खलासी, छुटकारा,  
भागने की जगह **مَحِيصٌ**
- |       |   |      |    |       |
|-------|---|------|----|-------|
| रुकूऽ | 3 | v: 9 | 15 | रुकوع |
|-------|---|------|----|-------|
- 4302 *ap.* फरयाद को पहुँचनेवाला,  
मददगार **مُصْرِحٌ**
- 4303 जड़, मूल **أَصْلٌ**
- 4304 पक्की, मज़बूत **ثَابِتٌ**

- 4305 डाली, शाख **فَرْعٌ**
- 4306 उखड़ा-उखड़ा, बेकरार **اجْتَثَّتْ**
- 4306a ठहराव, स्थिरता **قَرَارٌ**
- |       |   |      |    |       |
|-------|---|------|----|-------|
| रुकूऽ | 4 | v: 6 | 16 | रुकوع |
|-------|---|------|----|-------|
- 4307 उतारा उन्होंने **أَحْلَوْا**
- 4308 घर तबाही (हलाकत) का,  
घाटे का घर **دَارَ الْبَوَارِ**
- 4309 दोस्ती **خِلَالٌ**
- 4310 *dl.* फिरनेवाले (दोनों) **دَائِبِينَ**
- 4311 नहीं गिन सकोगे **لَا تُحْصُوا**
- |       |   |      |    |       |
|-------|---|------|----|-------|
| रुकूऽ | 5 | v: 7 | 17 | रुकوع |
|-------|---|------|----|-------|
- 4312 *im.* दूर रख मुझको,  
बचा मुझको **أَجْنِبْنِي**
- 4313 बसाया मैंने **أَسْكَنْتُ**
- 4314 मैदान, वादी, घाटी **وَادٌ**
- 4315 बगैर खेतीवाली **غَيْرِ ذِي ذَرْعٍ**
- 4316 *pp.* इहतिराम के काबिल,  
(पवित्र) **مُحَرَّمٌ**
- 4317 झुकने लगें, अनुरक्त हों **تَهْوِي**
- 4318 बुढ़ापा **كِبَرٌ**
- |       |   |      |    |       |
|-------|---|------|----|-------|
| रुकूऽ | 6 | v: 7 | 18 | रुकوع |
|-------|---|------|----|-------|
- 4319 चढी (फटी) रह जायेंगी **تَشْخَصُ**
- 4320 दौड़ते होंगे **مُهْطِعِينَ**

- 4321 उँचा किये हुए, उठाये مُقْنِعِي
- 4322 निगाहें, नज़रें طَرْفٍ
- 4323 दिल (sr.: فُؤَادٍ) أَفْنِدَةٌ
- 4324 बदहवास, उड़े जाते हुए هَوَاءٌ
- 4325 pv. बदल दी जायेगी تَبَدَّلُ
- 4326 pp. जकड़े हुए लोग مُقَرَّنِينَ
- 4327 जंजीरें أَصْفَادٍ
- 4328 कुरते (पहनने के कपड़े) سَرَائِيلُ
- 4329 गंधक قَطْرَانَ

रुकूऽ	7	v: 11	19	رکوع
-------	---	-------	----	------

﴿ جزء : رَبُّمَا ﴾ पार: 14

{ سُورَةُ الْحِجْرِ }  
हिजर (मूलक का नाम)  
सूर: 15 अल-हिजर

- 4330 बार बार, कभी न कभी, رَبُّمَا  
किसी न किसी समय,
- 4331 गाफ़िल कर दे, भ्रमित रखे يَلِهْهُ  
(vn.: गाफ़िल करना, भरमाना) (الْهَاءُ)
- 4332 क्यों नहीं ? لَوْ مَا
- 4333 गरोह شِيعٍ
- 4334 हम चला देते हैं (س ل ك) نَسَلُكَ

- 4335 छा जायें, हो जायें ظُلُّوا
- 4336 चढ़ने लगेں يَعْرُجُونَ
- 4337 pv. चकरा गई, سُكَّرَتْ  
धोखा दिलाई गई
- 4338 pp. जादु किये गये مَسْحُورُونَ

रुकूऽ	1	v: 15	1	رکوع
-------	---	-------	---	------

- 4339 तारों के महिल्लात, بُرُوجًا  
आकाश के कक्ष या राशियाँ
- 4340 चोरी-छुपे सुनलिया (س رق) اسْتَرَقَ
- 4341 शोला, जलता अंगारा شِهَابٌ
- 4342 खींच बिछाया हमने (फैलाया) مَدَدْنَا
- 4343 पहाड़ رَوَاسِي
- 4344 अन्दाज़े के साथ مَوْزُونَ
- 4345 वोझल कर देनेवाली, لَوَاقِحَ  
(वर्षा लानेवाली)

रुकूऽ	2	v: 10	2	رکوع
-------	---	-------	---	------

- 4346 खनखनाती हुई صَلَّاصًا
- 4347 गारा (कीचड़, حَمًا مَسْنُونًا  
मिट्टी) सड़ी हुई
- 4348 गर्म लपेटें, लू سَمُومٌ
- 4349 हिस्सा جُزْءٌ  
(pl.: أَجْزَاءُ)

रुकूऽ	3	v: 19	3	رکوع
-------	---	-------	---	------

- 4350 pl. अमन से, सुख-शान्ति से آمِنِينَ



- 4351 खफ़गी, मलीनता, कुदूरत **غَلٌّ**
- 4352 *pl.* तख़्त **سُرٌّ**
- (*sr.:* **سَرِيرٌ**)
- 4353 *ap. pl.* आमने-सामने **مُتَقَابِلِينَ**
- 4354 थकन, मेहनत **نَصَبٌ**
- 4355 *im.* ख़बर कर दे, सूचना दे **نَبَأٌ**
- 4356 डरते हैं **وَجَلُونَ**
- 4357 डर लगना, घबराहट होना **وَجَلٌ**
- 4358 पस किस चीज़ से **فِيمَ**
- 4359 नाउम्मीद लोग, निराश **قَانِطِينَ**
- 4360 नाउम्मीद (मायूस, निराश) हुआ **قَنَطًا**
- 4361 क्या मामला है, क्या काम है **مَا خَطْبُ**
- 4362 पीछे रह जानेवाले **غَابِرِينَ**
- |       |   |       |   |      |
|-------|---|-------|---|------|
| रुकूऽ | 4 | v: 16 | 4 | रकوع |
|-------|---|-------|---|------|
- 4363 अनजाने **قَوْمٌ مُنْكَرُونَ**
- (अपरिचित) लोग
- 4364 शक (सन्देह) करते हैं **يَمْتَرُونَ**
- 4365 *im.* ले जा **أَسْرٌ**
- 4366 *im. pl.* चले चलो **أَمْضُوا**
- 4367 *pp.* काटी हुई **مَقْطُوعٌ**
- 4368 *ni. pl.* मत रुसवा **لَا تَفْضَحُونَ**
- (अपमानित) करो मुझे
- 4369 क़सम तेरी जान **لَعْمُرُكَ**

- या ज़िन्दगी की
- 4370 सूरज निकलते ही, **مُشْرِقِينَ**
- पौ फ़टते ही
- 4371 *ap. pl.* फिरासत वाले, **مُتَوَسِّمِينَ**
- कुशाग्रबुद्धि, चहरा पहचानने वाले
- 4372 आबाद सड़क, सीधी राह **سَبِيلٌ مُّقِيمٌ**
- 4373 बन वाले **أَصْحَابُ الْأَيْكَةِ**
- 4374 साफ़ रासता, खुला मार्ग **إِمَامٌ مُّبِينٌ**
- |       |   |       |   |      |
|-------|---|-------|---|------|
| रुकूऽ | 5 | v: 19 | 5 | रकوع |
|-------|---|-------|---|------|
- 4375 तराशते, **يَنْحِتُونَ** (ن ح ت)
- काट-छाँट कर बनाते
- 4376 दोहराई जानेवाली **مَثَانِي**
- 4377 मत लम्बी कर **لَا تَمُدَّنَّ**
- 4377a (दोनों) आँखें तुम्हारी **عَيْنَيْكَ**
- 4378 *im.* बिछादे, झुकी रख **اخْفِضْ**
- 4379 बाजू, बाहें **جَنَاحٌ**
- (*pl.* **أَجْنَحَةٌ**)
- 4380 *ap. pl.* बाँटनेवाले, **مُقْتَسِمِينَ**
- फ़िरके पैदा करनेवाले
- 4381 टुकड़े, अजज़ा, **عَضِينَ**
- खण्ड-विखण्ड
- |           |   |                |
|-----------|---|----------------|
| 14th पार: | ¼ | ربع جزء: ربمّا |
|-----------|---|----------------|
- 4382 *im.* खोलकर सुना दे, **اصْدَعْ**

प्रकट कर दे

4383 मौत (जब कि छुपी हुई **يَقِين**  
चीज़ यकीन में बदल जाती है)

रुकूऽ	6	v: 20	6	रकوع
-------	---	-------	---	------

{ سُورَةُ النَّحْلِ }  
**शहद की मक्खी**  
**सूर: 16 अन-नह्ल**

4384 टपकती बूँद **نُطْفَةٌ**

4385 झगड़नेवाला **خَصِيمٌ**

4386 गर्मी देनेवाला सामान,  
जाड़े के मौसम में बनाये  
जानेवाले गर्म कपड़े **دِفْءٌ**

4387 *pl.* तुम शाम को **ثُرَيْحُونَ**

चराकर वापस लाते हो  
(*vn.*: **أَرَاحَةٌ**)

4387a *pl.* सुबह चराने **تَسْرَحُونَ**

बाहर ले जाते हो

4388 घोड़े **خَيْلٌ**

4389 खच्चर (*sr.*: **بَعْلٌ**) **بَعَالٌ**

4390 गधे (*sr.*: **حِمَارٌ**) **حَمِيرٌ**

4391 सीधा रास्ता **قَصْدُ السَّبِيلِ**

4392 हक से फेरनेवाला,  
कज, टेढ़ा **جَائِرٌ**

रुकूऽ	1	v: 9	7	रकوع
-------	---	------	---	------

4393 तुम जानवरों को चराते हो **تَسِيمُونَ**

4394 रंग (*sr.*: **لَوْنٌ**) **أَلْوَانٌ**

4395 ताज़ा, हरी-भरी **طَرِيًّا**

4396 *pl.* तुम निकालते हो **تَسْتَخْرِجُونَ**

4397 गहना, ज़ेबरात, रत्न **حِلْيَةٌ**

4398 *ap.* पानी को चीरनेवाली **مَوَاحِرٌ**

4399 कि **أَنَّ**

4400 हिल जाये, ढलक जाये **تَمِيدٌ**

4401 निशानियाँ, चिह्न,  
Landmarks **عَلَامَاتٌ**

4402 कब **أَيَّانٌ**

रुकूऽ	2	v: 12	8	रकوع
-------	---	-------	---	------

4403 इन्कार करनेवाले,  
अनजान होने वाले **مُنْكَرَةٌ**

4404 नहीं शक, निस्सन्देह **لَا جَرَمَ**

4405 कहानीयाँ **أَسَاطِيرٌ**

4406 बोझ (पाप का भार) **أَوْزَارٌ**

(*sr.*: **وَزْرٌ**)

रुकूऽ	3	v: 4	9	रकوع
-------	---	------	---	------

4407 इमारत **بُنْيَانٌ**

4408 *pl.* नीव, बुनियाद इमारत की **قَوَاعِدٌ**

(*sr.*: **قَاعِدَةٌ**)

4409 गिरा **خَرَّ**

4410 छत **سَقْفٌ**

- 4411 *im.* तुम झगड़ते,  
मुख़ालिफ़त करते
- 4412 *ap. pl.* जुल्म करनेवाले
- 4413 पाकीज़ा, सुथरे लोग
- 4414 उलट पड़ा,  
घेर लिया, आ दबोचा

रुकूऽ	4	v: 9	10	रकوع
-------	---	------	----	------

- 4415 सख्त कसमें

रुकूऽ	5	v: 6	11	रकوع
-------	---	------	----	------

- 4416 याद या ज़िक्र वाले  
(किताब वाले)
- 4417 कुरआन से पहले की  
छोटी किताबें

14th पार:		نصف جزء: رُبْعًا
-----------	--	------------------

- 4418 धंसा देगा
- 4419 चलत-फिरत
- 4420 डरना, खटका
- 4421 झुकते हैं, नत होते हैं,  
फिरते हैं

- 4422 *pl.* आज़िज़, ज़लील, विनम्र

रुकूऽ	6	v: 10	12	रकوع
-------	---	-------	----	------

- 4423 लाज़िम, हमेशा को, स्थायी
- 4424 *pl.* तुम फ़रयाद करते हो,  
गिड़गिड़ाते हो
- 4425 काला, सियाह

تُشَاقِقُونَ

ظَالِمِينَ

طَيِّبِينَ

حَاقٍ

جَهْدَ أَيْمَانٍ

أَهْلَ الذِّكْرِ

زُبُرٍ

نصف جزء: رُبْعًا

يَخْسِفُ

تَقَلُّبًا

تَخَوُّفٍ

يَتَفَيَّؤُنَّ

دَاخِرُونَ

رَكْعَةٍ

وَأَصْبَابًا

تَجْتَرُونَ

مُسَوِّدًا

- 4426 ग़मगीन, ग़म से भरा हुआ

- 4427 छुपा फिरता है,

- 4428 लिये रहे, थामे रहे

- 4429 ज़िल्लत, अपमान, बदनामी

- 4430 गाड़ दे

- 4431 मिट्टी

- 4432 बयान करती है

- 4433 ज़बानें

- 4434 बढ़ा दिये गये,  
चला दिये गए

- 4435 गोबर

- 4436 दूध

- 4437 भला, सुखकर, सुखद,  
गले में आसानी से उतरनेवाला

- 4438 नशेवाली चीज़

- 4439 शहद की मक्खी

- 4440 नर्मी से, आज्ञानुवर्ती

- 4441 नाकारा, निकम्मी

- 4442 ताकि नहीं

كَظِيمٌ

يَتَوَارَى

يُمْسِكُ

هُونٌ

يُدْسُ

تُرَابٍ

رَكْعَةٍ

تَصِفُ

اللِّسَنَةَ

مُفْرَطُونَ

رَكْعَةٍ

فَرْثٍ

لَبَنًا

سَائِعًا

سَكْرًا

نَحْلٍ

ذُلًّا

أَرْدَلًا

لِكَيْلًا

रुकूऽ	9	v: 5	15	रुकوع
-------	---	------	----	-------

4443	pv. फजीलत दिये गये, बढ़ोजी दी गई	فُضِّلُوا
4444	ap. फेर देनेवाले	رَادِّي
4445	बेटे	بَنِينَ
4446	पोते	حَفَدَةَ
	(sr.: حَفِيدًا)	

4447	ni. pl. मत (ضرب) बयान करो	لَا تَضْرِبُوا
4448	गुलाम पराये बस का, गुलाम दूसरे के इख्तियार में, (परवश)	عَبْدًا مَمْلُوكًا
4449	गूँगा	أَبْكُمْ
	(pl.: بُكُمْ)	

4450	बोझ, भार	كُلٌّ
4451	जहाँ कहीं भी	أَيْنَمَا
4452	भेजता है उसको	يُوجِّهُهُ

रुकूऽ	10	v: 6	16	रुकوع
-------	----	------	----	-------

4453	झपकना पलक का, निमेषमात्र	لَمَحِ الْبَصْرِ
4454	फ़ज़ा, आसमान और ज़मीन का दर्मियानी हिस्सा (आकाशमण्डल)	جَوْ
4455	रहने की जगह	سَكْنَا
4456	चमड़े	جُلُودًا

(sr.: جِلْدًا)

4457	तुम हलका पाते हो	تَسْتَحِفُّونَ
4458	कूच करना, सफ़र, प्रस्थान करना	ظَعْنَ
4459	ऊन (sr.: صُوفٌ)	أَصْوَافَ
4460	ऊँट के या भेड़ के बाल	أَوْبَارَ
	(sr.: وَبُرٌّ)	

4461	बाल (बकरियों के) या रूयें	أَشْعَارَ
	(sr.: شَعْرٌ)	

4462	सामान, असबाब	أَثَانًا
4463	पनाह की जगह, छिपने की जगह	أَكْنَانًا

रुकूऽ	11	v: 7	17	रुकوع
-------	----	------	----	-------

4464	pv. उज़्र कबूल किये जायें, विवशता बताने का अवसर दिये जायें	يُسْتَعْتَبُونَ
------	--	-----------------

14th पार:	3/4	ثلاثة ارباع جزء: رُبْمَا
-----------	-----	--------------------------

4465	साफ़-साफ़ बयान करनेवाली	تَيَّيَانًا
------	-------------------------	-------------

रुकूऽ	12	v: 6	18	रुकوع
-------	----	------	----	-------

4466	मज़बूती, (पक्की करना)	تَوَكِيدًا
4467	ज़मिन, ज़मानतदार	كَفِيلًا
4468	सूत कातना	عَزْلًا

- 4469 रेज़ा-रेज़ा, टुकड़-टुकड़े **أُنكَاثًا**  
 4470 बढी हुई **أَرَبِي**  
 4471 डगमगा जाये, फिसल जाये **تَزَلَّ**  
 4472 खत्म हो जायेगा **يَنْفَدُ** (ن ف د)  
 4473 रहनेवाली, बाकी, (अमिट) **بَاقٍ**

रुकूऽ	13	v: 11	19	रकوع
-------	----	-------	----	------

- 4474 ग़ैर अरबी **أَعْجَمِيٌّ**  
 (अरब से बाहर देश की)  
 4475 *pv.* मजबूर (विवश) किया गया **أُكْرِهَ**  
 4476 दोस्त रखा उन्होंने, **اسْتَحْبُوا**  
 पसन्द किया उन्होंने  
 4477 *pv.* आजमाइश में डाले गये **فُتِنُوا**

रुकूऽ	14	v: 10	20	रकوع
-------	----	-------	----	------

- 4478 भूक का लिबास **لِبَاسُ الْجُوعِ**  
 (अकाल में ग्रस्त)

रुकूऽ	15	v: 9	21	रकوع
-------	----	------	----	------

- 4479 नहीं हुआ **لَمْ يَكُ**  
 4480 बदला लो तुम, सज़ा दो **عَاقِبْتُمْ**  
 4481 *pv.* सताये गये तुम, **عُوقِبْتُمْ**  
 तुम पर ज़्यादती की गयी

रुकूऽ	16	v: 9	22	रकوع
-------	----	------	----	------

﴿ **पार: 15** جُزْءٌ : سُبْحَانَ الَّذِي

{ سُورَةُ بَنِي إِسْرَائِيلَ }  
**याकूब عليه السلام की औलाद**  
**सूर: 17 बनी-इसराईल**

- 4482 रात को ले गया **أَسْرَى**  
 (أَسْرَى؛ يُسْرِي؛ اسْرَاءُ)  
 4483 मस्जिद **الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ**  
 मक्का मुकर्रम: की, (बैतुल्लाह)  
 4484 मस्जिदे **الْمَسْجِدِ الْأَقْصَى**  
 बैतुल्मुक़दस  
 4485 जंगजू सख्त, **بَأْسٍ شَدِيدٍ**  
 खूब लड़नेवाले  
 4486 घुस पड़े **جَاسُوا**  
 4487 बीच घरों के **خِلَالَ الدِّيَارِ**  
 4488 ग़ल्बा, प्रबलता **كَرَّةٍ**  
 4489 जमात, लश्कर, जत्था **نَفِيرًا**  
 4490 *pl.* बुराई की तुमने **أَسَأْتُمْ**  
 4491 वीरान कर देंगे, **يُتَبِّرُونَ**  
 नष्ट कर देंगे  
 4492 वीरान करना, **تَنْبِيرًا**  
 खूब कुचल कर तबाह कर देना  
 4493 *pl.* तुम (दुबारा) करोगे **عُدْتُمْ**  
 (عَادَ؛ يَعُودُ؛ عُوْدًا)  
 4494 हम भी वही करेंगे **عُدْنَا**  
 4495 कैदखाना **حَصِيرًا**

रुकूऽ	1	v: 10	1	رکوع
-------	---	-------	---	------

4496	वे नूर कर दिया हमने, ढाँक दिया, (अँधेरा बना दिया)	مَحُونَا
4497	लगा दिया हमने	الزَمْنَا
4498	नामए-अज़माल (कर्मपत्र)	طَائِرَ
4499	pp. खुली हुई	مَنْشُورًا
4500	हुकम देते हैं हम	أَمْرَنَا
4501	खूब तबाह कर दिया	دَمَّرَ
4502	खूब तबाह करना	تَدْمِيرًا
4503	ap. जल्दी होनेवाली (जल्दी मिलनेवाली, दुनिया)	عَاجِلَةً
4504	pp. बुरे हाल, फिटकारा हुआ	مَذْمُومًا
4505	pp. धक्के दिया हुआ धुतकारा हुआ	مَذْحُورًا
4506	pp. क़दर-दानी की गयी क़दर के काबिल	مَشْكُورًا
4507	pp. रुकी हुई, बन्द, रोकी हुई	مَحْظُورًا
4508	फ़ज़ीलत, बुजुर्गी, श्रेष्ठता	تَفْضِيلًا
4509	pp. हलाकत में छोड़ा हुआ, वे यार व मददगार	مَخْذُولًا

रुकूऽ	2	v: 12	2	رکوع
-------	---	-------	---	------

4510	हुकम दिया, फैसला किया	قَضَى
4511	सिर्फ़ उसी को	أَيَّاهُ

4512	dl. वह दोनों	كِلَا هُمَا
4513	im. मत झिड़क	لَا تَنْهَرْ
4514	वा-अदब, इज़ज़त से	كَرِيمًا
4515	आजिजी, विनम्रता, इनकिसारी	ذُلٌّ
4516	dl. पाला उन दोनोंने मुझको	رَبِّيَانِي
4517	छोटे पन में	صَغِيرًا
4518	ap. रुजूअ होनेवालों, पलद आने वाले	أَوَابِينَ
4519	im. दे	ات
4520	ni. मत फुज़ूल खर्च कर	لَا تُبْذِرْ
4521	फुज़ूल खर्ची करना	تَبْذِيرًا
4522	ap. फुज़ूल खर्ची करने वाले, बेजा पैसा उड़ानेवाले	مُبْذِرِينَ
4523	pl. तू उम्मीद रखता है	تَرْجُوًا
4524	pp. आसान	مَيْسُورًا
4525	pp. तंग, बँधा हुआ, संकुचित	مَعْلُوءَةً
4526	pp. मलामत किया हुआ, निन्दित	مَلُومًا
4527	pp. पछताया हुआ	مَخْسُورًا

रुकूऽ	3	v: 8	3	رکوع
-------	---	------	---	------

4528	मुफ़लिसी, ग़रीबी	أَمْلَاقَ
4529	ख़ता, गुनाह, पातक	حِطًّا

4530	pp. मदद दिया जानेवाला	مَنْصُورًا
4531	तराजू	قِسْطَاسٌ
4532	ni. मत पीछे चल	لَا تَقْفُ
4533	ni. मत चल	لَا تَمْشِ
4534	अकड़ता हुआ	مَرَحًا
4535	लम्बाई	طُولًا
4536	नापसन्द, नागवार	مَكْرُوهًا
4537	माबूद (पुज्य) दूसरा	الَهَا آخَرَ
4538	pv. डाल दिया जाये तू	تُلْقَى
4539	मुन्तखब किया, पसन्द किया, चुन लिया	أَصْفَى

रुकूऽ	4	v: 10	4	रकوع
-------	---	-------	---	------

4540	pp. छुपा हुआ	مَسْتُورًا
4541	हिजाब, पर्दा, ओट	أَكِنَّةٌ
4542	बोझ, डाट	وَقْرًا

15th पार:	1/4	رَبِيعُ جُزْءٍ: سُبْحَانَ الَّذِي
-----------	-----	-----------------------------------

4543	हड्डियाँ (sr.: عَظْمٌ)	عِظَامًا
4544	गली हुई, बोसीद:	رَفَاتًا
4545	नया (नये सिर से)	جَدِيدٌ
4546	सर मटकाते (मुंडी हिलाते)	يُنْغِضُونَ
	(vn.: सर मटकाना, اِنْعَاضٌ)	

रुकूऽ	5	v: 12	5	रकوع
-------	---	-------	---	------

4547	झगड़ा या बसवसा डाल	يَنْزَعُ
	देता है, बुरा खयाल (दुष्प्रेरणा)	
	डाल देता है	
4548	pl. दावा (गुमान) करते थे तुम	زَعَمْتُمْ
4549	बदल डालना	تَحْوِيلًا
4550	pp. डरने के लायक	مَحْذُورًا
	खौफ़ किया गया	
4551	pp. लिखा हुआ	مَسْطُورًا
4552	खौफ़ (भय) दिलाने को	تَخْوِيفًا
4553	pp. fg. लानत किया हुआ	مَلْعُونَةً

रुकूऽ	6	v: 8	6	रकوع
-------	---	------	---	------

4554	बड़ाई दी (श्रेष्ठता दी) तूने	كَرَّمْتَ
4555	ठील दी तुने	آخَرْتَ
4556	काबू में ले कर (ح ن ك)	أَحْتَكَنَ
	चट कर जाऊँगा	
4557	पूरी, भरपूर	مَوْفُورًا
4558	बहका दे, बिचका दे	اسْتَفْرَزَ
4559	im. खींच बुला	أَجْلَبَ
4560	सवार (घोडा)	خَيْلٌ
4561	प्यादे	رَجَلٌ
4562	im. शरीक हो जा, साझ लगा	شَارِكٌ
4563	im. वादा दे, वादा कर	عِدٌّ
4564	चलाता है	يُزْجِي

4565 और बार, दोबारा تَارَةً أُخْرَى

4566 सख्त तूफ़ान قَاصِفًا

4567 पीछा करने वाला (हिमायती) تَبِيعًا

रुकूऽ	7	v: 10	7	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

4568 करीब था तू كِدْتَّ

4569 झुक जाता تَرَكُنُ

4570 चखाते हम اَذَقْنَا (ذوق)

4571 दो गुना, डबल ضِعْفٍ

रुकूऽ	8	v: 7	8	रुकوع
-------	---	------	---	-------

4572 सूरज का ढलना دُلُوكِ الشَّمْسِ

4573 अँधेरी, तारीकी عَسَقَ

4574 im. तहज्जुद अदाकर,  
जाग उठ (स्वाध्याय कर)

4575 (फ़र्ज से) ज़ायद, (अधिक) نَافِلَةً

4576 मक़ाम तारीफ़ के  
क़ाबिल, प्रशंसनीय स्थान مَقَامًا مَّحْمُودًا

4577 गुम हो गया, गया-गुज़रा زَهَقَ

4578 गुम होनेवाला, नाशवान् زَهُوقًا

4579 दूर कर लिया,  
फेर लिया, विमुख हुआ نَا

4580 करवट جَانِبٍ

4581 तरीक़ा, शक़्ल, पद्धति شَاكِلَةً

4582 ap. मददगार, सहायक ظَهِيرًا

4583 चश्मा, सोता يَنْبُوعًا

4584 फाड़ निकालना تَفْجِيرًا

4585 गिरादे तू تُسْقِطُ (س ق ط)

4586 टुकड़ा كِسْفًا

4587 मददे मुक़ाबिल, सामने قَبِيلًا

4588 चमकदार, आराएश, सोना, زُخْرُفٌ

स्वर्णम

4589 चढ़ जाए तू تَرَقَى

4590 चढ़ना رُقَى

रुकूऽ	10	v: 9	10	रुकوع
-------	----	------	----	-------

4591 आराम से,  
इत्मीनान से (बसते) مُطْمَئِنِّينَ

4592 आदमी بَشَرٌ

4593 fg. बुझने लगे, धीमी होने लगे خَبَتْ

4594 दहकती आग سَعِيرًا

15th पार:	نصف جزء: سُبْحَانَ الَّذِي
-----------	----------------------------

4595 तंगदिल, कंजूस قَتُورًا

रुकूऽ	11	v: 7	11	रुकوع
-------	----	------	----	-------

4596 pp. तबाह किया गया مَثْبُورًا

4597 चैन न लेने दे उनको,  
निकाल दे उनको يَسْتَفْزِهُمُ



- 4598 लपेट कर لَفِيْفًا
- 4599 जुदा जुदा (बयान) किया हमने فَرَقْنَا
- 4600 ठहर ठहर कर,  
वकफ़ा देकर, धीरे धीरे مُكْثِ
- 4601 गिर पड़ते हैं يَخْرُوْنَ
- 4602 सज्दा करते हुए سَجَدًا
- 4603 ठूड़ियाँ اَذْقَانَ
- 4604 रोते हैं يَبْكُوْنَ (ب ك ي)
- 4605 जिस (नाम) से भी, जिस को اَيَّامًا
- 4606 ni. बड़ी आवाज़ न कर  
(न चिल्लाकर) لَا تَجْهَرُ
- 4607 ni. मत चुपके चुपके से  
(न बिलकुल धीरे) لَا تُخَافِتْ
- 4608 दरमियानी, बीच की بَيْنَ
- 4609 इसके ذَلِكْ
- 4610 राह سَبِيلًا
- (pl.: سُبُل)
- 4611 कमज़ोरी, ज़िल्लत ذُلَّ

रुकूऽ	12	v: 11	12	रुकوع
-------	----	-------	----	-------

{ سُورَةُ الْكَهْفِ }

ग़ार, गुफ़ा

सूर: 18 अल-कहफ़

- 4612 रहनेवाले مَا كَيْنَ

- 4613 ap. हलाक करनेवाला بَاخِعٌ
- 4614 पीछे اَثَارٌ
- 4615 ज़मीन बन्जर صَعِيْدًا جُرْزًا
- 4616 ग़ार, गुफ़ा اَلْكَهْفِ
- 4617 खोदी हुई, खोह رَقِيْمٌ
- 4618 नौजवानों की टोली فِتِيَّةٌ
- 4619 im. तैयार कर दे هَيَّيْ
- 4620 dl. दो गरोह حَرْبَيْنِ
- 4621 खूब गिननेवाला اَحْصَى
- 4622 रहे वह لَبَثُوا
- 4623 मुद्दत, अवधि اَمَدًا

रुकूऽ	1	v: 12	13	रुकوع
-------	---	-------	----	-------

- 4624 बाँध दिया हमने رَبَطْنَا
- 4625 बात बेजा, हक़ के खिलाफ,  
अनुचित شَطَطًا
- 4626 im. pl. अलग हुए तुम اَعْتَرَلْتُمْ
- 4626 अलग होना, तटस्थ होना اَعْتَرَلَ
- 4627 पनाह (शरण) लो, जगह पकड़ो فَاوُوْ
- 4628 दुरुस्त करे, तैयार करे يَهَيِّئْ
- 4629 आराम का सबब, सुभीतेवाला مِرْفَقًا
- 4630 fg. तुलज़ (उदय) हो طَلَعَتْ
- 4631 fg. झुक जाता है تَرَاوَرُ

4632	दाहनी तरफ	ذَاتَ الْيَمِينِ					
4633	fg. गुरुब (अस्त) हो	غَرَبَتْ					
4634	fg. कतरा जाता है	تَقَرَّضُ					
4635	बायीं तरफ	ذَاتَ الشِّمَالِ					
4636	मैदान, कुशादा जगह	فَجْوَةٌ					
4637	ap. राह बतानेवाला	مُرْشِدًا					
		<table border="1" style="display: inline-table;"> <tr> <td>रुकूः</td> <td>2</td> <td>v: 5</td> <td>14</td> <td>रकوع</td> </tr> </table>	रुकूः	2	v: 5	14	रकوع
रुकूः	2	v: 5	14	रकوع			
4638	जागते हुए	أَيْقَاطًا					
4639	सोये हुए	رُقُودًا					
4640	करवट बदलवाते हैं हम	نُقَلِّبُ					
4641	ap. फैलानेवाला, पसारा हुआ	بَاسِطًا					
4642	dl. दोनों हाथ उसके	ذِرَاعَيْهِ					
4643	चौखट, दहलीज़	وَصِيدًا					
4644	झांके तू	أَطَّلَعْتَ					
4645	पलट जाय तू	وَلَيْتَ					
4646	भागकर	فِرَارًا					
4647	pv. भर दिया जाये तू (तुझ में समा दी जाये)	مِلْتًا					
4648	सिक्का	وَرَقًا					
4649	बारीक तदबीर करता हुआ, हुश्यारी से	لَيْتَاطَفًا					
4650	जता दे, सूचना दे	يُسْعِرَنَّ					
4651	इत्तिला दी हमने,	أَعَثَرْنَا					

	सूचित कर दिया हमने						
4651a	ni. बहस मत कर, हुज्जत में मत पड़	لَا تُمَارِ					
4652	बहस करना, हुज्जत में पड़ना	مِرَاءً					
		<table border="1" style="display: inline-table;"> <tr> <td>रुकूः</td> <td>3</td> <td>v: 5</td> <td>15</td> <td>रकوع</td> </tr> </table>	रुकूः	3	v: 5	15	रकوع
रुकूः	3	v: 5	15	रकوع			
4653	जगह पनाह की, शरणस्थल	مُنْتَحِدًا					
4654	हमने गाफिल कर दिया	أَغْفَلْنَا					
4655	हद (सीमा) से बढ़ा हुआ	فُرْطًا					
		<table border="1" style="display: inline-table;"> <tr> <td>15th पार:</td> <td>3/4</td> <td>ثَلَاثَةُ أَرْبَاعٍ مَجْزَاءً: مَسْبُحَانَ الَّذِي</td> </tr> </table>	15th पार:	3/4	ثَلَاثَةُ أَرْبَاعٍ مَجْزَاءً: مَسْبُحَانَ الَّذِي		
15th पार:	3/4	ثَلَاثَةُ أَرْبَاعٍ مَجْزَاءً: مَسْبُحَانَ الَّذِي					
4656	कनातें, पतं	سُرَادِقًا					
4657	फरयाद करें वह	يَسْتَعِثُّونَا					
4658	pv. फरयाद पूरी की जायेगी उनकी	يُعَاثُونَ					
4659	पिघला हुआ तांबा	مُهْلًا					
4660	भून डालेगा	يَشْوِي					
4661	ठहरने (विश्राम) की जगह, फायदा उठाने की जगह,	مُرْتَفَقًا					
4662	pv. पहनाये जायेंगे	يُحَلَّلُونَ					
4663	कंगन	أَسَاوِرَ					
4664	कपड़े	ثِيَابًا					
4665	बारीक रेशम	سُنْدُسًا					
4666	मोटा रेशम	اسْتَبْرَقًا					
4667	मसहरियाँ, तखत	أَرَانِكَ					

रुकूऽ	4	v: 9	16	रुकوع
-------	---	------	----	-------

4668 घेर दिया हमने حَفَفْنَا

4669 dl. पूरा दिया दोनों ने كَلَّمْنَا

4670 दोनों के बीच में خِلَالَهُمَا

4671 सवाल व जावाब करता, يُحَاوِرُ

4672 बहुत गालिब, अधिक प्रबल أَعَزُّ

4673 मजमा, जनसमूह نَفَرًا

4674 कि तबाह हो जायेगा أَنْ تَبِيدَ

4675 कमतर, थोड़ा أَقَلِّ

4676 चक्कर, गर्दिश, حُسْبَانًا

4677 ज़मीन सफ़ाचट, صَعِيدًا زَلْفًا

4678 (धरती में) समा जाय, खुश्क غَوْرًا

4679 इख्तयार, हुकम चलना وَلَايَةٌ

	5	v: 13	17	रुकوع
--	---	-------	----	-------

4680 चुरा चुरा هَشِيمًا

4681 आरजू, आशा, इच्छा أَمَلًا

4682 ap. fg. साफ़ निकली हुई, प्रकट بَارِزَةً

4683 नहीं छोड़ेंगे हम لَنْ نُعَادِرَ

4684 pv. पेश किये गये عُرِضُوا

4685 pv. रख दिया जायेगा وَضِعَ

4686 ap. pl. डरने वाले, مُشْفِقِينَ

फटे पड़ने वाले

4687 नहीं छोड़ेगा لَا يُعَادِرُ

रुकूऽ	6	v: 5	18	रुकوع
-------	---	------	----	-------

4688 बाजू, हाथ (सहायक) عَضُدًا

4689 हलाकत (तबाही) का गढ़ा مَوْبِقًا

4690 गिरनेवाले مُوَاقِعُوا

रुकूऽ	7	v: 4	19	रुकوع
-------	---	------	----	-------

4691 झगड़ालू, उपद्रवी جَدَلًا

4692 बिचला दें, يُدْحِضُوا (د ح ض)

डिगा दें, फिसला दें

4693 पनाह की जागह, शरणस्थल مَوْتِلًا

रुकूऽ	8	v: 6	20	रुकوع
-------	---	------	----	-------

4694 नहीं रूकने का मैं لَا أَبْرَحُ

4695 दो समंदरों (समुद्रों) مَجْمَعِ الْبَحْرَيْنِ

के मिलने की जगह (संगम)

4696 चलता रहूँगा أَمْضِي

4697 लमबी मुद्दत तक حُفْبًا

4698 मछली (pl.: حَيْتَانٌ) حَوْتُ

4699 सुरंग سَرَبًا

4700 जगह ली हमने أَوَيْنَا

4701 पत्थर صَخْرَةً

4702 निशान देखते हुए قَصَصًا

रुकूऽ	9	v: 11	21	रकوع
-------	---	-------	----	------

4703 भारी امراً

4704 ni. मत डाल لَأ تُرْهِقَ

4705 dl. चले दोनों انْطَلَقَا

4706 भारी बात شَيْئًا امْرَأً

4706 अजीब बुरानी बात, अद्भूत दुष्कर्म شَيْئًا تُكْرَأُ

﴿ پار: 16 جُزء : قَالَ اَلَمْ ﴾

4706 नहीं कर सकेगा तू لَنْ تَسْتَطِيعَ

4707 dl. खाना तलब किया उन दोनों ने اسْتَطَعَمَا (ط ع م)

4708 इन्कार किया उन्होंने اَبَوْا

4709 मेहमानी (आतिथ्य) करें يُضَيِّفُوا

4710 दीवार جِدَار

4711 छीन लेना, ज़ब्त कर लेना غَصَبًا

4712 लपेट देना, असर डालना رَهَقَ

रुकूऽ	10	v: 12	1	रकوع
-------	----	-------	---	------

4713 (हर बात के लिए खुली) राह سَبَبًا

4714 कीचड़ ح مِثَّة

4715 अद्भूत, ऐसा कि कभी न देखा تُكْرَأُ

4716 पर्दा, आड़ سِتْرًا

4717 पास उसके لَدَيْهِ

4718 दो दीवारें ऊँची या سَدَّيْنِ

दो पहाड़ियाँ

4719 दो कौमों के नाम, يَأْجُوجَ وَ مَاْجُوجَ, जंगली ज़ालिम कौमों के नाम

4720 माले खिराज, خَرْجًا

बदले में खर्च पाकर, खर्ची, चंदा

4721 आड़ سَدًّا

4722 im. pl. साथ दो اَعْيُنُوا

(vn.: اَعَانَةٌ)

4723 मज़बूत (फौलादी) दीवार رَدْمًا

4724 तख्ते लोहे के زُبْرُ الْحَدِيدِ

4725 बराबर कर दिया سَاوَى

4726 dl. दोनों सिरे, दोनों पहाड़ صَدَفَيْنِ

4727 im. pl. धौको, फूँको اُنْفُخُوا (ن ف خ)

4728 ताँबा गलाया हुआ قَطْرًا

4729 नहीं सकें مَا اسْتَطَاعُوا

4730 नहीं कर सकें مَا اسْتَطَاعُوا

4731 सुराख, सेंध نَقَبًا

4732 मौज मारेगा يَمُوجُ

(लहरों के गुँथने की तरह मगन)

4733 पेश करना عَرَضًا

4734 पर्दा غَطَاءً

रुकूऽ	11	v: 19	2	रुकوع
-------	----	-------	---	-------

4735 मेहमानी, आवभगत نُزُلًا

4736 बहुत घाटे में रहनेवाले اَخْسَرِينَ

4737 काम صُنْعًا

4738 जन्नत का अज़ला मुक़ाम فِرْدَوْسٍ

4739 जगह बदलना حَوْلًا

4740 सियाही, रौशनाई مِدَادًا

4741 खत्म होजाय نَفْدًا

रुकूऽ	12	v: 9	3	रुकوع
-------	----	------	---	-------

{ سُورَةُ مَرْيَمَ }

मरयम

सूर: 19 मरयम

4742 आहिस्त: (अन्तःकरण से) خَفِيًّا

4743 सुस्त होना, कमज़ोर होना وَهَنَ

4744 शोला मारा, اَشْتَعَلَ

निहायत चमकदार सफेद बाल होने पर शोले की तरह मालूम होते हैं

4745 सर رَأْسٌ

4746 बुढ़ापा شَيْبًا

4747 बेनसीब, महरुम, अभागा

4748 वारिस, उत्तराधिकारी مَوَالِي

4749 बाँझ عَاقِرًا

4750 हमनाम سَمِيًّا

4751 बेहद, बेइन्तिहा, अतयन्त عَتِيًّا

4752 आसान, सरल هَيِّنٌ

4753 नहीं था तू لَمْ تَكُ

4754 बचपन صَبِيًّا

रुकूऽ	1	v: 15	4	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

4755 fg. अलग चली गयी اِنْتَبَذَتْ

4756 सुरत पकड़ी (रूप में) تَمَثَّلَ

16th पार:	¼	ربع جزء: قَالَ اَلَمْ
-----------	---	-----------------------

4757 दूर, अलग हट कर قَصِيًّا

4758 प्रसवपीड़ा, مَخَاضٍ

बच्चा जनने के समय की पीड

4759 खजूर के तने جَذَعِ النَّخْلِ

4760 भूली-बिसरी, نَسِيًّا مَنَسِيًّا

भूली-भुलाई

4761 बहता पानी, नहर, चशमा سَرِيًّا

4762 im. fg. हिला هُزِيٌّ (ه وزن)

4763 खजूर ताज़ी رُطْبًا جَنِيًّا

4764 im. fg. ठन्डी रख قَرِيًّا

4765 आदमी اِنْسِيًّا

4766	अजीब, अद्भूत	فَرِيًّا
4767	पालना, बच्चों का झुला	مَهْدًا
4768	जब तक रहूँ मैं	مَا دُمْتُ
4769	नेक सुलूक, सद्व्यवहार	بِرًّا
4770	हाज़िरी का मौका, अदालत की गवाही की जगह	مَشْهَدًا
4771	क्याही सुननेवाला	أَسْمِعُ
4772	क्याही देखनेवाला	أَبْصِرُ
		रुकूऽ 2 v: 25 5
4773	मुद्दत तक, दीर्घकाल के लिये	مَلِيًّا
4774	मेहरबान	حَفِيًّا
4775	छोड़ता हूँ मैं	أَعْتَزِلُ
		रुकूऽ 3 v: 10 6
4776	गवाँ दी उन्होंने	أَضَاعُوا
4777	बडी ख़राबी	غِيًّا
4778	आनेवाला	مَاتِيًّا (ات ي)
4779	भूलनेवाला	نَسِيًّا
4780	सब्र से जम जा (ص ب ر)	أَصْطَبِرُ
		रुकूऽ 4 v: 15 7
4781	औंधे गिरे हुए	جَثِيًّا
4782	ज़ियाद: लायक, अधिक योग्य	أُولَى
4783	दाखिल होना, झोंके जाना	صَلِيًّا
4784	लाज़मी, अटल	حَتْمًا

4785	मजलिस, महफ़िल	نَدِيًّا
4786	दिखावा, नमूद	رَاءِيًّا
4787	फिर आने में, लौटने में	مَرَدًّا
4788	अकेला	فَرْدًا
4789	मुखालिफ़, विरोधी	ضِدًّا
		रुकूऽ 5 v: 17 8
4790	विदकाना, उकसाना	أَزًّا
4791	मेहमान	وَفْدًا
4792	प्यासे	وَرْدًا
4793	भारी	أَدًّا
4794	काँपकर	هَدًّا
4795	मुहव्वत, प्रेम	وَدًّا
4796	झगड़ालू, उपद्रवी	لُدًّا
4797	खटका, आहट	رَكْزًا
		रुकूऽ 6 v: 16 9

16th पार: 1/2 نصفُ جُزء: قَالَ أَلَمْ

{ سُورَةُ طه }

ता-हा

सूर: 20 ता-हा

4798	रंज (कष्ट) उठाये तू	تَشْقَى
4799	बलन्द, ऊँचा	عَلَى

		रुकूऽ	1	v: 24	10	رکوع
4800	गीली मिट्टी	ثَرَى				
4801	im. pl. ठहरो	أَمْكُثُوا				أَشْرَحُ
4802	देखा मैंने	أَنْسَتُ				أُحْلِلُ
4803	अंगारा, शोला	قَبَسُ				عُقْدَةٌ
4804	im. उतार डाल	اخْلَعُ				أَشْدُدُ
4805	dl. जूतियों दोनों	نُعَلَى				أَزْرِي
4806	एक मुकद्दस वादी (पवित्र घाटी) का नाम जहाँ हज़रत मूसा <small>عليه السلام</small> पर वही नाज़िल हुई	طَوَى				أَشْرِكُ
4807	पसंद किया मैं ने, चुना मैं ने (vn.: اِخْتِيَارٌ)	اخْتَرْتُ				كِي
4808	करीब हूँ मैं	أَكَادُ				أَقْدِفِي (ق ذ ف)
4809	छिपाये रखता हूँ	أُخْفِي				تُصَنَعُ
4810	तबाही में पड़ जाये तू	تَرْدَى				عَيْنِي
4811	सहारा लेता हूँ मैं	أَتَوَكَّؤُ				أَدُلُّ
4812	पत्ते झाड़ता हूँ मैं	أَهْشُ				تَقَرَّرُ
4813	बकरियाँ मेरी	غَنَمِي				فُتَوْنَا
4814	pl. फ़ायदे, काम	مَا رَبُّ				اصْطَنَعْتُ
4815	साँप	حِيَّةٌ				لِنَفْسِي
4816	हालत	سِيرَةٌ				لَا تَنِيَا
4817	im. मिला ले	أَضْمَمُ				(असावधानी) करो (तुम दोनो)
4818	सफ़ेद	بَيَضَاءُ				يَفْرُطُ
4819	im. कुशादः कर दे, विशाल कर दे					أَعْطَى
4820	im. खोल दे					مَا بَالُ
4821	गाँठ, गिरह					
4822	im. मज़बूत कर					
4823	क़व्वत मेरी, बल मेरा					
4824	im. साथ कर दे					
4825	ताकि					
4826	im. fg. डाल दे					
4827	pv. परवरिश पाये तू					
4828	मेरी निगरानी, आखँ (देखरेख)					
4829	ख़बर दूँ मैं					
4830	ठंडी हुई					
4831	आज़माना, परीक्षा करना					
4832	मुन्तख़ब किया मैंने, चुन लिया मैंने					
4833	मेरे लिए					
4834	ni. dl. मत ग़फलत (असावधानी) करो (तुम दोनो)					
4835	ज़ियादती करेगा					
4836	दिया					
4837	क्या हाल					

- 4838 मुख्तलिफ़, अलग अलग श्त्तَى  
भाँति भाँति की
- 4839 im. चुगाओ, ارْعَوْا  
चराओ जानवारों को
- 4840 अहले अक़ल, समझवाले اُولَى النُّهَى

रुकूऽ	2	v: 30	11	رکوع
-------	---	-------	----	------

- 4841 दोबारा, दूसरी बार تَارَةً أُخْرَى
- 4842 मक़ाम हमवार, مَكَانًا سُوًى  
खुला मैदान
- 4843 जीनत का दिन, يَوْمَ الزَّيْنَةِ  
ख़ास त्योहार का दिन

- 4844 दिन चढ़े ضَحَى
- 4845 फ़ना (मटियामेट) कर देगा يُسْحِتْ
- 4846 नामुराद हुआ, विफल रहा خَابَ
- 4847 मिसाली राह, आदर्श परम्परा مُثَلَى

- 4848 ग़ालिब रहा, जीत गया اسْتَعْلَى
- 4849 रस्सियाँ (sr.: حَبْلٌ) حَبَالٌ
- 4850 लाठियाँ (sr.: عَصَا) عَصِيٌّ
- 4851 ख़याल बँधाय़ा गया, يُخَيِّلُ  
मालूम हुई

- 4852 छिपाया, मन में लाया اَوْجَسَ

रुकूऽ	3	v: 22	12	رکوع
-------	---	-------	----	------

16th पारः	3/4	ثلاثة ارباع جزء: قَالَ اَلَمْ
-----------	-----	-------------------------------

- 4853 खुशक राह, सूखी राह يَيْسًا

- 4854 पा लेना, पाना دَرَكًا
- 4855 गिर पडा هَوَى
- 4856 मेरे पीछे اَثْرِي
- 4857 मूसा ﷺ के ज़माने के سَامِرِيٌّ  
एक आदमी का नाम

- 4858 ज़ियादः हुआ, लमबा हुआ طَالَ
- 4859 जिस्म, धड़ جَسَدًا
- 4860 आवाज़ خَوَار

رुकوع	4	v: 13	13	رکوع
-------	---	-------	----	------

- 4861 ऐ बेटे मेरी माँ के يَابَتْوُمٌ  
(यानी मेरे सगे भाई)
- 4862 दाढ़ी لِحْيَةٍ
- 4863 नहीं इन्तिज़ार किया तूने لَمْ تَرْقُبْ
- 4864 भर लिया मैंने, قَبَضْتُ  
पकड लिया मैंने

- 4865 मुट्ठी भर قَبْضَةً
- 4866 मत हाथ लगाओ لَّا مِسَّاسَ
- 4867 छा गया, बैठ गया तू ظَلَّتْ
- 4868 बैठा हुआ عَاكِفًا

- 4869 हम जला डालेंगे (ح ر ق) نُحَرِّقَنَّ
- 4870 उड़ा देना نَسَفًا
- 4871 कैरी (पथराई हुई) आँखें, زُرْقًا



बेहद दर्द की वजह से चकरा कर  
नीली पड़ जाये तब कहा जाता है

4872 आहिस्त: आहिस्त: कहते **يَتَخَفَتُونَ**  
होंगे (चुपके चुपके)

4873 ज़ियाद: अच्छा **أَمْثَلُ**

रुकूऽ	5	v: 15	14	रुकوع
-------	---	-------	----	-------

4874 मैदान **قَاعًا**

4875 साफ़, चटियल **صَفْصَفًا**

4876 ऊंचान (टीला) **أَمْتًا**

4877 पाँव की आहट **هَمْسًا**

4878 *fg.* झुके होंगे, ज़लील होंगे **عَنْتٌ**

4879 तोड़ना, हक मारना **هَضْمًا**

4880 नया कर देवे वह **يُحْدِثُ**

4881 मज़बूती, दृढ़ता **عَزْمًا**

रुकूऽ	6	v: 11	15	रुकوع
-------	---	-------	----	-------

4882 न भूका रहेगा तू **لَا تَجُوعَ** (ج و ع)

4883 नहीं बेलिवास (नंगा) **لَا تَعْرَى** (ع ر ي)

4884 नहीं प्यासा रहेगा तू **لَا تَطْمَأُ** (ظ م ء)

4885 नहीं धूप (कीतपन) **لَا تَضْحَى**

4886 तंगी, बदहाली **ضَنْكًا**

रुकूऽ	7	v: 13	16	रुकوع
-------	---	-------	----	-------

4887 चिमटनेवाला, निश्चित **لِرَامًا**

4888 आराइश-रौनक, चमक-दमक **زَهْرَةً**

4889 हम आजमा लें **نَفْتِنٌ**

रुकूऽ	8	v: 7	17	रुकوع
-------	---	------	----	-------

﴿ جُزء : اِفْتَرَبَ لِلنَّاسِ 17 پار: ﴾

{ سُورَةُ الْأَنْبِيَاءِ }

**अम्बिया**

**सूर: 21 अल-अम्बिया**

4890 *pp.* नया, जदीद **مُحَدَّثٌ**

4891 *ap.* गफ़लत, बेधियान **لَاهِيَةٌ**  
असावधानी (में)

रुकूऽ	1	v: 10	1	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

4892 हलाक, ग़ारत, **فَقَصَمْنَا**  
विनष्ट कर दिया हमने

4893 इहसास किया उन्होंने, **أَحْسَوْا**  
अनुभूति की

4894 भागने लगे **يَرْكُضُونَ** (ر ك ض)  
बदहवास होकर

4895 एड़ लगाकर भागना, **رَكَضٌ**  
बदहवास हो कर भागना

4896 हमेशा रहा, निरन्तर **مَا زَالَتْ**

4897 जड़ से कटी हुई **حَصِيدًا**

4898 *ap. pl.* बुझे हुए **خَامِدِينَ**

4899 नहीं थकते **لَا يَسْتَحْسِرُونَ** (ح س ر)

4900 नहीं उकताते, नहीं रुकते **لَا يَفْتَرُونَ**

4901 *dl.* बिगड़ जाते, लड़ पड़ते فَسَدَاتَا

4902 *im. pl.* ले आओ هَاتُوا

रुकूऽ	2	v: 19	2	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

4903 बन्द, मिले हुए رَتَقَا

4904 खोल दिया हमने فَتَقْنَا

4905 कुशादः فِجَاجًا

4906 छत سَقْفًا

4907 तैर रहे हैं يَسْبَحُونَ

4908 हमेशा रहना, अमरत्व خُلِدَ

4909 अगर मर जाये तू (موت) اِنْ مِتَّ

4910 नहीं रोक सकेंगे لَّا يَكْفُونَ

4911 बदहवास कर देगी تَبَّهَتْ

4912 बदहवास करना (ب ه ت) بَهَتْ

रुकूऽ	3	v: 12	3	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

4913 कौन مَنْ

4914 निगहवानी करता है يَكْلُوْ

4915 *pv.* साथ दिये जायेंगे يُصْحِبُونَ

4916 झोंका, भनक نَفْحَةٌ

4917 राई (का दाना) خَرْدَلٌ

4918 रौशनी, प्रकाश ضِيَاءٌ

रुकूऽ	4	v: 9	4	रुकوع
-------	---	------	---	-------

4919 मूरतें, सूरतें (م ث ل) تَمَاتِيْلٌ

4920 टुकड़े-टुकड़े جُذَاذًا

4921 जवान, नवयुवक فَتًى

4922 बोलते हैं (ن ط ق) يَنْطِقُونَ

4923 *pv.* उल्टे किये गये, نُكِسُوا

4924 *im. pl.* आग में जला दो حَرِّقُوا

4925 *im. fg.* हो जा كُوْنِي

4926 ठंडी بَرْدًا

रुकूऽ	5	v: 25	5	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

4927 सख्त ग़म, कठिन पीड़ा كَرْبٌ

4928 *fg.* चुग लिया, चर लिया نَفَسَتْ

4929 बकरी, रेवड बकरियों का غَنَمٌ

4930 समझ दी हमने فَهَمَّنَا

4931 कारीगरी, कला, हुनर صَنَعَةٌ

4932 लिबास, पहनावा لِبَاسٌ

4933 हिफ़ाज़त रक्खे, बचाए تُحْصِنَ

4934 सख्त, प्रचण्ड عَاصِفَةٌ

4935 ग़ोता (डुबकी) लगाते हैं يَغْوِضُونَ

4936 मछलीवाले (यूनस عليه السلام) ذَا الدُّوْنِ

4937 दुरूस्त (उपयुक्त) اَصْلَحْنَا

कर दिया हमने

4938	fg. हिफाज़त रखी	أَحْصَنَتْ		
4939	नामूस, सतीत्व, शर्म गाह	فَرَجٌ		
रुकूऽ	6	v: 18	6	रुकوع

4940	नाकदरी, उपेक्षा	كُفْرَانٌ
4941	बलन्दी, ऊँचाई	حَدَبٌ
4942	दौड़ते हैं	يَنْسَلُونَ
4943	फटी हुई	شَاخِصَةٌ
4944	ईधन	حَصَبٌ
4945	पास आनेवाले, घाट पर आनेवाले	وَارِدُونَ
4946	चीखना, दहाडना, चिल्लाहट	زَفِيرٌ
4947	pp. दूर रखे जायेंगे	مُبْعَدُونَ
4948	आहट, खटका, भनक	حَسِيسٌ
4949	हादिसा, डर, दहशत	فَرَعٌ
4950	हम लपेट लेंगे	نَطْوِي
4951	लपेटना	طِي
4952	लिखे हुए मज़मून का कागज़, कागज़ का पुलिन्दा	سِجِلٌّ
4953	ख़बर दी मैंने	أَذْنْتُ
4954	नहीं मैं जानता	أَنْ أَدْرِي

रुकूऽ	7	v: 19	7	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

17th पार:	1/2	نصف مجزء: اقْتَرَبَ لِلنَّاسِ
-----------	-----	-------------------------------

{ سُورَةُ الْحَجِّ }

हज्ज

سूर: 22 अल-हज्ज

4955	fg. भूल जायेगी	تَذْهَلُ (ذهل)
4956	दूध पिलानेवाली	مُرْضِعَةٌ
4957	fg. डाल देगी	تَضَعُ
4958	हमलवाली, गर्भिणी	ذَاتِ حَمَلٍ
4959	नशे में, मदहोश	سُكَارَى
4960	सर्कश, दुराग्रही	مَرِيدٌ
4961	दोस्ती की	تَوَلًّا
4962	खून का लोथड़ा	عَلَقَةٌ
4963	बोटी	مَضْغَةٌ
4964	pp. पूरी बनी हुई	مُخَلَّقَةٌ
4965	हम करार देते हैं, ठहराते हैं	نُقِرُّ
4966	बच्चा	طِفْلًا
4967	नाकारी (निकम्मी) उम्र	أَرَذَلَ الْعُمُرِ
4968	खुशक, सूखी	هَامِدَةٌ
4969	fg. उभरती है	اهْتَرَّتْ
4970	fg. फूलती है	رَبَّتْ
4971	जोड़े खुशनुमा, किसम किसम के सुन्दर	زَوْجٍ بَهِيْجٍ
4972	मोड़ने वाला	ثَانِي

4973	شानا, कन्धा	عَطْفٌ		
رُكُوعٌ	1	v: 10	8	رُكُوعٌ

4974 किनारे حَرْفٌ

4975 रस्सी سَبَبٌ

4976 जानदार, जानवर دَوَابٌّ

4977 झगड़नेवाले दो फ़रीक خَصْمَانِ

4978 झगड़ा किया उन्होंने اِخْتَصَمُوا

4979 *pv. fg.* काटकर रखे गये قَطَعَتْ

4980 कपड़े ثِيَابٌ

4981 *pv.* डाला जायेगा يُصَبُّ

4982 *pv.* गल जायेगा يُصْهَرُ

4983 घन, हतोडे, गुर्ज مَقَامِعُ

4984 लोहा حَدِيدٌ

رُكُوعٌ	2	v: 12	9	رُكُوعٌ
---------	---	-------	---	---------

4985 मोती لَوْلُؤٌ

4986 रेशम حَرِيرٌ

4987 रहनेवाला, عَاكِفٌ

मक़ामी, स्थायी रहनेवाला

4988 बाहर से आनेवाला بَادٌ

4989 बेदीनी, शिर्क, इल्हाद, اِلْحَادٌ

धर्म-विमुखता

رُكُوعٌ	3	v: 3	10	رُكُوعٌ
---------	---	------	----	---------

4990 दुब्ले ऊँट ضَامِرٌ

4991 रासते दूर दराज़ के, فَجٌّ عَمِيقٌ

दूर दूर की राहें

4992 चरनेवाले जानवर بِهِمَةِ اَلْاَنْعَامِ

4993 *im. pl.* खाओ كَلُوا

4994 *im. pl.* खिलाओ اَطْعِمُوا

4995 भूका اَلْبَائِسُ

4996 ठीक करें يَفْضُوا

4997 मैल कुचैल تَفَتْ

4998 घर कदीम, اَلْبَيْتِ الْعَتِيقِ

पुरातन घर

4999 उचक ले जायें تَخْطَفُ

5000 गिरा देती है, फेंक देती है تَهْوِي

5001 बहुत दूर سَحِيقٌ

5002 *ap. pl.* गर्दन झुका देनेवाले مُخْبِتِينَ

5003 ऊँट بُدْنٌ

5004 क़तार (पंक्ति) से लगे हुए صَوَآفٌ

5005 गिर पड़े وَجِبَتْ

5006 *ap.* बे सवाल (न मांगनेवाले) قَانِعٌ

5007 बेकरार सायल (मांगनेवाले) مُعْتَرٌ

5008 गोशत لُحُومٌ

(*sr.*: لَحْمٌ)

5009 खियानत (विश्वासघात) **خَوَانَ**  
करनेवाला

रुकूऽ	5	v: 5	12	रुकوع
-------	---	------	----	-------

17th पार: **ثَلَاثَةَ أَرْبَاعٍ حُزْنًا: اقْتَرَبَ لِلنَّاسِ**

5010 *pv.* इजाज़त दी गयी, स्वीकृति **أَذِنَ**

5011 *pv.* लड़ाई किये जाते हैं, **يُقَاتِلُونَ**  
मारे जाते हैं

5012 *pv.* ढा दिये जाते, **هُدِّمَتْ**  
गिराये जाते

5013 खिलवतखाने, खानखाहें, **صَوَامِعُ**  
संन्यासियों के आश्रम

5014 ईसाइयों के उपासनागृह **بَيْعٍ**

5015 यहूद के इबादतखाने, **صَلَوَاتُ**  
गिरजा घर

5016 ढील दी मैंने **أَمَلَيْتُ**

5017 अज़ाब **نَكِيرٌ**

5018 कुआँ **بَيْرٌ**

5019 *pp.* नाकारा, खाली बेकार **مُعْطَلَةٌ**

5020 महल **قَصْرٌ**

(*pl.*: قُصُورٌ)

5021 ऊँचे, बुलन्द **مَشِيدٌ**

5022 अंधी हो गयी **تَعْمَى**

रुकूऽ	6	v: 10	13	रुकوع
-------	---	-------	----	-------

5023 तमन्ना की, (कामना) **تَمَنَّى**

5024 अजिज़ी करें, झुकें **تُنْخَبِتُ**

5025 बे-बरकत, अशुभ, बाँझ **عَقِيمٌ**

रुकूऽ	7	v: 9	14	रुकوع
-------	---	------	----	-------

5026 सब्ज़, हरी **مُخَضَّرَةٌ**

रुकूऽ	8	v: 7	15	रुकوع
-------	---	------	----	-------

5027 कि गिर पड़े **أَنْ تَقَعَ**

5028 हमला कर देंगे, टुट पड़ेंगे **يَسْطُونَ**

रुकूऽ	9	v: 8	16	रुकوع
-------	---	------	----	-------

5029 मक्खी **ذُبَابًا**

5030 छीन लेवे **يَسْلُبُ**

5031 न छुड़ा सकें **لَا يَسْتَنْقِدُوا**

5032 छुड़ा लेना **اسْتِنْقَادٌ**

रुकूऽ	10	v: 6	17	रुकوع
-------	----	------	----	-------

﴿ جُزْءٌ : قَدْ أَفْلَحَ 18 पार: ﴾

{ سُورَةُ الْمُؤْمِنُونَ }

ईमान वाले

सूर: 23 अल-मूमिनून

5033 शर्मगाह, योनि **فُرُوجٌ**

(*sr.*: فَرْجٌ)

5034 नहीं मलामत किये गये, **غَيْرُ مَلُومِينَ**  
अनिन्दनीय

5035 *ap.* हद (मर्यादा) से **عَادُونَ**

	निकल जानेवाले				
5036	ap. रिआयत करनेवाले, खियाल, ध्यान रखनेवाले	رَاعُونَ			
5037	खुलासा	سَلَالَةٌ			
5038	पहना दिया हमने	كَسَوْنَا			
5039	राहें, Paths (sr.: طَرِيقَةٌ)	طَرَائِقَ			
5040	ले जाने को	ذَهَابٌ			
5041	चिकनाई (तेल)	دُهْنٌ			
5042	सालन	صَبْغٌ			
	रुकूऽ	1	v: 22	1	रुकوع
5043	सवार हो जाये तू, (बराबर होना)	اسْتَوَيْتَ			
5044	ap. आजमाइश करनेवाले, परिक्षा लेनेवाले	مُبْتَلِينَ			
	रुकूऽ	2	v: 10	2	रुकوع
5045	दौलत दी हमने	اَثْرَفْنَا			
5046	दौलत देना, ऐश देना	اَثْرَافَ			
5047	नामुम्किन, अनहोनी, दूर	هَيْهَاتَ			
5048	रेज़:-रेज़:, कचरा	غَثَاءٌ			
5049	याके बाद दीगर, लगातार	تَتْرًا			
5050	बुलन्द (ऊँची) जगह	رَبْوَةٌ			
	रुकूऽ	3	v: 18	3	रुकوع
5051	टुकड़े-टुकड़े	زُبْرًا			

5052	गफ़लत, चक्कर	غَمْرَةٌ			
5053	फ़रयाद करना	جُرٌّ			
5054	pl. उलटे भागे तुम, फ़िर जाते तुम	تَنَكِبُونَ (ن ك ص)			
5055	अफ़साना गोई करना, क़िस्सा कहना	سَامِرًا			
5056	pl. वेहुद: बकवास की तुमने	تَهْجُرُونَ			
	18th पार:	1/4	ربيع جزء: فذ أفلح		
5057	मुड़ जानेवाले,	نَاكِبُونَ (ن ك ب)			
5058	अड़े रहे	لَجُؤًا			
	रुकूऽ	4	v: 27	4	रुकوع
5059	पनाह (शरण) देता है	يُجِيرُ			
5060	नहीं पनाह दी जा सकती उसके खिलाफ़	لَا يُجَارُ عَلَيْهِ			
	रुकूऽ	5	v: 15	5	रुकوع
5061	वसवसा, उकसावा	هَمَزَاتٍ			
5062	ap. कहनेवाला	قَائِلٌ			
5063	रिशते-नाते	أَنْسَابٌ			
5064	झुलस देगी	تَلْفُحٌ			
5065	बदशक्ल, कुरूप	كَالْحُونِ			
5066	ap. गिनती करनेवाले	عَادِينَ			
5067	बेफ़ायदा:, व्यर्थ	عَبَثًا			
	रुकूऽ	6	v: 26	6	रुकوع

{ سُورَةُ النَّوْرِ }

प्रकाश

सूर: 24 अन-नूर

5068	im. pl. कोड़े लगाओ तुम	اجْلِدُوا
5069	कोड़े, दुर्रे	جَلْدَةً
5070	रहम, महरबानी	رَأْفَةً
5071	तुहमत (लांछन) लगाते हैं	يَرْمُونَ
5072	अससी (80)	ثَمَانِينَ
5073	हट सकता है	يَدْرُؤُ

रुकूऽ	1	v: 10	7	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

5074	बुहतान, झूट, लांछन, कलंक	أَفْكَ
5075	pl. शुरू किया तुमने	أَفَضْتُمْ
5076	pl. लेते रहे तुम बात को	تَلَقَّوْنَ
5077	आसान, समान्य	هَيْئًا
5078	fg. फैल जाये	تَشِيْعَ

रुकूऽ	2	v: 10	8	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

18th पार: 1/2 نصف جزء: فَاذْ أَفْلَحَ

5079	ni. न कसम खायें	لَا يَأْتَلِ
5080	कसम खाना	اِتْتَلَى
5081	pl. बरी हैं, निरपराध हैं	مُبْرَعُونَ

रुकूऽ	3	v: 6	9	रुकوع
-------	---	------	---	-------

5082 pl. इजाज़त हासिल कर ली تَسْتَأْنِسُوا

5083 बगैर सुकूनतवाले, غَيْرَ مَسْكُونَةٍ  
जिनमें कोई रहता न हो

5084 नीची रखना غَضُّ

5085 fg. ना जाहिर करें, لَا يُبْدِينَ  
न दिखायें

5086 शौहर, पति بَعُولَةً

5087 ऐसे मर्द जो औरतों الْإِرْبَةِ  
की हाजत (प्रयोजन) न रखते हों

5088 बच्चा طِفْلٌ

5089 छिपी बातें عَوْرَاتٍ

5090 बेवा औरतें या मर्द أَيَامِي

5091 लौन्डियाँ أَمَاءٌ

(sr.: أَمَةٌ)

5092 बाँदियाँ فَتِيَّاتٌ

5093 बदकारी, व्यभिचार بَغَاءٌ

5094 पाकदामन, सतवन्ती تَحَصَّنًا

5095 असबाब, सामान عَرَضٌ

रुकूऽ	4	v: 8	10	रुकوع
-------	---	------	----	-------

5096 ताक़, आला, मोखला مِشْكُوتَةٌ

5097 फ़ानूस, चिराग़ مِصْبَاحٌ

5098 शीशा زُجَاجَةٌ

5099 तारा كَوْكَبٌ

5100 चमकदार دُرِيٌّ

5101	pv. रौशन (प्रदीप्त) किया जाये	يُوقَدُ					
5102	तेल	زَيْتٌ					
5103	खूब रौशन होजावे	يُضِيئُ					
5104	pv. बलन्द (ऊँचे) किये जायें	تُرْفَعُ					
5105	उलट जायेंगे	تَتَقَلَّبُ					
5106	mirage, मरीचिका, दूर से चमकती रेत जो पानी के जैसी लगे	سَرَابٌ					
5107	मैदान	قَيْعَةٌ					
5108	प्यासा	ظَمَانٌ					
5109	गहरा, गहन	لُجِّيٌّ					
5110	नहीं करीब (पास) हुआ	لَمْ يَكْدُ					
<table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr> <td style="width: 15%;">रुकूऽ</td> <td style="width: 10%;">5</td> <td style="width: 15%;">v: 6</td> <td style="width: 15%;">11</td> <td style="width: 45%;">رुकوع</td> </tr> </table>			रुकूऽ	5	v: 6	11	رुकوع
रुकूऽ	5	v: 6	11	رुकوع			
5111	तह ब तह, एक पर एक	رُكَا مًا					
5112	बारिश, वर्षा	وَدَقٌ					
5113	बीच	خِلَالٌ					
5114	ठंड, ओलों की सर्दी	بَرْدٌ					
5115	चमक	سَنَا					
5116	गर्दन नीची करनेवाले, बात सुन्ने वाले	مُدْعِينِ					
5117	ना-इनसाफी (अन्याय) करेगा	يَحِيفَ					

रुकूऽ	6	v: 10	12	رुकوع
-------	---	-------	----	-------

18th पार:	3/4	ثلاثة ارباع جزء: قَدْ أَفْلَحَ
-----------	-----	--------------------------------

5118 खिलाफत देगा, يَسْتَخْلِفَنَّ

राज्याधिकारी बनायेगा

5119 ap. आजिज़ करनेवाले, **مُعْجِزِينَ**  
हरा देनेवाले

रुकूऽ	7	v: 7	13	رुकوع
-------	---	------	----	-------

5120 इजाज़त हासिल कर लेवे, **يَسْتَأْذِنُ**  
अधिकार प्राप्त कर ले

5121 इजाज़त हासिल करना **اسْتِذَانٌ**

5122 हदे बुलूग, वयस्कता, प्रौढ़ता **حُلْمٌ**

5123 pl. उतार रखते हो **تَضْعُونُ**

5124 दोपहर **ظَهِيرَةٌ**

5125 लड़के **أَطْفَالٌ**

5126 बैठ जानेवाली, बड़ी **قَوَاعِدٌ**

उम्र की औरतें जो निकाह की ख्वाहिश न रखती हों

5127 ज़ीनत का इज़हार **مُتَبَرِّجَاتٌ**  
करनेवालियाँ, शोभा दिखानेवालियाँ

5128 लँगड़ा **أَعْرَجٌ**

5129 pl. चचा **أَعْمَامٌ**

5130 sr. चचा **عَمٌّ**

5131 फूफियाँ **عَمَّاتٌ**

(sr.: عَمَّةٌ)



5132 pl. मामूँ  
(sr.: خَالٌ) أَخْوَالٌ

5132a pl. खाला

5132b अलग अलग

रुकूऽ	8	v: 4	14	رکوع
-------	---	------	----	------

5133 काम شَانٌ

5134 छिपकर खिसक जाते हैं يَتَسَلَّلُونَ

5135 (चुपके से) खिसक जाना تَسَلَّلَ

5136 नज़र बचाकर لُوَاذًا

रुकूऽ	9	v: 3	15	رکوع
-------	---	------	----	------

{ سُورَةُ الْفُرْقَانِ }  
हक़ वा बातिल में फ़र्क़  
करनेवाली (किताब)  
सूरः 25 अल-फुरकान

5136a हक़ वा बातिल में फ़र्क़  
करनेवाली فُرْقَانٌ

5137 जी उठना نُشُورًا

5138 इआनत की, सहायता की

5139 pv. पढ़ी जाती है,  
पढ़ कर सुनाई जाती है ثَمَلَى

5140 चलता है يَمَشِي

5141 बाज़ार (sr.: سُوقٌ) أَسْوَاقٌ

रुकूऽ	1	v: 9	16	رکوع
-------	---	------	----	------

5142 pl. महल قُصُورًا

5143 जोश, गुस्सा تَعِيْظًا

5144 तंग ضَيْقًا

5145 pp. pl. जकड़े हुए,  
ऐक साथ बंधे हुए مُفْرَنِينَ

5146 हलाकत, विनाश, बरबादी ثُبُورًا

5147 गुमराह (पथभ्रष्ट) किया  
तुमने أَضَلَلْتُمْ

5148 बरवाद, विनष्ट بُورًا

5148 बरवाद, विनष्ट

रुकूऽ	2	v: 11	17	رکوع
-------	---	-------	----	------

﴿ جُزْءٌ : وَقَالَ الَّذِينَ ﴾

5149 आड़, पनाहगाह,  
(बंद किये हुए) حِجْرًا

5150 रेत هَبَاءٌ

5151 परागन्दः, बिखरी हुई  
मंथुरा مُنْثُورًا

5152 दोपहर के वक़्त  
आराम करने का स्थान مَقِيلًا

5153 बदली غَمَامٌ

5154 काट खायेगा, चबायेगा  
يعَضُّ

5154a वक़्त पडने पर  
धोका देनेवाला خَدُولًا

5155 pp. छोडा हुआ  
मंहजुरा مَهْجُورًا

5156 टहर टहर कर,  
तरीबला تَرْتِيْلًا

5156 टहर टहर कर,

थम थम कर  
5157 तफ़सीर, वज़ाहत, تَفْسِيرًا  
खोल खोल कर बयान करना

रुकूऽ	3	v: 14	1	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

5158 हलाक किया دَمَّرَ

5158a हलाक करना تَدْمِيرًا

5159 कुँए वाले أَصْحَابَ الرَّسِّ

5160 तहस नहस कर देना, تَتَّبِيرًا  
तोड़ फोड़ कर देना

रुकूऽ	4	v: 10	2	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

5161 साया ظِلٌّ

5162 अलामत, निशानी, دَلِيلًا  
पता देनेवाला

5163 आराम का सबब سُبَاتًا

5164 मिला दिया مَرَجَ

5165 मीठा عَذْبٌ

5166 प्यास बुझानेवाला فُرَاتٌ

5167 नमकीन, खारी مِلْحٌ

5168 तेज़, छाती जला देनेवाला أُجَاجٌ

5169 आड़ بَرْزَخٌ

5170 नाते, खानदान نَسَبًا

5171 ससुराल صِهْرًا

रुकूऽ	5	v: 16	3	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

5172 चिराग़ سِرَاجٌ

5173 आगे पीछे आनेवाला خَلْفَةً

5174 चलते हैं يَمْشُونَ

5175 आहिस्तगी, नम्रतापूर्वक هَوْنًا

5176 रात बसर करते हैं يَسْتُونَ

5177 लाज़िम होनेवाला, पूरी तबाही غَرَامًا

5178 तंगी (कंजूसी) की يَقْتَرُونَ

5179 मोतदिल, दरमियानी, قَوَامًا  
मध्यममार्ग

5180 रूसवा, ज़लील, अपमानित مُهَانًا

5181 बालाखाने, ऊंचे महल غُرْفَةٌ

5182 नहीं परवाह करता مَا يَعْجُبُ

5182 लाज़िम होनेवाला, لِرَامًا  
चिपकने वाला

रुकूऽ	6	v: 17	4	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

19th पार: رِبْعٌ جُزْءٌ وَقَالَ الَّذِينَ

{ سُورَةُ الشُّعْرَاءِ }  
शुअरा, कवि  
सूर: 26: अश-शुअरा

5183 ap. गर्दन झुका लेनेवाले خَاضِعِينَ

रुकूऽ	1	v: 9	5	रुकوع
-------	---	------	---	-------

5184 बचपन, लडका وَلِيدًا

5185 pp. कैदी लोग مَسْجُونِينَ

5186 अजदहा, बहुत बडा सांप ثُعْبَانٌ

रुकूऽ	2	v: 24	6	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

5187 ढील दे أَرْجِهْ

5188 कोई हरज नहीं لَا ضَيْرَ

रुकूऽ	3	v: 18	7	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

5189 जमाअत, ग़ोह, टोली شِرْذِمَةٌ

5190 ap. गुस्से में लानेवाले غَائِظُونَ

5191 बचाव करनेवाले حَازِرُونَ

5192 सुबह के मौक़ पर,  
पौ फटते ही مُشْرِقِينَ

5193 pp. पकड़े जानेवाले مُدْرِكُونَ

5194 हरगिज़ नहीं كَلَّا

5195 फट गया انْفَلَقَ

5196 पहाड़ طُودٌ

5197 नज़दीक (समीप) कर  
दिया हमने, मिला दिया हमने

रुकूऽ	4	v: 17	8	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

5198 क़दीम, पहले लोग, पूर्वज أَقْدُمُونَ

5199 पिलाता है मुझे يَسْتَقِينِ

5200 im. मिला दे الْحَقُّ

5201 pv. fg. नज़दीक कर दी जायेगी أَرْزَلْتُ

5202 pv. fg. ज़ाहिर (प्रकट)  
कर दी जायेगी بُرِّزْتُ

5203 औंधे डाले गये كَبِيبُوا

5204 दोस्त, मित्र صَدِيقٌ

5205 ग़म खाने वाला,  
दिल सोज़ी करने वाला حَمِيمٌ

रुकूऽ	5	v: 36	9	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

5206 कम दर्ज़ के लोग, छोटे लोग أَرْدُلُونَ

5207 ap. हॉकनेवाला,  
धुतकारनेवाला, दूर रखनेवाला طَارِدٌ

5208 pp. संगसार किये गये,  
पथराव से मारे गये مَرْجُومِينَ

रुकूऽ	6	v: 18	10	रुकوع
-------	---	-------	----	-------

19th पार:	1/2	نصف جزء: وَقَالَ الَّذِينَ
-----------	-----	----------------------------

5209 भारी हुई مَشْحُونٌ

5210 pl. बनाते हो तुम تَبْنُونَ

5211 ऊँचा मक़ाम, ऊँचा स्थल رِيعٌ

5212 कारीगरी مَصَانِعٌ  
(sr.: مَصْنَعٌ)

5213 pl. पकड़ा तुमने بَطَشْتُمْ

5214 इमदाद की, सहायता की أَمَدٌ

रुकूऽ	7	v: 18	11	रुकوع
-------	---	-------	----	-------

5215 यहाँ هَاهُنَا

5216 बोझ के मारे टूट पडने वाला هَضِيمٌ

5217 इतरानेवाले **فَارِهِينَ**

रुकूऽ	8	v: 19	12	रकوع
-------	---	-------	----	------

5218 pl. मर्द **ذُكْرَان**5219 सख्त नफ़रत करनेवाले **قَالِين**5220 बुढिया **عَجُوزٌ**

रुकूऽ	9	v: 16	13	रकوع
-------	---	-------	----	------

5221 बन वाले, एक कौम का नाम  
जो घने जंगलों में बस्ती थी **أَيْكَةٌ**5222 मखलूकात, सृष्टि, नस्लें **جِبَلَةٌ**5223 im. गिरा दे **أَسْقَطُ**

रुकूऽ	10	v: 16	14	रकوع
-------	----	-------	----	------

5224 ग़ैर अरबी, जो अरबी  
ज़बान बोलने वाले न हों **أَعْجَمِين**5225 चला दिया हमने **سَلَكْنَا**5226 pp. pl. रोक दिये गये,  
अलग कर दिये गये **مَعَزُوثُونَ**5227 pl. बदला लिया **أَنْتَصَرُوا**5228 जगह फिरने की,  
(लौ कर जाने की) **مُنْقَلَبٌ**

रुकूऽ	11	v: 36	15	रकوع
-------	----	-------	----	------

{ سُورَةُ النَّمْلِ }

चीटियाँ

सूर: 27 अन-नम्ल

5229 सिखाया जाता है

تُلْقَى

19th पार: ثَلَاثَةَ أَرْبَاعٍ جُوعًا: وَقَالَ الَّذِينَ

5230 शोला **شَهَابٌ**5231 अंगारा **قَبَسٌ**5232 pl. सेंको तुम **تَصْطَلُونَ**5233. pv. बरकत दी गयी **بُورِكٌ**5234 हिलता हुआ **تَهْتَتُ**5235 सांप **جَانٌ**5236 नहीं पीछे मुड़ा **لَمْ يُعَقِّبْ**5237 गरेबान **جَيْبٌ**

रुकूऽ	1	v: 14	16	रकوع
-------	---	-------	----	------

5238 बोली **مَنْطِقٌ**5239 pp. जमा कर लिये जाते हैं **يُوزَعُونَ**5240 चींटियों की घाटी, वादी **وَادِ النَّمْلِ**5241 चींटी **نَمْلَةٌ**5242 न कुचल डाले **لَا يَحْطِمَنَّ**5243 मुस्कुरा दिया **تَبَسَّمَ**

(vn.: تَبَسَّمَ)

5244 हंसता हुआ **ضَاحِكًا**5245 im. तौफ़ीक़ दे,  
समर्थ्य दे मुझे **أَوْزِعْ**5246 हाज़िरी ली, ख़बर ली **تَفَقَّدَ**

- 5247 एक परिन्द: (पक्षी) هُذْهُدٌ  
 5248 सबा मुल्क (राष्ट्र) का नाम سَبَا  
 5249 छिपी हुई चीज़ خَبَاءٌ  
 5250 im. डाल दे اَلْقَهْ

रुकूऽ	2	v: 17	17	रुकوع
-------	---	-------	----	-------

- 5251 ap. fg. कर्तई फैसला قَاطِعَةٌ  
 5252 तुहफ़ा, उपहार, भेंट هَدِيَّةٌ  
 5253 कवी हैकल, अतिबलिष्ठ عَفْرِيتٌ  
 5254 फिर आवे, लौट आवे يَرْتَدُّ

- 5255 निगाह, पलक طَرْفٌ  
 5256 im. pl. अपरिचित कर दो, نَكْرُوْا  
 बदल दो

- 5257 इसी तरह هَكَذَا  
 5258 गहरा पानी لُجَّةٌ

- 5259 fg. खोल दिया كَشَفْتُ

- 5260 dl. दोनों पिंडलियाँ سَاقِي  
 (sr.: سَاقٌ)

- 5261 मँढा हुआ, जड़ा हुआ مُمَرَّدٌ

- 5262 शीशे قَوَارِيرٌ

रुकूऽ	3	v: 13	18	रुकوع
-------	---	-------	----	-------

- 5263 जत्थेदार رَهْطٌ

- 5264 कसम खाओ आपस में تَقَاسَمُوا

- 5265 हम रात को मार डालेंगे نُبَيِّنَنَّ

- 5266 हलाकत (विनाश) का वक़्त مَهْلِكٌ

रुकूऽ	4	v: 14	19	रुकوع
-------	---	-------	----	-------

- 5267 मुन्तख़ब किया, चुन लिया اصْطَفَى

- 5268 क्या अल्लाह ءَآلَهُ اللهُ

﴿ جُزْءٌ : اَمَّنْ خَلَقَ 20 پار: ﴾

- 5269 बागात حَدَائِقٌ  
 (sr. बाग़ حَدِيْقَةٌ)

- 5270 वा रौनक़, शोभायमान ذَاتَ بَهْجَةٍ

- 5271 पहाड़ رَوَاسِي

- 5272 आड़, (विभाजन रेखा) حَاجِزًا

- 5273 हार मान गया, اِدَارَكَ

थक कर मुखतलिफ़ हुआ

रुकूऽ	5	v: 8	1	रुकوع
-------	---	------	---	-------

- 5274 लगा पीछे رَدَفٌ

- 5275 पोशीद: है, छिपा है تُكِنُّ

- 5276 बयान करता है يَقْصُصُ

रुकूऽ	6	v: 16	2	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

- 5277 या क्या? اِمَّاذَا

- 5278 घबरा उठा, डर गया فَرَعٌ

- 5279 pl. ज़लील, नत (झुके हुए) دَاخِرِيْنَ

5280 जमे हुए, स्थिर **جَامِدَةٌ**

5281 *pv.* औंधे डाले गये **كَبَّتْ**

रुकूऽ	7	v: 11	3	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

{ سُورَةُ الْقَصَصِ }  
**किस्से**  
**सूर: 28 अल-क़स़स**

5282 फ़िराँन के वज़ीर का नाम **هَامَانَ**

5283 *im. fg.* दूध पिला **أَرْضِعِي**

5283 उठा लिया **الْتَقَطَ**

5284 सबर से ख़ाली, अधीर **فَارِعًا**

5285 *im. fg.* ख़बर निकाल, **قُصِّي**

खोज कर

5286 दूर से, करवट से **عَنْ جُنْبٍ**

5287 मैं ख़बर दूँ, मैं पता दूँ **أَدُلُّ**

रुकूऽ	1	v: 13	4	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

<b>20th पार:</b>	<b>1/4</b>	ربع جزء: أَمَّنْ خَلَقَ		
------------------	------------	-------------------------	--	--

5288 फ़रयाद **اسْتِغَاثَةً**

5289 फ़रयाद की **اسْتِغَاثَ**

5290 घूँसा मारा **وَكَزَ**

5291 भेद लेता हुआ, **يَتَرَقَّبُ**

ख़बर लेता हुआ

5292 (बीता हुआ) कल **أَمْسَ**

5293 पुकारता है, चीखता है **يَسْتَصْرِخُ**

5294 पकड़े **يَبْطِشُ**

5295 किनारे, परलेसिरे से **أَقْصَى**

5296 दौड़ता हुआ **يَسْعَى**

5297 मशिवर: (राय) करते है **يَأْتَمِرُونَ**

रुकूऽ	2	v: 8	5	रुकوع
-------	---	------	---	-------

5298 रूख़ किया, हो लिया **تَوَجَّهَ**

5299 तरफ़ **تِلْقَاءَ**

5300 *fg. dl.* (वह दो औरतों) दूर **تَذُودَانَ**

हटाती थी, रोकती थी

5301 वापस ले जावें, फ़ेर ले जावें **يُصْدِرَ**

5302 चरवाहे **رِعَاءَ**

(*sr.:* **رَاعِيٌ**)

5303 शरमाते हुए **اسْتَحْيَاءَ**

5304 *im.* मज़दूर रख ले, **اسْتَأْجَرَ**

नौकर रख ले

5305 *fg.* कोई एक **أَحَدِي**

5306 *dl. fg.* यह दोनों **هَاتَيْنِ**

5307 बरस, साल **حِجَجٍ**

(*sr.:* **حِجَّةٌ**)

5308 कोई भी, जौन सी भी **أَيَّمَا**

रुकूऽ	3	v: 7	6	रुकوع
-------	---	------	---	-------

5309 ले चला **سَارَ**5310 चिन्गारी **جَذْوَةٌ**5311 किनारे **شَاطِئٌ**5312 मकाम, स्थल **بُقْعَةٌ**5313 *dl.* यह दो (2) **ذَانِكَ**5314 ज़ियाद: फ़सीह, कुशल वक्ता **أَفْصَحُ**5315 साथी, सहायक, समर्थक **رِدْأً**5316 हम मज़बूत कर देंगे **نَشُدُّ**5317 बाजू, भुजा (शक्ती), कुव्वत **عَضْدًا**5318 न पहुँच सकेंगे **لَا يَصِلُونَ**5319 *im.* आग तैयार कर, भट्टी लगा **أَوْقِدْ**5320 *pp.* बदहाल, बुराई **مَقْبُوحِينَ**

किये गये, क्वाहत से देखे गिये

रुकूऽ	4	v: 14	7	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

5321 दराज़ हुई, तवील हुई, बढी **طَاوَلَ**5322 रहनेवाला **ثَاوِيًّا**

रुकूऽ	5	v: 8	8	रुकوع
-------	---	------	---	-------

5323 पै दर पै किया हमने, **وَصَلَّنَا**

लगातार भेजा हमने

20th पार:		نصف جزء: أَمَّنْ خَلَقَ
-----------	--	-------------------------

5324 हम नहीं चाहते **لَا نَبْغِي**5325 *pv.* अचुक लिये जायें हम **نُتَخَطَفُ**5326 *fg.* इतरा गयी, इतराने लगी **بَطَرَتْ**

रुकूऽ	6	v: 10	9	रुकوع
-------	---	-------	---	-------

5327 पसन्द करता है **يَخْتَارُ**5328 इखितयार, अधिकार **خَيْرَةٌ**5329 हमेशा, सदैव **سَرْمَدًا**5330 रौशनी, प्रकाश **ضِيَاءً**

रुकूऽ	7	v: 15	10	रुकوع
-------	---	-------	----	-------

5331 थका दी **تَنُوءُ**5332 धंसा दिया हमने **خَسَفْنَا**5333 तअज्जुब है कि, **وَيَكَانُ**

बात यों है कि

रुकूऽ	8	v: 7	11	रुकوع
-------	---	------	----	-------

5334 फ़र्ज किया, हुकम किया **فَرَضَ**5335 लौटानेवाला **رَادًّا**5336 वापस जाने की जगह **مَعَادَ**5337 उम्मीद करता है तू **تَرْجُوا**

रुकूऽ	9	v: 6	12	रुकوع
-------	---	------	----	-------

20th पार:	3/4	ثلاثة ارباع جزء: أَمَّنْ خَلَقَ
-----------	-----	---------------------------------

{ سُورَةُ الْعَنْكَبُوتِ }

मकडी

सूर: 29 अल-अन्कबूत

5338 ज़रूर आनेवाला **لَاتٍ**5339 *pv.* सताया जाता है **أُوذِيَّ**

رکوع	1	v: 13	13	رکوع
------	---	-------	----	------

5340 पैदा करता है يُنْشِئُ  
(vn.: اَنْشَاءُ)

5341 pv. pl. लौटाये जाओगे تُقْلَبُونَ

رکوع	2	v: 9	14	رکوع
------	---	------	----	------

5342 im. pl. जला डालो حَرَّقُوا

5343 मज्लिस, बैठक نَادِي

رکوع	3	v: 8	15	رکوع
------	---	------	----	------

5344 नाखुश हुआ, दुखी हुआ سَيِّئَ

5345 दिल में ذَرَعًا

5346 ज़लज़ला, भूचाल رَجْفَةً

5347 ap. बसारत रखनेवाले, مستَبْصِرِينَ

सूझ बूझ वाले

5348 धमाका, हौलनाक आवाज़ صَيْحَةً

5349 मकड़ी عَنَكِبُوتٍ

5350 बहुत कमजोर أَوْهَنَ

رکوع	4	v: 14	16	رکوع
------	---	-------	----	------

यहाँ से رُكُوع का निशान नहीं बलकी केवल चौथे, आधे, और पौन पारे का निशान दिया गया है.

﴿ جُزْءٌ : اَثَلُ مَا اَوْحِيَ 21 پارہ ﴾

5351 fg. रोके रखती है, मना करती है تَنْهَى

5352 नहीं लिखता है तू لَا تَخْطُ

(vn.: خَطٌّ)

{ سُورَةُ الرَّؤْمِ }

رُوم

سُورَةُ 30 اَر-رُوم

5353 pv. मग़लूब कर दिये गये, غَلِبْتَ

दब गये, पराजित हुए

5354 सरहद के करीब, اَدْنَى الْأَرْضِ

समीप के प्रदेश में

5355 अब ग़ालिब होंगे, سَيَغْلِبُونَ

अनकरीब ग़ालिब होंगे

5356 बोया, जोता اَثَارُوا

5357 pl. आबाद किया عَمَرُوا

5358 वाग़ رَوْضَةً

5359 pv. pl. बनाव कराय जायेंगे, يُحْبِرُونَ

आव-भगत की जायेगी

5360 शाम करते हो تُمْسُونَ

(शाम: مَسَاءً)

5361 दोपहर करते हो तुम تُظْهِرُونَ

(दोपहर: ظَهْرٌ)

5362 चलते फिरते हो तुम, تَنْتَشِرُونَ

फैले हुए हो तुम

5363 बहुत आसान, अति सरल اَهْوَنَ

ربع جُزْءٍ: اَثَلُ مَا اَوْحِيَ 1/4 21th پارہ



5364	ap. रूजुअ होनेवाले,	مُنِيَّبِيْنَ
5365	अल्लाह की रज़ा (खुशी)	وَجْهَ اللّٰهِ
5366	सूद, व्याज	رِبَا
5367	बढ़ जाये	يَرْبُوْ
5368	नहीं बढ़ता	لَا يَرْبُوْا
5369	जुदा जुदा होंगे	يَصَدَّعُوْنَ
5370	आरास्ता कर रहे हैं, संवारते हैं	يَمَهْدُوْنَ
5371	fg. उठाती है	تَثِيْرُ
5372	बारिश, वर्षा	وَدَقٌّ
5373	ज़र्द, पीली	مُصْفَرًّا
5374	कम्जोरी, निर्बलता	ضَعْفٌ
5375	बुढ़ापा	شَيْبَةٌ
5376	उज़र कुबूल किये जायें, (बचाव का आधार)	يُسْتَعْتَبُوْنَ
5377	न डगमगा दें	لَا يَسْتَحْفِنَنَّ

{ سُورَةُ لُقْمَانَ }  
**लुक़मान**  
**सूरः 31 लूक़मान**

5378	गाफ़िल करनेवाली (बहकावे की) बात	لَهُوَ الْحَدِيْثُ
5379	सुतून, खंभा	عَمَدٌ

5380	राई	خَرَدَلٌ
5381	पत्थर	صَخْرَةٌ
5382	हिम्मत के काम	عَزْمِ الْأُمُوْر
5383	ni. मत मोड़, गाल न फला	لَا تُصَعِّرْ
5384	गाल	خَدًّا
5385	शेखी बघारनेवाला	مُخْتَالٌ
5386	im. दर्मियानी चाल कर (सीधी साधी)	اِقْصِدْ
5386	बहुत नापसन्द, सबसे बुरी	أَكْرَهٌ
5387	आवाज़ (pl.: أَصْوَاتٌ)	صَوْتٌ
5388	पूरा किया	أَسْبَغَ
5389	इतिदाल पर, संतुलित, दर्मियानी राह पर	مُقْتَصِدٌ
5390	अहद को तोड़नेवाला, वचन भंग करनेवाला	خَتَّارٌ
5391	काम आनेवाला, किफायत करनेवाला	جَزَّازٌ
5392	बारिश, मेंह	غَيْثٌ
5393	आनेवाला कल	غَدًّا
5394	fg. नहीं जानता	مَا تَدْرِيْ

{ سُورَةُ السَّجْدَةِ }  
**सजदः**  
**सूरः 32 अस-सजदः**

§§5395 अलाहिद: होती है, **تَسْجَانِي**  
अलग होते हैं  
5396 हम पहुँचाते हैं, हाँक देते हैं **نَسُوْقٌ**

21th पार:

ثَلَاثَةَ اَرْبَاعٍ جُزْءٍ: اَثَلُ مَا اَوْ حَيَّ

{ سُورَةُ الْاَحْزَابِ }

जत्थे

सूर: 33 अल-अहज़ाब

5397 पहलू, सीना, पेट, खला **جَوْفٌ**  
5398 बहुत तअल्लुक का हकदार, **اَوَّلِي**  
अधिक समीपी  
5399 *pv.* लिखा हुआ **مَسْطُوْرًا** (س ط ر)  
5400 *pl.* नरखरे, गले **حَنَاجِرٍ**  
5401 *pv.* आजमाया गया, कसा गया **اَبْتَلِي**  
5402 मदीन: तथियव: का **يَثْرِبُ**  
पुराना नाम  
5403 अतराफ़ (इधर-उधर से) **اَقْطَارُ**  
(*sr.:* قَطْرٌ)  
5404 नहीं ठहरें, नहीं ठहरते **مَا تَلْبِثُوْا**  
5405 रोकनेवाले, बाधा डालनेवाले **مُعَوِّقِيْنَ**  
5406 चले आओ **هَلْمُ**  
5407 बखीली, कन्जूसी, कृपणता **اَشِحَّةٌ**  
5408 घूमती है, चकराती है **تَدُوْرٌ**  
5409 तेज़-तेज़ **حِدَادٍ**

5410 बाहर रहनेवाले, **بَادُوْنٌ**  
जंगल में रहनेवाले, बद्दू  
5411 देहाती, गंवार **اَعْرَابٌ**  
5412 नज़र, मन्नत, अरमान **نَحْبٌ**  
5413 क़िले, गढी **صِيَاصِي**  
5414 डाल दिया **قَذَفَ**  
5415 कदम रखा तुमने **تَطَطَّرُوْ**  
5416 रूखसत करना, विदा करना **سَرَاْحًا**

﴿ جُزْءٌ : وَمَنْ يَفْتُنْ 22 पार: ﴾

5417 बनाओ सिंघार, सजधज **تَسْرُجٌ**  
5418 हाजत, ज़रूरत **وَطْرًا**  
5419 ब्याह कर दिया हमने **زَوْجَنَا**  
5420 मूंह बोले, लेपालक (बेटे) **اَدْعِيَاءَ**  
5421 *pl.* बाप **اِبَاءَ**  
5422 रहमत भेजता है **يُصَلِّي**  
5423 *im.* नज़र अन्दाज़ कर दे **دَعُ**  
5424 (तेरी) तरफ़ लाया, फेर दिया **اَفَاءَ**  
5425 ढील देवे तू, अलग रखे **تُرْجِي**  
5426 तू जगह देता है, **تُتْوِي**  
वापस बुलाता है  
5427 एक तरफ़ कर दिया तुने, **عَزَلَتْ**  
किनारे कर दिया तुने

5428	निगहवान, देखनेवाला	رَقِيبًا
5429	पकना (खाने का पकना)	أَنَا
5430	जी लगाकर बैठनेवाले	مُسْتَأْنَسِينَ
5431	रहमत भेजते है	يُصَلُّونَ
5432	im. pl. दुरूद भेजो, रहमत भेजो	صَلُّوا
5433	im. pl. सलाम भेजो	سَلِّمُوا
5434	फ़र्माबरदार बनकर	تَسْلِيمًا
5435	fg. नज़दीक करें, लटका लिया करें	يُدْنِينَ
5436	चादरें	جَلَابِيبُ
5437	अफ़वाह (झुठी ख़बरें) फैलानेवाले	مُرْجُفُونَ
5438	हम मुसल्लत कर देंगे, उभार देंगे	نُغْرِينَ
5439	नहीं पडोस (समीप) में रह सकेंगे	لَا يُجَاوِرُونَ
5440	pp. लानत किये हुए, फिटकारे हुए	مَلْعُونِينَ
5441	pv. पाये जायें	تُقْفُوا
5442	कुचल कर मार दिये गये	تَقْتِيلًا
5443	तुझे क्या मालूम	مَا يُدْرِيكَ
5444	हमारे सरदार	سَادَتَنَا

22<sup>nd</sup> पारः

1/4

رَبِيعُ جُزْءٍ: وَمَنْ يَفْنَتْ

5445	हमारे बड़े	كُبْرَاءَنَا
5446	सीधी, ठीक-ठीक	سَدِيدًا
<div style="border: 1px solid black; padding: 10px; margin: 10px auto; width: 80%;"> <p>{ سُورَةُ سَبَا }</p> <p>सबा</p> <p>सूरः 34 सबा</p> </div>		
5447	नहीं पोशीदः, ओझल नहीं	لَا يَعْزُبُ
5448	रेज़ः रेज़ः, चूर चूर	مُمَزَّقٌ
5449	रूजू हो जाओ, लगाकर ध्यान करो	أَوْبِي
5450	नरम कर दिया हमने	الْتَأْنَا
5451	ज़िरहें, कवच	سَابِغَاتٌ
5452	पक्का करो, मज़बूत सही अंदाज़ा रखो	قَدَّرَ
5453	जोड़ना	سَرَدٌ
5454	सुबह की सैर उसकी	عُدُوهَا
5455	शाम की सैर उसकी	رَوَاحُهَا
5456	बहा दिया हमने	أَسَلْنَا
5457	पिघले हुए ताँबे का सोता (चशमः)	عَيْنَ الْقَطْرِ
5458	बड़े-बड़े किले, ऊँची महाराब वाले मकान	مَحَارِيبُ
5459	तसवीरें, डिज़ाइन, नक़शे (sr.: تَمَثَال)	تَمَاتِيلُ

5460	लगन, बड़े थाल	جَفَان			
5461	तालाब, हौज़	جَوَاب			
5462	देंगें, बड़े बरतन (sr.: قَدْرٌ)	قُدُورٌ			
5463	एक जगह गड़ी हुई, रखी हुई	رَاسِيَات			
5464	असा उसका, छड़ी उसकी	مِنْسَأْتُهُ			
5465	बहाव, जोर का सैलाब (बाढ़)	سَيْلَ الْعَرِمِ			
5466	dl. वाले (दो वचन)	ذَوَاتِي			
5467	मेवा, फल	أَكْلٍ			
5468	बदमज़ः, ख़राब सवादवाले	خَمَطٍ			
5469	झाऊ, झाग	أَثَلٍ			
5470	बेर	سِدْرٌ			
5471	घबराहट दूर की गयी	فُرْعَ عَنْ			
5472	मिलाया तुमने	الْحَقْتُمْ			
<table border="0" style="width: 100%;"> <tr> <td style="width: 33%;">22<sup>nd</sup> पार:</td> <td style="width: 33%;">1/2</td> <td style="width: 33%;">نصف جزء: وَمَنْ يَفْتُنْ</td> </tr> </table>			22 <sup>nd</sup> पार:	1/2	نصف جزء: وَمَنْ يَفْتُنْ
22 <sup>nd</sup> पार:	1/2	نصف جزء: وَمَنْ يَفْتُنْ			
5473	pp. pl. खड़े किये जायेंगे	مَوْقُوفُونَ			
5474	बालाखाने, ऊँचे कमरे	عُرْفَات			
5475	अेवज़ देता है, बदला देता है	يُخَلِّفُ			
5476	दसवाँ हिस्सा (1/10)	مِعْشَار			
5477	डाल देता है, फेंक देता है, चोट लगाता है	يَقْدِفُ			

5478	घबरा गये	فَزَعُوا
5479	नहीं बचने का मौका, नहीं छूट है	لَا فَوْتَ
5480	पहुँच, हाथ आना, हुसूल	تَنَاوُش
5481	हम खयाल गरोह, लोग	أَشْيَاع

{ سُورَةُ الْفَاطِرِ }

**पैदा करनेवाला**

**सूर: 35 अल-फ़ातिर**

5482	(ज़ियाद:) पर (पंख) वाले (sr.: جَنَاحٌ)	أُولِي أَجْنِحَةٍ			
5483	पहुँचता है	يَصْعَدُ			
5484	हलाक हो जायेगा, मलियामेट होकर रहेगी	يُبُورُ			
5485	मीठा, शीरी	عَذْبٌ			
5486	पीने में खुशगवार	فُرَاتٌ			
5487	ताज़ः	طَرِيًّا			
5488	खज़ूर की गुठली का छिलका (यानी तिनका भर)	قَطْمِيرٌ			
<table border="0" style="width: 100%;"> <tr> <td style="width: 33%;">22<sup>nd</sup> पार:</td> <td style="width: 33%;">3/4</td> <td style="width: 33%;">ثلاثة ارباع جزء: وَمَنْ يَفْتُنْ</td> </tr> </table>			22 <sup>nd</sup> पार:	3/4	ثلاثة ارباع جزء: وَمَنْ يَفْتُنْ
22 <sup>nd</sup> पार:	3/4	ثلاثة ارباع جزء: وَمَنْ يَفْتُنْ			
5489	pp. बोझवाली	مُثَقَّلَةٌ			
5490	धूप	حُرُورٌ			
5491	हो गुज़रा, हुआ हो	خَلَا			

5492	टुकड़े, हिस्से	جُدَدٌ
5493	सफ़ेद	بَيْضٌ
5494	सुर्ख, लाल	حُمْرٌ
5495	भुजंग, गहरे सियाह (काले)	عَرَابِيبُ
5496	काले	سُودٌ
5497	हरगिज़ बरबाद न होगी	لَنْ تَبُورَ
5498	थकान, थकावट	لُغُوبٌ
5499	चीख़ मारेंगे, चिल्ला उठेंगे	يَصْطَرِحُونَ
5500	नाराजी	مَقْتًا
5501	dl. कि ढलक न जायें	أَنْ تَزُولَا
5502	dl. ढलक गये (दोनों)	زَالَتَا

{ سُورَةُ يَس }  
यासीन

सूर: 36 यासीन

5503	pl. जकड़ी हुई गरदन वाले (ऊपर को सर उठाए हुए)	مُقَمَّحُونَ
5504	निशानियाँ, चिह्न	آثَارٌ
5505	शुमार कर रखा है हमने, घेर रखा है हमने	أَحْصَيْنَا
5505	सामने वाज़िह, स्पष्ट खुली	إِمَامٍ مُّبِينٍ
5506	क़व्वत दी हमने, बल दिया हमने	عَزَّزْنَا

﴿ جُزْءٌ : وَمَالِي 23 पार: ﴾

5507	नहीं छुड़ा सकेंगे मुझे	لَا يُنْقِدُونَ
5508	हमारे नज़दीक	لَدَيْنَا
5509	उतार लेते हैं, हटा लेते हैं हम	نَسْلُخُ
5510	अँधेरे में रह गये वह	مُظْلِمُونَ
5511	अनदाज़:	تَقْدِيرٍ
5512	हो गया (लौट आया)	عَادَ
5513	शाख, टहनी	عُرْجُونَ
5514	क़दीम, पुरानी	قَدِيمٌ
5515	तैरते हैं	يَسْبَحُونَ
5516	फ़र्याद सुननेवाला	صَرِيحٌ
5517	लड़ते-झगड़ते होंगे वह	يَخِصِّمُونَ
5518	वसीयत करना	تَوْصِيَّةً
5519	ख़्वाबगाहें, क़ब्रें	أَجْدَاثٌ
5520	दौड़ते होंगे	يَنْسَلُونَ
5521	क़ब्र, सोने की जगह, ख़्वाबगाह	مَرَقَدٌ
5522	मशग़लों में, मौजों में	فِي شُغْلٍ
5523	लज़ज़त हासिल करने वाले, मगन	فَاكِهِونَ
5524	मेवा	فَاكِهَةً
5525	im. pl. जुदा (अलग) हो जाओ	امْتَازُوا

5526	मख़लूकात, भारी गरोह, मानव-समूह	جِبَالًا
5527	<i>im. pl.</i> दाखिल हो जाओ	اَصْلُوا
5528	मिटा दिया, मलयामेट कर दिया	طَمَسَ
5529	सूरत बदल देना	مَسَخَ
5530	हम कुबडा बना देते हैं	نُنَكِّسُ
5531	नहीं मुनासिब है, नहीं लायक है, नहीं शोभित है	مَا يَنْبَغِي
5532	ताबे कर दिया हमने, काबू में दिया हमने	ذَلَّلْنَا
5533	<i>pl.</i> सवारी	رُكُوبٌ
5534	बोसीदः, गली हुई	رَمِيمٌ
5535	गहरे सब्ज़ (हरे)	أَخْضَرَ
5536	<i>pl.</i> तुम रौशन करते हो, दहकते हो, जलाते हो	تُوْقِدُونَ

{ سُورَةُ الصَّافَّاتِ }

**सफ़ बाँधने वाले**

**सूर: 37 अस-साफ़ात**

5537	<i>fg.</i> डाँटनेवाले, रोकने वाले	زَاجِرَاتٍ
5538	डाँटना, रोकना, मना करना	زَجْرًا
5539	<i>fg.</i> तिलावत (पाठ) करनेवाले	تَالِيَاتٍ
5540	धक्के दिये जाना	دُحُورًا
5541	दाअिमी, स्थायी	وَاصِبٌ

5542	चमकता हुआ	ثَاقِبٌ
5543	चिपकती, लसदार	لَازِبٌ
5544	<i>pl.</i> ज़लील होनेवाले, अपमानित	دَاخِرُونَ

23rd पार:	1/4	ربع جزء: وَمَالٌ
-----------	-----	------------------

5545	तख़्त (बहु वचन) ( <i>sr.</i> : سَرِيرٌ)	سُرُرٌ
5546	<i>pl.</i> आमने-सामने	مُتَقَابِلِينَ
5547	प्याला, जाम, मघपात्र	كَأْسٌ
5548	सर चकराना, सर का दर्द	عَوَلٌ
5549	मदहोश, बदमस्त, मतवाले	يُنْزَفُونَ
5550	<i>fg. pl.</i> नीची रखनेवालियाँ	قَاصِرَاتٌ
5551	निगाह	طَرْفٌ
5552	वैज़े, सुफ़ेद अण्डे	بَيْضٌ
5553	<i>pp.</i> हिफ़ाज़त में रखे हुए, ढँके	مَكْنُونٌ
5554	<i>pl.</i> जज़ा (प्रतिफल) दिये जानेवाले	مَدِينُونَ
5555	हलाक (तबाह) किया था तूने मुझे	تُرْدِينَ
5556	<i>pp.</i> हाज़िर किये हुए लोग, गिरफ़तार किये हुए लोग	مُخَضَّرِينَ
5557	सहूँड़ का दरख़्त	زُقُومٌ
5558	<i>ap. pl.</i> भरनेवाले	مَالِئُونَ

5559	मिलौनी, मिलाकर	شَوَّبَا
5560	खौलता हुआ पानी	حَمِيمٌ
5561	दौड़ने लगे	يُهْرَعُونَ
5562	ap. pl. डराने वाले	مُنذِرِينَ
5563	pp. pl. जिनको डराया गया	مُنذِرِينَ
5564	ap. कुबूल करनेवाले	مُجِيبُونَ
5565	सख्ती, संकट, तकलीफ़	كَرْبٌ
5566	बीमार	سَقِيمٌ
5567	पस टूट पड़ा (दौड़ पड़ा)	فَرَاغَ
5568	दौड़ते हुए, भागे-भागे	يَزْفُونَ
5569	pl. तुम तराशते हो, काट-छाँट कर बनाते हो	تَنْحِتُونَ
5570	dl. दोनों फ़रमाबरदार हुए, तसलीम कर लिया, अर्पित हुए	أَسْلَمَا
5571	पछाड़ दिया	تَلَّ
5572	माथा	جَبِينٌ
5573	तफ़सील से बयान (स्पष्ट) करनेवाली,	مُسْتَبِينٌ
5574	एक बुत (मूर्ति) का नाम	بَعْلًا
5575	भाग निकला	أَبَقَ
5576	कुरअः (चिट्ठी, लाटरी) में शरीक हुआ	سَاهَمَ
5577	ढकेले गये	مُدْحَضِينَ

5578	लुक़मः कर लिया, निगल लिया	التَّمَمَ
5579	मछली (pl.: حَيْثَانٌ)	حَوَّتْ
5580	बग़ैर घासवाला चटियल मैदान	عَرَاءٌ

23rd पार:

نصف جزء: وَمَالِي

5581	बेलदार दरख्त, कददू की बेल	يَقْطِينٌ
5582	बहका सकनेवाले	فَاتِنِينَ
5582	जानेवाला, दाख़िल होनेवाला, पहुँचने वाला	صَالَ
5583	pl. सफ़ बाँधनेवाला, पंकितबद्ध	صَافُونَ
5584	आंगन, मैदान	سَاحَةٌ

{ سُورَةٌ ص }

साद

सूर: 38 साद

5585	नहीं था	لَاتَ
5586	वक़्त, समय	حِينَ
5587	ख़लासी का, छुटकारे का	مَنَاصٍ
5588	गढ़ी हुई बात, मनगढ़त	اِخْتِلَاقٌ
5589	वे चढ़ जायें	يَرْتَقُوا
5590	pp. शिकस्त खाये हुए, मात खाये हुए	مَهْزُومٌ
5591	मेखें, खूँटियाँ	أَوْتَادٌ

	मेखोंवाले	ذُو الْأَوْتَادِ	5608	अऽला नसल के	صَافِنَاتُ الْجِيَادِ
5592	अज़ाब, पकड़, सज़ा	عِقَابٌ		अबलक़ घोड़े, एक पाँव पर खड़े होनेवाले	
5593	ढील, मुहलत, अवसर	فَوَاقٍ	5609	fg. छुप गया	تَوَارَتْ
5594	हिस्सा	قِطًّا	5610	हाथ फेरा	مَسْحًا
5595	हाथवाला, ताक़्तवर	ذَا لَأَيْدٍ	5611	पिंडलियाँ	سُوقٍ
5596	फ़ैसलाकुन तक़रीरें, निर्णयात्मक वचन	فَصْلَ الْخِطَابِ	5612	pl. गर्दनें	أَعْنَاقٍ
5597	दीवार चढ़कर आये	تَسَوَّرُوا	5613	जिस्म, धड़	جَسَدًا
5598	हज़रत दावूद (ﷺ) की कियामगाह के लिए यह लफ़्ज़ इस्तेमाल किया गया है (शाही भवन)	مِحْرَابٌ	5614	मुलायम, नर्म	رُخَاءٍ
5599	डर गया	فَرِعَ	5615	जहाँ पहुँचना चाहा	حَيْثُ أَصَابَ
5600	ना-इन्साफ़ी (अन्याय) मत कर	لَا تُشْطِطُ	5616	इमारत बनानेवाला, मेमार	بِنَاءٍ
5601	नौ और नव्वे यानी निन्नावे (99)	تِسْعٌ وَتِسْعُونَ	5617	गोतख़ोर, डुबकी लगाने वाला	غَوَاصٌ
5602	दुम्बी, भेड़	نُعْبَجَةٌ	5618	तक़रूब, नज़दीकी, सामीप्य	زُلْفَى
5603	im. सौप दे मुझे	أَكْفِلْنِي	5619	अच्छा ठिकाना	حُسْنِ مَأَبٍ
5604	दबाव डाला, दबा लिया	عَزَّ	5620	तकलीफ़, पीड़ा	نُصَبٍ
5605	साझी, मिलकर रहनेवाले (sr.: خَلِيْطٌ)	خُلَطَاءٍ	5621	im. पैर मार	أَرْكُضٌ
5606	pl. बदकार	فَجَّارٍ	5622	नहाने का पानी	مُعْتَسَلٌ
5607	pv. पेश किये गये, सामने लाये गये	عَرِضَ	5623	झाड़ू, सीकों का मुट्ठा	ضِعْنًا
			5624	ni. कसम न तोड़	لَا تَحْنُتُ
			5625	pl. बेहतर लोग, नेक बन्दे	أَخْيَارٍ
			5626	pl. हम-उम्र, समवयस्क	أَثْرَابٍ



5627	ख़त्म, अंत	نَفَاد
5628	पीप, जख़मों का धोवन	غَسَّاق
5629	दाख़िल होनेवाला, पैठनेवाला	مُقْتَحِمٌ
5630	खुशी न हो, नास हो	لَا مَرْحَبًا
5631	दाख़िल हुए	صَالُوا
5632	pl. शरीरों, दुष्टों	أَشْرَار
5633	हँसी में उड़ाया, उपहास किया	سِخْرِيًّا
5634	सरदार, बलन्द मरतबः वाले, ऊपर की मजलिस	مَلَاءِ الْأَعْلَى
5635	pl. बनावट करनेवाले, पाखंडी	مُتَكَلِّفِينَ

{ سُورَةُ الزُّمَرِ }

ग्रोह, टोली

सूरः 39 अज़-जुमर

5636	लपेटता है	يُكْوِّرُ
5637	सामान दिया	خَوَّلَ
5638	बने बनाये	مِنْبِيَّةً
5639	चलाया, जारी किया	سَلَكَ
5640	चश्मे, सोते (sr.: يَنْبُوعٌ)	يَنْابِيعَ
5641	खुश्क होता है, ज़ोर पर आता है	يَهِيْجُ

5642	रेज़-रेज़ः, चूर चूर, भूसा	حُطَامًا
5643	मिलते-जुलते, एकसाँ	مُتَشَابِهًا
5644	बार बार दुहराई जाने के काबिल	مَثَانِي
5645	fg. रोंगटे खड़े हो जाते हैं, रोमाचित हो जाते हैं	تَقْشَعْرُ
5646	fg. नर्म हो जाते हैं (विनम्र)	تَلِينٌ
5647	बिना टेढ़वाला, सीधा, कोई जटिलता नहीं	غَيْرِ ذِي عَوْجٍ
5648	pl. बाहम झगड़नेवाले ज़िद्दा- ज़िद्दी करने वाले	مُتَشَاكِسُونَ
5649	पूरा, मुसल्लम, ऐक का	سَلَمًا
5650	ap. मारनेवाला, मरणशील	مَيِّتٌ
5651	ap. pl. मरनेवाले (बहु वचन)	مَيِّتُونَ

﴿ جُزْءٌ : وَمَنْ أَظْلَمُ ۚ ۚ ۚ ۚ ۚ ۚ ۚ ۚ ۚ ۚ ॥ पारः 24 ॥ ﴾

5652	नफ़रत करते हैं	اِشْمَزَّتْ
5653	हाये अफ़सोस!	يَا حَسْرَتِي
5654	तक़सीर (जटि, कोताही) किया	فَرَطَ
5655	अल्लाह के बारे में	جَنَّبِ اللَّهِ
5656	कुंजियाँ	مَقَالِيدَ
5657	pl. लिपटे हुए	مَطْوِيَّاتٌ
5658	बेहोश हो गया	صَعِقَ
5659	fg. चमक उठेगी,	أَشْرَقَتْ

	जगमगा उठेगी	
5660	pv. रख दी गयी (सामने)	وَضِعَ
5661	लाया जायेगा	جَاءَ
5662	हाँक दिया जाये गा	سَيَقُ
5663	गरोह, टोली	زُمْرًا
5664	चौकीदार, दारोगह	خَزَنَةً
5665	खुशहाल (मज़े में) रहे तुम	طِبْتُمْ
5666	pl. हलका (घेरा) बाँधे हुए	حَافِينَ

24th पार:	رَبِيعُ جُزْءٍ: وَمَنْ أَظْلَمُ
-----------	---------------------------------

{ سُورَةُ الْمُؤْمِنِينَ }
<b>मुमिन</b>
<b>सूर: 40 मुमिन</b>

5667	इनआम देनेवाला	ذِي الطَّوْلِ
5668	मुलाकात, सामना	تَلَاقَ
5669	ap. मौजूद होंगे	بَارِزُونَ
5670	pv. कहा माना जाये	يُطَاعُ
5671	करीब आनेवाली	ارْزَاقًا
5672	ap. बचानेवाला	وَأَقِ
5673	pl. गालिब होनेवाले, प्रभुत्वपूर्ण	ظَاهِرِينَ
5674	दिन आवाजों का, दिन पुकार का	يَوْمَ التَّنَادِ
5675	हलाकत, विनष्ट	تَبَابَ

24th पार:	نَصْفُ جُزْءٍ: وَمَنْ أَظْلَمُ
-----------	--------------------------------

5676	सुपुर्द करता हूँ, सौपता हूँ	أَفْوَضُ
5677	बुरे काम करने वाला	مُسِيئٌ
5678	जंजीरें	سَسَائِلٌ
5679	pv. pl. घसीटे जायेंगे	يُسْحَبُونَ
5680	pv. pl. झोंक दिये जायेंगे	يُسْحَرُونَ

{ سُورَةُ حَمِ السَّجْدَةِ }
<b>हा-मीम सज्दह</b>
<b>सूर: 41 हा-मीम सज्दह</b>

24th पार:	3/4	ثَلَاثَةُ أَرْبَاعِ جُزْءٍ: وَمَنْ أَظْلَمُ
-----------	-----	---

5681	न रूकनेवाला	غَيْرٌ مَمْنُونٌ
5682	pl. कुव्वतें	أَقْوَاتٍ
5683	धुवाँ	دُخَانٍ
5684	खुशी से करनेवाले (स्वेच्छापूर्वक)	طَائِعِينَ
5685	जोरदार आँधी जिसमें सरसर की आवाज़ होती है, प्रचण्ड वायु	صَرَاصًا
5686	pl. तरतीब से (श्रेणियों में) खड़े किये जायेंगे	يُوزَعُونَ
5687	pl. छुप सकते तुम	تَسْتَتِرُونَ
5688	तौब: करें	يَسْتَعْتَبُونَ
5689	तौबा या उज़्र कुबूल किये जानेवाले	مُعْتَبِينَ

- 5690 मुक़र्रर (नियुक्त) कर  
दिया हमने قَيْضَنَا
- 5691 हमनशीं, संगी قُرْنَا
- 5692 im. pl. शोर मचाओ الْعَوَا
- 5693 बदतर, अधिक बुरा أَسْوَأَ
- 5694 खूब ज़लील होनेवाले,  
नीचतम, गिरे हुए أَسْفَلِينَ
- 5695 जो चाहे, जो ख्वाहिश हो مَا تَشْتَهِي
- 5696 वसवसः, उकसाहट, दुष्प्रेरणा نَزْعُ
- 5697 नहीं उकताते, नहीं थकते لَا يَسْتَمُونَ
- 5698 दबी हुई, डरनेवाली,  
दुखदायी दण्ड خَاشِعَةً
- 5699 अज़ाब देने वाला ذُو عِقَابٍ

﴿ جزء : إِلَيْهِ يُرَدُّ 25 पार: ﴾

- 5700 ग़िलाफ़, खोल, गाभा أَكْمَامٌ
- 5701 बता दिया हमने اِدْنًا
- 5702 लम्बी-चौड़ी عَرِيضٌ
- 5703 गिर्द व नवाह (चारों ओर) اَفَاقٌ

{ سُورَةُ الشُّورَى }

मशवरा

सूर: 42 अश-शूरा

- 5704 फट पड़ेंगे يَتَفَطَّرُونَ
- 5705 फैलाता है يَذَرُونَ

- 5706 मुक़र्रर किया, निर्धारित किया شَرَعَ
- 5707 भारी हो كَبِيرٌ
- 5708 वातिल, बचली हुई دَاحِضَةٌ
- 5709 झगड़ते हैं يُمَارُونَ
- 5710 दोस्ती, चाहत, प्रेमभाव مَوَدَّةٌ
- 5711 मिटा देता है يَمَحُحُ
- 5712 वारिश, मेंह غَيْثٌ

25th पार: 1/4 ربيع جزء: إِلَيْهِ يُرَدُّ

- 5713 चलनेवाले जहाज़ جَوَارٍ
- 5714 ऊँचे पहाड़ أَعْلَامٌ
- 5715 हो जायें يَظْلَلْنَ
- 5716 थमे हुए, स्थिर رَوَاكِدٌ
- 5717 हलाक (तबाह) कर देगा يُؤَبِّقُ
- 5718 मशिवरा, सलाह, सम्मति شُورَى
- 5719 इन्कार نَكِيرٌ
5720. मिलाकर देता,  
जमा कर देता, जोड़ा कर देता है يُزَوِّجُ
- 5721 बाँझ عَقِيمًا
- 5722 फेरे जायेंगे, पलटायें जायेंगे تَصِيرُ

{ سُورَةُ الزُّخْرُفِ }

चमक-दमक सोने की

सूर: 43 अज़-ज़ुख़रुफ़

5723	मरकजी किताब, मूलग्रन्थ	أُمُّ الْكِتَابِ	5741	चढ़ते उतरते	يَظْهَرُونَ
5724	हटा लेना	صَفْحًا	5742	चमक-दमक सोने (के गहनों) की	زُخْرَفًا
5725	vn. सख्त पकड़	بَطْشًا	5743	अन्धा बनता है, आँख चुराता है	يَعِشُ عَنْ
5726	हो गुज़री	مَضَى	5744	दूरी	بُعْدٍ
5727	pl. सवार हो जाओ तुम	تَسْتَوُوا	5745	आपस में शिकर्तवाले (साथी)	مُشْتَرِكُونَ
5728	काबू में लेनेवाले, बस में करनेवाले	مُقَرَّنِينَ	5746	परा बांध कर, अरदली बन कर	مُقْتَرِنِينَ
5729	हिस्सा, अंश	جُزْءًا	5747	सुबुक कर दिया, घबरा दिया	اسْتَخَفَّ
5730	pv. आराईश की जाती है, सजाई जाती है	يُنَشَّؤُا	5748	गुस्सा दिलाया उन्होंने	اسْفُؤًا
5731	जेवरात, गहने	حَلِيَّةٍ	5749	तालियाँ बजाते हैं शोर करते हैं	يَصِدُّونَ
5732	मज़बूती से पकड़नेवाले	مُسْتَمْسِكُونَ	5750	जानशीन रहते	يَخْلُفُونَ
5733	पैरवी करनेवाले	مُقْتَدُونَ	5751	ni. मत शक करो	لَا تَمْتَرَنَّ
25th पार: 1/2 نصف جزء: إِلَيْهِ يُرَدُّ			5752	दोस्त (sr.: خَلِيلٌ)	أَخِلَّاءَ
5734	बेज़ार, अलग	بَرَاءً	5753	बड़ी रकाबियाँ, थाल	صِحَافٌ
5735	पैदा किया	فَطَرَ	5754	आबखोरे	أَكْوَابٌ
5736	दो बस्तियाँ	قَرَيْتَيْنِ	5755	fg. लज़ज़त चाहें, अनन्द पायें	تَلَذُّ
5737	काम में लाना, मुसख़्ख़र करना	سُخْرِيًّا	5756	pv. नहीं हल्का किया जायेगा, नहीं सुस्त होगा	لَا يُفْتَرُ
5738	छत	سُقْفًا	5757	उन्होंने मुकर्रर किया, ठान रखा	أَبْرُمُوا
5739	चाँदी	فِضَّةً			
5740	सीढ़ियाँ	مَعَارِجَ			

5758 मुर्कर कर देनेवाले **مُرْمُونَ**

{ سُورَةُ الدُّخَانِ }

धुवाँ

सूर: 44 अद-दुख़्ख़ान

5759 pv. जुदा किया जाता है **يُفْرَقُ**

5760 im. मुन्तज़िर रह, प्रतीक्षा कर **ارْتَقِبْ**

5761 धुवाँ **دُخَانٌ**

5762 pp. सिखलाया हुआ **مُعَلَّمٌ**

5763 ap. फिर करने वाले **عَائِدُونَ**

5764 im. pl. साथ भेज दो **ادُوا**

25th पार: 3/4 **ثَلَاثَةَ ارْبَاعٍ مَّجْرًا: اَلَيْهِ يُرَدُّ**

5765 im. ले चल **اَسْرُ**

5766 खुशक **رَهْوًا**

5767 खुशहाल, मज़: करनेवाले **فَاكِهِينَ**

5768 fg. नहीं रोना आया, **مَا بَكَتْ**

नहीं रोए

5769 pp. जिलाये जानेवाले, **مُنْشَرِيْنَ**

ज़िन्दा किये जानेवाले

5770 दोस्त **مَوْلَى**

5771 पिघलाया हुआ ताँवा, **مُهْلٌ**

तेल की तलछट

5772 जोश मारता है **يَغْلِي**

5773 जोश मारना **غَلَى**

5774 im. pl. घसीटो **اِعْتَلُوا**

5775 बीचों बीच **سَوَاءِ الْجَحِيْمِ**

जहन्नम के

5776 im. pl. डाल दो, उँडेलो **صُبُّوا**

5777 im. चख **دُقْ**

{ سُورَةُ الْجَاثِيَةِ }

जाँनू के बल गिरी हुई

सूर: 45 अल-जासिय

5778 इसरार करता है, ज़िद करता है **يُصِرُّ**

5779 करते हैं **اجْتَرَحُوا**

5780 गर्दिश, ज़माना, कालचक्र **دَهْرٌ**

5781 fg. जाँनू के बल गिरी हुई **جَاثِيَةٌ**

5782 हम लिखवाते हैं **نَسْتَسِخُّ**

(vn.: **اسْتَسَاخَ**)

5783 हम नहीं जानते **مَا نَدْرِي**

5784 यकीन करनेवाले **مُسْتَيْقِنِيْنَ**

5785 vn. यकीन करना **اسْتَيْقَانَ**

﴿ **جزء : حم** पार: 26 ﴾

{ سُورَةُ الْاَحْقَافِ }

रेगिस्तान

सूर: 46 अल-अहक़ाफ़

5786 झिलमी दलील, निशान **اَثَارَةٌ**

5787	नया, अनोखा	بَدْعًا
5788	तकलीफ़	كُرْهًا
5789	तीस (30)	ثَلَاثُونَ
5790	हम दरगुज़र करेंगे	نَتَجَاوَزُ
5791	pl. ले चुके तुम	أَذْهَبْتُمْ
5792	रेगिस्तान	أَحْقَافٍ
5793	बादल, घटा	عَارِضًا
5794	सामने आनेवाला	مَسْتَقْبِلٌ
5795	वादियाँ, नदी नाले	أَوْدِيَةٌ
5796	तकरूब का ज़रीया, नज़दीक पहुंचने का वसीला	قُرْبَانًا
5797	जमाअत, टोली, गरोह	نَفْرًا
5798	पनाह देगा तुमको	يُجِرْكُمْ
5799	वह नहीं थका	لَمْ يَعْ

26th पार:

ربع جزء: حم

{ سُورَةُ مُحَمَّدٍ }

मुहम्मद ﷺ

सूर: 47 مُحَمَّد ﷺ

5800	बेराह कर दिया	أَضَلَّ
5801	दूर कर दिया	كَفَّرَ
5802	दुरूस्त कर दिया	أَصْلَحَ
5803	हाल, कैफ़ियत	بَالٍ

5804	गर्दन मारना	ضَرَبَ الرِّقَابِ
5805	खूब कुचल डाला तुमने	أَثَحْتُمْ
5806	खूरेज़ी करना (कुचल डालना)	ثَخُنُ
5807	कैद करना, बांधना	وَتَاقٍ
5808	फिदया लेकर छोड़ देना	فِدَاءً
5809	पहचान करा दी	عَرَّفَ
5810	गिर कर हलाक होना	تَعَسًا
5811	बिन बिगड़ा हुआ, कभी न बिगड़नेवाला	غَيْرِ السِّنِّ
5812	(अंगुरी) शराब	خَمْرٍ
5813	शहद	عَسَلٌ
5814	अन्तड़ियाँ, आँतें	أَمْعَاءٌ
5815	अभी-अभी	أَنْفًا
5816	अलामतें, निशानियाँ	أَشْرَاطٍ
5817	वह शख्स जिस पर बेहोशी छाई हो	مَعْشِيٌّ
5818	खराबी	أَوْلَى
5819	ताले, कुफल (sr.: قُفْلٌ)	أَقْفَالٍ
5820	वात बनाई, चकमा दिया	سَوَّلَ
5821	दूर की सुझाई	أَمْلَى
5822	आहिस्ता की बात, खुफ़्या, राज़, छुपा भेद	إِسْرَارٍ

- 5823 pl. बदनिश्चयी, कीना **أَضَعَانَ**  
 5824 तर्ज कलाम, **لَحْنِ الْقَوْلِ**  
 बात का ढब  
 5825 नहीं कमी करेगा **لَنْ يَبْرَ**  
 5826 तंग करेगा **يُحْفِ**

{ سُورَةُ الْفَتْحِ }  
**फ़तह**  
**सूर: 48 अल-फ़तह**

- 5827 पहले हो चुका **تَقَدَّمَ**  
 5828 पीछे हुआ **تَأَخَّرَ**  
 5829 गुमान (अटकल) करने वाले **ظَانِّينَ**  
 5830 im. pl. तुम साथ दो, **تُعَزِّرُوا**  
 तुम कुव्वत दो  
 5831 im. pl. तुम अदब करो **تُوقِرُوا**  
 5832 माले गनीमत **مَعَانِمَ**

**26th पार:** **نصف جزء: حم**

- 5833 काबू दिया, गालिब किया **أَظْفَرَ**  
 5834 कुरबानी के जानवर **الْهَدْيِ**  
 5835 रूका हुआ **مَعْكُوفًا**  
 5836 pl. कुचल डालोगे **تَطَوَّنَا**  
 5837 तकलीफ़, नुकसान **مَعْرَةَ**  
 5838 जुदा हो जाते **تَزَيَّلُوا**

- 5839 ग़लत ख्यालात, अ़ार, **حَمِيَّةً**  
 नादानी की ज़िद  
 5840 लाज़िम कर दिया, लगाये रखा **الزَّم**  
 5841 ap. मुँडवाने वाले (ح ل ق) **مُحَلِّقِينَ**  
 5842 ap. कतरवाने वाले (ق ص ر) **مُقَصِّرِينَ**  
 5843 निशानी, बाना **سِيمًا**  
 5844 पटठा, सूई, कोंपल **شَطَاءً**  
 5845 कुव्वत पकड़ी, **ازر**  
 कमर मज़बूत हुई  
 5846 मोटा हुआ **اسْتَغْلَظَ**  
 5847 खेती की जड़ें, नाल, डन्ठल **سُوقَ**

{ سُورَةُ الْحُجُرَاتِ }  
**हुजरे, चार-दीवारियाँ**  
**सूर: 49 अल-हुजुरात**

- 5848 ख़ास कर लिया, जांच लिया **امْتَحَنَ**  
 5849 fg. फिर आयें, रूजूअ हो जायें **تَفِيءَ**

**26th पार:** **3/4** **ثلاثة ارباع جزء: حم**

- 5850 ni. pl. मत अ़ैब लगाओ **لَا تَلْمِزُوا**  
 5851 ni. pl. मत बुरे नाम धरो **لَا تَنَابِزُوا**  
 5852 ni. pl. जासूसी न करो **لَا تَجَسَّسُوا**  
 5853 ni. न गीबत / चुगली करो **لَا يَغْتَبُ**  
 5854 नहीं कम करेगा **لَا يَلْتِ**

{ سُورَةُ ق }  
काफ़

सूर: 50 काफ़

5855	मुख्तलिफ़, उलक्षण में डालने वाला	مَرِيحٌ
5856	शिगाफ़	فُرُوجٌ
5856	खोशा, गाभा	طَلْعٌ
5857	लम्बी-लम्बी, ऊँची	بَاسِقَاتٍ
5858	त: ब त:, गूँधे हुए	نَضِيدٌ
5859	हम थक गये	عَيْنَانَا
5860	रगे गर्दन, रगे जान	حَبْلِ الْوَرِيدِ
5861	तैयार	عَتِيدٌ
5862	बेहोशी, सकरात	سَكْرَةٌ
5863	तू किनार: करता है, भागता है	تَحِيدُ
5864	पर्द:, ढकना	غِطَاءٌ
5865	fg. क्या भर गयी तू	هَلِ امْتَلَأَتْ
5866	छान डाला	نَقَّبُوا

{ سُورَةُ الدَّارِيَّاتِ }

बिखेरने वालिया

सूर: 51 अज़-ज़ारियात

5867	fg. बिखेरने वालियाँ	دَّارِيَّاتٍ
5868	बिखेरना	ذَرَوْا

5869	बोज़ल	وَقِرًا
5870	fg. चलने वालियाँ	جَارِيَّاتٍ
5871	fg. तक्सीम करने वालियाँ	مُقَسَّمَاتٍ
5872	राहें	حُبْكٌ
5873	अटकल मारने वाले	خَرَّاصُونَ
5874	pv. गिरफ़तार किये जायेंगे	يُفْتَنُونَ
5875	सोते थे	يَهْجَعُونَ
5876	हैरत	صَرَّةٌ
5877	fg. हाथ मारा	صَكَّتْ

﴿ پار: 27 جُزء: قَالَ فَمَا خَطْبُكُمْ ﴾

5878	रुकने सलतनत या ताक़त	رُكْنٌ
5879	(बुरे दिन की) बारी, नौबत	ذُنُوبًا

{ سُورَةُ الطُّورِ }

तूर

सूर: 52 अत-तूर

5880	मुलायम काग़ज़	رَقٌّ
5881	pp. खुला हुआ	مَنْشُورٌ
5882	आबाद घर	الْبَيْتِ الْمَعْمُورِ
5883	pv. झोंका हुआ, सुलग जाने वाला	مَسْجُورٌ
5884	ap. हटानेवाला	دَافِعٌ
5885	थरथराना	مُورًا



5886	धक्के देना	دَعَا
5887	नहीं कम किया हमने	مَا التَّنَا
5888	गिरफ्तार	رَهَيْنَ
5889	हादिसा मौत का, समय का फेर	رَبِّبَ الْمُنُونِ
5890	अकलें	أَحْلَامَ
5891	ap. सर्कश	طَاغُونَ
5892	बात बनाया होता वह	تَقْوَلَ
5893	pl. जिम्मेदार, दारोगः	مُصَيِّطُرُونَ
5894	pp. बोझ से दबे हुए	مُتَقَلُونَ
5895	हमारी निगरानी में	أَعَيْنَنَا
5896	पीछे जाना, पीठ देना	أَدْبَارًا
{ سُورَةُ التَّجْمِ { सितारा सूर: 53 अन-नज्म		
5897	गिरा	هُوَى
5898	ताक़्तवर	ذُو مِرَّةٍ
5899	नज़दीक हुआ	دَنَا
5900	उतर आया	تَدَلَّى
5901	दो कमानों के क़दर (बराबर)	قَابَ قَوْسَيْنِ
5902	परले हृद की बेरी, बेरी का दरख्त जो आख़री	سِدْرَةَ الْمُنْتَهَى

	हृद पर आलमे माददी और आलमे आख़रत के दर्मियान हृददे फ़ासिल है	
5903	बेढंगी	ضِيْرَى
5904	नाम रखना	تَسْمِيَةً
5905	रसाई, पहुँच	مَبْلَغَ
ربيع جُرء: قَالَ فَمَا خَطْبُكُمْ 1/4 27th पार:		
5906	छोटे गुनाह	لَمَمَ
5907	pl. बच्चे (माँ के पेट के अनदर के बच्चों को कहते हैं)	أَجْنَّةَ
5908	sr. बच्चा (माँ के पेट के अनदर का बच्चा)	جِنِينَ
5909	बन्द कर दिया, रोक लिया	أَكْدَى
5910	पूरी पूरी	أَوْفَى
5911	हँसाया	أَضْحَكَ
5912	रूलाया	أَبكى
5913	मारा (मार डाला)	أَمَاتَ
5914	जिलाया, ज़िनदगी दिया	أَحْيَى
5915	(मनी) डाली जाती है	تُمْنَى
5916	पैदाईश	نَشْأَةَ
5917	ग़नी / मालदार कर दिया	أَغْنَى
5918	ख़ज़ाने वाला कर दिया	أَفْنَى
5919	एक सितारे का नाम	شِعْرَى
5920	बहुत ज़ियादः सर्कश	أَطْعَى

5921	उलटाई हुई बस्तियाँ	مَوْتَفَكَةٌ
5922	फेंक मारा	أَهْوَى
5923	गफलत करने वाले	سَامِدُونَ

{ سُورَةُ الْقَمَرِ }

**चाँद**

**सूर: 54 अल-क़मर**

5924	पहले से चला आने वाला	مُسْتَمِرٌّ
5925	काफ़ी डाँट	مُرْدَجْرٌ
5926	im. मूँह फेरा	تَوَلَّى
5927	अनदेखी, अनजान, ना पहचान	نُكِرٌ
5928	pv. डाँटा गया	أَزْدَجِرُ
5929	खूब बरसाया हुआ	مُنْهَمِرٌ
5930	मेखें	دُسِرُ
5931	pv. नाकदरी की गयी	كُفِرَ
5932	नसीहत हासिल करनेवाला	مُدَكِّرٌ
5933	fg. उखाड डालती	تَنْزِعُ
5934	डालियाँ	أَعْجَازٌ
5935	कटी हुई	مُنْقَعِرٌ
5936	जुनून, बे अक़ली	سُعْرٌ
5937	बहुत शरीर	أَشْرٌ
5938	बारी-बारी से हाज़िरी	مُحْتَضِرٌ
5939	पकड़ा	تَعَاطَى

5940	काट डाला	عَقَرَ
5941	रौंदा हुआ, चूरा, पामाल	هَشِيمٌ
5942	काँटों की सूखी पुरानी बाढ़	مُحْتَظِرٌ
5943	पत्थरों की बारिश	حَاصِبًا
5944	अख़ीर शब (सुबह)	سَحْرٌ
5945	बहुत सख्त	أَدْمَى
5946	बहुत कड़वी	أَمْرٌ
5947	आग, तेज़ जलन	سَفْرٌ
5948	झपकना आँख का	لَمَحَ بِالْبَصَرِ
5949	जामाअतें, गरोह	أَشْيَاعٌ
5950	pp. लिखा हुआ	مُسْتَطَرٌ
5951	मुक़ाम अ़ुमदा	مَقْعَدِ صِدْقٍ
5952	बादशाह	مَلِيكٍ
5953	कुदरत वाला	مُقْتَدِرٌ

{ سُورَةُ الرَّحْمَانِ }

**बड़ा मेहरबान**

**सूर: 55 अर-रहमान**

5954	गर्दिश करनेवाले हिसाब से	حُسْبَانٌ
5955	ख़िलक़त, ख़ल्क	أَنَامٌ
5956	भूसेवाला ग़ल्ला	ذُؤَالْعَصْفِ
5957	खुशबुदार (ग़िज़ा)	رَيْحَانٌ
5958	नेमतें	الْآءُ

5958 a	खनखनाती मिट्टी	صَلْصَال		
5959	ठीकर, ठेकरी	فَخَّارٌ		
5960	dl. लगे हुए, मिलते हैं	يَلْتَقِيَانِ		
5961	आड़	بَرْزَخٌ		
5962	dl. नहीं बढ़ सकते पार नहीं कर सकते	لَا يَبْغِيَانِ		
5963	मोती	لَوْلُؤٌ		
5964	मूंगे	مَرْجَانٌ		
5965	ऊंची कश्तियाँ	جَوَارِ الْمُنَشَّاتِ		
5965a	जैसे पहाड़	كَالْأَعْلَامِ		
<table border="1" style="margin: auto;"> <tr> <td style="padding: 2px;">27th पारः</td> <td style="padding: 2px;">نصف جزء: قَالَ فَمَا خَطْبُكُمْ</td> </tr> </table>			27th पारः	نصف جزء: قَالَ فَمَا خَطْبُكُمْ
27th पारः	نصف جزء: قَالَ فَمَا خَطْبُكُمْ			
5966	अज़मत वाला	ذُو الْجَلَالِ		
5967	काम	شَانٌ		
5967a	हम फ़ारिग़ होंगे	سَنَفْرُغُ		
5968	dl. दो खिलकतें भारी भर कम (जिन व इत्स)	ثَقْلَانِ		
5969	pl. निकल भाग सको	تَنْفِذُوا		
5970	हूदूद, किनारे	أَقْطَارٌ		
5971	ज़ोर, इक्तिदार	سُلْطَانٌ		
5972	शोले, बेधुवें की आग, भयानक गर्म	شَوَاطِئُ		
5973	तांबा गला हुआ गर्म	نُحَاسٌ		
5974	गुलाबी	وَرْدَةٌ		

5975	तेल की तलछट	دِهَانٌ
5976	पेशानी	نَوَاصِييُ
	(sr.: نَاصِيَةٌ)	
5977	pl. कदम	أَقْدَامٌ
5978	गर्म पानी	حَمِيمٌ
5979	शदीद हरारत, खौलता हुआ	أَنْ
5980	कई शाखोंवाले दो बाग़	ذَوَاتَا أَفْتَانٍ
5981	असतर, अंदर का हिस्सा	بَطَائِنِ
5982	दबीज़ रेशमी कपड़ा	اسْتَبْرَقٌ
5983	मेवा (चुना हुआ)	جَنَا
5984	नज़दीक, हाथ के करीब	دَانَ
5985	छुआ, नज़दीक हुआ	طَمَّتْ
5986	जवाहर, कीमती पत्थर	يَاقُوتٌ
5987	गहरे सब्ज़ (हरे) दो बाग़	مُدْهَامَتَانِ
5988	जोश मारने वाले दो चश्मे	نَصَّاحَتَانِ
5989	अनार	رَمَانٌ
5990	खूबसूरत और खूबसीरत	خَيْرَاتٌ حِسَانٌ
5991	कालीन, फ़र्श के इस्तेमाल का बारीक कपड़ा	رَفْرَفٌ

5992 सब्ज (हरा) خَضْرٌ

5993 मसनद, कालीन عَبْقَرِيٌّ

{ سُورَةُ الْوَاقِعَةِ }  
वाके होने वाली  
सूर: 56 अल-वाकिअह

5994 *ap. fg.* वाके होने वाली وَاقِعَةٌ

5995 *fg.* नीचा कर देनेवाली خَافِضَةٌ

5996 *fg.* बलन्द कर देनेवाली رَافِعَةٌ

5997 *pv. fg.* हिलाई जायेगी رُجَّتْ

5998 झटका देना, हिला देना رَجًّا

5999 रेज़:-रेज़: करके उड़ा देना بَسًّا

6000 गुबार का रेज़: هَبَاءٌ

6001 परागन्द: مُبِثًّا

6002 दाहनी तरफ़ اصْحَابُ الْمَيْمَنَةِ  
वाले, अच्छे लोग

6003 बाई तरफ़ वाले, المشئمة  
बुरे लोग, खराब लोग

6004 बड़ी तादाद (संख्या) ثَلَاثَةٌ

6005 जड़ाऊ (सोने के तारों से  
बने हुए) तख्त مَوْضُوءَةٌ

6006 *pl.* हमेशा रहनेवाले مُخَلَّدُونَ

6007 आफ़तावे, लोटे اَبَارِيقٌ

6008 नहीं सर दुखायें जायेंगे لَا يُصَدَّعُونَ

6009 गुनाह की बात تَأْتِيْمًا

6010 *pp.* बे कांटे की مَخْضُودٌ

6011 केले طَلْحٌ

(*sr.:* طَلْحَةٌ)

6012 *pp.* त: ब त: مَنضُودٌ

6013 *pp.* लम्बा مَمْدُودٌ

6014 *pp.* झरनों का बहता पानी مَسْكُوبٌ

6015 कुँवारियाँ اَبْكَارًا

6016 पारसा औरतें जो खाविन्द  
पर आशिक हों عُرْبًا

6017 हम-उम्र, नौजवान औरतें اَثْرَابًا

6018 भयानक सियाह धुवाँ يَحْمُومٌ

6019 इसरार करते يُصِرُّونَ

6020 गुनाह حِنْتٌ

6021 प्यासे (व्याकुल) ऊँटों شُرْبُ الْهَيْمِ

की तरह पीना

6022 रेज़:-रेज़: حُطَامًا

6023 *pl.* बातें बनाते रह जाओगे تَفَكَّهُونَ

तुम

6024 *pp.* करज़दार हो गये مُعْرَمُونَ

6025 बदली مُزَنٌ

6026 *pl.* तुम रौशन करते हो تُورُونَ

6027 मुसाफ़िर مُتَقَوِّينَ

27th पार:	¼	ثَلَاثَةَ أَرْبَاعٍ حُجْرَةٍ: قَالَ فَمَا خَطْبُكُمْ
-----------	---	--

- 6028 सितारों का छुपना **مَوَاقِعِ النَّجُومِ**
- 6029 *pp. pl.* साफ़ सुथरे लोग **مُطَهَّرُونَ**
- 6030 बात को सरसरी और मामूली समझनेवाले, खास अहमियत न देनेवाले **مُدْهُونُونَ**
- 6031 हिसाब नहीं दिये जानेवाले **غَيْرِ مَدِينِينَ**
- 6032 राहत **رَوْحٍ**
- 6033 खुशबूदार रिज्क **رِيحَانٍ**
- 6034 *vn.* दाखिल होना **تَصْلِيَةٍ**
- 6035 दोजख, आग का गढ़ा **جَحِيمٍ**

{ سُورَةُ الْحَدِيدِ }

लोहा

सूर: 57 अल-हदीद

- 6036 *pp.* कायम-मकाम, खलीफा **مُسْتَخْلَفِينَ**
- 6037 हम रौशनी हासिल करें **نَقْتَسِبُ**
- 6038 *im. pl.* ढूँढ लाओ **الْتَمِسُوا**
- 6039 दीवार, ओट **سُورٍ**
- 6040 तरफ **قِبَلٍ**
- 6041 क्या वक़्त नहीं आया **أَلَمْ يَأْنِ**
- 6042 दराज़ (लम्बी) हुई **طَالَ**
- 6043 मुद्दत **أَمَدٍ**

- 6044 *vn.* फ़र्ख, बड़ाई **تَفَاخُرٍ**
- 6045 *vn.* कसरत **تَكَاتُرٍ**
- 6046 चौड़ान, वुसअत **عَرَضٌ**
- 6047 हम पैदा करते हैं **نَبْرًا**
- 6048 *ni. pl.* मत ग़म करो **لَا تَأْسَوْا**
- 6049 जाती रही **فَاتٍ**
- 6050 पीछे लाये हम **قَفِينًا**
- 6051 तर्क दुनिया, गोश: नशीनी, संसार से विरक्त **رَهْبَانِيَّةٍ**
- 6052 निगाह रखना **رِعَايَةٍ**
- 6053 *dl.* दो हिस्से **كَفْلَيْنِ**

पार: 28

﴿ جُزْءٌ: قَدْ سَمِعَ اللَّهُ ﴾

{ سُورَةُ الْمُجَادَلَةِ }

झगड़ा करने वाली

सूर: 58 अल-मुजादिलह

- 6054 *fg.* शिकायत करती है **تَشْتَكِي**
- 6055 सवाल व जवाब, गुप्तगु **تَحَاوُرٍ**
- 6056 ज़िहार करते हैं, अपनी बीवी को ज़माने जाहिलियत में जो शख्स यह कहता था कि तू मुझपर मेरी माँ की पीठ की तरह है तो वह औरत मुस्तक़िल तौर पर उस मर्द से अलाहिद: समझी जाती, उसी को ज़िहार कहा गया है **يُظَاهِرُونَ**

6057	(rel. pronoun) वह औरतें जो	الَّلَاثِي
6058	dl. वह दोनों हाथ लगाएँ (एक दूसरे को)	يَتَمَاسَا
6059	dl. दो महीने	شَهْرَيْنِ
6060	dl. लगातार, मुसल्लसल	مُتَتَابِعَيْنِ
6061	साठ (60)	سِتِّينَ
6062	मुख़ालिफ़त करते हैं	يُحَادِدُونَ
6063	pv. हलाक (नष्ट) किये गये	كُتِبُوا
6064	pv. हलाक किया गया	كُتِبَ
6065	गिन रखा है	أَحْصَى
6066	नाफ़रमानी	مَعْصِيَةَ
6067	दुआ सलाम करते हैं	حَيَّوْا
6068	im. जगह खोल दो, खुलकर बैठो	تَفَسَّحُوا
6069	कुशादगी करना, गुंजाइश करना, विस्तार करना	فَسَّحَ
6070	im. pl. उठ खड़े हो जाओ	أَنْشُرُوا
6071	ढाल	جَنَّةَ
6072	मुसल्लत हो गया, अधिकार पा लिया, ग़ालिब आगया	اسْتَحْوَذَ
6073	गरोह, जमाअत, जत्था	حِزْبٍ
6074	pl. बहुत ज़लील, अपमानित	أَذْلِينَ
6075	दोस्ती करते हैं	يُؤَادُونَ

{ سُورَةُ الْحَشْرِ }

इकट्ठा करना

सूर: 59 अल-हशर

6076	बचानेवाली	مَانَعَةٌ
6077	क़िले	حُصُونٌ
	(sr.: حِصْنٌ)	
6078	डाल दिया	قَذَفَ
6079	खराब करते हैं, उजाड़ते हैं	يُخْرِبُونَ
6080	im. pl. इबरत (शिक्षा) हासिल करो	اعْتَبِرُوا
6081	जिला वतन करना, देश से निकाला देना	جَلَاءً
6082	तनेदार दरख्त (खजूर का पेड़)	لَيْنَةً
6083	दौड़ाये तुमने	أَوْجَفْتُمْ
6084	हाथों हाथ लेना	دُؤَلَةً
6085	ग़नी, मालदार	أَغْنِيَاءَ
6086	ख़लिश, रशक, हाजत	حَاجَةً
6087	ईसार करते हैं, दूसरे के लिए अपना हित त्यागते हैं	يُؤْتِرُونَ
6088	तंगदस्ती, मुहताजी, अभाव	خِصَاصَةً
6089	pv. बचाया गया	يُوقَ
6090	बख़ीली, कंजूसी	شَحٌّ

28th पार:	1/4	ربع جزء: قَدْ سَمِعَ اللَّهُ
-----------	-----	------------------------------

- 6091 मुनाफ़िक़ (छली) हो गये نَافِقُونَ
- 6092 डर رَهْبَةً
- 6093 बस्तियाँ महफूज़ (सुरक्षित) قُرَى مُحَصَّنَةً
- 6094 मुख़तलिफ़, मुतफ़रि़क़, जुदा जुदा, फटे हुए شَتَّى
- 6095 वबाल, सज़ा, दुष्परिणाम وَبَالَ
- 6096 दब जानेवाला, सहमा हुआ خَاشِعًا
- 6097 फट जानेवाला مُتَصَدِّعًا
- 6098 निगहवानी करनेवाला, संरक्षक مُهَيِّبُونَ
- 6099 बड़ाईवाला, अतयन्त महान مُتَكَبِّرِينَ

{ سُورَةُ الْمُتَحِنَّةِ }
जाँच करने वाली
सूर: 60 अल-मुम्तहि़नह

- 6100 pl. मुलाक़ात करते हो तुम تُلَقُّونَ
- 6101 बेज़ार हैं, विमुख हैं بُرَاءٌ وَأُ
- 6102 अदावत रखते हो तुम عَادِيْتُمْ
- 6103 मददगारी की, सहायता की ظَاهِرُونَ
- 6104 im. pl. इम्तिहान (परीक्षा) कर लो, परख लो, जांच लो اِمْتَحِنُونَ
- 6105 ni. pl. मत कायम रखो, لَا تُمَسِّكُونَ

अधिकार में न रखो, न थामे रहो

- 6106 काफ़िर औरतों से عَصَمِ الْكُوفِرِ  
सम्बन्ध
- 6107 हाथ से निकल गई فَاتٌ

28th पार:	1/2	نصف جزء: قَدْ سَمِعَ اللَّهُ
-----------	-----	------------------------------

{ سُورَةُ الصَّفِّ }
सफ़
सूर: 61 अस-सफ़

- 6108 नाराज़ी مَقْتًا
- 6109 इमारत بُيَانٌ
- 6110 pp. सीस: पिलाई हुई مَرْصُوصٌ

{ سُورَةُ الْجُمُعَةِ }
जूमुअह
सूर: 62 अल-जूमुअह

- 6111 किताबें बहुत सारी اَسْفَارًا
- (sr.: سِفْرًا)
- 6112 दौड़ते जाते हैं, निकल भागते हैं اِنْفِضُوا

{ سُورَةُ الْمُنَافِقُونَ }
मुनाफ़ि़कीन
सूर: 63 अल-मुनाफ़ि़कून

- 6113 जिस्म, बदन (बहुवचन) اَجْسَامًا

(sr.: جِسْمٌ)

6114	लकड़ियाँ	خُشْبٌ
6115	fg. pp. सहारे से लगी हुई	مُسْنَدَةٌ
6116	आवाज़	صَيْحَةٌ
6117	मोड़ते हैं	لَوَّأُوا
6118	भाग जायें, मुन्तशिर हो जायें	يَنْفِضُوا

{ سُورَةُ التَّعَابِينِ }  
हार जीत  
सूर: 64 अत-तगाबुन

6119 हार जीत تَعَابِينَ

28th पार: 3/4 ثلاثة ارباع جزء: قَدْ سَمِعَ اللهُ

{ سُورَةُ الطَّلَاقِ }  
तलाक़  
सूर: 65 अत-तलाक़

6120	नई बात	يُحَدِّثُ
6121	im. pl. जुदाकर दो, अलग करदो	فَارِقُوا
6122	दो इन्साफ़ पसन्द (आदमी), दो न्यायपरायण	ذَوِي عَدْلٍ
6123	ap. पहुंचेगा, करके रहेगा	بَالِغٌ
6124	fg. हमल वालियाँ गर्भवती स्त्रीयाँ	أُولَاتِ حَمَلٍ
6125	मक़दूर, हैसियत	وُجْدٌ

6125a	fg. हमल रख दें, बच्चा जन लें	يَضَعْنَ
6126	pl. तंगी करो तुम	تَعَاسَرْتُمْ
6127	दूध पिलायेगी	تُرْضِعُ
6128	fg. दूसरी	أُخْرَى
6129	साहिबे वुसअत	ذُو سَعَةٍ
6130	fg. सर्कशी की	عَتَّتْ

{ سُورَةُ التَّحْرِيمِ }  
हराम करना  
सूर: 66 अत-तहरीम

6131	तू चाहता है	تَبْتَغِي
6132	खोलना, हलाल करना	تَحِلَّةٌ
6133	चुपके से कहा	أَسْرًا
6134	ज़ाहिर कर दिया	أَظْهَرَ
6135	बतला दिया, पहचनवा दिया	عَرَفَ
6136	टाल दिया	أَعْرَضَ
6137	fg. मायल हुए	صَعَّتْ
6138	dl. कार्रवाई करोगी तुम दोनों	تَظَاهَرَا
6139	तौब: करनेवालियाँ	تَائِبَاتٌ
6140	रोज़: रखनेवालियाँ	سَائِحَاتٌ
6141	बेवह, शौहर देखी हुई	ثَيِّبَاتٌ
6142	कुँवारियाँ	أَبْكَارًا



6143	सख्तदिल, कठोर	غَلَاظًا
6144	ख़ालिस, जिस में ख़ैरख्वाही हो, सच्ची (हृदय से)	نُصُوحًا
6145	im. बना दे	ابنِ
6146	शरमगाह, नामूस, सतीत्व	فَرَجٍ

﴿ جزء: تَبَارَكَ الَّذِي 29 पार: ﴾

{ سُورَةُ الْمُلْكِ }  
बादशाही  
सूर: 67 अल-मुल्क

6147	ऊपर तले	طَبَاقًا
6148	फ़र्क, चूक, त्रटि, कमी	تَفَاوُتٍ
6149	ख़लल, दरार, कमी	فُطُورٍ
6150	दोबार:	كَرَّتَيْنِ
6151	ज़लील	خَاسِنًا
6152	थकी हुई	حَسِيرٍ
6153	मारना	رُجُومًا
6154	चीख़ना, दहाड़ना, गर्जना	شَهِيْقًا
6155	fg. जोश मारती है	تَفُورٍ
6156	फटती है	تَمِيْزٍ
6157	लानत	سُحْقًا
6158	नर्म, अधीन	ذُلُوْلًا

6159	रास्ते	مَنَابِكِ
6160	fg. थरथराने लगी	تَمُورٌ
6161	लग गये, अड गये	لَجُؤًا
6162	औंधा गिरा हुआ	مُكِبًّا
6163	ज़ियाद: हिदायतयाफ़त:, प्रथ प्रदर्शित	أَهْدَى
6164	नज़दीक	زُفَى
6165	बिगड़ जायेंगे	سَيِّئَةٌ
6166	पनाह देगा	يُجِيرُ
6167	हो गया	أَصْبَحَ
6168	खुश्क	غُورًا
6169	जारी, बहता हुआ	مَعِينٍ

{ سُورَةُ الْقَلَمِ }  
कलम  
सूर: 68 अल-क़लम

6170	क़सम है क़लम की (oath)	وَالْقَلَمِ
6171	लिखते है	يَسْطُرُونَ
6172	अख़लाक़ का अज़ला मुक़ाम, श्रेष्ठ स्वाभाव वाला	خُلُقٍ عَظِيمٍ
6173	pp. फ़ितन: वाला, दीवाना, भ्रमित	مَفْتُونٍ
6174	तू सुस्त हो, तू ढीला पडे, शिथिल हो	تُدْهِنُ

6175	xg. बहुत कसम खानेवाला	حَلَّافٌ
6176	xg. ताने देनेवाला	هَمَّازٌ
6177	xg. चाल चलनेवाला	مَشَاءٌ
6178	चुगली खानेवाला	نَمِيمٌ
6179	बदखू, उज्जड़, कर्कश, कट्ट	عُتْلٌ
6180	बद नसीब, बदअसल	زَنِيمٌ
6181	हम दाग देंगे उसको	نَسَمُهُ
6182	नाक (सूँड़)	حُرْطُومٌ
6183	नहीं तारीफ़ करते, नहीं उन्होंने कहा اِنشَاءَ الله	لَا يَسْتَشْنُونَ
6184	फिरनेवाला	طَائِفٌ
6185	ap. सोनेवाले	نَائِمُونَ
6186	जड़ से कटा हुआ	صَرِيمٌ
6187	पुकारने लगे	تَنَادَوْا
6188	काटनेवाले	صَارِمِينَ
6189	बखीली	حَرْدٌ
6190	बीचवाला	اَوْسَطٌ
6191	इल्जाम देने लगे, उलाहना देने लगे	يَتَلَاوَمُونَ
6192	pv. खोल दिया जायगा	يُكْشَفُ
6193	साक, पिंडली	سَاقٌ
6194	मछलीवाला	صَاحِبُ الْحُوتِ

(यूनस عَلَيْهِ السَّلَامُ)

6195	ग़म से भरा हुआ	مَكْظُومٌ
6196	पा लिया	تَدَارَكَ
6197	pv. डाल दिया गया	نُبِدَ
6198	बिन दरख़्तवाली जगह, चटियल मैदान	عَرَاءٌ
6199	फिसला देंगे	يُرْلَقُونَ

29th पार: 1/4 ربع جزء: تَبَارَكَ الَّذِي

{ سُورَةُ الْحَاقَّةِ }

हक होनेवाली

सूर: 69 अल-हाक्कह

6200	हक होनेवाली, सत्य ही घटित होनेवाली	الْحَاقَّةُ
6201	हद से ज़ियाद:	طَاغِيَةٌ
6202	जड़ से कटी	حُسُومًا
6203	गिरी हुई	صَرَعى
6204	fg. बलन्द चढ़ी हुई	رَائِيَةٌ
6205	याद रखे	تَعِي
6206	fg. याद रखनेवाली	وَأَعِيَةٌ
6207	फूक	نَفْحَةٌ
6208	तोड़ फोड़ कर दिया जाना	دَكَّةٌ
6209	fg. सुस्त, कम्ज़ोर	وَأَهِيَةٌ

6210	किनारे	أَرْجَاءُ
6211	पोशीद:	خَافِيَةٌ
6212	तुम देख लो	هَآؤُمْ
6213	आमालानामा मेरा (कर्मलेख)	كِتَابِيَّةٌ
6214	झैश बेहतरीन, मनचाहा सुख	عَيْشَةٌ
6215	मेवे के गुच्छे	قُطُوفٌ
6216	झुके हुए	دَانِيَةٌ
6217	गुज़रे हुए, बीते हुए	خَالِيَةٌ
6218	pv. न दिया जाता मैं	لَمْ أُوتِ
6219	न जानता मैं	لَمْ أَدْرِ
6220	तमाम (अन्त) कर देने वाली	قَاصِيَةٌ
6221	सलतनत मेरी	سُلْطَانِيَّةٌ
6222	im. pl. तौक पहना दो	غُلُّوْا
6223	im. pl. डाल दो, दाखिल करो, झोंक दो	صَلُّوْا
6224	ज़न्जीर	سِلْسِلَةٌ
6225	पैमाईश उसकी	ذُرْعَهَا
6226	सत्तर (70)	سَبْعُونَ
6227	हाथ	ذِرَاعًا
6228	im. pl. जकड़ दो	أَسْلُكُوْا
6229	नहीं रग़बत दिलाता, (उभारता, उकसाता)	لَا يَحْضُ

6230	ज़ख़मों का धोवन, बहता पीप	غَسْلِينَ
6231	फ़ाल बतानेवाला, दैवज्ञ	كَاهِنٌ
6232	बात लगा देना, आरोपित करके	تَقْوَلَ
6233	(बाज़) बातें	أَقَاوِيلَ
6234	रगे दिल, जीवनाड़ी	وَتِينَ
6235	बचानेवाले, रोकनेवाले	حَاجِرِينَ

{ سُورَةُ الْمَعَارِجِ }

**दरजात, ऊपर जाने की  
सीढियाँ**

**सूर: 70 अल-मज़ारिज**

6236	पचास (50)	خَمْسِينَ
6237	हज़ार (1000)	أَلْفٌ
6238	साल	سَنَةٌ
6239	धुनी हुई ऊन	عَهْنٌ
6240	कुन्बा, कबीला	فَصِيلَةٌ
6241	जगह दिया था उसको	تُوُوِيَهُ
6242	शोले मारती हुई	لَطَى
6243	fg. उधेड़ देनेवाली	نَزَّاعَةٌ
6244	मुँह की खाल, कलेजा	شَوَى
6245	बन्द रखा, रोक लिया	أَوْعَى

6246	xg. जी का कच्चा	هَلُوعًا
6247	घबरानेवाला	جَزُوعًا
6248	xg. मना करनेवाला	مُنُوعًا
6249	कायम, मुसलसल	دَائِمُونَ
6250	टोली पर टोली	عِزِّينَ
6251	अजिज होनेवाले	مَسْبُوقِينَ
6252	वह दौड़ते हैं	يُوفِضُونَ

{ سُورَةُ نُوحٍ }  
**نُوحٍ** الطَّيِّبِ  
**سُورَةُ 71 نُوحٍ** الطَّيِّبِ

6253	ढिटाई बताई उन्होंने, ज़िद की	أَصْرُورًا
6254	अज़मत, बुज़ुर्गी	وَقَارٍ
6255	तरह तरह	أَطْوَارٍ
6256	बिछौना, कुशादः	بَسَاطًا
6257		وَدٍّ
6258	कौमे नूह के पाँच	سُورًا عَا
6259	सालेह बुज़ुर्गी के नाम जिनकी यह लोग परस्तिश	يَعْتُونَ
6260	(पूजा) किया करते थे	يَعُوقُ
6261		نَسْرًا
6262	बसने वाला	دَيَّارًا

6263	हलाक कर डालना	تَبَارًا
------	---------------	----------

29th पारः 1/2 نصف جُرء: تَبَارَكَ الَّذِي

{ سُورَةُ الْجِنِّ }  
**जिन्न**  
**सुूरः 72 अल-जिन्न**

6264	ज़ियादती की बात	شَطَطًا
6265	बद दिमागी	رَهَقًا
6266	pv. fg. भरी हुई	مُلْتَتٌ
6267	चौकीदार	حَرَسًا
6268	बैठने की जगह	مَقَاعِدَ
6269	तैयार, घात में लगा हुआ	رَصَدًا
6270	अलग अलग, मुखतलिफ़	قِدْدًا
6271	भाग कर	هَرَبًا
6272	कमी, हक़ तलफ़ी	بَخْسًا
6273	pl. बदराह लोग, हक़ से फिरे हुए	قَاسِطُونَ
6274	क़सद किया, रास्ता ढूँढ लिया	تَحَرَّرُوا
6275	ईधन	حَطَبًا
6276	वाफ़िर, छलकता हुआ	عَدَقًا
6277	सख़्त	صَعْدًا
6278	भीड़ लगाकर	لِبَدًا
6279	नहीं पनाह दे सकेगा	لَنْ يُجِيرَ

- 6280 बहुत थोड़े **أَقَلُّ**  
 6281 हिफाज़त का सामान, **رَصَدًا**  
 निगहवान

{ سُورَةُ الْمُرَّمَلِ }  
**कपड़ा लपेटनेवाला**  
**सूर: 73 अल-मि-जुमि**

- 6282 कपड़ा लपेटनेवाला **مُرَّمَلٌ**  
 6283 उठना रात को, **نَاشِئَةً**  
 नींद तोड़कर  
 6284 रौंदना, कुचलना (नफ़स का) **وَطَنًّا**  
 6285 बहुत सीधी बात **أَقْوَمُ قِيَلًا**  
 6286 काम, मशगला, **سَبْحًا**  
 मस्खूफ़ियत  
 6287 कट कर आजाना, मुन्क़ता **تَبْتِيَلًا**  
 होकर आना  
 6288 im. मुहलत दे **مَهْلٌ**  
 6289 बेड़ियाँ **أَنْكَالًا**  
 6290 गले में फंस जानेवाला **ذَا غُصَّةٍ**  
 6291 बिखरी हुई रेत **كَثِيْبًا مَّهِيْلًا**  
 6292 भारी **وَيِيْلًا**  
 6293 बूढ़े **شَيْبًا**  
 6294 फट जानेवाला **مُنْفَطِرٌ**  
 6295 दो तिहाई (2/3) **ثُلْثِي**

- 6296 चलते हैं **يَضْرِبُونَ فِي الْأَرْضِ**  
 ज़मीन पर

{ سُورَةُ الْمُدَّثِّرِ }  
**कपड़ा ओढ़नेवाला**  
**सूर: 74 अल-मुदस़िर**

- 6297 कपड़ा ओढ़नेवाला **مُدَّثِّرٌ**  
 6298 im. खड़ा हो जा **قَمٌ**  
 6299 im. डर सुनाओ, डराओ, **أَنْذِرٌ**  
 खबरदार करो  
 6300 im. बड़ाई बयानकर **كَبْرٌ**  
 6301 गंदगी **رُجْزٌ**  
 6302 im. छोड़े दे, दूर हो जा **أَهْجُرٌ**  
 6303 pv. फूँका जायेगा, **نُقِرٌ**  
 आवाज़ दी जायेगी  
 6304 सूर **نَاقُورٌ**  
 6304a आरास्ता किया मैं **مَهْدَتٌ**  
 6305 आरास्ता करना **تَمَهِيْدًا**  
 6306 चढ़ा दूँगा मैं **أَرْهِقَ**  
 6307 दोज़ख़ का पहाड़, **صَعُوْدًا**  
 बड़ी ऊँची चढ़ाई  
 6308 त्योरी चढ़ाई **عَبَسَ**

6311	xg. झुलस देनेवाली	لَوَّاحَةٌ
6312	उन्नीस (19)	تِسْعَةَ عَشَرَ
6313	रौशन हुई	أَسْفَرَ
6314	गिरफ्तार, बंधा हुआ	رَهِينَةً
6315	हम बहस करते हैं	نَحْوُضُ
6316	बहस करनेवाले	خَائِضِينَ
6317	pl. गधे (sr.: गधा حِمَار)	حُمُرٌ
6318	fg. बिदके हुए (जंगली)	مُسْتَنْفَرَةٌ
6319	fg. फ़रार हुए, भाग गये	فَرَّتْ
6320	शेर	قَسْوَرَةٌ
6321	डरने के लायक, जिस का डर रखना चाहिये	أَهْلُ التَّقْوَى
6322	मग़फ़िरत (माफ़) करने वाला	أَهْلُ الْمَغْفِرَةِ

29th पार: 3/4 ثلاثة ارباع مجزء: تَبَارَكَ الَّذِي

{ سُورَةُ الْقِيَامَةِ }  
**कियामत**  
**सूर: 75 अल-कियामह**

6323	xg. fg. मलामत करनेवाली	لَوَامَةٌ
6323a	उंगलियों के पोर	بَنَانٌ

6324	पत्थरा जायेंगी	بَرَقَ
6325	बेनूर हो जायेगा	خَسَفَ
6326	जगह फ़रार होने की	مَفْرٌ
6327	नहीं जगह पनाह की	لَا وَزَرَ
6328	हीले, बहाने, उज़्र	مَعَاذِيرٌ
6329	fg. बारौनक, ताज़गीवाले	نَاصِرَةٌ
6330	fg. खुशक, सूखा, बेरौनक	بَاسِرَةٌ
6331	fg. कमर तोड़ देनेवाला मज़ामला	فَاقِرَةٌ
6332	हँसली जहाँ जान अटकती है	تَرَاقِيَ
6333	ap. झाड़ फूँक करनेवाला	رَاقٍ
6334	fg. लिपट जायेगी	التَّفَّتْ
6335	पिंडली	سَاقٍ
6336	vn. चलना	مَسَاقٍ
6337	अकड़ता हुआ	يَتَمَطَّى
6338	बड़ी ख़राबी	أُولَى
6339	बेकार	سُدَى
6340	pv. टपकाई जाती है	يُمْنَى
6309	मूँह बनाया	بَسَرَ
6310	pv. नक़ल किया जाता है, होता आरहा है	يُؤْتَرُ

{ سُورَةُ الدَّهْرِ }

जमाना

सूर: 76 अद-दहर

6341	जमाना	دَهْرٌ
6342	pp. ज़िक्र के काबिल, ज़िक्र किया हुआ	مَذْكُورًا
6343	मिला जुला	أَمْشَاحٌ
6344	जंजीरें	سَلْسِلٌ
6345	तौक	أَغْلَالٌ
6346	मिलौनी, आमेशिश (मिलावट)	مِزَاجٌ
6347	फैल जानेवाला, आम	مُسْتَطِيرًا
6348	कैदी	أَسِيرًا
6349	उदासी	عَبُوسًا
6350	सख्त	قَمَطْرِيرًا
6351	खुशी, सुरुर	سُرُورًا
6352	धूप, तपिश (सूर्य की)	شَمْسًا
6353	जाड़े की सख्ती	زَمَهْرِيرًا
6354	झुके हुए, करीब	دَانِيَةً
6355	मेवे (फलों) के गुच्छे	قُطُوفٌ
6356	इख्तियार में, नज़दीक	تَذَلِيلًا
6357	बर्तन	أَنِيَةً
6358	शीशे	قَوَارِيرًا

6359	अन्दाज़ा	تَقْدِيرًا
6360	सोंठ	زَنْجَبِيلًا
6361	जन्नत के एक रवाँ दवाँ चश्मे का नाम	سَلْسِيْلًا
6362	pp. बिखरे हुए	مُنْتَوِرًا
6363	जोड़, बन्द	أَسْرٌ

{ سُورَةُ الْمُرْسَلَاتِ }

भेजी जानेवालियाँ

सूर: 77 अल-मुर्सलात

6364	fg. भेजी जानेवाली	مُرْسَلَاتٌ
6365	नर्मी से, नफ़ा पहुँचाने के लिए	عُرْفًا
6366	ज़ोर से	عَصْفًا
6367	जुदा करना	فَرَقًا
6368	fg. डालनेवाले	مُلْقِيَاتٌ
6369	pv. fg. मिटा दिये जायेंगे	طُمِسَتْ
6370	pv. fg. खोल दिये जायेंगे	فُرِجَتْ
6371	pv. fg. उड़ा दिये जायेंगे	نُسِفَتْ
6372	pv. fg. वक्रत पर लाये जायेंगे	أُقْتَتٌ
6373	pv. fg. मुलतवी रखा गया था, एक वक्रत के लिये मुकर्रर किया गया था	أَجَلَتْ
6374	समेटने वाली	كِفَاثًا

6375	बलन्द, बहुत ऊँचे	شَامِخَاتٌ
6376	प्यास बुझाने वाला, मीठा पानी	فُرَاتًا
6377	im. pl. चले चलो	انْطَلِقُوا
6378	तीन शाखें	ثَلَاثِ شَعَبٍ
6379	नहीं साया (देगा)	لَا ظِلِيلٍ
6380	शोला मारती हुई आग	لَهَبٌ
6381	fg. बरसाती है, फेंकती है	تَرْمِيْ
6382	चिंगारियाँ	شَرَّرٌ
6383	ऊँटों की कतारें	جَمَالَتْ
6384	ज़र्द, पीला रंग	صَفْرٌ

पार: 30

جزء: عم

{ سُورَةُ النَّبَاِ }

ख़बर

सूर: 78 अन-नबा

6385	किस चीज़ की	عَمَّ
6386	नींद	نَوْمٌ
6387	आराम का सबब	سَبَابًا
6388	पर्द:	لِبَاسًا
6389	रौशान	وَهَاجًا
6390	रस भरी बदलियाँ	مُعْصِرَاتٍ
6391	xg. बकस्रत गिरना,	نَجَّاجًا

	बहुत ज़ियाद: गिरना	
6392	गुन्जान, घने	الْفَافَا
6393	रेत	سَرَابًا
6394	घात	مِرْصَادٍ
6395	ठिकाना	مَأْبَا
6396	रहनेवाले	لَبِيثِينَ
6397	वेइन्तिहा, बहुत लम्बा बक़्त	أَحْقَابًا
6398	पीप बहती हुई	عَسَافًا
6399	मवाफ़िक, पूरी	وَفَاقًا
6400	pl. बाग़	حَدَائِقٍ
	(sr.: حَدِيْقَةٌ)	
6401	भरे हुए, छलकते हुए	دِهَاقًا
6402	ठीक, मुनासिब	صَوَابًا

{ سُورَةُ النَّازِعَاتِ }

ज़ोर से खींचनेवालियाँ

सूर: 79 अन-नाज़िआत

6403	ap. ज़ोर से खींचनेवालियाँ	نَازِعَاتٍ
6404	डूबकर, गोता लगाकर	غَرَقًا
6405	बन्द खोल देना	نَشْطًا
6406	तैरना	سَبْحًا
6407	आगे	سَبْقًا
6408	काँपने वाली,	رَاجِفَةً



थरथरा देनेवाली	
6409 fg. पीछे आयेगी	تَتَّبِعُ
6410 fg. पीछे लगी हुई	رَادِفَةٌ
6411 धड़कते हुए	وَأَجْفَةٌ
6412 फेरे जाने वाले	مَرْدُودُونَ
6413 पहली हालत, उलटे पाँव	حَافِرَةٌ
6414 गली हुई, खोखली, बोसीद:	نَخِرَةٌ
6415 मैदान	سَاهِرَةٌ
6416 मोटापा, बलन्दी	سَمَكٌ
6417 ढाँक दिया	أَغْطَشَ
6418 सुबह, धूप ज़ाहिर होना, दिन का इब्तिदाई चढ़ाओ	ضَحَى
6419 बिछा दिया उसको	دَحَاهَا
6420 चरागाह, चार:	مَرْعَى
6421 गाड़ दिया, जमा दिया	أَرَسَى
6422 आफत	طَامَةٌ
6423 किस बात में है तू	فِيمَ أَنْتَ
6424 एक शाम	عَشِيَّةً
6425 उसकी सुबह	ضَحَاهَا

{ سُورَةُ عَبَسَ }  
**त्योरी चढ़ाई**  
**सूर: 80 आबासा**

6426 तू फ़िक्र करता है,	تَصَدَّى
तू तबज्जह करता है	
6427 तू गफलत करता है	تَلَهَّى
6428 हाथ से लिखने वाले	أَيْدِي سَفْرَةٍ
6429 बुजुर्ग, अज़मत वाले	كِرَامٍ
6430 नेको कार	بَرْرَةٍ
6431 pv. मारा गया,	قَتِلَ
क़त्ल किया गया	
6432 कैसा नाशुकरी करता है वह, कयों नाशुकरी करता है	مَا أَكْفَرَهُ
6433 गाड़ दिया	أَقْبَرَ
6434 नहीं पूरा किया	لَمَّا يَفْضُ
6435 डालना (बरसाना)	صَبًّا
6436 फाड़ना	شَقًّا
6437 तरकारी	فَقْصَبًا
6438 घने, गुन्जान	غُلْبًا
6439 घास, चार:	أَبًا
6440 कान फोड़नेवाली	صَاخَّةً
6441 हँसते हुए	ضَاحِكَةً
6442 खन्दाँ, शादाँ, खुश वक़्त	مُسْتَبَشِّرَةً
6442a गुबार, गर्द	غَبْرَةً
6442b सियाही	قَتْرَةً

{ سُورَةُ التَّكْوِيْرِ }

लपेटना

सूर: 81 अत-तकवीर

- 6443 *pv. fg.* लपेट लिया जायगा كَوَّرَتْ
- 6444 *fg.* झड़ पड़ेंगे, اِنكَدَرَتْ  
धुंधले हो जायेंगे
- 6445 दस माह की हैमिला ऊँटनी عِشَارٌ
- 6446 *pv. fg.* छुटी फिरेंगी عَطَلَتْ
- 6447 *pv. fg.* भड़का दिया जायगा سُجِّرَتْ
- 6448 *pv. fg.* जोड़े मिलाये जायेंगे زُوِّجَتْ
- 6449 ज़िन्दा गाड़ी हुई مَوْعُودَةٌ
- 6450 *pv. fg.* खाल उतार  
दी जायगी كَشِطَتْ
- 6451 पीछे रहनेवाले ठिठक कर خُنَسٌ
- 6452 चलनेवाले الْجَوَارِ
- 6453 थम रहनेवाले, छुप जानेवाले كُنَسٌ
- 6454 जाने लगे عَسَعَسَ
- 6455 दम लिया, साँस लिया تَنَفَّسَ
- 6456 मर्तबे वाला مَكِينٌ
- 6457 *pp.* कहा माना जाता है مُطَاعٌ
- 6458 वहाँ ثَمٌّ
- 6459 बखील, लोभी بَضِينٌ

{ سُورَةُ الْاِنْفِطَارِ }

फट जाना

सूर: 82 अल-इन्फितार

- 6460 झड़ जायेंगे اِنشَرَتْ
- 6461 वह पड़ेंगे, चीरे जावेंगे فُجِّرَتْ
- 6462 उखाड़ दी जायगी بُعِثَرَتْ

30th पार:

1/4

ربع جزء: عَمَّ

{ سُورَةُ الْمُطَفِّفِيْنَ }

नाप तोल में कमी करनेवाले

सूर: 83 अल-मुत्फफिनीन

- 6463 नाप तोल में कमी  
करनेवाले الْمُطَفِّفِيْنَ
- 6464 नाप कर लिया उन्होंने اِكْتَالُوا
- 6465 पूरा लेते हैं يَسْتَوْفُونَ
- 6466 नाप कर दिया उन्होंने كَالُوا
- 6467 कम करते हैं,  
नुकसान करते हैं يُخْسِرُونَ
- 6468 *pp.* दर्ज किया हुआ, अंकित مَرْقُومٌ
- 6469 जंग लग गया है, رَانَ
- जंग चढ़ गया है
- 6470 रोक दिये जायेंगे مَخْجُوبُونَ
- 6471 खालिस शराब رَحِيقٌ

6472	pp. मुहर लगी हुई	مَخْتُوْمٌ
6473	मुहर	خِتَامٌ
6474	मिशक, मुश्क	مِسْكٌ
6475	रग़बत करने वाले	مُتَنَافِسُوْنَ
6476	जन्नत के एक चश्मे का नाम	تَسْنِيْمٌ
6477	आंखें मटकाते हैं	يَتَغَامِرُوْنَ
6478	बातें बनाते हैं, दिल्लगी करते हैं	فَكَهِيْنَ
6479	कया?	هَلْ
6480	pv. बदला मिल गया	ثُوبٌ

{ سُورَةُ الْاِنشِاقِ }	
<b>फट जाना</b>	
<b>सूर: 84 अल-इन्शिकाक़</b>	

6481	fg. फट जाएगी	اِنْشَقَّتْ
6482	fg. हुक्म सुनेगी	اَذْنَتْ
6483	fg. लायक़ है	حَقَّتْ
6484	fg. खींचली जाएगी	مُدَّتْ
6485	fg. खाली होजाएगी	تَخَلَّتْ
6486	मेहनत करने वाला	كَادِحٌ
6487	मेहनत करना, कोशिश करना	كَدْحًا
6488	नहीं फिरेगा	لَنْ يَّحُوْرَ

6489	आसमान के किनारे की वह सुर्खी जो सूरज के डूबने के फ़ौरी बाद होती है	شَفَقٌ
6490	इकट्ठा किया, समेट लिया	وَسَقٌ
6491	पुरा हुआ	اَسَقٌ
6492	वह छुपा कर दिल में रखते हैं (vn.: اِيْعَاءٌ)	يُوْعُوْنَ

{ سُورَةُ الْبُرُوْجِ }	
<b>बुर्ज, राशि</b>	
<b>सूर: 85 अल-बुरूज</b>	

6493	ख़न्दक़	اُخْدُوْدٌ
6494	आस पास बैठे थे	قُعُوْدٌ
6495	ap. xg. चाहने वाला	وَدُوْدٌ

{ سُورَةُ الطَّارِقِ }	
<b>रात को आने वाला सितारा</b>	
<b>सूर: 86 अत-तारिक़</b>	

6496	रात को आने वाला सितारा	طَارِقٌ
6497	ap. उछलता हुआ	دَافِقٌ
6498	मर्द के पीठ की हड्डी	صُلْبٌ
6499	सीने की हड्डियाँ	تَرَائِبٌ

- 6500 *pv.* आजमाई जाएगी, **تُبْلَى**  
जाँच की जाएगी
- 6501 भेद की बातें **سَرَائِرُ**
- 6502 बारिश बरसाने वाला, **ذَاتُ الرَّجْعِ**  
चक्कर मारने वाला
- 6503 फट जाने वाली **ذَاتُ الصَّدْعِ**
- 6504 बेफ़ाएदा **هَزْلٌ**
- 6505 थोड़ा **رُوَيْدًا**

{ سُورَةُ الْأَعْلَى }  
**बहुत बलन्द**  
**सूर: 87 अल-अज़ला**

- 6506 चारा **مَرَعَى**
- 6507 सूखी घाँस **غَثَاءٌ**
- 6508 सियाह माइल **أَحْوَى**
- 6509 एक तरफ रहेगा,  
अलग रहेगा, इज्तिनाव करेगा **يَتَجَنَّبُ**
- 6510 बड़ा बदबख़्त **أَشْقَى**
- 6511 दाखिल होगा **يَصْلَى**

{ سُورَةُ الْعَاشِيَةِ }  
**छा जाने वाली**  
**सूर: 88 अल-गाशिय:**

- 6512 *ap. fg.* छा जाने वाली **غَاشِيَةٌ**
- 6513 *ap. fg.* मुसीबत झेलने वाले **نَاصِبَةٌ**

- 6514 *ap. fg.* खौलता हुआ **أَنِيةً**
- 6515 झाड़ झंकार, काँटेदार **ضَرِيْعٌ**
- 6516 नहीं फ़र्वा करेगा,  
जिस्म को ताक़त ना मिलेगी **لَا يُسْمِنُ**
- 6517 *pp. fg.* रखे हुए, मौजूद **مَوْضُوعَةٌ**
- 6518 ग़ालीचे **نَمَارِقُ**
- 6519 *pp. fg.* लाइन से लगे हुए **مَصْفُوفَةٌ**
- 6520 मस्नदें, नफ़ीस बिछोने **زَرَابِيٌّ**
- 6521 *pp. fg.* फैले हुए, बिछाए हुए **مَبْثُوثَةٌ**
- 6522 *pv.* खड़े किए गए **نُصِبَتْ**
- 6523 *pv. fg.* बिछाई गई **سُطِحَتْ**
- 6524 दारोगा **مُصَيِّطِرٌ**
- 6525 आना, लौटना **أَيَابٌ**

30th पार: ½ نصف جزء: عمّ

{ سُورَةُ الْفَجْرِ }  
**फ़जर**  
**सूर: 89 अल-फ़जर**

- 6526 जुप्त जोड़ा (2,4,6,8, ...) **شَفَعٌ**
- 6527 तन्हा, ताक़,  
जो बराबर तक्सीम  
न हों (1,3,5,9, ...) **وَتْرٌ**
- 6528 साहिबे अक़ल **ذِي حِجْرٍ**
- 6529 एक कौम का नाम **إِرَمٌ**

6530	सुतूनों वाले	ذَاتِ الْعِمَادِ
6531	तराशा उन्होंने	جَابُوا
6532	डाल दिया	صَبَّ
6533	कूड़ा	سَوَطٌ
6534	नहीं उभारा तुमने, रखत नहीं दिलाई	لَا تَحَاضُّونَ
6535	मीरास का माल	ثُرَاتٍ
6536	खाना जमकर, समेट कर खाना	أَكْلًا لَمَّا
6537	मुहब्बत करना जमकर, खूब मुहब्बत करना	حُبًّا جَمًّا
6538	pv. लाया जाएगा	جَائِيءٌ
6539	कैद करना, बाँधना	وَتَاقٌ
6540	इत्मिनान वाली	مُطْمَئِنَّةٌ

{ سُورَةُ الْبَلَدِ }  
शहर  
सूर: 90 अल-बलद

6541	जो इहराम से निकल आया, दाखिल होने वाला, उतरने वाला	حِلٌّ
6542	मशक्कत में डाला हुआ	كَبِدٌ
6543	खूब	لُبَدًا
6544	dl. दो होंट	شَفَتَيْنِ
6545	dl. दो राहें	نَجْدَيْنِ

6546	नहीं गुजरा, नहीं बैठा	لَا أَفْتَحَمَ
6547	घाटी	عَقَبَةٌ
6548	छुड़ा देना	فَكُّ
6549	भूका, फ़ाके वाला	ذِي مَسْعَبَةٍ
6550	कराबतदार	ذَامِرَبَّةٌ
6551	खाक आलूद	ذَامِرَبَّةٌ
6552	बंद की हुई, मूंदी हुई	مُؤَصَّدَةٌ

{ سُورَةُ الشَّمْسِ }  
सूरज, सूर्य  
सूर: 91 अश-शम्स

6553	पीछे हुआ उसके	تَلَاهَا
6554	रौशन किया	جَلَّى
6555	बिछा दिया	طَحَى
6556	गाड़ दिया	دَسَّى
6557	पानी पिलाना, और उसकी बारी	سُقَّى
6558	हलाकत डाली	دَمَدَمٌ
6559	पछाड़ी करना, पीछा करना	عُقِيَ

{ سُورَةُ اللَّيْلِ }  
रात  
सूर: 92 अल-लयल

6560	मुखतलिफ़, अलग अलग	شَتَّى
------	-------------------	--------

6561	तंगी	عُسْرَى
6562	बर्बाद होगा, गढ़े में गिरेगा	تَرَدَّى
6563	शोला मारती हुई	تَلَطَّى
6564	बड़ा बदबख्त	أَشْقَى
6565	खूब परहेज़गार, अल्लाह से बहुत ज़ियादा डरने वाला	أَتَقَى

{ سُورَةُ الضُّحَى }  
दिन का चढ़ना  
सूर: 93 अद-दुहा

6566	दिन का चढ़ना, धूप रौशन हो जाना	ضُحَى
6567	करार पकड़े, छा जाए	سَجَى
6568	नहीं छोड़ा	مَا وَدَّعَ
6569	नहीं नाखुश रहा	مَا قَلَى
6570	नादार, तंगदस्त	عَائِلًا
6571	ni. मत सखती कर	لَا تَقْهَرْ
6572	ni. मत झिड़क	لَا تَنْهَرْ
6573	im. बयान कर	حَدَّثَ

{ سُورَةُ الْإِنْشِرَاحِ }  
खोल देना  
सूर: 94 अल-इन्शिराह

6574	उतार दिया हमने	وَضَعْنَا عَنْ
6575	तोड़ दिया	أَنْقَضَ

6576	पीठ तेरी	ظَهْرَكَ
6577	im. मेहनत कर	أَنْصَبُ
6578	im. रगवत कर	أَرْغَبُ

{ سُورَةُ التِّينِ }

अंजीर

सूर: 95 अत-तीन

6579	अंजीर	تِين
6580	तर्कीब, साँचा	تَقْوِيم
6581	बहुत नीचे	أَسْفَلَ
6582	pl. सबसे नीचे	سَافِلِينَ

{ سُورَةُ الْعَلَقِ }

जमा हुआ खून

सूर: 96 अल-अलक

6583	जमा हुआ खून	عَلَقَ
6584	बड़ा करम वाला	الْأَكْرَمَ
6585	लौटना, पलटना, फिर कर जाना	رُجِعَى
6586	हम ज़रूर घसीटेंगे	نَسْفَعَا
6587	पेशानी	نَاصِيَةَ
6588	हम मज्लिस	نَادِي
6589	ढकेलने वाले फ़रिश्ते, रगोदने वाले	زَبَانِيَةَ

{ سُورَةُ الْقَدْرِ }  
क़द्र, मर्तबः, अंदाजा  
सूर: 97 अल-क़द्र

6590 शबे क़द्र, मर्तबे (अंदाजे) لَيْلَةُ الْقَدْرِ  
वाली रात

30th पार:

3/4

ثلاثة ارباع جزء عم

{ سُورَةُ الْبَيِّنَةِ }  
खुली निशानी, दलील  
सूर: 98 अल-बय्यिनः

6591 बाज़ आने वाले مُنْفَكِينَ  
6592 मज़बूत, दुरस्त قِيَمَةً  
6593 बदतरीन मख़लूकُ شَرُّ الْبَرِيَّةِ  
6594 बहतरीन मख़लूकُ خَيْرُ الْبَرِيَّةِ

{ سُورَةُ الزَّلْزَالِ }  
ज़ज़ज़ला, भूंचाल  
सूर: 99 अल-ज़ज़ज़ाल

6595 ज़ज़ज़ला, भूंचाल زَلْزَالٍ  
6596 क्या हुआ उसको ज़मीन को مَالَهَا  
6597 बयान करेगी تُحَدِّثُ  
6598 निकलने लगेगा يَصْدُرُ  
6599 मुतफ़र्रिक, अलग अलग اَشْتَاتًا

{ سُورَةُ الْعَادِيَّاتِ }

दौड़ने वाले घोड  
सूर: 100 अल-आदियात

6600 pl. दौड़ने वाले घोड़े عَادِيَّاتٍ  
6601 vn. हाँप कर صَبَحًا  
6602 आग झाड़ने वाले مُورِيَّاتٍ  
6603 टाप मारना قَدْحًا  
6604 ग़ारतगरी करने वाले مُغِيْرَاتٍ  
6605 pl. fg. उड़ाते हैं اَثْرَنَ  
6606 गर्द व गुबार نَفْعًا  
6607 pl. fg. बीच में घुस जाती है وَسَطْنَ  
6608 नाशुकरा كَنُودٍ  
6609 pv. निकाल लिया जाएगा بُعِثِرَ  
6610 pv. हासिल कर लिया जाएगा حُصِّلَ

{ سُورَةُ الْقَارِعَةِ }

घड़घड़ाहट  
सूर: 101 अल-क़ारिज़ः

6611 ap. fg. घड़घड़ाहट الْقَارِعَةِ  
6612 पतिंगे, पर्वाने فَرَّاشٍ  
6613 pp. परागंदः مَبْثُوثٍ  
6614 pp. धुना हुवा مَنفُوشٍ  
6615 ठिकाना उसका اَمَهُ

(असल अर्थ माँ: ॐ)

6616 दहेक्ती आग **نَارٌ حَامِيَةٌ**

{ سُورَةُ التَّكْوِيْنِ }

कस्तूर

सूर: 102 अत-तकासुर

6617 गाफ़िल कर दिया **أَلْهَى**

6618 कस्तूर **تَكْوِيْنٌ**

6619 देख लिया तुमने, मिलो तुम **زُرْتُمْ**

6620 कब्रें **مَقَابِرٌ**

{ سُورَةُ الْعَصْرِ }

ज़माना, वक़्त, अ़स्

सूर: 103 अल-असर

6621 क़सम वाव कस्मिय्या **وَ**

6622 ज़माना, वक़्त, ढलता **عَصْرٌ**

हुआ दिन

6623 एक दूसरे को वसिय्यत की, **تَوَاصَوْا**

एक दूसरे को नसीहत की

{ سُورَةُ الْهُمَزَةِ }

ऐब लगाने वाला

सूर: 104 अल-हुमज़ह

6624 ऐब लगाने वाला **هُمَزَةٌ**

6625 ताना देने वाला **لُمَزَةٌ**

6626 हमेशा रहेगा **أَخْلَدَ**

6627 *pv.* डाल दिया जाएगा **يُنْبَذَنَّ**

6628 रौंद डालने वाली आग **حُطْمَةٌ**

6629 *pp.* सुलगाई हुई **مُوقَدَةٌ**

6630 *fg.* ख़बर ले डालेगी **تَطَّلَعُ**

6631 दिल **أَفِيدَةٌ**

(*sr.:* **فُؤَادٌ**)

6632 *pp.* लम्बे लम्बे **مُمَدَّدَةٌ**

{ سُورَةُ الْفِيلِ }

हाथी

सूर: 105 अल-फ़ील

6633 हाथी वाले **أَصْحَابُ الْفِيلِ**

6634 हाथी **الْفِيلِ**

6635 सरापा ग़लत **تَضَلَّلَ** (ض ل ل)

6636 झुंड के झुंड परिन्दों के **أَبَائِلٌ**

6637 भूसा **عَصْفٌ**

6638 *pp.* खाया हुआ **مَأْكُولٌ** (ا ك ل)

{ سُورَةُ قُرَيْشٍ }

कुरैश (का कबीला)

सूर: 106 कुरैश

6639 उल्फ़त दिलाना **إِيْلَافٌ**



6640	सफ़र	رِحْلَةٌ (ر ح ل)
6641	जाड़ा	شِتَاءٌ
6642	गर्मी	صَيْفٌ

{ سُورَةُ الْمَاعُونِ }  
थोड़ी सी चीज़  
सूरः 107 अल-माऊन

6643	धक्के देता है	يُدْعُ (د ع ع)
6644	pl. ग़फ़लत बरतने वाले	سَاهُونَ
6645	थोड़ी सी चीज़, रोज़ाना इसतिमाल की छोटी चीज़ें	مَاعُونَ

{ سُورَةُ الْكُوْثِرِ }  
कस्रत  
सूरः 108 अल-कौसर

6646	कस्रत	الْكُوْثِرُ
6647	im. कुर्बानी कर	اِنْحَرُ (ن ح ر)
6648	तेरा दुश्मन	شَانِئَكَ
6649	बेनाम व निशान	اَبْتَرُ

{ سُورَةُ الْكَافِرُوْنَ }  
कुफ़र करने वाले  
सूरः 109 अल-काफ़िरून

6650	नहीं मैं इबादत करता हूँ	لَا اَعْبُدُ
------	-------------------------	--------------

6651	pl. जिसकी तुम	مَا تَعْبُدُوْنَ (ع ب د)
	इबादत करते हो	
6652	जिसकी मैं	مَا اَعْبُدُ (ع ب د)
	इबादत करता हूँ	
6653	pl. जिसकी तुम	مَا عَبَدْتُمْ (ع ب د)
	इबादत करते रहे हो	
6654	ap. इबादत करने वाला	عَابِدٌ

{ سُورَةُ النَّصْرِ }  
मदद  
सूरः 110 अन-नसर

6655	फ़ौज दर फ़ौज	اَفْوَاجًا
6656	im. मग़फ़िरत (माफ़ी)	اسْتَغْفِرُ (غ ف ر)
	की दरखास्त कर	

{ سُورَةُ لَهَبٍ }  
शोला  
सूरः 111 अल-लहब

6657	fg. टूट गये	تَبَّتْ (ت ب ب)
	हलाक हो गये	
6658	हलाक हुआ	تَبَّ (ت ب ب)
6659	नहीं काम आया	مَا اَغْنَى (غ ن ي)
6660	शोला मारती हुई	ذَاتَ لَهَبٍ
6661	fg. उठाने वाली	حَمَالَةٌ (ح م ل)
6662	ईधन, लकड़ियाँ	حَطَبٌ

- 6663 गरदन **جِدِّ**  
6664 खूब बटी हुई **مَسَدًا**

{ سُورَةُ الْإِخْلَاصِ }  
**इख़लास, पवित्रता**  
**सूर: 112 अल-इख़लास**

- 6665 अकेला **أَحَدًا**  
6666 निराधार, जिस को किसी **الصَّمَدُ**  
की ज़रूरत न हो, लेकिन सब  
को उस की ज़रूरत हो  
6667 नहीं जना किसी को **لَمْ يَلِدْ**  
6668 नहीं जना गया **لَمْ يُولَدْ** (ولد)  
6669 बराबरी का **كُفْوًا**

{ سُورَةُ الْفَلَقِ }  
**सुबह**  
**सूर: 113 अल-फ़लक़**

- 6670 मैं पनाह पकड़ता हूँ **أَعُوذُ**  
6671 सुबह, रात के अंधेरे को **فَلَقًا**  
चीरने वाली सुबह  
6672 अंधेरा करने वाली **غَاسِقٍ** (غ س ق)  
6673 छा जाये **وَقَبًا** (و ق ب)  
6674 *fg. pl.* फूंकने **نَفَّاثَاتٍ** (ن ف ث)  
वालियाँ  
(*sr.:* **نَفَّاثَةٌ**)

- 6675 गनडे, गाँठें **عُقَدٍ** (ع ق د)

{ سُورَةُ النَّاسِ }  
**लोग**  
**सूर: 114 अन-नास**

- 6676 बादशाह, राजा **مَلِكٌ**  
(*pl.:* **مُلُوكٌ**)  
6677 छुपने वाला, **الْخَنَاسُ**  
पीछे हटने वाला  
6678 वसवसा **يُوسُوسُ** (و س و س)  
डालता है

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ



## इस किताब के बाद?

इस किताब के बाद (बल्कि इस किताब को आधा पढ़ने के बाद) आप इस्लाम के दूसरे मुख्य भाग, हदीस, को पढ़ना शुरू कर सकते हैं । बहुत सी हदीस की ऐसी किताबों मिलती हैं जिन्में अरबी के साथ साथ हिन्दी में अनुवाद दिया गया है । आप ऐसी किसी किताब से भी पढ़ना शुरू कर सकते हैं । यहाँ तक पहुँचने पर, इन्शाअल्लाह, आपके अन्दर इतनी छमता पैदा हुई होगी कि आप अनुवाद में आये नये शब्दों के अर्थ पहचान सकें ।

وَقُلْ رَبِّ زِدْنِي عِلْمًا

और कहो : ऐ मेरे रब ! मुझे  
ज्ञान (इल्म) में बढ़ा

कुर्आने-करीम को समझने के लिये यह एक बहुत ही  
अच्छी मार्गदर्शक किताब है

आप रोज़ाना सिर्फ 5 मिनट लगायें  
इन्शाल्लाह एक साल के अनदर,  
आप अधिकतर कुर्आन समझने लगेंगे ।

क्या इतनी मेहनत करना नतीजा योग्य नहीं है ??

وَلَقَدْ يَسَّرْنَا الْقُرْآنَ لِلذِّكْرِ فَهَلْ مِنْ مُدَكِّرٍ

और हमने कुर्आन को समझने के लिये आसान कर दिया  
है तो कोई है जो सोचे समझे (अल-कुर्आन 54:22)

इसलिए इस किताब को अपने जीवन का एक हिस्सा  
बनालें । इसको आपनी टेबल पर रखें और रोज़ाना कुछ  
मिनट ज़रूर इसको पढ़ने के लिये निकालें ।